# The Gazette of India rublished by Authority

सं॰ 7] नई विस्लो, शनिवार, फरवरी 18, 1984 (माघ 29, 1905) । No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 18, 1984 (MAGHA 29, 1905

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—चन्द्र 1 [PART III—SECTION 1]

उड़व न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

> संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

सं० ए० 32013/1/80-प्रणा०-11--आध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एनद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी प्रोग्रामरश्री ने०पो० अग्रवाल को वरिष्ठ प्रोग्रामर (ग्रुप "क"--६० 1100-50-1600) के पद पर 16-1-84 (अपराह्न) मे 29-2-1984 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, नदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

श्रीजे०पी० अग्रवाल की वरिष्ठ प्रोग्रामर के रूप में नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ आधार पर है और इसमे उन्हें वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर नियमित नियुक्ति अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> एम० पी० जैन अवर मचिव (प्रणा०) **कृते** अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्लो-110011, दिनांक 24 नवम्बर 1983 सं० ए० 32014/3/83-प्रणा०-III (1)--संघ लांक मेवा आयोग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्र-1--466GI/83 कि 1 पित डा'रा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविध के लिए अथवा आगोमी अदिशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के पद का कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:--

अवधि

सं०			
1. एच० एस० भाटिया	1-11-83 में	आगामी आदेशों	तक
2. एस०सी०जैन	1-11-83 से	आगामी आदेशों	तक
3. कृष् <b>ण कु</b> मरि	7-11-83 F	7 26-11-83	तक
4 जीतराम	14-11-83 ₹	28-12-83	तक
5. एन० एम० एन०	14-11-83 英	28-12-83	तक
भटनाग्र			
6. राम अवतार	14-11-83 स	28-12-83	तक
7. सुदेश कुमार	14-11-83 €	28-12-83	सक

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रणासनिक सुधार विभाग के का० झा० सं० 1 2/1/74—सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की सर्तों के अनुसार ६० 75/— अर्थ मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

# दिनांक 31 अक्तूबर 1983

संग्पी २ 252 - प्रशाश - - संघलोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अवर सचिव श्री आरश्सहाय को राष्ट्रपति द्वारा 31 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म में निवर्तन आयु होने के पश्चात् मरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्थ अनुमति प्रदान की जाती है।

> एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रणा०) संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

# केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

# नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1984

सं० ए० 19035/1/81-प्रणासन-5--अधिसूचना सं० ए-19035/2/82-प्रणासन-5, दिनांक 1 नवम्भर, 1983 के क्रम में निदेणक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री मोहन लाल, अपराध सहायक की नवर्ष आधार पर दिनांक 31 जनवरी, 1984 तक श्री एस० रामामूर्ति, कार्यालय अधीक्षक की अवकाण-रिक्ति के सम्मुख केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय के जोन-III में कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्ति करते हैं।

सं० ए० 19014/1/84-प्रणा०-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री समिरन मुखर्जी, भा० पु० से० (पिष्टिम बंगाल-रा० पु० से०) को दिनांक 18 जनवरी, 1984 के अपराह्म में दिनांक 18 जनवरी, 1987 तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो, विणेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति पर, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> राम स्वरूप नागपाल प्रणासनिक अधिका**री** (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

# महानिदेशालय के० रि०पु० बल

### नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1984

सं० पी० गात-5/83-स्थापना-I---राष्ट्रपति के० रि० पु० बल के निम्नलिखित कमांडेन्टों को प्रवरण कोटि (सेलेक्शन ग्रेड) कमांडेंट के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

इन्होंने उनके नाम के आगे वशर्षि गई तारीख से अपना कार्यभार संभाल लिया है:——

<ul> <li>कम अधिकारी का नाम कार्यभार संभालने सं० की नारीख</li> <li>1 2 3         सर्वश्री         1. सी०पाल सिंह 18-10-1983         2. ए० के० बन्योपाध्याय 18-10-1983         3. पी० वी० सुक्रबाराय 27-10-1983         4. बी० चकाबोरती 17-10-1983         (अपराह्म)         5. सी०एम०पाण्डे 17-10-1983         (अपराह्म)     </li> </ul>
सर्वश्री  1. सी०पान सिंह  2. ए० के० बन्धोपाध्याय  18-10-1983  3. पी०वी० सुरुवाराव  27-10-1983  4. बी० अकाबोरती  (अपराह्म)  5. सी०एम०पाण्डे  17-10-1983  (अपराह्म)
1. सी०पान सिंह 18-10-1983 2. ए० के० बन्धोपाध्याय 18-10-1983 3. पी० वी० सुक्रवाराय 27-10-1983 4. बी० चक्राबोरती 17-10-1983 (अपराह्म) 5. सी० एम० पाण्डे 17-10-1983 (अपराह्म)
2. ए० के० बन्धोपाध्याय 18~10-1983 3. पी० वी० सुक्ष्वाराय 27-10-1983 4. बी० चक्राबोरती 17-10-1983 (अपराह्म) 5. सी० एम० पाण्डे 17-10-1983 (अपराह्म)
3. पी० वी० मुख्बाराव 27-10-1983 4. बी० अकाबोरती 17-10-1983 (अपराह्म) 5. सी० एम० पाण्डे 17-10-1983 (अपराह्म)
3. पी० वी० मुख्बाराव 27-10-1983 4. बी० अकाबोरती 17-10-1983 (अपराह्म) 5. सी० एम० पाण्डे 17-10-1983 (अपराह्म)
4. बी० चकाबोरती 17-10-1983 (अपराह्न) 5. सी० एम० पाण्डे 17-10-1983 (अपराह्न)
(अपराह्म) 5. सी० एम० पाण्डे 17-10-1983 (अपराह्म)
(अपराह्म)
(अपराह्म)
<b>5</b>
<ol> <li>के०एम०माथुर 17-10-1983</li> </ol>
(अपराह्म)
7. आर० सन्थानम 17-10-1983
(अपराह्न)
8. बाई० पी० बक्सी 18-10-1983
9. पी० एन० रामाकृष्तन् 17~10~1983
(अपराह्म)
10. सतीश कुमार महिन्दरू 17-10-1983
(अपराह्म)
11. एम० आर० मलिक 17-10-1983
(अपराह्म)
12. जे॰ एस॰ नेगी 18~10-1983 13. ई॰ एस॰ बखतावर 17~10-1983
13. ई० एस० बखतावर 17~10-1983 (अपराह्म)
14. आर्० एन० सक्सेना 17-10-1983
(अपराह्म)
15. एस०पी० गर्मा 17-10-1983
(अपराह्म)
16. मोहन लाल गुलेरिया 19-10-1983
(अपराह्न)
17. एम० एस० फरुकी 17-10-1983 (अपराह्म)
(अपरात्त्) 18. डी० ऑर० यादव 17-10-1983
(अपराह्म)
19. पी० डी० गुप्ता 18-10-1983
20. ए० के० कथुरिया 17-10-1983
(अपराह्न)
21. डी० के० मुरी 17-10-1983
(अपराह्न)
22. ओ० पी० भट्टा 17-10-1983
(अपरा <b>ह्म</b> )
23. महिन्द्र प्रसाद 17~10-1983 (अपरा <b>क्ष</b> )
(21.04)

1	2	3	1 2	3
सर्वश्र				نسان اسان اسان در بر در در ساند به اسان بهر پر بر بر بر اسان اسان
24. एन०	के० तियारी	17-10-1983	सर्वश्री	10 10 100
_	_	(अपराह्न)	50. आर० एस० नोटयाल	18-10-1983
2.5. वी०	डी० सहगल	17-10-1983	51. आर०एन० राव	17-10-1983
		(अपराह्न)	52. बी० के० करकरा	(अपराह्म)
26. जे०	बासनेट	17-10-1983	52. <b>बा</b> ठकठकरकरा	1 <i>7</i> ~10─1983 (अपरा <b>ह्न</b> )
		(अपराह्न)	53. नरिन्द्रपाल	(अपराक्ष) 18~10-1983
27. एस	एस० गिल	24-10-1983	53. नारफ्रपाण 54. कें०डी०मैनी	18-10-1983
28. एम०	एस० बोपाराय	21-10-1983	54. क्षण्डाण्यम्। 55. पी०एस० कडियन	17-10-1983
29. <b>बी</b> ०	एस० कांग	17-10-1983	उठः सार्यस्य सम्बद्	17-10-1338 (अपरा <b>न्न</b> )
	•	(अपराह्न)	56. आर०एस० यादव	17-10-1983
30. ए०	गद्धा रोग्न	17-10-1983	उठः आर्टर द्रार वायव	17-10 1380 (अपराह्म <b>)</b>
50. <-	-Q1 (1)	(अपराह्म)	57. मुखजिन्द्र सिंह	17-10-1983
• 3.1. के०	एम० मेहरोत्रा	17-10-1983	321-121-16	(अपराह्न)
		(अपराह्न)	58. एम०एम० प्रसाद	4-12-1983
32. आर	० पी० तियारी	17-10-1983	59. आर० सी० पुरी	18-10-1983
-	•	(अपराह्म)	60. एम० एन० गर्मा	18-10-1983
33. एस	के० शंकरण	17-10-1983	61. के० केशवन	18-10-1983
•		(अपराह्न)	62. जगबीर सिंह	27-10-1983
34. पी०	के० मेनन	19-10-1983	63. मोहर सिंह	17-10-1983
3 <b>5.</b> गुरम	ोह्न सिंह	17-10-1983		(अपराह्म)
•	•	(अपराह्म)	64. आर० एस० वोहरा	17-10-1983
36. सी०	पी० सिंह	18-10-1983	•	(अपराह्न)
37. जार्ज	मी० पोडीपारा	27-10-1983	65. एस०एस० सन्ध्	18-10-1983
38. एन	भमसुद्दीन	18-10-1983	66. अमीलाल यादव	18-10-1983
39. एम	० के० मुकर्जी	17-10-1983	67. एन० रामाचन्द्रन	18-10-1983
		(अपराह्न)	68. स्वर्ण सिंह	17-10-1983
40. एम	एम० खान	17-10-1983		(अपराह्म)
		(अपराह्म)	<b>6</b> 9. <b>पी</b> ०जे० सेट्टी	17-10-1983
41. आर	० एस० गिल	17-10-1983	•	(अपरा <b>ह्य)</b>
		(अपरा <b>ह्न</b> )	70. बी० आर० गर्मा	17-10-1983
4.2. स्थल		18-10-1983		(अपराह्न)
43. एस	की० नान	17-10-1983	71. एम०पी० चिटनिस	18-10-1983
	_	(अपराह्न)	72. एस० आर्० यादव	18-10-1983
	० बी० शर्मा	24-12-1983	73. एस०ए०खान	21-10-1983
44. वाई	० एन० कप्रयप	17-10-1983	74. जी० एस० सिध्धू	21-10-1983
	<b>6</b> 1	(अपराह्न)	75. आर०बी०पाठक	20-10-1983
45. मेहत	-	20-10-1983		(अपराह्म)
46. यी०	के० सहगल	17-10-1983	76. ए० एम्० तिवारी	20-10-1983
	Δ. Γ.	(अपराह्म)	77. आर० के० सिंह	20-10-1983
47. इन्द्र	ात ।सह	17-10-1983	78. जे०बी०एस०बेन्स	19-10-1983
		(अपराह्न)	•	(अपराह्म)
18. आर	० आ र० भंटी	17-10-1983	79. जी० एस० रनधावा	20-10-1983
	<del>C</del>	(अपराह्न)	80 एस०ए० मिश्रा	20-10-1983
49. मुख=	रण ।सष्ट	17-10-1983	81. जी० जी० ए० शर्मा	20-10-1983
		(अपराह्न)	82. आर० जगदीश चन्द्रन	20-10-1983

1 2	3
83. एम० एस० मुलतानी	20-10-1983
84. एस० सी० कुकरेजा	20-10-1983
85. नन्द लाल	20-10-1983
86. जे० एस० ढिल्लों	20–10-1983 (अपराह्म)
87. जे०एन० माथुर	20-10-1983
88. बी० एस० यादव	20-10-1983 (अपराह्न)

# दिनांक 23 जनवरी 1984

सं० ओ० दो० 1774/83—स्थापना— महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर सुरेन्द्र कुमार परिमल को 28 नवस्वर 1983 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्वपुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी केपद पर तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

> ए० के० सूरी, सहायक निदेशक (स्थापना)

#### वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1984

सं० 8 वि० आ० 2(32) -ए/82---वनस्पति रक्षा, संगरोध और संचयन निदेशालय, एन० एच० IV, फरीदाबाद (हरियाणा) से स्थानान्तरण होने पर कृषि एवं सहकारिता विभाग संवर्ष के अनुभाग अधिकारी, श्री चमन लाल को आठवें वित्त आयोग में 13 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से अगला आदेश होने तक 650-1200 ६० के वेतनमान में अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

तरलोक चन्द नन्दा, प्रणासन एवं लेखा अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1984

सं० प्रशासन-III/2(1)/VIII/63---निदंशक लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य एयम् विविध, नई दिल्ली, निम्न-लिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के सामने दर्शाया गई निश्वि से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 हपयों के वेतनमान में अर्नान्तम आधार पर अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने का आदेश देते हैं:--

सं० नाम	पदोन्नत होने की तिथि
सर्वश्री	روحه المستدرية ليبيغ هذا ( + - <del>  1 </del>
1. एन० के० सिन्हा	1-6-1983
2: के० के० सहगल	16-5-1983
3. एम०पी० गुप्ता	16-5-1983
4. एस० पी० त्यागी	13-7-1983
5. ए०के० मित्रा	22-7-1983
6. <mark>आर० गंगाधरन</mark>	24-8-1983
7. आर०एल० कौल	26-9-1983
8. जे०ङी० कपूर	17-11-1983
9. के० के० श्रीवास्तव	19-11-1983

ए० के० पटनायक, उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०)

महालेखाकार का कायलिय, आंध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1984

मैं० प्रणा० 1/8-132/83-84/36--श्री के० सुक्रमण्यम-1 लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय आध्र प्रदेश 31-12-1983 (अ) से सरकारी सेवाओं से निवृत्त हुए।

> ह० अप<mark>ठनीय</mark> वरिष्ठ उपमहालेखाकार, प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार-1, बिहार रांची, दिनांक 21 जनवरी 1984

सं० का० आ० प्र० II-1424---महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सिच्चिदानंद प्रसाद नं०-1 को अपने कार्यालय में दिनांक 30-11-1983 के पूर्वाह्म से अगला आवेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

संव काव आव प्रव-II-1425--महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जनार्दन प्रसाद नंव II को अपने कार्यालय में दिनांक 27-12-1983 के पूर्वाह्म से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

## दिनांक 25 जनवरी 1984

सं० का० आ-प्र०-II-1423--महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री निर्मयल विश्वास को अपने कार्यालय में दिनांक 22-11-1983 के पूर्वाह्म से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

मं० का० आ०प्र०-II-1426-महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री निरंजन दास को अपने कार्यालय में दिनांक 30-12-1983 के पूर्वाह्म से अगरा आदेश होने तक स्थानाप्र लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ह० श्रपठनीय वरीय उप-महालेखाकार (प्र०) बिहार

# महालेबाहार कार्यालय-1, महाराष्ट्र

#### बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1984

सं० प्रशा०-1/सामान्य/31-खण्ड-III/सी-1 (1)/18---महालेखाकार-1, महाराष्ट्र, बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्न-लिखित सदस्यों की उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ठ किए गए दिनांक से आगामी आवेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधि-कारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक नाम	दिनांक
1. श्री एस० डी० सुग्रमण्यन	6-12-1983 (पूर्वाझ)
2. श्री के० एस० महादेवन	30-12-1983
3. श्रीदी० के० टिलक	(पूर्वाह्न) 31-12-1983
	(पूर्वाह्म)

#### दिनांक 20 जनवरी 1984

सं प्रशासन-1/सामान्य/31-खण्ड-III/सी-1 (1)/20--महालेखाकार (1) महाराष्ट्र, बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के संदस्य श्री एम० एस० गायतोंडे को दिनांक 11-1-1984 अपराह्म से आगामी आदेण तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधि-कारी नियुक्त करते हैं।

> सौ० रा० रामनारायणन्, व०उप०महालेखाकार/प्रशासन

#### रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 19 जनवरी 1984

संव प्रणाव/I/1174/1/II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्निखित अधिकारियों को, उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड (हपए 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के निए, उनके नामों के समक्ष

वर्णाई गई तारीकों से, आगामी अविण पयन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

——————————————————————————————————————			
ऋ० नाम	तारीख		
सं०			
1. श्रीनन्द किशोर	16-12-1983		
2. श्री राजेग कुमार सिंघल	28-12-1983		
3. श्री संजय मुखर्जी	15-12-1983		
4. श्री अभिजित बसु	30-12-1983		
5. श्रीमती राधा ए० नंजनाथ	26-12-1983		

सं० प्रणा०/1/1174/1/11—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा छेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों (जो अपने नामों के समक्ष लिखी गई प्रति नियुक्तियों पर हैं) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड (रुपए 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के समक्ष वर्णाई गई तारीखों से, आगामी आदेण पर्यन्त, 'अनुक्रम नियम के अक्षीन' सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

 श्रीमती सी० आर० 15-12-83 वित्तीय, सहायक विजयलक्ष्मीगुप्ता सलाहकार, महा-निवेशालय नौ सेनापरि-योजना, बम्बई ।

2. श्री जयरामन् 26-12-83 मुख्य वित्त एवं लेखा नटराजन अधिकारी, रक्षा अनु-संधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैदरा-बाद।

सं० प्रणा०/I/1174/1/II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखिन अधिकारियों (जो अपने नामों के समक्ष लिखी गई प्रतिनियुक्तियों पर हैं) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेंड (रुपए 1500—60—1800—100—2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से छ: महीने की अवधि के लिए, 'अनुक्रम नियम के अधीन' सहर्ष नियुवत करते हैं:——

1. श्री गुरु प्रसाद 28-12-83 अवर सचिव, रक्षा मोहन्ती मंत्रालय, नई दिल्ली।

महानिदेशालय, आ-काणवाणी नई दिल्ली (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय)

वी० एस० जफा, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक रक्षा मंत्रालय

# भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरियां सेवा आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड,

कनकत्ता-16, दिनांक 25 जनवरी 1984

मं० 2/84/जो--राष्ट्रपति महोवय डा० नगेन्द्र चन्द्र माजाकार स्थायी सहायक निवेशक स्वास्थ्य सेवाएं को, विनाक 29 विसम्बर, 1983 से उप-निवेशक स्वास्थ्य सेवाएं के पद पर सदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

> वी० के० महता, निदेशक/स्थापना

#### वाणि अय मंद्रालय

मुख्य नियंतक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1984 आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं 1/16/83-प्रशासन (राज )/1010--राष्ट्रपति श्री ए० के० सेनगुप्त (के० स० से० वर्ग 1) को मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 1 अक्तूबर, 1983 से 1 नवम्बर 1983 तक की दो महीने की और अवधि के लिए स्थानापन्न कृप से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 25 जनवरी 1984

सं 14(8)/83-प्रणा० (राज०)/891--सेवा निवृत्ति की आयुहोने पूर, इस कार्यालय में लंयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियात, श्री ए० के० सेनगुष्त 30 नवम्बर, 1983 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

# दिनांक 27 जनवरी 1984

सं० 6/1143/76-प्रणा० (राज०)/885---सेवा निवृत्ति की आयु होने पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बंगलौर में श्री एन० के० गंगाधरन, नियंत्रक, आयात-निर्यात को 30 नवम्बर, 1983 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

> रांकर चन्द, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

#### वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 27 जनवरी 1984

सं० ६० एस० टी० 1-2(571)/501--वस्त्र आयुक्त, अहमदाबाद के प्रादेशिक कार्यालय के श्री एन० एन० गौतम, उप-निदेशक, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी करते हुए दिनांक 31-12-83 को अपराह्म से सेवानिवृत्त हो गए।

> एस० राममूर्ति, वस्त्र आयुक्त

#### उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघुउद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1984

सं० ए० 12018/1/83-प्रणा० (जी)--राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्छद 309 के परन्तुक क्षारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, लघु उद्योग विकास संगठन (समूह "क" और समूह "ख") (राजपत्तित पद) भर्ती नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात:---

- (1) इन नियमों का संक्षित नाम लघु उद्योग विकास संगठन (समूह "क" और समूह "ख") (अराजपित्तस पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1983 है।
  - (2) येराजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्र**बृतः** होंगे।
- 2. लघु उद्योग विकास संगठन (समूह "क") और समूह "ख") (राजपन्नित पव) भर्ती नियम, 1962 को (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) अनुसूची 2 में,——
  - (1) "(क) यांत्रिक इंजीनियरी अनुभाग" शीर्षक के नीचे---
  - (अ) औद्योगिक सहाहकार (सहायक उद्योग विभाग) के पद से संबंधित मद 1 के सामने:---
    - (क) स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविद्धि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात:—— "50 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।":
    - (ख) स्तम्भ 10 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्निखित रखा जाएगा, अर्थात्:—— "प्रोप्तित द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रति-नियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। प्रतिनियुक्ति की अविधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर—बाह्य पद पर प्रति-नियुक्ति की अविधि हैं, साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।":
  - (आ) औद्योगिक सलाहकार (आधुनिकीकरण) के पद से संबंधित मद 2 के सामने,--

- (क) स्तंम्भ 6 में, विश्वमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नित्यित रखा जाएगा, अर्थात:—— "50 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों या अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक गिथिल की जा सकती है)।":
- (ख) स्तंभ 20 में विद्यमान प्रविध्ि के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा, अर्थान :---"प्रोप्तित द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रति-नियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भनीं द्वारा। प्रति-नियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गन उसी संगठन/ विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारिन किसी अन्य काडर--बाह्म पद पर प्रति-नियुक्ति की अवधि है साधारणस्या 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।":
- (६) निदेशक (श्रेणी-1) (यांत्रिक) के पद से संबंधित सद 3 के सामने, स्तम्भ 6 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएंगा, अर्थात् :--"45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक मिथिल की जो सकती हैं)।":
- (ई) निदेशक (श्रेणी 2) (यातिक) के पद से संबंधित सद 4 के सामने, स्तंम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---"45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी मेयकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।":
- (उ) उप-निदेशक के पद से संबंधित मद 5 के सामने, स्तंभ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित रखा जाएगा, अंथति :--
  - "40 वर्ष और उसमें कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जासकती है)।":
- (क) सहायक निदेशक (श्रेणी 1) के पद से संबंधित मद 6 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखिन रखा जाएगा, अर्थात :——
  - "35 वर्ष और उसमे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक णिथिल की जा सकती है)।":
- (ए) सहायक निवेशक (श्रेणी 2) के पद से संबंधित मद
   7 के सामने स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविद्धि के स्थान पर तिम्त्रिखित रखा जाएगा, अर्थात :---

- "35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार हारा जारी किए गए अनुदेशों या आवेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।":
- (ii) (ख) ''विद्युत इंजीनियरी अनुभाग'' णीर्षक के नीचे:--
  - (अ) निदेशक (श्रेणी 1) (विद्युत) के पद में सम्बन्धित मंद 8 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्त-लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---"45 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की
  - (आ) निवेशक (श्रेणी 2) (विद्युत) के पद से सम्बन्धित मद 9 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित रखा आएगा, अर्थात् :---

जा सकती है)।":

- "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है) ।"
- (इ) उप निदेशक के पद से सम्बन्धित मद 10 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:——
  - "40 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी मेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथल की जा सकती है)।":
- (ई) सहायक निवेशक (श्रेणी 1) के पद से सम्बश्वित पद 11 के सामने स्तम्भ 6 में,
  विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :--
  - "35 वर्ष और उसमें कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है) ।":
- (उ) सहायक निदेशक (श्रेणी 2) के पद से सम्बन्धित पद 12 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---
  - "35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों

के अनुसार संरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष सक शिथिस की जा सकती है। ।":

ार्थ **महिरदा** भी तथा है। है है है है है के स्वित्त है है

- ( ) "(ग) धातुकर्म ,अनुभाग" शीर्षक के नीचे :---
  - (अ) निदेशक (श्रेणी 1) (धातुकर्म) के पद में सम्बन्धित मद 13 के सामने, स्तस्म 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्त-लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :--

"45 वर्ष (केन्द्रीय सरकारद्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आधेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।":

- (आ) निदेणक (श्रेणी 2) (धातुकर्म) के पद में सम्बन्धित मद 14 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थातु:---
  - "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वार। जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।":
- (इ) उप निदेशक के पद से सम्बन्धित मद 15 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्तलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"40 वर्ष और उसमे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।":

- (ई) सहायक निदेणक (श्रेणी 1) के पद से सम्बन्धित मद 16 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्तलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—
  - "35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।":
- (उ) सहायक निदेशक (श्रेणी 2) के पद में सम्बन्धित मद 17 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"35 वर्ष और उसमें कम (केन्द्रीय सरकार हारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।":

- (iv) "(ष) हौजरी अनुभाग" शीर्षक के नीचे:--
  - (अ) निदेशक (श्रेणी 1) (हौजरी) के पव में सम्बन्धित मद 18 के सामने, स्त्रम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात :—

"45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुवेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।":

- (आ) उप निवेशक के पद से सम्बन्धित मद 19 के सामने स्तम्भ 6 में, विश्वमान प्रविद्धि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---
  - "40 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।":
- (v) (इ) "मिविल इंजीनियरी विभाग" शीर्षंक के नीचे :--
  - (अ) सहायक निदेशक (श्रेणी 1) (सिविल इंजीनियरी) के पद से सम्बन्धित मद 20 के सामने स्तम्भ 10 में, विश्वमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :--

"प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानानन्तरण द्वारा । प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन /विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी ग्रन्य काडर-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणस्या 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी ।":

- (आ) औद्योगिक सलाहकार (इलेक्ट्रानिक) के पद से सम्बन्धित मद 21 के सामने :---
- (क) स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—
  "50 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं)।":
  - (ख) स्तम्भ 10 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखिन रखा जाएगा, अर्थात् :—

"प्रोन्निति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती - A - <del>Maring Maring The Maring</del>

- (इ) निदेशक (श्रेणी 1) (इलेक्ट्रानिक) के पद से सम्बन्धित मद 22 के सामने स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविद्धित के स्थान पर निम्न- लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-
  "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुवेशों या आवेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है) ।";
- (ई) उप निवेशक (इलेक्ट्रानिक) के पद से सम्ब-िन्धत मद 23 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---"40 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक गिथिल की जा सकती हैं)।";
  - (उ) महायक निदेशक (श्रेणी 1) (इलेक्ट्रानिक) के पद से सम्बन्धित मद 24 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :——

    "35 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं।";
- 3. उक्त नियमों की अनुसूची 3 में:--
- $(\mathbf{I})^{"}(\mathbf{w})$  रसायन अनुभाग" शीर्ष के नीचे :---
  - (अ) औद्योगिक सलाहकार (रसायन) के पद से सम्बन्धित मद । के सामने :----
  - (क) स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---"50 वर्ष (केन्द्रीय संग्कार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेणों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।";
  - (ख) स्तम्भ 10 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---"प्रोप्तित द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानानान्रण द्वारा और दोनों के नहीं सकने पर सीधी भर्ती

द्वारा । प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/बिभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी ग्रन्य काडर-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारण-लया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।";

we also a series the state of a graph later of the graph and

- (आ) निवेशक (श्रेणी 1) (रसायन) के पद से सम्बन्धित मद 2 के सामने, स्तम्भ 6 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :--
  "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए
  - "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।";
- (इ) निदेशक (श्रेणी 2) (रसायन) के पद से सम्बन्धित मद 3 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :--
  "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आवेशों के अनुसार सरकारी सेकनों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।";
- (ई) उप विदेशक के पद से सम्बन्धित मद 4 के सामने स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नतिखित रखा जाएग अर्थात् :---
  - "40 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवक़ों के लिए 5 वर्ष सक शिथिल की जा सकती है)।";
- (उ) सहायक निदेशक (श्रेणी 1) के पद से सम्बन्धित मद 5 के सामने, स्तम्भ 6 में, विधमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :---
  - "35 वर्ष और उससे कम .(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों और आदेशों के अनुसार सरकारी सेव्रकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।";
- (ऊ) सहायक निदेशक (श्रेणी 2) के पद से सम्बन्धित मद 6 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—
  - "35 वर्ष और उसमें कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुवेगों या आदेगों के अनुसार सरकारी सेघकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं )।";

3 58 2

- ्(II) "(ख) चमड़ा/जूता अनुभाग" श्रीर्षक के नीचे :~~
  - (अ) निदेशक (श्रेर्णा-1) (ञम्बा/कृत) के पद से सम्बन्धित भद 7 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्तर्लिखित एखा जाएगा, अर्थान् :---"45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष नक शिथिल की जा सकती हैं)।";
  - (आ) निदेशकः (श्रेणी-1) (चमड़ा/जुना) **"**द से सम्बन्धित मद 8 के सामने, स्तम्भ 6 में, बिद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखि रखा जाएगा, अर्थान् :--"45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुवेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तिक शिथिल की जा सकती हैं )।";
  - (इ) उप निदेशक के पद से सम्बन्धित मद 9 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---
    - "40 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं)।";
  - सम्बन्धित मद 10 के सामने, 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् — "35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं)।";
  - (उ) सहायक निदेशक (श्रेणी-2) के पद से सम्बन्धित मद 11 के सामने स्तम्भ 6 में विधमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा , अर्थात् :----"35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।";
- (III) "(ग) कांच/मृनिका णिल्प अनुभाग" मीर्घक के नीचे :−
  - (अ) निदेशक (श्रेणी 1) (कांच/मृनिका मिल्प) के पद से सम्बन्धित मद 12 के सामने.

- स्तम्भ 6 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अथित् :--"45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी मेबकों के लिए 5 वर्ष तक णिथिल की जा सकती है)।";
- (आ) निदेशक (श्रेणी 2) (कांच/मृत्तिका शिल्प) के पद से सम्बन्धित मद 13 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---"45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गएं अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।";
- (इ) उप निदेशक के पद से सम्बन्धित मद 14 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---
  - "40 वर्ष ग्रीर उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।";
- (ई) सहायक निदेशक (श्रेणी 1) के पद से सम्बन्धित मद 15 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात :---
  - "35 वर्ष श्रीर उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )"।;
- (उ) सहायक निदेशक (श्रेणी 2) के पद से सम्बन्धित मद 16 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---"35 वर्ष ग्रीर उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।";
- $(I^{V})$  "(घ) धातु परिष्कर्ण अनुभाग" शीर्षक नीचे :---
  - (अ) उप निदेशक के पद से सम्बन्धित मद 17 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---
    - "40 वर्ष श्रीर उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों

के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक गिथिल की जा सकती है)।";

- (आ) सहायक निदेशक (श्रेणी 1) के पद से सम्बन्धित मद 18 के सामने स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित रखा जाएगा, अर्थात्:--
  - "35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।";
- (इ) सहायक निदेशक (श्रेणी 2) के पद से सम्बन्धित मद 19 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

  "35 वर्ष ग्रीर उससे कम (केन्द्रीय सरकार के द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष

तक शिथिल की जा सकती है )।";

- (V) "(इट) खाद्य उद्योग अनुभाग" शीर्षक के नीचे :—
  - (अ) निदेशक (श्रेणी 2) (खाद्य उद्योग) के पद से सम्बन्धित मद 20 के सामने; स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

    "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी
    - "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)"।;
  - (आ) उप निदेशक (खाद्य उद्योग) के पद से सम्बन्धित मद 21 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न- लिखित रखा जाएगा, अर्थात :---
    - "40 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।";
  - (इ) उप निदेशक (पैकेजिंग) के पद से सम्ब-न्धित मद 22 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—
    - "40 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी मेथकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।";

- (ई) सहायक निदेशक (श्रेणी 1) (खाध उद्योग) श्रीर सहायक निदेशक (श्रेणी 1) (फल परिरक्षण) के पद से सम्बन्धित मद 23 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्ट के स्थान पर निम्नलिखिस रखा जाएगा, अर्थात :—
  - "35 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा उकती है )।";
- (उ) सहायक . निदेशक (श्रेणी 2) (फल परिरक्षण से सम्बन्धित मद 24 के सामने स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात :—
  - "35 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुवेशों या आवेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है )।";
- (VI) (च) ''लैंस घिसाई अनुभाग'' शीर्षक के नीचे, सहायक निर्देशक (श्रेणीं ने1) के पद से संबंधित मद 25 के सामने स्तम्भ-6 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित रखा जाएगा अर्थात्:—-

"35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं"।)

4. उक्त नियमों की अनुसूची 4 में सहायक निदेशक (श्रेणी-2) के पद से संबंधित मद-1 के सामने, स्तम्भ-6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—

- "35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी कियेगए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।"
  - 5 उक्त नियमों की अनुसूची 5 में----
  - (अ) निदेशक (श्रेणी-1) के पद से संबंधित [मद-1 के सामने स्तम्भ 6. में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्ः—
  - "45 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी। किये गये अनुदेशों या ग्रादेशों के अनुसार सरकारी से सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की गा सकती है)।"

- (श्रा) उप निदेशक के पव से संबंधित मद-2 के सामने, स्तम्भ-6 में, विश्वमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात ।
- "40 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।"
- (इ) सहायक निदेशक (श्रेणी-1) के पद से संबंधित मद-3 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थातु:--
- "35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)
- (ई) सहायक निदेशक (श्रेणी-2) के पद से संबंधित मद-4 के सामने, स्तम्भ 6 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:--
- "35 वर्ष और उससे कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आवेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।"
- 6. उक्त नियमों की अनुसूची-6 में,
- (अ) निदेशक (श्रेणी—1) के पद से संबंधित मद-1 के सामने, स्तम्भ -10 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:---
- "66 है प्रतिगत प्रतिनियुक्ति द्वारा और 33 है प्रतिगत या कम से कम एक पद प्रोन्नति द्वारा। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।"
- (आ) निदेशक (श्रेणी-2) (साधारण प्रशासनिक प्रभाग) पद से सबंधित मद 2 के सामने, स्तम्भ-10 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थातु:—
- "प्रोप्तित द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा। प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति सं ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।"
- (इ) उप निर्देणक के पद से संबंधित मद 3 के सामने स्तम्भ-10 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्तलिखित एखा आधेगा, अर्थातु:---

- (i) 50 प्रतिशत प्रोम्नित द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा : और
- (ii) 50 प्रतिणत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्यपद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारण-तया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।"
- (ई) सहायक निदेशक (श्रेणी-1) (सा० प्र० प्र०) के पद से संबंधित मद-4 के सामने, स्तम्भ-10 में, विश्वमान प्रविष्टि केस्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—
  - "प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा। प्रतिनियुक्ति की अर्वाध, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/ विभाग में इस नियुक्ति के ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।"
- (उ) सहायक निदेशक (श्रेणी—2) (सा० प्र० प्र०) के पद से संबंधित मद─5 के सामने, स्तम्भ—10 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थातुः—-
  - 'प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठत विभाग म में इस नियुक्ति के ठीक पहले धारित किसी अन्य कांडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी"
- 7. उक्त नियमों की अनुसूची 7 में,---
- (अ) औद्योगिक डिजाइन कार के पद से संबंधित मद 1 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नार्लाखत रखा जायेगा, अर्थातु:—
  - "50 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं) ।"
- (आ) सहायक औद्योगिक डिजाइनकार के पद से संबंधित मद 2 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखिन रखा जायेगा, अर्थातु:---
  - "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जार) किये गये अनुदेशों या आर्देशों के अनुसार सरकारी

सेंबकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा संकती है)।''

8. उक्त नियमों की अनुमूची 8 में --

- (अ) सहायक सम्पादक (अंग्रेजी के पद से संबंधित मद 1 के सामने, स्तम्भ 6 में, विश्वमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्निलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:——
  - "35 वर्ष और उसने कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक णियल की जा सकती है)।"
- (आ) सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद से सम्बन्धित मद 2 के सामने, स्नम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्निलिखित रखा जायेगा, अर्थात्ः— "35 वर्ष और उसमें कम (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या श्रादेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।";
- 9. उक्त नियमों की अनुसूची में:---
- (अ) निदेशक (श्रेणी-1) के पद से सम्बन्धित मद
  1 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्ः—

  "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये

  अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी

  संवकों के लिये 5 वर्ष नक शिथिल की

  जा सकती है)।";
- (आ) उप निर्देणक के पद में मंबंधित मद 2 के सामने, स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थातः—
  - "40 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।";
- 10 उन्त नियमों की अनुसूची 10 में, निदेशक (श्रेणी
   1) इंजीनियर उद्यम कर्ता सहायता प्रभाग के पद से संबंधित मद 1 के सामने—
  - (क) स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—
    - "45 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 5 वर्ष तक णिथिल की जा सकती है) ।";
  - (ख) स्तम्भ 10 में, विद्यमान प्रविध्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अथितु:---

"प्रतिनियुक्ति पेर स्थानाक्तरण द्वारा जिसकै न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा । प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/ विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।";

टिप्पण—लघु उद्योग विकास संगठन [समूह "क" और समूह "ख" (राजपित्रत)] पद भर्ती नियम, 1962 का निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया था:—

- (क) सांव्यावनिव 69 तारीख 5-11-1963
- (खा) साठ काठ निठ 1911 तारीखा 4-12-1963
- (ग) सा० क। ० नि० 760 तारीख 10-5-1965
- (घ) सा० का० नि तारीख 27-8-1965
- (क) सा०का० नि० ता**रीख** 11-10-1965
- (च) सा० का० नि० नारीख 8-6-1966
- (ज) सा० का० नि० तारीख 3-10-1967
- (भा) सा० का० नि० तारीख 16-12-1967
- (ङा) सा**० का० नि०** तारीख 22-11-1975
- (ठ) सा० का० नि० तारी**ख** 5-9-1977
- (**ड**) सा० का० नि० तारी**ख** 6-1-1978
- (ण) सा०का०नि० —

राधा रमण फौजदार, उप निवेशंक (प्रशासन)

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6) नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जनवरी 1984

सं० ए० 6/247/287——िनरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में (भारतीय निरीक्षण मेवा के ग्रेड III ग्रुप "ए" अभियांत्रिकी गाखा के) स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) तथा स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) तथा स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) श्री के० एन० गांगुली, वार्धक्यवय प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म में सरकारी

#### दिनांक 21 जनवरी 1984

सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० प्र०-8/247(449)/63--राष्ट्रपति, सहायक निरी-क्षण अधिकारी (अभियोजिकी) श्री वीरेंग्वर प्रसाद को 30 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म से छः महीने की अवधि के सिये तदर्थ आधार पर (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड III ग्रुप "ए" अभियांतिकी शाखा के) सहायक निदेशक निरीक्षण (अभियांतिकी) नियुक्त करते हैं।

श्री वीरेश्वर प्रसाद को तदर्थ नियुक्ति से उनकी नियमित नियुक्ति के लिये दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता, पदोन्नति तथा स्थायीकरण की पातता के लिये गिनी नहीं जाएगी।

श्री वीरेश्वर प्रशाद ने दिनांक 30-12-1983 के (अपराह्म) से उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 30 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म को म० नि० पु० नि० के मुख्यालय, नई दिल्ली में सहायक निरीक्षण के पद का कार्यभार संभान लिया है।

#### विनांक 24 जनवरी 1984

सं० प्र०-6/247(434)/63-II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) श्री जे० के० गुप्ता को 31 दिसम्बर, 1983 के पूर्वीह्म से छः महीने की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड III ग्रुप ए० अभियांतिकी भाषा) सहायक निरीक्षण (अभियांतिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री जे० के० गुप्ता की तदर्थ नियुक्ति से उनको नियमित नियुक्ति का दाबा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता पवोन्नति तथा स्थाईकरण की पान्नता के लिये गिनी नहीं जायेगी।

श्री गुप्ता ने दिनांक 31-12-83 के पूर्वाह्म से उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई विल्लो के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा उसी तारीख से म० नि० पु० नि० के मुख्यालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक निरीक्षण के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० प्र०-6/247(556)/I—राष्ट्रपति, सहायक निरी-क्षण अधिकारी (अभि०) श्री डी० एस० नरेश को 30 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म से छः महीने की अवधि के लिये तद्वर्थ आधार पर (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड III ग्रुप अभियांतिकी णाखा) सहायक निरेशक निरीक्षण अभि-यांतिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री डी० एस० नरेण की तदर्थ नियुक्ति से उनको नियमिन नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में बरीगता पवोभिति तथा स्थाईकरण की पावता के लिये गिनी नहीं जायेगी)।

श्री नरेश ने इस्पात विभाग, इस्पात और खान मंत्रालय, नई दिल्ली, (के कार्यालय) में प्रतिनियुक्ति के पदावनत होने पर दिनांक 30-12-83 के अपराह्म से मं नि० पु० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक निरीक्षण (अभि०) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० एल० कपूर, उप निवेशक (प्रशासन)

#### (प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, विनांक 30 जनवरी 1984

सं० प्र-1/1(1193)---राष्ट्रपति, इस महानिदेशालय में सहायक निदेशक (सांख्यिकी) (भारतीय सांख्यिक सेवा के ग्रेड-4) श्री जितन्द्र कुमार को दिनांक 21 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से इस महानिदेशालय में उपनिदेशक (सांख्यिकी) भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-III) के पद पर नियुक्त करते हैं। उनकी नियुक्ति उपनिदेशक (सांख्यिकी) श्री डी॰ एस॰ फालके के स्थान पर की गई है, जो दिनांक 31-12-1983 के (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

2. श्री जितिन्द्र कुमार ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशा-लय, नई दिल्ली में दिनांक 21-1-84 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (सांख्यिकी) (भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-4) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा उपनिदेशक (सांख्यिकी) (भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-3) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> एस० बालासुब्रमणियन, उप निदेशक (प्रशासन)

# इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

# भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकसा-700016, दिनांक 20 जनवरी 1984

सं० 457 बी/ए-19012(1-कें० बी० आर०)/82-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विरष्ट तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री कें० बाबू राव, की सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40 1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न अमता में, आगामी आदेश होने तक 12 दिसम्बर, 1983 के पूर्वाह्न से पटोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक) कते महानिवेशक

# भारतीय खान ब्युरो

# नागपुर,दिनांक 24 जनवरी 1984

मं० ए--19011 (325) / 83-स्था० ए०--राष्ट्रपति, संघ लोक मेवा आयोग की सिफारिश पर डा० एम० पी० वासरकर, रसायनज्ञ (कनिष्ठ), मध्य प्रवेश, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण नागपुर को भारतीय खान ब्य्रो में घरिष्ठ रसायनज्ञ के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 9 जनवरी 1984 के पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> आशाराम कण्यप वरिष्ठ प्रणासन अधिकारी **कृते** महानियन्त्रक

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग

# देहरादून-248001,दिनांक 27 जनधरी 1984

सं० स्था० 1-6043/594-मैनेजर्स--श्री रिवन्द्र नाथ मिलक, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "बी" (राजपितत), भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक (मानिचत्र पुनरुत्पा-वन) के अस्थाई पद पर स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के संशोधित वेतनमान में दिनांक 30-12-83 पूर्वाह्म से नियुवत किए जाते हैं। उनका वेतन निर्धारण नियमान सार किया जाना है।

गिरीण चन्द्र अग्रवाल मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

#### स्त्रास्थ्य सेवा महानिदेशालय

# नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1984

सं० ए० 12025/23/82-प्रणासन-1 (वास्यूम-2)--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) शोभा देशपाण्डेय को 18 नवम्बर, 1983 पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक सफदर-जंग अस्पताल, नई दिल्ली में दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

> पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1984

मं ० ए० 19012/2/81-भण्डार-1-सरकारी चिकित्सा भंडार डिपो, करनाल में अस्थायी सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर कार्यरत श्री बनबीर सिह ढिल्लों, सेवा-निवर्तन आयु के हो जाने पर 31 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म से सरकारी सेवा से रिटायर हो गए हैं।

आर० सी० गुनाटी उप महायक निवेशक (भंडार)

#### भारतीय वन्य प्राणी संस्थान

देहरादून, दिनाक 27 जनवरी 1984

क० सं० 112/84 - डब्ल्यू० एल० आई०/3 (22) व० ---श्री सी० पी० पाह्वा, सुपरिन्टेडेंट दनहन विकास निदेशालय लखनऊ, की 9 जनवरी 84 के पूर्वाल्ल में आगामी आदेशों तक भारतीय वन्य प्राणी संस्थान देहरादून में तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

> ह/० अपठनीय निदेशक

# भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

वम्बई-400 085, विनांक 24 जनवरी 1984

म० आर/409/स्था० II/278—श्री कृष्ण सिंह रावत ने सुरक्षा अधिकारी पदकापदभार 31—12—1983 अपराह्न को अधिविषता परछोड़ दिया।

> राम लाल बल्ला उपस्थापना अधिकारी

# बम्बई 400 085, दिनांक 24 जनवरी 1984

सं० पी० ए०/12 (2)/80-आर-4--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्रश्री प्रोडन बालकृष्णन को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में दिनाक 18-1-1984 पूर्वाह्म से अग्निम आदेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/12(2) 80-आर-4--नियंतक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र श्री विलास गुलाब मुल्तने को वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में दिनांक 16-1-1984 पूर्वाह्म से अग्रिम आदेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> बी० सी० पाल उपस्थापना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय और भंडार निवेगालय

बम्बई-400 001, दिनांक 23 जनवरी 1984

यं० डीपीएस/2/1(II)/83/प्रणा/2156—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भन्डार निवेणालय के निदेणक ने स्थायी भन्डारी, श्री ती० एस०, माहुली को रुपए 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नारीख 31-12-1983 (अपराह्म)

से अगले आदेश होने तक नियमित आद्वार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भण्डार अधिकारी नियुवत किया है।

पी० गोपातन प्रशासनिक अधिकारी

# परमाणु खनिज द्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 21 जनवरी 1984

मं० प० ख० प्र०-16/3/82-भर्ती, खण्ड II-परमाणु कर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न लेखाकार श्री जे० के० गर्मा को उसी प्रभाग में 19 नवस्बर, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-16/3/82-भर्ती, भाग II--निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्बारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक श्री के० एम० कौशिक को उसी प्रभाग में श्री जगदीश राय गुप्त, सहायक कार्मिक अधिकारी, के छुट्टी पर चले जाने पर 12 जनवरी, 1984 पूर्वाह्म से लेकर 13 फरवरी, 1984 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 23 जनवरी 1983

सं० प० ख० प्र-1/9/82-भर्ती--परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा लेखा निदेशक (ज्ञाक), आंध्र परिमंडल, हैदराबाद के स्थायी कनिष्ठ लेखाकार तथा स्थानापन्न कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री के० गोपाल राष को परमाणु खनिज प्रभाग 30 नवम्बर, 1983 के अपराह्य से सेक्स अगले आदेश होने तक, प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० डी० **घास**गे, वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1984

सं० ए० 38013/3/83-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के निदेशक संचार वैमानिक संचार संगठन, वैमानिक संचार संगठन, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के कार्यालय के श्री सी० जान, सहायक संचार अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर मूल नियम 56 (के) के उपबन्धों के अन्तर्गत दिनांक 1 जनवरी, 1984 (पूर्वाह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

#### दिनांक 20 जनवरी 1984

सं० ए० 12025/3/71—ई० I—इस कार्यालय के दिनांक 19-9-1983 की अधिसूचना सं० ए०12025/3/71-ई० I के कम में, महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन

विभाग में श्री के० के० गर्मी का हिन्दी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति विकास 31~12~1983 तक गारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

मं० ए० 32013/7/79-ई० I—हस कार्यालय के दिनांक 25-8-1983 और 16-10-1983 की अधिसूचना मं० ए० 32013/7/79-ई० I तथा दिनांक 14-12-1983 की अधिसूचना सं० ए० 32013/12/82-ई० I के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारीयों की वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ मियुक्ति को उनके नाम के सामने दी गई अधिध के लिए जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है:—

क्रम संख्याऔर नाम		अर्वाध		
1. श्री बी० के० गांधी		30—11—82 ৰ 31—12—83 ব	• • • •	
2. श्री कुलवीप सिंह		29-7-82 वे 31-12-83 तक	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	
3. श्रीबीं० आर० शर्मा		19-1-82 के 25-4-83 तक	•••	

#### दिनांक 23 जनघरी 1984

सं० ए० 32013/7/81-ई० I—राष्ट्रपति ने श्री पी० एस० गुजराल को उपनिदेशक विनियम एवं सूचना के पद पर की गई नियुक्ति विनांक 15-2-1983 से आगे और एक वर्ष की अवधि के लिए अयवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने की सारीख तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर जारी रखने की स्वीकृति देदी है।

#### दिनांक 27 जनवरी 1984

सं० ए० 31011/1/77-ई० सी०—इस विभाग के विनांक 1 अप्रैल 1980 के राजपत्र अधिसूचना ए० 31011/1/77 ई० सी० और 21 जुलाई 1983 तथा 12 दिसम्बर, 1983 की अधिसूचना मं० ए० 31011/2/81-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने सर्वेश्वी बी० डी० गरिकर, एल०पी० सेम्यूल और एस०पी० कोनार को दिनांक 26-4-1979 से नागर विमानन बिभाग में तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

ओ० पी० अग्रवाल सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 31 जनवरी 1984

सं० ए० 12026/40/77-स्थापना-I-अध्यक्ष, बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री उमेश चन्द्र इंउरियाल, पुस्तकाध्यक्ष, को जो तदर्थ रूप में कार्य कर रहे हैं, 25 जनवरी, 1984 में अगले आदेशों तक नियंमिल आधार नियुक्त भरते हैं।

> गुरब्रख्श सिंह ग्रोबर उप-कुल सिचव वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाणुल्क समाहत्तालय भुवनेण्वर दिनांक 25 जनवरी, 1984

मं० 1/84—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्त्तालय, भुवनेश्वर के निम्निलिखन अधिकारी, अधीक्षक, समूह "बी" √के श्रेणी में, प्रत्येक को वर्णित तिथि से पुष्टिकरण किए गए:

क्रम सं०	» अधिकारी का नाम	पुष्टिकरण की तिथि
	सर्वे श्री	
1.	एस० सी० पालित, अधीक्षक , समूह ''क्री''	6-6-82
2.	जे० बोहिदार अधीक्षक समूह ''बी''	11-6-82
3.	आर० सी० कानूनगो , अधीक्षक्ष , समूह ''बी''	11-6-82
4.	डी० एन० पटनायक, अधीक्षक, समृह ''बी''	11-6-82
5.	के० रामा राव (सं० 1), अधीक्षक, सगूह ''बी	29-9-82
6.	गणपति साह,अधीक्षक,समूह ''की''	29-9-82
7.	एस० एन० राव, अधीक्षक, समूह ''बी''	16-3-83
8.	मी ० टी ० भेन्कटेश्वरूल, अधीक्षक, समूह ''बी''	16-3-83
9.	कें०सी० देय, अधीक्षक, समूह ''बी''	3-4-83
`10.	एन० सी० मितरा, अधीक्षक, समृह ''बी''	29-7-83
11.	वी० पी० नन्दी, अधीक्षक . समूह <sup>('</sup> बी''	30-7-83
1 2.	एन० सी० मोहाराना,अधीक्षक, समूह "बी"	5-9-83

चि० शतपथी उप समाहर्ता (का० एवं० स्था०)

मंगठन और प्रबन्धक सेवाएँ निदेशालय
(मीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन णुल्क)
नई बिल्ली-8, दिनांक जनवरी 1984

सं० 2/84 (545/1/83-प्र० मे० नि०)--श्री जवाहर लाल मिलक जो कि मंगठन एवं प्रबन्ध सेवाऐं निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन णुल्क, नई दिल्ली में अपर सहायक निदेशक के पद पर तैनात थे, दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म में भरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

के० जे० रामन निवेशक, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैं० के० पी० सत्य एजेन्सीज प्राईवेट लिमिटड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० 5809/649—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारी खसे तीन मास के अवसान पर मै० के० पी० सत्य ऐजेन्सी ज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विशित न किए गया तो रिजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जायेगी

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैं० आर० टी० वी० सेल्स प्रोमोशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० 6429/664—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मै० आर टी० सी० सेल्स प्रोमोशन प्राईवेट निमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैं० सुरेडील्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० 5808/672—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर सुरेडील्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित करदी जायेगी।

णं० ल० सिंघल महायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं ऐन्टर्स प्रापर्टी एन्ड एस्टेटस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, तारीख 17 जनवरी 1984

मं ० 662/26759/560/3—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचनायी जाती है कि इस तारीख़ से तीन माम के अवसान पर एन्टर्स प्रापर्टी एन्ड एस्टेटस प्राईवेट लिनिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उतन कम्पनो विवटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956एवं एन्टर्स ट्रैडिंग प्राईवेट लिमिटड के विषय में।

बम्बई, विनांक 17 जनवरी 1984 सं० 662/26443/560/3---कम्पनी अधिनियम 1956की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचनावी जाती है कि इस तारिख से तीन मास के अवसान पर एन्टर्स ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण विधात न किया गया तो रिणस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधाटित कर वी जागगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं आर० खिमजी ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में। अम्बई, दिनांक 17 जनवरी 1984

सं० 666/15249/560 (3)——कम्पनी अधिनियम 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर० खिमजी ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रांतक् कारण दिशात न किया गया होतो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धरमोमॉटर्स एण्ड एप्लायंसिज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 27 जनवरी 1984

सं० 669/12378/560 (3) -- कम्पनी अधिनियम 1956की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसब्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर थरमोमीटजं एण्ड एप्लायंसिज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणित न किया गया नो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

> ओ० पी० जैन कम्पनियों का अतिरिक्त रिजम्ट्रार, महाराष्ट्र, बस्बई

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिमालय सिपिय कम्पनी लिमिटेंड (समपनान्तर्गत) के दिवय में

ं कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1984

संव एल/2813-एचडी/2042--कम्पनी अधिनियमैं; 1956की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एनद्बारा यह सूचना जाती है कि आदरणीय उच्च व्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 6-3-83 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च व्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

> एस० के० साहा कम्पनियों का अतिरिक्त रिजस्ट्रा पण्चिम बंगाल, कलकताः

कम्पनी अधिनियम 1956 और तवनकल प्लाटिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कोषीन दिनांक 24 जनवरी 1984

सं० 3280/लिक्व०/560/892/844—कम्पनी अधिनियम एतवृद्धारा यह सूचना दी जाती है ि 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण इस तारोख से तीन मास के उक्त अवसान पर तवक्कल प्लास्टिक्क प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण घिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनीज विषटित करवी जाएगी।

> के० पन्चापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

# (1) मैं० पादल इंटरप्राइन ज

(अन्तरक)

(2) श्रीवासुदेव ए० पदमेकर

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बंबई

बंबई, विनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० ए० आर०/III/1289/82--83---अतः मुझे, . अप० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 / ∼ रत. से अधिक हैं

<sup>\*</sup>और जिसकी सँ० फ्लेटनं० 4, 10वां माला, बिरुडींग नँ० 3, डी भाग, दामोदर पार्क एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ं रूप से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधि-कारो के कार्यात्रय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 2 मई, 1983

ों पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् उरने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्या, उसके इष्ट्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का 💢 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितो 'अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-🚎, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्त-🚉 रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण मंहुद किसी आय की आधत उक्त वॉध-मियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/या
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अबः, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह बूचना चारी करको पूर्वोक्त संपरित को अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ेहित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 4, 10 वां माला, दामोदर पार्ककेडी भाग में, एल बो बारस्य मार्ग, घाटकोपर बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु सं० ए० आ र० III/92.4/83 – 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1983 करारनामे को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज , बम्बई

दिनांक: 10-1-1984

मोहर:

प्ररूप काई. दी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के वभीन सुण्या

#### शारत सरकार

कार्यालवः सहायक बायकर प्रायुक्त (निरीखन)

अर्जन रेंज  $\Pi_{
m I}$ , बंबई

बंबई, दिनांक 10 अनवरी 1984

निर्देश सं० ए० आर०/III/ 1470/82-83—-अतः मुझे, अ० लहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव कसरानंव 4, 6वां माला, विल्डींगनंव 6 के अ भाग में दामोदर पार्क, घाटकीपर में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया हैं विनांक, 11 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की दावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने वजने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्ञारिती ब्लारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, कियाने वें सुविधा के किए;

बतः शवं, जनतं निश्नियमं कौ धारा 269-तं के जन्दरकं कौ, बी. देशतं नीशनियमं की धारा 269-तं की क्रमाहा (1) को अधीन्, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) म० पारुल इंट-रप्राइक्कें ।

(अन्तरक)

(2) श्रो मीनोदिन अल्फ् ।

(अन्तरिती) --

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

चनत सम्पृतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समापा होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से → 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसुची

कमरा नं० 4, 6वां माला, बिल्डींग नं० 6 के अभाग में दामोदर पार्क घाटकोपर में स्थित, है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ए० आर० III/931/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1983 करारनामे को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज III, बंबई

दिनांक: 10-1-1984

मोहर :

नायकपुर निध्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-न (1) के नभीन सूचना

#### भारत बडकाड

# कार्यालय्, प्रहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[], बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/1638/82-83—यतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लैट नं 601. 6ठी मंजिल, शेको अपार्ट-मेट. कृपानगर रोड, ईर्ला, विलेपार्ले (पिष्ट्यम), है तथा जो बम्बई-400056 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 2-5-1983 को रिजस्ट्री है को पूर्वांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सो, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण में लिखत वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और∕या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निजनित्तित्वित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) शोको कन्सद्भवशन कं०

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कपिला के० कारीया और रवि के० कारीया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की अविध या तत्सम्बक्षी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा स्था है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 601, 65ी मंजिल, णेकी अपार्टमेंट, क्रुपानगर रोड, ईर्ला, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई-400056 में स्थित।

अनुसूची जैसािक कु० सं० आई- $2^l1638^l83-84$  और जो सक्षम प्राधिक।री, बम्बई द्वारा दिनांक 2|5|1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

स च० अब्बास अबिबी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–र्सि, बस्बई.

तारी**ख**: 12/1/1984.

मोहर 🗯

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांका 12 जनवरी 1984

निवेश सं० अई-2/37 ईई/1539/82-83--यतः मुझे, एच० एस० अब्बास आबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात् 'उत्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 2.5,000 ∕- रऽ. से अप्रिक्त है\*

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, शेको अपार्टमेंट, कृपा नगर रोड, बिलेपार्ले (पश्चिम), है तथा जो बम्बई-400056 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 2/5/83 को रजिस्ट्री है को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रसिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मसिवित उद्देश्य से उक्त थन्तरण् सिवित् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे बचने में स्विभा के लिये; बीर/वा
- (च) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-**कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के** प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भासा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा ने मिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम्, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थात् :--

(1) शेको कन्सद्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० आर० शहानी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

**इक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षोप**्र——

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस औ 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनो की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतीह<sup>®</sup>, के भीतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्धभ किसी बन्ध व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्सूची

फ्लैट नं० 401, शेको अपार्टमेंट, कृपानगर रोड, ईर्ला, विलेपार्ले, (पश्चिम), बम्बई-400056 में स्थित। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-2/1639/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 2/5/1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंभ-II, बम्बई

सारीख: 12/1/1984.

मोहर 🖫

#### प्ररूप मार्ड. टी. एम. एस. ------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धात्त्व, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1984

निवेण सं० अई-2/37ईई/2470/83--94--पत: मुझे, एस० एच० अध्वास अबिवी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं 12, नव निर्माण कोआपरेटिय हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 16वां रास्ता, सान्ताक्रुज (प), बम्बई-400054 है तथा जो बम्बई-400054 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 2-7-1983 को रजिस्टी है

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने थें स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरादी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था. स्थिपने में मुनिधा के लिए;

अस: अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री टिकमदास कुंगुमल सचदेव।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती परमेश्वरी वासूमल राजनानी । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती।
  (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
  को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
  कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त् व्यक्तियों में स किभी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त सिवित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

पलैट नं० 12, नव निर्माण को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 16वां रास्ता, सांताऋुज (प), बम्बई-400054 में स्थित।

अनुमूची जैसािक ऋ० सं० अई-2/1234/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 2/7/83. को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिर्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

मारीख: 11-1-1984.

मोद्वर 🛭

 $\mathbb{R}^{p_{i+1}} = \mathbb{R}^{p_{i+1}} = \mathbb{R}^{p_{i+1}}$ 

 $(\mathbb{Z}_{2}^{2}) = \mathbb{Z}_{2} = \mathbb{Z}_{2}^{2} \times \mathbb{Z}_{2}^{2} \times \mathbb{Z}_{2} \times \mathbb{Z}_{2}^{2} \times \mathbb{Z}_{2}^{$ 

प्ररूप् आर्च. दी. एन. एस. - - - ---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज III, बॅबई बंबई, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश सं० ए० आर० JII/1471/82-83--अत:, मुझे, अ०लहीरी,

बायकर मुर्शिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संश्रापनंश्य, तल माला, बिल्डिंग नंश्य का अ भाग, बामोदर पार्क, घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बंबई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री किया है, दिनांक 12 मई 1983

सम्परित के उचित बाजार मुख्य से काम के का पर्वोक्त रस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; मीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिली दुवारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

गया प्रिप्तिकल निम्नलिखित उप्योक्य से उक्त अन्तरण लिखित में, मैं, उचत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् 🖫 —

(1) मैं० पाम्ल इंटरप्राइजेज ।

(अन्तरक)

(2) श्री मेख गुलाम मोहम्भद ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविष्टियां करता हुं।

उक्त सम्प्रति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुपना की तामील से 30 दिन की अथिथ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत न्यन्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्य स्थावर सम्मत्ति में हितववृध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जासकेंगे।

**स्पष्टकिरणः --**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त मिधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

शॉप नं० 3, तल भाला, बिल्डिंग नें० 3 का अभाग, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं०ए० आर० 111/935/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-5-1983, करारनामे को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक अधिकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-[[], बँबई

दिनांक: 10-1-1984

मोहर 🕆

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बँबई बंबई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सैं० अ० ई०/III/1637/83-84--अन:, मुझे, अ०

लाहीरी.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 🤝 🕽 पहचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 169 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /-,रु. से अधिक हैं

और जिन्नकी सँ० फ्लैंट नॅं० 322, 3 रामाजा, भारती बिल्डींग अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकीपर बँबई में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) गौर जिल्लका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बँबई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय ें रजिस्ट्रो किया है, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, । बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 मई 1983।

ा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान गीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास ... ने का कारण है कि संथापुर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार ूय, उसके इत्रयमान प्रतिफल से, एसे इत्रयमान प्रतिफल का . 🛴 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-ज़्ल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🕽 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) गेठ इँटरप्राइजेज

(अन्तरक)

(2) श्री अञ्दूल कलाम णाहाबृहीन और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

प्लैट नँ० 322, 3 रामाला, अमत बिल्डींग, 2 रूम किचन, भारती बिल्डींग, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर गँवई में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सैं० अ० ई०।।।/94.1/83 – 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 25-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लाहीरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बंबई

दिनांक: 10-1-1984

मोहर 🤙

艾爾 经推定证据的

4-466GI/83

प्ररूप काइ. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बेंबई बंबई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देण मँ० अ० ६०—III/1664/82-83—अतः, भुझे, अ० लाहीरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर स्म्पिस, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सँ० फ्लैंट नँ० 2, नीचे का फ्लोर, "कैंकास कृपा विविद्या, प्लाट नँ० 69, कॅंजर को० ओप० हाउ० सो० लिमि०, डामले कालोनी, कांजूर मार्ग, बँबई—78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बँबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, बँबई, दिनांक 28 मई 1983

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाज़ार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाज़ार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उसते बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मसूर्व अगोक कार्पोर्णन ।

(अन्तरक)

ं (2) श्रो सँजय आर० श्रोकात ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख े 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स. अधिनियम, के अध्याय 20-क में ६रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

#### मनुस्ची

पलैट नैं० 2, नीचे का फ्लोर, "कैलाइस कृपा बिस्डिंग", प्लाट नैं० 69, कांजूर को० ओप० हाउ० सो० लिमि०, डामले कालोनी, कांजूरमार्ग, बैंबई--78 में स्थित है और जिमका करार-नामा जसा कि ऋँ० में० अ० ६०-॥।/905/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बैंबई द्वारा दिनांक 28-5-1983 को रजिस्टाई किया गया है।

अ० लाहीरी, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बँबई

दिनांक: 10-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

William 1984 1984 - The contribution of productions of the stage of the stage of the state of the stage of th

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बंबई

बंबई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्वेण सँ० 5 अई० 111/1674/82-83---यतः मुझे, अ० लहिरी,

म्रंजायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी रंजपरैंट रंज 32, 3रा भारा, जैनेक्स अपार्टमेंटस, विधानगरी पोज आज सीज एसज टीज रोड़ कालीना सांताकुज बंबई में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आपकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधि-कारों के कार्यालय में दिनांक 28 मई 1983 को रजिस्ट्री किया है, 1

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्रम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० जैनेक्स बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री फिलीप वर्गीम आलुका और श्रीमती बी० एम० आलुका

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य ध्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

कमरा नं ० 32, 3रा माला, जैनेक्स अपार्टमेंटस विधानगरी पो० आ० मी० एस० डी० रोड कालीना, सांनाऋुज (पू०)।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई० 111/906/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-83 को रजिस्टर्डकिया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-111, बंबई

दिनां क : 10-1-1984

माहर:

# प्ररूप गाइ. टी. एन्. एस्.-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- $\mathbf{1}^{\mathrm{I}}$ , बंबई

बंबई, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० अर्६०-2/37ई० ई०/1919/2-83-यतः मुद्ये, एस० एच० अन्बास अबिदी,

श्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/-रू. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैटनं० 61, 6ठी मंजिल, ''सी-व्ह्यू'', जोमबाई रोड, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 10 मई 1983 को रजिस्ट्री है,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के खरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिक्र है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्ष के निम्नतिवित्त उद्देश्य से अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्ष कर से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधींन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा, के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गोविन्द बी० हिरानंदानी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स नरीमन नल्लासेट प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

(3) श्रीमती रूबी नरीमन नल्लासेठ और श्रीनरीमन फेरोज नल्लासेठ। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- विष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 61 छठी मंजिल, "सी व्हयू", चीमबाई रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई०-2/1919/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 10-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, बम्बई

विनांक: 12-1-1984

मोहार 🗈

प्ररूपु आहाँ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बंबई

बंबई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० अ० ई०-III/ i 667/82—83——अतः मुझे, अ० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सँ० गाप नँ० 6, तल मजला, बिल्डीग नं० 3 अ दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (पिषचम) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, बंबई, दिनांक 28 मई

को पूर्विकत सम्पत्ति के उणिस बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का करण है कि मुशापूर्विकत संपत्ति का उन्तत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कृष्ति नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण भं, भँ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन दिख्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) पारुल इँटरप्राइजेज

(अन्तर्क)

(2) श्रीमतो लक्ष्मी गोवालदास णारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्घ किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बन्स्ची

शाप नं० 6, तल अथवा मंजिला बिल्डींग नं० 3—अ, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई० 111/900/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28 मई 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-[1], वॅबर्झ

दिनांक: 10-1-1984

मोहर 🕏

# प्रकृष आहु टी. एन. एस. - - -

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सृचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $% \frac{1}{2} = \frac{$ 

निर्देश सं० अ०  $$c/\Pi I/1549/82-83$ —अत: मुझे, अ० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, दामजी खेराज बिल्डींग जी० जी० रोड़ और आर० आर० टी० रोड़ के नाके पर स्थिल, मुलुंड (प०) में हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, बम्बई, दिनांक 21 मई 1983। को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री कांटी नाल हेमचेंद पांचाल

(अन्तरक)

(2) श्री जसवंत राय जयँती लाल गांधी और श्री विनोदराय जयँती लाल गांधी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृवाँक्त सम्पृत्ति को वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हंू।

# उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्समों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्स स्वित्सों में से किसी व्यक्ति वृवारा:
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

#### **मन्**सची

पनौट नँ० 3, दामजी खोराज बिल्डींग, आर० आर० टी० रोड़ औरमी० जी० रोड़ का जँ० मुल्ड (प०) बम्बई 80 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सँ० अ० ई० 1H/898/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21~5~1983 कारनामें को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहाय हुआयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज III**, ब**म्ब**र्**ह

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अन्सरण मों, मौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनोंक: 10-1-1984

माहुर:

# प्रकप् नाइ. ही । एन . एस् .-----

आयक'र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दितांक 10 जनवरी 1983

निर्देण में० अ०६०/धी/1686/82-83--अतः मुझे, अ० नहीरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मँ० 2, तन मंजिला कैलाण कृपा प्लाट नँ० 69, डामले कालीनी, भांड्प पूर्व में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, बम्बई, दिनांक 28 मई 1983।

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरित (अन्तरित्यों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिसित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उथल अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अद्रि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अनिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिशा के लिए:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स अगोक कार्पोरेशन

(अन्तर्क)

(2) श्री एम० आर० श्रीखँदे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ब्लाक नें० 3, तल माला, प्लाट नें० 69, डामले कालोनी, भांछूप (पु०) कैलाग कृपा बिल्डींग अनुसूची जैसा कि कर स० अर है। III/911/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दि० 28-51983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-IV बम्बई

दिनांक: 10-1-1984

मोहर :

# प्रकार नार्दे <u>.</u>डी. एन .एस<sub>. .</sub> -----

भागकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देण सं० अ० ई०/ $\Pi I/1467/82-83$ —अत: मुझे, अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिसनं० 11, 1लामाला, नीलकेंठ का मणियल काम्पलेक्स, गोवंदी रोड़ चेम्बूर बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिन्ट्री किया है, बंबई, दिनांक 11 मई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का थल्बह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निविचत उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त-चिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क्त) जन्तरण ते हुई किसी बाव की वाबस, उक्त जिमिनिय्स के अभीन कर दोने के अन्तरक औ दायिस्थ में कमी करने या उबसे वचने में स्विधा से सिए; जीर/सा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ करे, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए मा कियाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) कैंचन और द्वेदीया

(अन्तरक)

(2) श्री लाल होतचँद बहरवानी

(अन्तरिती)

न्त्रे यह स्वना जारी करके पूर्वों क्त सम्पित्त के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पान निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आफिस नं ० 11, 1ला माला, तीलकंठ कामणियल काम्पलेक्स, गोवंदी रोड़, चेम्ब्र बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कु० सं० अ०ई० III/895/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-83, करारनामे की रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बम्बई

दिनाक: 11-5-1983

मोहर:

lang of the first of the confidence and highly to recommend the control of the confidence of the confidence of the control of the control of the confidence of the control of the control

प्ररूप माई. टी. एन. एस. ------

ज स्विभित्रिकाच १०६१ (१०६१ स्व ४२) स्त्री

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III बँम्बई

बंम्बई, वितांक 10 जनवरी 1984

निर्देण सं० अ० ई०/III/1633/82-83--अत:, मुझे, अ० लहिरो,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा १60-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य १5,000/-रः. से अधिक है

और जिन्न सं० पसैट न०1, तल माला, कैसाम किया, देनाट नं० 69, कांजुर को० आप० सोनाइटी ति० डामले कालोनी कांजुर मार्ग बँम्बई में स्थित है और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन्न का सारातामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क खें अभी राम्बई दिया सक्षम प्राधिक रो के कार्याक्य में रजिस्ट्री हिना है, बम्बई, दिनांक 25 मई 1983

जो प्वॉक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास उरने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार ृय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह ।तिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया निफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित हैं बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ,, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) , जभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, कर्धात् :--------466 GI/83 (1) मैं० अशोक कार्पोरेशन.

(अन्तरक)

(2) श्रो एम० एस० पांडे

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्यी

फ्लैंट नं ० 1, तन मं निना, कैनाम किया, डामले कालोनी प्राट नं ० 69, कां नुर को ० आप० हाउ तिम सो ताइटी कांजुर मार्ग बॅम्बई में स्थित है।

अनुपूत्रो जैता कि कल्संब्अव ईव /111/907/83/84 और जो नता नाबिहारो द्वारादिनोक 25/5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प<sup>्</sup>हरो, सक्षम अक्षिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रंज III संबई

दिनां र : 10-11-984

मोहर 🗈

the state of the s

प्ररूप बार्ड .टी . एन् . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अज रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनां 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० अ० ई० /1439/82-83-- अत:,र.से. अ०लहीरी,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके वश्चात 'उथल स्रीधीनयय' कहा गया हैं), की धारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 2.5 ∩∩∩/-रुट से अधिक है°

और जिल्लो सिं० इं 🗀 २० २, तल मजरा, नाहार और २८ इंडस्ट्रोयन एस्टेन, एल० बी० एस० कार्यबार्य में रिथन है । और इन रे उराबद्ध अनुपुचे में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस्का कराररामा आयकर अधिवियम 1961 की धरा 269 क ख के अधोत बमाई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यालय मे रिजिन्दो किया है, लगाई, दिनांक 10 मई, 1983

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के सब्यमान प्रतिभक्त के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हार्ड किमी काय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्सरक को बाणित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

् 1.) बर्मामैकन∂कल वर्कस

(अन्तरक)

(2) विरदी मैकनीकल वर्कस

ुअन् ¦िरती )ः

को यह सचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में <mark>हितबदधः</mark> किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका ग्या है।

#### अनुसूची

मा ना नं० 2 नाहार और पेठ इंडस्ट्रीयन एस्टेट, एल० बी० एक० नार्ग,भ∵डुप ∓बई में स्थित है ।

अनुपुचा नैनाहि ऋ०सं० अ० ई०।।।/८९४/८३०८४ और जो तत्र प्राधितारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-83. करारनामे को रजिस्टर्डकिया गया है।

> भ्र० लहिरो, सभाग पाचिहारी सहायक आयकर आयुक्त (निरं*६* फ), अर्जन रेंज III बम्बर्ध

दिना ह. 10—1—1984 मोहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन एस. ------

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3 बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्वेश सं० आई 3/1687/82-83--अतः मुझे, अ० लहीरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकंपक्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जि.कि। सं० कैलाश हुपा भवें नं० 272, डामले व लंने प्लाट नं० 69, भाडूप (पू) बंद है है नथा जो बंबर्ड में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रासूचा में और पूर्ण रूप से विणत है) और जि.गा करारतामा आयार अधिनियम € 1961 की धारा 269 कख के अशीत बंबर्ड स्थि। सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रिपस्ट्री किया है सारीख़ 28-5-83

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिम में यास्त्रिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय आ किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिं अगरतीय आवकर अधिनयम, 1922 ( 922 का 11) या उकत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपान में गृविधा के सिए।

अतः असः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 260-घ के अनुसरणः में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) मै० अगाज कार्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री विनायक एम कीचारे

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के तिए कायवाहिया करता हू।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्ष भी वाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहां अर्थ हागा जा उस अध्याय में विशा गया है।

# अनुसूची

कैल क्षा ग्रुपा सर्वे नं० 272, अनुसूची नं० 69, ड मले कालोर्न भांडूप (पू) बंबई 78 में स्थित है। अनुसूची जैताक क० सं० अई-3/909/83-84 और जो सक्षम प्राधि तर्न बंबई द्वारा दिनां है 28-5-83 की रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिः।।री सहायक आयक्तर आयुक्त (किरं:क्षण) अर्जन रेज-३, बंबई,

नार,खि. 10-1-84

मोहर:

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बंबई अंम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० 5 अई-3/1609/82-83--अत: मुझे, अ० लहीरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पण्डात् 'उक्त अधिनयम' अझा गया है'), की भारी 269-ख वें अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जि.की संव युतिट नंव 14, शाह इंडस्ट्रियल एस्टेट वेजार है तथा जो अंबई में स्थित है (ओर इस ते उप बद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्षित है) जि.त. त करारताना आयद र अधिनियम 1961 के शिरा 269 कख के अर्जान बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के निया में रिलिस्ट्री दिया है, तार ख 24-5-83 को पूर्वोक्त संगतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुओ वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उन्हें अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक की बायत्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा कोलए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अन्सरणं में. में., उक्त अधिनियमं की भारा 269-भं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) क्थिक प्रोडक्शन ट्ल इंजीनियर्स

(अन्तरक)

(2) संजय फेसनरर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप क्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जे भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कत, व्यक्ति दों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबासे 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकार्य।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नमा है।

# अनुसूची

युतिट नं० 14, णाह इंडस्ट्रियल एस्टेट, देवनार, बंबई में स्थित है।

अनुसूती जैजािक कि० सं० अई-3/930/83-84 और जो प्रजात प्राधि गरी बम्बई द्वारा विनांक 24-5-83, करार-नामें को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई.

तारीच : 10-1-84

मोहर 🕄

प्ररूप बाइ .टी . एन् . एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यांत्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/541/83-84--अत: मुझे, आर० के० बनाया

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-6 के धारीन नक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ छ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जी-4, दोस्ती अपार्टमेंट, वडाला (पूर्ण), बम्बई-32 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इस ने उपाबद्ध अनुसूर्ण। में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिन्ना करारामा आयत्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अनीन, बंबई स्थित समम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रें। विया है तार्राख 17-5-1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभी यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दृष्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्हिलिखत उद्युष्ट क्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक कम्म से कथित नहीं फिया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री लिओ सोरेस

(अन्तरक)

(2) श्री सायमन नून्स

(अन्तरिती)

(3) श्री सायमन नुन्स (वह काक्टिन जिलके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परितृ के अर्जन् के लिए कायवाहिया करता हु।

जनत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० जी-4, दोस्ती आर्टिमेंट, वडाला (पूर्व), बम्बई-32 में स्थित। अनुमूची जैसाकि ऋ० सं० अई-1/ 356/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 17-5-1983 को रजिस्टई किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बर्षः

नार्भिता:12-1-1984.

मोहर :

प्ररूप आर्थ. दी. एन्. एस.----

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश मं० अई-3/1451/82-83---अनः मुझे, अ० लहें.री.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, निश्चे का फ्लोर, बिल्डिंग "बी", प्ल.ट-अमर थियेटर के पास, देवनार, बंबई-88 है तथा जो बंबई-38 में हिया। है (और इत्त उप बद्ध अतुकाने और पूर्ण- एप से विणित है), और जिता क्यारनामा आयधार अधि- नियम 1961 की धारा 269 कव के अवि बंबई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में पित्रहीं किया है तारंख 10-5-83

को प्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मृल्य स कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारात्यों) के बाच एस अन्तरण के लिए त्य पांचा गया प्रति-फल निम्नसिसित स्व्योग्य से उक्त अन्तरण निम्नति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनता अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एमिं/ किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धाकर अधिनियम, या धाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, ब्रों: उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन निस्नितिखित व्यक्तियों, अभिष्ठ :— (1) एम/एउ विकांत कर दूरगत कंपति।

(अन्तरक)

(2) श्री स्टानली एस० हेनरी

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ⊱

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 विन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनीध बाद में समाप्त हानी हो, के भीतर पृतांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उत्तत स्थावर सपत्ति में हित्त- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त किंधनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुमा है।

# **अनुसूची**

पलैट नं० 3, नीचे का पलोर, बिल्डिंग नं० 'बी'' प्लाट अमर थियेटर के पाम, देवनार, बंबई—88 में स्थित और जिसान क्यारनामा और कम मं० अई-3/921/83—84 और जो सक्षम प्राधितारं।, बंबई हारा दिनांक 10-5-1983 को रिजस्टई किया गया है।

अ० लहीं री सक्षम प्राधि, गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-३ बंबर्ड

तारीख: 10-1-84

मोहर:

मुरूप आहे. टी. एन. एस. ------

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के बधीन समना

#### भारत सरकार

भागस्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 4, बंबई

बंबई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्वेश मं० अ० ई०/4/2137/82-83--अत: मुझे, विजय रंजन,

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उन्नत अधिनयम' कहा गया है।, की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क मं अधिक है

और जिनकी संव ब 1, नालंडा है तथा जो मार्चे रोड़ मालाड़, बंबई में स्थित है (और इसो उराबद्ध अनुपूर्वो में और पूर्य रूप से विणा है), और जो करारनामा आयकर अधिविष्म 269 अब के अंतीत सभम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्टर्ड दिया गया है, रिजिस्ट्रोक्ती अधिकारों के कार्यालय, बंबई में रिजिस्ट्रोक्सण अधिनियन, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 मई 1983

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवाँक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एंसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गति-फल निम्निलिसत उद्देष्य में उक्त सन्तरण लिस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों करों, जिन्हों भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक् में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीग, निस्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--- (1) म० क्वान पार्क

(अन्तरक)

(2) श्रीमती र्वाना पी० अडवानी और परसो आडवानी (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

जकत सम्परिष्ठ को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथा कर क्यां करा में संकिसी क्यांवित ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सपति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास लाखत में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण: ----इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया नया है।

#### अनुसुची

पर्नेट नं० ब-41, 4था माला, नालंडा विल्डींग, वजनाइ गांव, मार्के रोड़ मालांड बंबई में और जित्तका करारनामा सक्षम प्राविज्ञारों बंबई द्वारा अनुपूचों ऋ० सं० अ० ई०/4/2137 1982-83 दि० 31-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन्य सक्षम प्राधिकारी महायर आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-4, बंबई

दिनांक: 13-1-1984

म्पेहर 🛭

प्रकप<sub>्र</sub> बाह्री, डी. एत्, एस. ----

आयकर ४ पिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बंबई

बंबई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० अ० ई० $-\Pi/2108/82-83$ --अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 4, 4थी मं जिल, सुन्दर वर्शन, मगाधाना विल्लेन, एस० वी० रोड़, बोरोजनी (प०) सो० टो० सर्वे० नं० 59, बंबई में स्थित है तथा जो बोरोजनो, बंबई में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के वार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 मई 1983

को प्योंक्त सम्मिति के उधित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिष्क रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य मास्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के निए;

नतः नव उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम०/एस० सन्वर एंटरप्राइजाज

(अन्तरक)

(2) श्रोमती राममामीन मधुरदास और भरतकुमार (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गढ़ में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेप।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्जैंट नं० 4, 4पी मंजिज, सुन्दर वर्णन, मगाधाना विल्लेज, एस० वो० रोड़, बोरोवलो (प०), सो०टो० सर्वे० नं० 59, बंबई में स्थित ।

और जित्ता करारनामा जैसा कि कम सं० अ० ई--II/ 2108/82-83 और जो सन्नम प्राधिनारो, बंबई द्वारा दिनांक 25 मई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निर`क्षण), अर्जन रेंऽ:≞4**, बंब**ई

दिनांक: 13-1-1984

मोहर 🖇

प्ररूप आर्ह. टी: एन. एस.------

नामकार निधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बंबई बंबई, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्धेण सं० 5 अ० ई०/III/1445/82-83--अतः मुझे, अ० लहिरी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी संब्दलाक नंव 9, प्लाट नंव 193 पर निर्धारित बिल्डींग, दीप मंडप के पीछे, जानसन के सामने, एलव बीव एसव मार्ग मुलुंड में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, बंबई, दिनांक 10 मई 1983

को पूर्वाक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (बन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृष निम्नसित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिवित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-बियब के बधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जनभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) रूखी कंस्ट्रकशन कं०

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कसतुर बेन दामोदर खांत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ब्लाक मं० 9, 2रा माला, प्लाट नं० 1193 ब, दीप मंडप के पीछे, जानसन और जानसन के सामने, एल० बी० एस० भागे मुल्ड बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अं ई० 111/893/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-1983 करारनामे को रजिस्टर्ड कि । गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बंबई

दिनांक: 10-1-1984

मोहर 🛭

प्रकप बार्च. ही. एन. एस.-----

10 m 10 m 10 m 10 m 10 m

(1) श्री तासदेव ए० पेडनेकर

(अन्तरका)

(2) मैं० पारूल इंटरप्राइजोज

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बंबई बंबई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० अ० ई०/ /1288/83-84--अतः मुझे, अ० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरुवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, 2रा माला, डी भाग, बिल्डींग नं० 2, दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्प से वर्णित है) और जिन्न करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रो किया है, रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 मई 1983

का प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण मिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत . उचन अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अंतः शब, उक्त अधिनियमः की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :---- को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

and the control of the second control of the second of

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, फे अक्त अधिनियम के मध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा अर उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्वी

प्लैट नं० 2, 2रा माला, डी भाग, दामोदर पार्क बिल्डींग, घाटकोपर बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई० III/944/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21 मई 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बंबक्क

दिनांक: 10-1-1984

मोहर 🎨

प्ररूप आईं. टी एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बंबई

बंबई दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्वेश सं० अ० ६०/4/1899/82-83--अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पाबादी गांव मारेगांव आरे रोड़ बंबई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आधकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम श्राधिकारी बंबई के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विनांक 2 मई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेत्र ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्ट/या
- (व) एसी किसी जाय या धन या अन्य जास्तियों का, जिन्ह भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) जी पोषडलाल

(अन्तरक)

(2) स्वर्गवासी आई० पांचाल

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त बस्परित के वर्षन के तिह

उक्त संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के सजपत्र को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छिक्त चर्णः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और वर्षों का, को उनक अधिनियम, को अध्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया समाह'।

#### वतवर्ष

पाबादी गांव आरे गोगांव रोड बंबई अनुसूची जैसा कि कि सं अ र्ह ज़िथि 19/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा बिनांक 2-5-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बबई

विनांक: 13-1-194

मोहर :

edicina a period

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें**ण-III अंब**ई

बंबई दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्वेश स० ए० आर **III**/1597/82-83—अतः **मुझे, अ०** लहीरी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव दुकान नंव 6 पुना मयुर बिल्डींग एमव जीव रोड़ प्लाट 805-व मुलंड, बंबई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 23 मई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण् भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिसमों, अर्थास् :--- (1) मैं पीकाक कंस्ट्रकशन कं ०

 $\mathcal{F}_{\mathbf{w}}(t) = \mathbb{E}[\mathbf{v}_{\mathbf{w}}(t) + \mathbf{v}_{\mathbf{w}}(t)] + \mathbf{v}_{\mathbf{w}}(t) + \mathbb{E}[\mathbf{v}_{\mathbf{w}}(t)] + \mathbb{E}[\mathbf{v}_{\mathbf{w}$ 

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द दमदमल शिव श्रीर श्रीमती रूकमन बाई किशनचंद शिव

(अन्सरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (**ख) इस सूचना के राज**पत्र में प्रकाशन को तारीख **से**45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

दुकान न० 6 मयुर महल पुना बिल्डिंग प्लाट नं० 805—ब एम० जी० रोड मुलंउ में स्थित है। जिसका करारनामा अनुसूची क्र० सं० अ० ई० III/912/83-83 दि० 23-5-1983 को सक्षम प्राधिकार द्वारा बंबई में रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बंबई

दिनांक: 10-1-1984

मोहर:

प्रकृप कार्ड . टी एन . एस . ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--III, बंबर्घ बंबई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० अ० ६०~ $I_1I/1421/82-83$ —अतः मुझ, अ० लिहरी,

आयकर अिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाश, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिमकी सं विलिष्टग, फ्लाट नं 102री माला, कैलास कृपा हाऊ सो लिमि , थामले कालोनी, विल्लेज रोड, कांजर मार्ग बंबई – 78 में रियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण इप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, बंबई, दिनांक 12 मई 1983।

को पूर्वों करा संपत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबस, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषान में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एम०/एस० अशोक कार्पेरिशन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डियसी जान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्यों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## नगुस्ची

प्लाट नं० 10, 2री माला, कैलाश कृपा बिल्डिंग, प्लाट नं० 69, कांजर को०आप० हाऊसिंग सोसाइटी लि०, थामले कासोनी, विल्लेज रोड, कांजर मार्ग, वम्बई-78 में स्थित है प्रीर जिसका करारनामा जसा कि कम सं० आई-III/903/82-83 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० सहिरी सक्षम अधिकारी, महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख : 10-1-1984

मोहर :

प्रकृष साह्य . टी . एना . एका . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-,III बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० अई० III/1313/83~84---यतः, मुझै, अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं. पर्लंड नं०अ/2, गीतांजली को० आप० सो-

साइटी लि॰, थाना है जो (पू॰) में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 3~5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से एसे उपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एस सत्यनारायण

(अन्तरक)

2. श्री आर० वेंकटेश्वरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकरें।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० अ/2, गीतांजली को० आ० हाउसिंग सोसायती जो थाना (पू०) में स्थित है ।न

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख : 10-1-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बर्ध बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1984 . सं० आई०-III/1607/82-83—यतः, मुर्झे, . अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 -- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

न्नौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7/v-4 , है जो नित्यानन्द बाग, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि०, माहलगोड, चेबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज्ज अनुसूची में ग्रौर पूर्ण 🖖 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-1983

को पूर्वोक्स संपरित के उच्चित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने की कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से एसे धर्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती गंगा बाई अलूमल जेतवानी

(अन्तरक)

2. श्री के० बी० जुमानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की ता*री*स से 4.5 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, अधिनीयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वनुस्ची

प्लाट नं०  $7/\sqrt{v}-4$ , नित्यानन्द बाग, को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमि०, माहल रोख, चेंब्र, बम्बई-400074 में स्थित है जिसका करारनामा अनुसूची जैसाकि क० सं० आई-JII/82-83 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख : 10-1-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, बिनांक 9 जनवरी 1984

निर्देश सं० अई०-4/1404/83-84---यत:, मुर्झे, विजय रंजन,

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 209, 'सी' विग श्री गोपीनाथ कृपा को—आप० हार्जिम सोमायटी लिमिटेड हैं जो मिनश नगर, जे० पी० रोड़, श्रंधेरी (पिष्वम), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 6—5—1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्ण) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विष्य से उचत अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की वाजस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित अपितियों, अधीत् ह— 1. श्रीअनिक हुसैन

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुबिरा अब्बास झहिर

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती (वह र्व्याक्त जिसके भ्रभियोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगं।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयानत शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसची

खुली जमीन, बूजा बूजा, नेलौर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2057/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर।

प्लाट नं० 209, 'मी' विंग श्री गोपीनाथ क्रुपा को-आप० हार्क्रामंग मोमाइटी लिमिटेड, मनिष नगर, जे० बी० रोड, श्रंधरी (पिष्चम), बम्बई-58 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-4/27/83-84 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-5-1983 को रजिस्टई फिया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 9-1-1984

मोहुद्र હ

प्रकृप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का का ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिगका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

शौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, 4 थामला, मनीभाई को—आप० मोसाइटी है जो एस० वी० रोड मालाड बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-5-83 को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिकल का पन्तृष्ठ प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्निल में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है 'ल

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अतः, उद्यक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 7--46601/83

1. मी बीरपीर सिक्य

(अन्तरक)

2 श्रीअ० क०पारेख

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वागः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुस्**ची**

प्लाट नं० 104 था माला मनीभाई अपाटमेंट एस० वी रोड बम्बई मालाड में स्थित है। श्रीर जिमका करार-नामा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा ऋ० सं० आई/4/2032/ 82-83 दिनांक 21-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 13-1-1984

मोहर :

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.------

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय . महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1984 निर्देश सं० अई-II/2022/82-83--यत:, मझे, विजय रंजन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संब इंडस्टियल यनिट नंब डी-33, 2री माला, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, है जो अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदीवली (पू०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; बम्बई में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1983

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम **के रश्यमान** प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्य्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति वं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत . निम्नलिखित व्यक्तियां भभीत :--

1. श्री केसरबेन मार्वी विसेरिया

(अन्तरक)

वैभव प्लास्टिक्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपक में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

इंडस्टियस युनिट नं० डी-33, 2री माला, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदीवली (पू०). बम्बई में स्थित है स्रीर जिपका करारनामा जैसा कि कम सं० आ $\xi-2/2022/82-83$  ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब $\xi$ द्वारा दिनांक 20-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

मारीख: 12-1-1984

मोहर :

प्ररूप आहू .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई कार्यालय

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश सं० आई०-III/1365/83-84--यतः, मुझे, अ० लहीरी,

भायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 30, 2रा माला, भागीरथ बिला, एल० बी० ए स० मार्ग, घाट कोपर बम्बई में स्थित है (और इससेउपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है, भीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्पालय में रिशास्ट्री किया है, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है औ, रम्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे रृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मेठ इंटरप्राइसम

(अन्तरकः)

2. श्री बी० बी० विश्वनाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट नं० 30, 2रा माला, 2 रूम किचन, भागीरथ विला, एल० बी० एस० मार्ग पर स्थित है।

भ्रनुभूची जैसा की ऋ० सं० भ्राई०-III /942/83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बईदवारा दिनाँक 7-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है

> अ० तहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1984

मोहर 🕄

प्र<del>क्</del>र माइ<sup>\*</sup>. टी. एत्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० III/1636/83-84---यतः, मुझे, अ० लहीरी.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' काहा गया है), की भारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी कां, यह ध्वियान कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 20. 1 ला माला, भागीरथी किका प्लाट नं० 1 अ एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर कम्बर्ट में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के धार्यालय, बम्बर्ध में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25~5—1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं शुक्र किसी आयुकी दावत, उक्स किसीमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृतिधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उन्त अधिनियम की धारा 269-श की उपवारा (1) के अधीन, निम्मानिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- । शेठ इंटरप्राइस्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० वी० शेठी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनिस अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लंट न० 20 भागीरथी बिला, 1 ला माला, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर बंबई में स्थिद है

श्रनुसूची जैसा कि कि० श्रई० III/94 5/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिधांक 25-5-83 को रजिस्ट्रई किया गया है।

> अ० लारीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बर्ध

तारीख : 10-1-1984

मोहर:

प्ररूपः आर्दः थीः एनः एसः, -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्घ, दिनाक 10 जनवरी 1984

निर्देश स० अर्ड० III/1661/82-83—यत.. मुझे, अ० लाहीरी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिमकी सं० प्लाट नं० 12, द्वारा माला, कैलाण किया बिल्डिंग प्लाट नं० 69, कालोनी, कांजुर मार्ग बम्बई में स्थित है, भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिणित है), रिजिस्कर्ना अधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-5-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुइ किसी अप का नागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत: अब्. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) मै० अशोक कार्पी शन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आई० आर० डिकॉस्टा

have been been a second to be a seco

(अन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अ**नुसूची**

पर्लट नं 12, 2रा माला, कैलाण किया को-आप के सोसाइटी डामले कालोनी कांजुर मार्ग बम्बई में स्थित है अनुसूची जैसा कि कर सं अई III/928/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख : 10-1-1984

मोहरः

मुक्तपु नाहाँ , दी , एत , एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेन रेज III, बम्बई

बम्बर्ध, विनांक 10 जनवरी 1984

निर्दोश मं० आई० III/1273/82-83—अतः मुझे, अ० लहीरी,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 53 ब फिलैंट का हिस्सा, व बिल्डिंग, जलाराम अशीशा बिल्डिंग, मुलुंड स्टेशन के नजदीक, देवीदयलाल पथ के उत्तर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री किया है। विनांक 2~5-83

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्वेदय से उक्त अंतरण सिकित में अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की शायत, उचल् अधिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के शामित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के सिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत् अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विद्युः

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६ा. मै० श्री अशीषा

(अन्तरक)

2. मंजुला देवी दास कोठक

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्विकत सम्पृत्ति के बुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविशिषा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा को उस अध्याय में दिका चुना हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 53 बी का हिस्सा बिल्डिंग बी, जलाराम अशीण, मुलुंड स्टेशन के नजदीक, देवीदयाल पथ के उत्तर बाजू और जिसका करारनामा अनुसूची जैसाकि के० सं० आई III/ 917/83-84 श्रीर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज III; बम्बई

तारी**ख** : 10-1-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्थाना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1879/83-84---अत: मुझे, आर० के० बकाया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 28, गाउन्ड फ्लोर, 'डी' विग, ममता अपार्टमेंट, अप्पा साहेब, मराठे, मार्ग, न्यु प्रभादेवी रोड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है ) श्रीर जिसका करारवामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रिजस्टी किया है । दिनांक

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्यों वन सम्परित को उचित्त बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुइ किसी माय की बाबत सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्य में कमी करते या जससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन था अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा को लिए:

वत:. अब, उक्त अधिनियम की शारा 269-ध के अनुसर्ण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्स गन्देचा बिल्डर्स,

(अन्तरक)

(2) पंकज पारेख फैमिली दस्ट,

(अन्तरिती)

कांयहस्चना जारी करके पूर्वों क्ल संपरित के अर्जन के किए। कार्यवाहियां करता 🚮।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्कूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अनुसूची

शाप नं० 28, ग्राउन्ड फ्लोर, 'डी' विग, ममता अपार्टमेंट, अप्पा साहेब मराठे मार्ग, न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई में स्थित। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-II/2102/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (नि क्षिण) श्रर्जन रेंज I, बम्बई

ता**रीख**: 13-1-1984

मोहर 🖪

प्रक्ष्य आहें.टी.एन.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, बम्बई बम्बई दिनोक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई-I./37ईई/376/83-84---अतः मुझे, जआर० के० वकाया,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्वित बाजार मृह्य 25,000/- रु. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० आफिस प्रिमाइजेस नं० 6, एटलान्टा बिल्डिंग, वक्षवे रेक्लमेशन विक्रम, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री किया है। दिनांक 13 मई 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निस्नितिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ा. (।) सुता देवी क्षीबास्त्व
  - (2) शांनी देवी जगदीश प्रशाद
  - ( 3 ) सुरेन्द्र कुमार श्री वास्तय
  - (4) गैरमी देवी श्रीवास्त्य
  - (5) मध् डा०श्रीवास्तव

(अन्तरक)

2. दि पियरलैंस फाइनेंस इनवेस्टमेंट कं० लि०

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यों के के किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए वा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनरम के नध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नथा है।

#### अनुसूची

आफिस प्रिमाइसेंस नं० 6, श्रटलांन्टा बिल्डिंग ब्र्कवे रेक्लमेशन स्कम, ब्लाक I(I), नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-I/347/83-84 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 13-5-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> भार० के० वकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीप्पण) अर्जन रोज I, वस्बर्ध

नारीख : 12-1-198।

मोहर:

त्रकप नाइं. टी. एन. एस. ५ - - ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थाय 269-भ (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निर्देण सं० **आई**-I/4916/83-84——अत: मुझे, आर० के०

्र≢ बकाया,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

- श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 3/1482 श्रोफ लोअर परेल डिवीजन, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-1983
- को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है। ---
  - (क) जलारण से हुई किसी जाय की वाबत, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——
8—466GI 83

1. श्रीमती मंदा मोहन मंत्री

(अन्तरक)

2. श्री के० जे० मेहता

(अन्तरिती)

- 3. (1) रमेश अनंतराव बेनसाले,
  - (2) श्रीमती मालतीबाई, राम राव वरणे
  - (3) मोहन नथुराव म्हात्रे,
  - (4) श्रीमती द्वारकाबाई दामोदर म्हाले
  - (5) दत्तात्रय कृष्णाजी गांवकर
  - (6) सुधीर भास्कर पाठारे

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस रं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ स्पिनतयों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्रिक्ष्ण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### अनुसूची

अनुमूची जैसा कि विलेख सं० बॉम/173/80 ग्रीर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० वकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, I, बम्बई

दिनांक: 12-1-1984

मोहरु 🕄

1000

0.2

प्रकृष आहु . टी . एन् . एस . ------

भायसर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रजीत सूचता

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्वेश सं० आई०-8/37ईई/180/83-84-अत: मुझे, आर० के० बकाया,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 27 ग्रीर स्टिल्ट न० 2, 3, 4, ग्राउन्ड फ्लोर, ममता अपार्टमेंट, अप्पा साहेब मराठे मार्ग, न्यू प्रभावधी रोड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधन अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई सियत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 2-5-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, जक्त भृधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नारु/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बथ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन विकासि वित व्यक्तियों , अर्थात् छ --

1. मैसर्स गुनदेचा बिल्डर्स

(अन्तरक)

2 शहा इन्शृल्टींग कारपोरेशन प्रोप्राइटर साराभाई दुस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ला सुम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स्ट्रै 45 दिन की अविभियातत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह भ्याभित्यों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गाप नं० 27, ग्रीर स्टल्ट नं० 2, 3, 4 ग्राउन्ड फ्लोअर, 'डी' विंग, ममता अवार्टमेंट, अप्पासाहेब मराठे मार्ग, न्य प्रमदेशी रोड, बम्बई में स्थित ।

अनुसूचीं जैसा कि ऋ० सं० आई-I/2103/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० क० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, I, धम्बई

तारीख 13-6-1983 मोहर :

प्ररूप आहें, टी, एन, एस, ------

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 4 जनवरी 1984

निर्दोश सं० सी॰ ए० 5/37ई/83-84—-अतः मुझे, ₃शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 फाईना प्लाट नं० 194, टी० नी० एस०-1 है तथा जो पांच पाखडी जिला थाना में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से यणित है रिजिस्ट्रवेकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक, थाना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 18) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास कर्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में भूविधा के सिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्री यणवन्त णिवाजी गावंड, गावंड जाग, पांचपा खडी, थाना-400602 (अन्तरक)
- 2. केदार को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 12, गायंड बाग, बागले इस्टेट, थाना-400604

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त संपरित के</u> अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
  - (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अम्सूची

प्लाट नं० 12, फाईना० प्लाट नं० 194, टी॰ पी॰ एस०-1, पांचपाखडी, थाना-400604 ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नंबर 1049/मई, 1983 को बुटयम निबन्धक, थाना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलक णी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 4-1-1984

मोहर ः

प्ररूप थाइ रे. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 14 जनवरी 1984

निदेश सं० एस-1459/83/562-**I**--अतः मुझे पी० एन० पाठक

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 64-ए हैं, तथा जो साकेत मेरठ मैं स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक 13-9-83 को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती ऊषा रानी, पत्नी एम०के० गुप्ता, साकेत, मेरठ।

(अन्तरक)

 सरदार निरलेप सिंह पुत्र सरदार गुलाब सिंह 64-ए, साकेत, मेरठ ।

(अन्तरिती)

- 3. श्रीमती ऊषा रानी
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--- 🧩

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सृष्यां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुस्ची

मकान नं॰ 64-ए, साकेत मेरठ, एरिया 1997 वर्ग गज ।

> पी० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

विनांक 14 1-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

the contract of the second of the contract of

बायकर बिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक भायकर नायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरेंज, लखनऊ

लख नऊ, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० जीं० ग्राई० सं० 4-30/एनयू०-अतः मुझं ए० प्रसाद नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० कारणरेशन नं० 23/15 हैं तथा जो 3, रेडिचो

ग्नौर जिसकी सं० कारपोरेणन नं० 23/15 हैं तथा जो 3, रेडिचो रोड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य से कि भित्त नहीं किया गया है:---

- (क) न्याउण से हुई किसी शायुकी नानत, सक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दावित्व में कामी करने या समुसे न्याने में स्विधा के निए; जोड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

जतः अर्ज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों., मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नाथीत :---

- 1. (1) श्रीमती आबिदा बेगम
  - (2) श्री एस० एम० अलिम

(अन्तरक)

2. मैसर्स दि० यू०पी० रोलर फिलोर मिलर एसोशियेशन द्वारा सचिव, श्री इरफान अहमदखान, लखनऊ ।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त केता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- ६ प्रमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में पृरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

## **अनुस्**ची

भूमि पैमाईसी 2426 वर्ग फिट भय बिल्डिंग जोकि 3 रेडिचो रोड, लखनऊ में स्थित है जिसका कारपोरेणन नं० 23/15, और सम्पन्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडींड व फार्म 37-जो संख्या 5422 में विणितहै जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 17-5-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अखनऊ

दिनांक 10-1-1984 मो**ह**रः प्रकर् बाइंट बीट एन्ट एस्.,=--=---

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) को मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० 4-30/एक्यू०—यतः मुझं ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं. कारपोरेशन नं० 23/15 है तथा जो 3 रेडिचो रोड लखनऊ में स्थित है (ष्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ष्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, भिन्तिविद्या उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से किस्त महीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाम की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे स्थ्में में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विजिनसम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री नम्हन मियां
  - (2) श्री एस० एम० अलिम

(अन्तरक)

 मैसर्स दि० यू० पी० रोलर फ्लिर मिलर एसोशिएशन द्वारा सचिव, श्री इरफान अहमद खान, लखनऊ।

(अन्तरिती)

उपरोक्त ऋता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स् संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी मन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए आ सकरेंगे।

स्पस्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शुक्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दें अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर, जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुसूची

भूमि पैमाइसी 2425 वर्ग फिट मय बिस्डिंग जोिक 3 रैडिचो रोड, लखनऊ में स्थित है जिसका कारपोरेशन नं० 23/15 है, श्रीर सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 5421 में बींगत है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनउ के कायिलय में दिनांक 17-5-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 10-1-1984 मोहरः प्ररूप आहु . टी. एन. एस. - - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जनवरी 1984

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 31/62 है तथा जो हजरतगंज, लखनक में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय लखनक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत बिधक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिखिन में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृदिधा के लिए।

बत: एव उक्त विधिनयम की भारा 269-व के बनुबरण में मैं, उक्षा अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ए-- 1. श्री देवीलाल शाह

(अन्सरक)

- 2. (1) कुमारी अमृता सिंह (नाबा०)
  - (2) श्री प्रसाप सिंह (नाबा०)
  - (3) प्रणान्त सिंह (नाबा०)
  - (4) कुमारी शोबा सिंह (नाबा०) द्वारा संरक्षक श्री प्रताप नरायन सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्योवाहियाँ करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति में 1/7 हिस्सा स्थित प्लाट नं० 31/62, हजरतगंज लखनऊ, 1400 वर्ग फिट कारपेट एरिया के साथ, ग्रौर सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5678 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विनांक 20-5-1983को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 13-1-1984 मोहरुः प्ररूप आहर्ष, टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्घना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या एच-48/एक्यू०---अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जमकी संख्या प्लाट नं० बी-25 है, तथा जो सेक्टर "एच" अलीगंज, हार्ऊसिंग, स्कीम, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे मास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण भे हुई िनसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अल्ख आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने में सिंचधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्री मन मोहन मिंह अरोरा

(अन्तरक)

There is the state of the state of the state of

2. श्री हरी कान्त

(अन्तरिती)

उपरोक्त विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति दो अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर राज्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस एचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित- यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० बी-25, स्थित सेक्टर एच, अलीगंज, हाऊसिंग स्कीम लखनऊ पैमाइसी 6030 वर्ग फिट और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण नेलडीड व फार्म 37 जो संख्या 5707, में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 13-1-1984 मोहर 🛭

# प्रकप् वार्च . दी. एन . एव . -----

भारकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को सधीन सुचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, विनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० वी-118/एक्य्०—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

- श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
  - श्रौर जिसकी संख्या दो मंजिली दुकान नं 1100 है तथा जो गोला बाजार, सदर बाजार, लखनउ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-5-1983 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्व देश्य से उक्त अन्तरण निष्या गया इतिफल, निम्मिलिखत उद्व देश्य से उक्त अन्तरण निष्या गया इतिफल, निम्मिलिखत नहीं किया गया इतिफल,
    - (क) बन्सरण से हुई किसी नाय की नाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के बायित्व में कमी अपने या उससे ब्याने में सुविका के लिए; और/या
    - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 स्टिटिट को 11 के उच्च बिक्सिंग, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिये था, छिपाने में सिषधा के लिए;

नतः जवं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरक् में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-थं की उपभारा (1) के अभीन, निस्नलि**वित व्यक्तियों, अवां**त :——

# 1 श्री दुखीराम

(अन्सरक)

- 2. (1) श्री विष्णु नरायन
  - (2) विनोद कुमार
  - (3) हरी नरायन
  - (4) नरायन

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्स विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायवाहिया करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्षत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में रैक्स प्रया है।

#### मन्स्ची

दो मंजिली दुकान नं० 1100 मय प्लेटफार्म तथा पैमाईसी 285 वर्ग फिट लीज होल्ड, भूमि का स्वत्व स्थित गोला बाजार, सदर बाजार, लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 6136 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-5-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 10-1-1984 मोहर प्ररूप आहा. टा. एन. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जनवरी 1984

निवेश सं० जी०आई० आर० नं० पी०-111/एक्यू०-अतः मुझे ए० प्रसाद,

भायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रड. से अधिक **हैं** 

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो सर्वे नं० 187/2, सिविल लाईन्स बस्ती, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बस्ती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-5-1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एेसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अव उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनसरण ् मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :---

1. सिलोन भौर इन्डिया जनरल मिशन प्रतिनिधित्व श्री बी० ई० टोजर, वंगलीर

(अन्तरक)

- (1) श्री प्रहलाव दास गुप्ता
  - (2) ध्रुव चन्द गुप्ता
  - (3) श्रीमती रेखा देवी
  - (4) श्रीमती शीला देवी
  - (5) श्री रधुनाथ दास गुप्ता
  - (6) श्री संजय कुमार गुप्ता
  - (7) श्री हीरा सिंह
  - (8) श्री सुनील कुमार गुप्ता
  - (9) श्री ध्व प्रताप पाल
  - (10) श्रीमती बन्दना
  - (11) श्रीराम नैन शक्ला

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त त्रेता

(वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि स्थित सिविल लाइन्स बस्ती जिसका सर्वे नं० 187/2 है, पैमाईसी 32567 वर्ग फिट जिसमें एक बंगला एक टिन मौड आदि है जिसका सम्पूर्ण विवरण सैलडीड व फार्म 37 की संख्या 2190 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्टार बस्ती के कार्यालय में दिनांक 21,-5-83 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 11-1-84 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जनवरो 1984 निर्देश सं० जी०आई० आर० ए०-127/एक्यू०——अत: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जियको सं ० आराजी नं ० 14 ए है तथा जो ब्लाक-एफ० रामपुर बाग, सिविल लाईन्स, बरेला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रायनी अधिकारी के कार्यालय वरेलों में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रोमती राभवती देवो।

(भ्रन्तरक)

2. श्री अरिबन्द लाल।

(अन्तरिती)

उपरोक्त विक्रेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनु**स्**ची

आराजी नं० 14 ए, ब्लाक-एफ०, स्थित रामपुर बाग सिविल लाईन्स बरेली, पैमाईसी 5512.5 वर्ग फीट और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी० संख्या 6442 में विणित है, जिसका पंजोकरण सब-रिजस्ट्रार बरेली के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-1-1984

मोहार 🗄

प्रक्प आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश संघ जो० आई० आर० संघ आई०-17/एक्यू०⊸~ अतः, मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रेमिसेज नं० 127/3 ए० है तथा जो वारादरी चौलक्खी बो० एन० रोड, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त विधित्त निवस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौदु/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री राम दास बैजल।

(अन्तरक)

2. डा० इरशाद अहमद खान।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त विक्रोता।

(बह् व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुनं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

प्रेमिसेज नंज 127/3एज, स्थित बारादरी चौलक्खी विशेषकर नाथ रोड, लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5783 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 21-5-1983 को किया जा चुड़ा है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 7-1-1984

मोहर 🗓

प्ररूप नार्षं. टी. एन्. एस.---

# भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वा

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आग० संख्या पी०-110/एक्यू०---अन:, मुझे, ए० प्रगाद,

भायकर भिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव आराजी नंव 3 है जो रैडिची राड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-5-1983

को पूर्वेक्श संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वासतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे मजने से सृविधा के चिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य अमित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी क्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृष्धा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रो सयद मी० अलाम।

(अन्तरक)

2. श्रोमतो पुष्पा कोहली।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त फ्रेता।

(वह व्यक्ति जिसक अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी कारके पृत्रांक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितककुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गया है।

## मन्स्ची

आराजी नं० मिनजुमला पैमाईशी 5890 वर्ग फिट स्थित रेडिकी रोड, लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जीं०, संख्या 9901 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 6-5-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज,ल**खन**ऊ

तारीव: 9-1-1984

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सृष्यना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1984

निर्देश सं० जी ० आई० अ.र० सं० एस-292/एक्यू०---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जित्तको सं प्रमान नं को 1-1/206 हैं जो तथा निराला नगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 मई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीकिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. (1) श्री अमिताब बनर्जी।
  - (2) श्रोमती नौनीवाला देवी।

(अन्सरक)

- 2. (1) श्री सुनील झिगरन।
  - (2) श्री प्रभात क्षिगंरत।

(अन्तरिती)

3. उपराक्त केता।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह **स्थना जारी करने पूर्वीक्त इंपत्ति के अर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्तीकरणः — इसमे प्रथुक्त शब्धी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

मकान नं० बी०-1/206, लीज-होल्ड प्लाट पर निर्मित, पैमाईशो 6033 वर्ग फिट, स्थित निराला नगर, लखनऊ, और सम्पत्ति जिम्नका सम्पूर्ण विवरण मेल डीड व फार्म 37-जी०, संख्या 6055 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-5-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 9-1-1984

मोहर 🏻

प्ररूप बाई.टी.एन.एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आर० मंख्या टी०-34√एक्यू०—— अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जित्रको मं० प्लाट नं० एस०-8/14-16 है तथा जो इन्द्रानगर कालोनो, मौहल्ला खन्री जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप में विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 20 मई 1983

को प्रवीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि श्थाप्त्रोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक को दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिप्पान में सविधा के सिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री बुजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव।

(अन्तरक)

2. श्री तीर्थ रान सिहा

(अस्तरिती)

3. उपरोक्त विकेता ।

(बह व्यक्ति,जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तः सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रय्क्त शब्धों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्स्ची

प्लाट पैमाईशी 4000 वर्ग फिट मय चहारवीवारी व अमला के, नगरमहापालिका नं० एस०-8/114-16, स्थित इंद्रा नगर कालोनी, मोहरूला खजूरी परगना शिवपुर, जिला वाराणसी और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडी इव फार्म 37-जी०, संख्या 13138 में विणित है जिसका पंजी एरण सब-रजिस्ट्रार, वाराणमी के कार्यालय में दिनांक 20-5-1983 की क्षिया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 9-1-1984

मोहर :

# प्ररूप पाइ . टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जनक्षेत्र , लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जनवरी 1984 निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या टी०-35/एक्यु०---

अतः मुझे, ए० प्रसाद

3044

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 44/2 एम० है तथा जो मोहल्ला जगतपुर लाला बेगम, बरेली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेलो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का .16) के अधीन, तारीख 21 मई 1983

को पृष्टिक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीराशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिक्कित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कोलिएः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमिती प्रेमा देखी।
  - (2) श्री प्रमोद कुमार।
  - (3) श्रो लालका प्रमाद।

(अन्तरका)

 मैसर्स तुलसीनगर सहकारी आवास समिति लि०, बरेलो द्वारा सचिव, श्रो हुकुम सिंह।

(अन्तरिती)

उपरोक्त विक्रेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि खासरा नं० 44/2 एम०, पैमाईशो 4355 स्क्वायर यार्ड व 2/3 हिस्सा खसरा नं० 44/2,पैमाईशो 695 स्ववायर यार्ड टोटल 5050 स्क्वायर यार्ड स्थित मोहल्ला--जगतपुर लाला बेगम, बरेली और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो०, संख्या 6117 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, बरेली के कार्यालय में दिनांक 21-5-1983 को किया जा चका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखानऊ

ता**रोख**: 11-1-1984

मोहरु 🛚

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कों धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अ ा क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांच 11 जनवरो 1984

निर्देश सं० जो० आई० आए०एच०-1/37 /ईई/83-84/ अर्गः—आ:, मुझे, ए० प्रताद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रा. मे अधिक है,

और जितिको संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो सम्पत्ति
पैमाईगा लगमग 12870 वर्ग फिट है तथा जो 11.
महात्मा गोवा मार्ग, लखाऊ में स्थित है (और इतसे उप बढ़
अनुसूचो में और पूर्ण एप से विणित है) रिजिस्ट्राश्चर्ता अधिनारो
के कार्यात्र में अर्जन क्षेत्र, लखनऊ, आयवार अधिनियम 1961
के अर्जन, दिनों से 12 मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मफ्नें यह विष्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें जारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्रमः क्षत्र, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, स्क्रम अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् :——

- 1. (1) श्रो अना बहादुर हवाबुल्लाहा
  - (2) श्रा इतायत हभा बुल्लाह।
  - (3) श्रीमतो गाहुना हबाबुल्लाहु।

(अन्तरकः)

2 में तर्स क्लोर इंड इन्डिया लि०, लखनऊ (बिस्डिंग का एक हिस्ता कब्जे में)।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :/--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींसा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति पैमाईशा लगभग 12870 वर्ग फिट (जैसा कि फार्न 37 ई ई० में वर्गित है) स्थित—11, महत्या गांधी मार्ग, लजाऊ और सम्पत्ति जित्र । सम्पूर्ण जित्र रण करार-नमा व फार्न 37ई ई० में वर्गित है, अनुसूवा जैता कि अर्ता क्षेत्र कम संख्या 1/37ई०ई०/83-84/अर्गन में सक्षम प्राप्ति रो, लजाऊ द्वारा दिनांश 12-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रपाद सक्षम प्राधिए रो महायक आयकर आयुक्त (िरी .ण) अर्जनक्षेत्र, लखनक

त रोख: 11-1-1984

मोहर:

10-466GI/83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायितिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्वन रेंज, लखनऊ

लावनक, दिनां ह 31 दिसम्बर 1983

निरोग सं० जो ०आई० अन्० संख्या ए०-126/-एक्यू०--अत , मुझे, ए० प्रराद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260 ह के अभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह से अधिक है

और जिनकी पंछा। प्लाट नं० पी-937 है तथा जी मानगर हाउ-जिस स्कीस, जबाऊ में स्थित है (और इसने उपाबड़ अ स्ची में और पूर्ग का ने बीगा है), रिक्टिशका अधिकारी के बार्यालय, लबक्ज में रिक्ट्रोकरण अधिकास, 1908 (1908 पा 16) के अधीन, दिनांका 17-5-1983

को प्यों कर सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्यों कर संपत्ति का उचित हाउर मृल्य, उसके रहियमान प्रतिफल से एसे रहियमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितां (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्नरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (10?? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीन :---

ा. श्राः राम प्रमाद ग्राा

(अन्तरक)

2. 1. **ड**ा० ए० एप० गुन्ता । 2.श्रामती उमा गुन्ता -

(अन्तरितो)

उपराक्त विकता।
 (बह व्यक्ति, जितके अधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्कत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर मुचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुत्रारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य व्यक्ति पास किसी अन्य व्यक्ति के पास किसी किसी किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित रूँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ालाट नंज सो—937, पैमाईको 3200 वर्ग फिट स्थित महातार हाउगि सहोम, लबाऊ और सम्पत्ति जितका सम्पूर्ण जिवरण नेवडी ग्वाफार्स 37-जा, संबग्ध-5462 में वर्णित है जिसका पंजा हारण तब-रिजिस्झार लखनऊ के जार्यालय में दिनांक 17-5-83 को किया जा चुका है।

> ए० प्रस'द सक्षम प्राधिकारी सहायक् आयक् र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

दिशांत 31-12-1983 मोहर: प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांच 4 जनवरी 1983

निदेश सं० की:०आई०आर० संख्या एन० 70/एक्यू०—अतः, मुझे,, ए० प्रचाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जि.क. संख्या आराजः उफतादा है तथा जो मोहल्ला पीला तालाब, रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूच में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रात्ती अधिकारः के वार्यालय रामपुर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधान दिनांक 10-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— (1) 1. श्र.मतो वतुल बेगम ।

2. श्रा सयद महतूद अलो ।

(अन्तरक)

(2) श्रो नसीर उद्दोन

(ग्रन्तिती)

(3) उपरोक्त विकेता।

(वह व्यक्ति, जितके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस् ची

आराजी उफतादा पैमाईशो 2307 1/2 स्क्वायर यार्ड स्थित मोहत्वा पाला तालाब, रापपुर और सम्पत्ति जिलका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37—जी, सख्या 934 में वर्णित है जिसका पंजाकरण सब-रजिस्ट्रार रामगुर के कार्यालय में दिनांक 10—5—1983 को किया जा चुला है।

> ए० प्रपाद सक्षम प्राधिकारो महायक आपकर आपुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 4-1-1984 मोहर: प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. ----

श्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जा तन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० ए० पो० नं० 5071—यतः, मुझे, जे० एल० गिरार

आयकर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभेन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिस हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जैतू में स्थित है (और इससे उपाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्र कर्ता अधिवारा के वपालिय, जैतू में रिजस्ट्र वरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधान मई 1983 को पूर्वोक्त नाति के अवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रातेश्वन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधान कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचा में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किमी भ्राय या किमी धन या भ्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त मिवनियम की धारा 269-न के सनुपरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-व की उपवारा (1) के के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्रा जोशिन्द्र तिह् रता तिह सपुत्र फीना सिह और भगत तिह पुत्र मोहा तिह और दलाप तिह पुत्र बूझ तिह वासा गांव पट्टा रसात, जैतू जिला फरादकोट

(अन्तर**क**)

2. श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी बलबीर सिंह दासा गांव पट्टो रक्षात्र, जैतू, जिला फरादकोट

(अन्तरिती)

3. जैता कि ऊरर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जितके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति तम्पत्ति में रुचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जितके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता ]
 है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मृचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के कर्जन के निष्क कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी≈ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्चां व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरा।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्यत्ति तथा व्यक्ति जैशा कि विलेख नं० 269 दिनांक मई न 83 को रजिस्झोकर्ता अधिकारी जैतु ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-1-1984

मोहर 🗈

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

**धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश वं० ए० पी० नं० 5072---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किगरां में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रकिर्ता अधिकार के कार्यालय, जा तन्वर में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार ख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनो प्राय मा किनी प्रत या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धत-कर ग्रिधिनियम, या धत-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. हरभजन सिंह पुत्र बन्ता तिह् अटारिना आफ गुरंजात सिंह वासो गाव मिरजापुर तहसाल जालन्धर

(अन्तरक)

- श्री हरजीत तिंह गोबिन्दपुरी पुत बिचत्र तिंह वासी मिरजापुर और विनोद कालिया प्रनी प्रशेतम कालिया एन सी० -84 कोट किंगन चन्द जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैता कि ऊरर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स् वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैता कि विलेख नं । 1030 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 10-1-1984

मोहर 🙄

प्ररूप बाई .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० ए० पो० नं० 5073——प्रतः, मुझे, जे०एल० गिरधर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो गड़ा में स्थित है (और इ.स. उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रावर्ता अधिकार के वार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रावरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तार ख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानाखत व्यक्तियां, अथात्:—

1. श्रा पूर्गीतिह पुत्र लाभ ित्ह वासा गुरजात नगर, गड़ा वहिन्दा तह० जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरचरणकौर पत्नी थामन जिल वासी गांव वागोजाल तहर बाजय जिला कपूरथना

(अन्तरिती)

3 जैता कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति रुचि में रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति ; हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायना ह्या करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मर्म्पात्त म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा., अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्यत्ति तथा व्यक्ति जैता कि विलेख नं० 747 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रा कर्ता अधिकारो जालन्त्रर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीजण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 10-1-1984

प्रकृष आह<sup>4</sup>. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 जनकरी 1984 निर्देश सं० ए० पा०नं० 5074—सतः, मुझे, जे० एल० गिरुधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरां में स्थित है (और इपसे उप बद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से विणत है), रिष्टिस्ट्र दर्ता अधिव र के वार्यालय, ज लन्धर में रिजस्ट्र दरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख मई 1983

को प्रशेकन सम्पत्सि के उचिन बाजार मन्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उवदिष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षिण नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाणिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्र. श्रा निवात पुत्र लेख राज अटोरनो आफ गुर तेग िह पुत्र जोता जिह् वासा गांव किंगरा तह० जलन्धर (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सुशील पत्नी सोम नाथ और राज रानी पत्नी बलदेश राज शासी गांव किंगरां तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके भ्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है.
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
  है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वाना जारी करके पृथा कित संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हु।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सम्बना को राजपत्र मों प्रकाशन की नारीज से 45 विन की अवधि या तत्मम्बन्धी स्पत्रितमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पत्रित्ताों मों से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइं लिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैपा कि विलेख नं 1029 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269-ज (1) को अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्गन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 जनवरा 1984 निर्देग सं० एम पो०नं० 5075—स्वनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अभीन मक्षम पाधिकारी कौ. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिएको सं० जैसा कि धनुस्की में लिखा है तथा जो गांव किंगरां में स्थित है (और इ.से उपाबद्ध अन्सूच में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिवर्तरों के व्ययिलय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 ट्रा 16) के अधीन, तरी र मई 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथिल नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण में हार्ड किमी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरए में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् १०---

- 1. श्राहरापाल जिह पुत्र उजागर सिंह कासी गांव किंगरी तहसाल जालन्धर
- 2. श्रा पोर जिह पुत्र कपूर सिंह और हरबन्स जिह पुत्र गोर जिह और हरजोत जिह मुखबार सिंह सपुत्र हरबन्स सिंह वासी गांव मरदाना जिला अमृतसर (अन्तरिती)

 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
 (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सम्बना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो. के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब के 4,5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुपूचो

सम्पत्ति तथा की मत जैसा कि विलेख नं 906 दिनांक मई 83 को रजिस्टीकर्ती अधिकरी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सञ्जन प्राधि हारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

**सार्राख**: 11-1-1984

४५प आर्च टो. एन. **एस**. -----

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश मं० ऐ० पी० नं० 5076----अतः मुझे, जे० एल० धर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती पीरदाद खान, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त , निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्यात् :--- (1) श्री गुरदयाल बतरा पुत्र धर्मपाल मुख्त्यार आम आफ बलबीर सिह पुत्र बुद्धा सिंह ग्रीर हरवन्स कौर पत्नी कुलबीर सिंह ज्ञान कौर ग्रीर हरनाम कौर विधवा बुद्ध सिंह वासी बस्ती पीर दाद खान जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशीश कुमार पुत्र मनोहर लाल श्रौर निर्मल कुमारी पत्नी श्रोम प्रकाश जुनेजा वासी चहार बाग, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनस्थ किसी अन्य स्थायर द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हूँ।

## अमुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखनं० 1040 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दनांक: 10-1-1984

मोहरु ≟

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांकः 10 जनवरी 1984 दिवेश सं० ऐं० पी० नं० 3017-यतः मुझें, जें० एल० गिरधर

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती पीरदाद खान जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपा- बद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गुरदयाल बतरा पुत्र परस राम मुख्स्यार आफ कुलबीर सिंह पुत्र बुद्ध सिंह हरबन्स कौर पत्नि कुलबीर सिंह श्रीर ज्ञान कौर श्रीर हरनाम कौर विधवा बुद्ध सिंह वासी बस्ती पीर दाद खान, जालन्धर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री विनोद कुमार बतरा पुत्र श्री गुरदयाल बत्तरा वासी मोहल्ला करार खान जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुभाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया । गया हा।

## अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 962 दिनांक मई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्बर,

दिनोक 10-1-1984

प्ररूप बाई ुटौ ु एन , ऐस ु =----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5078---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो बस्तो पीरदाद खान जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 198 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से., एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिस्ति उददोषय से उक्त अन्तरण जिस्कित में वास्तीवक **≖**ग से कथित नही किया गया है:----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत, सक्स व्यक्तियम के भणीन कर बोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के निए; बीर/मा
- (ब) एंगो किसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत निधनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिन्याने में स्विधा के लिए,

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास :---

(1) श्री गुरवयाल बत्तरा पुत परस राम मुख्त्यार आफ कुलबीर सिंह पुत्र बुद्ध सिंह और हरबन्स कौर पत्नी कुलबीर सिंह ग्रौर भान कौर भीर हरनाम कौर विद्यवा बुद्ध सिंह वासी बस्तो पीर-दाद खान, जालन्धर

(अन्तरक)

(2)हरभजन सिंह पुत्र पूर्ण सिंह वासी मोहल्ला गोबिन्द गढ, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रक्षता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वभा जारी करके पूर्वों कत सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की जवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वान्त व्यक्तियों की से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 977 दिनांक मई 83 को रजिस्टीकर्रा अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 18-1-1984

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

े जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984.

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5079--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,,000/- कि. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-\* नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (ख) एसी किसी नाव या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमित सतपाल कौर विधवा मोहन सिंह वासी गांव दोलोवाल तहसील ग्रौर जिला होशियारपुर द्वारा मुख्यार खास तारा सिंह

(अन्तरक)

- (2) मेजर जगीर सिंह पुत्र दलीप सिंह ंग्रौर सुख-विद्र कौर विधवा ग्रौर रनदीप सिंह पुत्र मेजर जागीर सिंह वासी गांव चुगाथी तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसव क्षेत्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 1300 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 10-1-1984

अरूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० ऐ०पी० नं० 5080--अनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्स संपर्तित के उच्चित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाअस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) एेसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियौ कां जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शिवराज सिंह पूत्र जंग सिंह ग्रीर गुरबख्श सिंह पूत्र जोध सिंह नजदीक फैक्ट्री मैसर्ज साध् राम सतपाल, मुक्तसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित कीणल्या देवी पत्नी साधु राम श्रीर भगवानदास, सुरेन्द्र कुमार सपुत्र साधू राम भाई रवि कुमार, राज कुमार, जीवन कुमार सुपुत्र श्रोम प्रकाश श्रीर, नरेश कुमार विनै कुमार सुपुत्र सतपाल पता फैक्ट्री मैसर्स साध राम सतपाल मुक्तसर। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवाही ।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख ने० 652 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे०एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 10-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5081—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाम कोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का जिचन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर किंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन नियनकि अधिक स्मृतिकारों अर्थात :---

- (1) श्री बाबू सिंह पुत्र मेहर सिंह वासी शाहकोट गांव माहनी खेरा, प्रहसील मुक्तसर ।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री महल सिंह, बलकार सिंह गांव बाबू सिंह वासी गांव गामकोट, तहसील मुक्तसर।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 481 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 10-1-84

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

नासफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न् (1) के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5082—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नायकर मिंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (षिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त मिंभिनयम' कहा गया हैं) की भार 269- ह के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसुची में लिखा हैं जो मलौट में स्थित हैं श्रीर इससे उपावद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नीचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बना है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों और, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री पूर्ण सिंह पुत्र गुरबङ्श सिंह वासी गांव मलौट तहसील मुक्तसर ।

(अन्सरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह गुरमीत सिंह पुत्र गितान सिंह श्रीर हरपाल कौर पितन गितान सिंह श्रीर सुख-देव कौर पत्नी गुरचरण सिंह श्रीर गुरचरण सिंह श्रीर गुरचरण सिंह पुत्र बुद्ध सिंह वासी मलौट तहसील मुक्त-सर ।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके प्वाँथत् सम्पत्ति के नर्धन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पाद्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

## अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 366 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलौट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजीन रोज, जालन्धर

दिनोक: 10-1-1984

प्ररूप आई. दी. एन . एस . -----

, श्रायहर निर्माननम्, 198। (1<mark>961 का 43) की छार।</mark> 26<del>9-व</del>(1) के **मधीन सुव**ना

ं भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

ं जालन्धर दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5083—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बादियां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिदड़वाहा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

करे प्वांका सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने फा कारण है कि यथापृथों कर सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रित्यत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (इन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निष्वत में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बारिसवी करें, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र खुणाल सिंह वासी गांव बादियाँ नहमील, मुक्तसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री काबुल सिंह बखशीण सिंह सुपुत्र मोहिन्द्र सिंह वासी गांत्र बादियां तहसील मुक्तसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

# मनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 262 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदङ्वाहा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

विनांक: 10-1-1984।

माहर:

प्रकप नादाँ. टी. एत एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-च (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

## कार्याख्य, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5084——अतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव हुसनर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप में विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिदड़बाहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कक्ष के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे द्वरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (ब) एरेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

(1) श्रीमति चन्द कौर पत्नि प्रताप सिंह वासी हुस नैर तहमील मुक्तसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरबखण सिंह पुत्र कर्म सिंह वामी गांव हुस-नैर तहसील मुक्तसर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवसर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 405 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे॰ एस॰ गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज, जालन्धर

दिनांक: 10-1-1984

मोहर 🖫

# प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

# बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 जनवरी 1984

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5085—अतः मुझी, जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फनेड्युरा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियमअ 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

का प्रवाचित सम्पत्ति के उचित काजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित भाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उपक बिधिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कभी करने या सबसे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तव अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री राकेश दादा पुत्र लाल चन्द वासी दादा भवन जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित कौशल्या पतिन राज कुमार, वासी ईई-258, पंजपीर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्यारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए बा सकेंगे।

i.

स्पष्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व भया है।

## भन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1259 दिनांक मई 1983 को रजिङ्होर्क्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

विनांक: 16-1-1984

महिर ⊭ ⋅

प्ररूप आई. टी. ध्न. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सःरकार

# कार्याल्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 16 जनवरी 1984 निदेश सं० ऐं० पीं० नं० 5087——यतः मुझे, जे० एल० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमे उपान्नद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विस्थास करने का फारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिसी (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबटा, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रोमिति नीलम सोंधी परित प्रेम नाथ सोंधी वासी जी० टी० रोड, नजदीक लाडोवाली रोड, जालन्धर (अन्तक)
- (2) श्रीमित करम सिंह प्यारा सिंह, पुत्र गंगा सिंह गांव व डाकखाना भोगपुर, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुक्षि रखता है। (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है) को यह सुचना जारी करके पृवींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नन्ध्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1239, दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर, ने लिखा है

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक 16-1-1984 मो**हर**ः∄ Company of the Compan

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जनवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5086--अत: मुझें, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनीयम,, 1961 (1961 का 43) (जसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औ जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फतेहपुरा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा की जिए:

जतः अज्, उक्त अभिनियमं की भारा 269-गं कं अनुसरण् मों, मीं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-चं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री राकेश दादा पुद्रां लाल चन्द वासी दावा भवन , टांडारोड, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश कुमार पुत्र राज कुमार, वासी ई-258 पंजपीर, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होते हिंग, के भीतर पूर्वे किंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दें 4 5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन<u>ुस</u>्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1260 दिनांक मई 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 16-1-1984

माहर 🕄

The state of the state of the state of

प्रक्य भाइ ि दी. एनं. एसं.-----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालव,, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जनवरी 1984 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5088——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नायक श्विभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्श्वात् 'उक्त विभिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है लथा जो कोट कपूरा में स्थित है (औय इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय फरोदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुंड़ किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के लिए; जीर्/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उयत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 (i) श्री वॅरिन्द्रें कुमार पुंत्र सिर्फेक्ट राय मार्फेत देस राज राम चन्द वासी गांव पंचावासी सह फिल्ला जिला फिरोजपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित बलजीत कौर पत्नी भाई निरन्द्र सिंह पुत्र भाई करनैल सिंह मार्फत मैंसर्ज कुलदीप थिएटर, कोट कपूरा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उज्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गुट्यों और पदों का, जो उक्त विश्वास है कि में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिसा गया है।

# मन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 474, दिनांक मई 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (रिक्षिण), अर्जन रेंज, जालन्धर,

दिनांक 16-1-1984 मोहर :

# प्राक्य वाद", टी. एन्. एच्. ------

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांकः 16 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5089---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरोदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तारण से हुई किसी भाग की वाजत, उक्त मिश्रियम के भंभीन कर थने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृत्रिभा की लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी भाग था किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा में लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री वरिन्द्र कुमार पुत्र सफकत राय द्वारा देस राज नेत्र राम चन्द, गांव पंचांत्रलो, तह० फजिलका, जिला फिरोजपुर ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नि समिन्द्र सिंह मार्फत मैसर्ज कुलदीप थिएटर, कोटकपूरा । (अन्दरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

स्त्रे यह स्थाना जारी करके प्राप्तित सम्पृत्ति से अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन है सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी
  45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मसर्ची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 475, विनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर,

विनांक: 16-1-1984

मोहर 🦞

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जनवरी 1984

निवेश सं० 6090—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औय जिसकी सं० | जिसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियन, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन. निप्तितिसत व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री वरिन्द्र कुमार पुत्र सफकत राम द्वारा देस राज पुत्र राम चन्द्र वासी पंचावाली तह् ० फाजिलका, जिला फिरोजपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिलीप कौर पत्नि भाई करनैल सिंह मार्फत मैसर्ज कुलदीप थिएटर, कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा व्यक्ति ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 476 विनांक मई 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिलका में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर ।

विनांक: 16-1-1984

मोहर 🥫

# प्रकृष वार्षं .टी . एवं . एस . -------

बाइकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्रुभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, जालन्धर जालन्धर, दिनोंक 16 जनवरी 1984

निदेश सं० 5091—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर, नायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सब्दे परचार 'उन्त विधिनयम' कहा गया हैं), की गारा 269-स से वधीन समम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का जरम हैं कि स्थापर सम्पत्ति, चित्का उपित वाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसाि सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित अधिकत्यों, अर्थात् :--- (1) श्री वरिन्द्र कीर पुत्र सफकत राए द्वारा देस राज पुत्र राम चन्द्र वासी पंचाबाटी तहसी कार्जिका फिरोजपूर।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमित परमजीत कौर पत्नि भाई हरीकृपाल सिंह वासी ओल्ड कुलदीप थिएटर, कोटकपूर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर न'० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की अविधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितकव्भ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 477 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे० एल ० गिरधरः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन , रेंज जालन्धर

दिनांक 16-1-1984 मोहार ः

प्ररूप आ**इं<u>.टी.</u>एन.एस** . .-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 जनवरी 1984

निदेश स० एे० पी० नं० 5092—अतः मुझे जे०, एस० ै गिरधर,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धार 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी आग की बाबत, उक्त जिम्मीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; और/या
- (अ) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सूविधा के लिए;

अतः अस, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नीचित व्यक्तियों, अर्थात् र—

13-466 GIi83

(1) श्रो गुरमुख सिंह पुत्र सारा सिंह्वासी दावा नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत सिंह पुत्र सोहन सिंह वासी गांव कंग साबो, तहसिल नकोदर, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं ।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पब्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्यक्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 986 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

٠, .

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जानक्ष्यर

दिनांक 16-1-1984 मोहरु 🛭 प्ररूप वाद् .टी एन एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मृचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जनवरी 1984

निदेश संघ ऐं० पी० नं० 5093---अतः मुझे जे० एल७ गिरधर्

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नको सं जैपा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजात है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुरिया के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जबत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्रोमिति कमलर्जात कौर पत्नि गुरमुख सिंह बासी वादा नगर जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतिबन्द्र सिंह पुत्र अजीत सिंह जसी गांव कंग साबो हसिल नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्सरिती)

को यह स्वता वारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्से 45 दिन की अविधि या तत्स वंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किये था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र्व, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 987 दिनांकः मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 16-1-1984

प्ररूप आर्ड्िटी .एन . एस . -----

मायकरु अभिनिमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 जनवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5094--अत: मुझे जे० एस० गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में खिला है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यायल जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मई 1983।

का पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृल्य रंकम के डक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्इ है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्सरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीत-कल निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण तं हुइ<sup>†</sup> किती आयः की वाबत<sub>्र</sub> उच्छ मधिनियम के मधीन कर दोने के अन्तर्क को दायिएन में कमी करने या उससे बचने में स्ट्रिया के जिए; गौर/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🖷 प्रवर्षिनार्थं अन्त्रिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फ़ियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

(1) श्री गुरमुख सिंह पुत्र तारा सिंह बासी धादा नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जसपाल सिंह पुत्र अजीत सिंह वासी कंग साबो तष्ठि० नकोदर, जिला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी कर के पूर्वीक्त संपरित के वर्षन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।∶

# अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1093 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी (सहायक्ष आयक्तर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-1-1984

भाष्ट्रर 🚁

प्ररूप कार्ड., टी.<sub>1</sub> एन्<u>.</u> एस्.,-----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5095/—अतः मुझें, जें० एल० गिरधर

शायकर श्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (19,08 का 16) के अोग, नारीब नारीख मई,1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित हैं वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत है उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मृतः भ्रम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थात् उ~~ (1) श्रीमती कमलजीत कौर पत्नी श्री गुरमुख सिंह, वासी दादा नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री पूतपाल सिंह पुत श्री अजीत सिंह, वासी कंग साबी, तहसील नकोदर, जिला: जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यख्ति जैसा कि विलेखें नं 0 1094 दिनां क मई, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-1-1984

# प्रकृष बाद्दे . टी . एवं . एवं , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सुवना

#### शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० ती० नं० 5048—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्स में कमी करने या उससे बुचने में सूबिभा से लिए; और/या
  - (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ बन्धरिती व्यास्त प्रकट नहीं किया धना था विधा धाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

नतः अव, उक्त नियम की धारा 269-ग कें, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

 श्रीबृटा सिंह पुत्र श्रीदयाल सिंह, वासी रामपुरा फूल।

(अन्सरक)

(2) श्री जमदूर सिंह श्री जसबीर सिंह, सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह, वासी रामपुरा फूल।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य स्थावत ब्वारा, नभोहस्ताकारी के पास निधित में किए या सकेंगे।

स्पद्धोक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय। हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 461 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुरा फूलके ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-1-1984

भोह्र र

# प्रकृष नार् दी एन एस ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० न० 5049--अतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखाहै तथा जो शेखू तहसील तलबन्डी साबो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलबन्डी साबो में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित को उपित बाजार मूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक ख्र्म से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; आदि/या
- (च) ऐसी किसी जाय था किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) कुमारी जंगीर कौर पुत्री श्री विधान सिंह, श्री जीत सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह, गांव सुखलाधी, तहसील तलवन्छी साबो ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह, गांव गोंखू, तहसील तलवन्डी साबो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि सा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्वां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मुशहस्ताकारी में पाद निवित् में किए या सकेंगें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया भवा है।

#### मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 555 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी ने तलवन्डी साबी में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-1-1984

प्रका भार्य ,हो , इन् , एव , -----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निवश नं ं एि॰ पी॰ नं ॰ 5050---यत:- मुझे जे॰ एल॰ गिरक्षर,

नायकर निर्मानमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के नभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से नधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा कलां, तहसील तलबन्डी साबों में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलबन्डी साबों में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दासित्व में कमी करने वा उससे वसने में नृविधा के सिए; सोर्/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यित्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा वे विष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, इक्ट किभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नक्षित व्यक्तियों, अर्थातं..... (1) श्री करनेल सिंह, श्री निहाल सिंह, सुपुत्र श्री तोता सिंह, वामी मानसा कलां, तलवन्धी माबो।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल , श्री हंसराज, ग्रुपुत्र श्री रामजी दास, गना मैसर्स पंजाब सोप फैक्ट्री, मोड़ मण्डी तहसील, तलबन्धी साबो ।

(अन्तर्रिता)

को यह स्थाना बादी करके प्यानित सम्मारित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

वक्त सम्परित् के वर्णन् की सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबन्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थावत बुवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तित्रणः --इसमें प्रयुक्त सन्यों और नयों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुस्की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 362 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तलवन्धी साबो ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-1-1984

मोहार 🖫

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

**जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5051--अतः भुझें, जें० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो तलवन्डी साबो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवन्डी साबो में रिज-स्ट्रीकरण प्रांधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि श्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के सन्तरक के श्रायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसे किसी बाय या किसी धनुया अन्य जारिसयों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत विधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मिधा सिंह पूत श्री गुरजन्त सिंह, यासी तलवन्डी साबी, ।

(अन्तरक)

- (2) श्री बिन्दर सिंह, श्री मामू चन्द, श्री लाभचन्द, श्री नायब सिंह सुपुन्न श्री बनारसी दास, पता बनारसी दास पुस्न सुपृत्न श्री सुरजन राम, पीछे डी'० ए० बी'० कालेज, चन्दसर बस्ती, भटिण्डा ।
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बादू अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति हितबद्ध है)

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्वन के सिए। कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की भविभ या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकतः व्यवितयाँ में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (भा) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकों गै।

स्पृष्टीकरण हु---इसम् प्रयुक्त शुक्यों मृद्धि पर्यों, का , जो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है ।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख न० 649 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तलवन्डी साबो ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

सारीख : 9-1-1984

मोहर 🗓

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

# जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूम्पना

## भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5052—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर

मायकर ध्िधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25.,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० हैं तथा जो जुमबां तहसील भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबछ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वेक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षिया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिभिनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा
  - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान मैं स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्धात् :---14---466 Q1/83

(1) श्री मनविन्द्र सिंह पृत्न श्री भाई शवीन्द्र सिंह गांव जुम्बा, जिला भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुखदेव सिंह श्री मेवा सिंह, श्री नयन सिंह, श्री हरदेव सिंह सुपुत श्री करनेल सिंह, गांव बुचु कलां, तहसील भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्प्रति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहमताक्षरी जानता है कि सह सम्पत्ति हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के वास निस्ति में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## 1सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि रेंग्रेग त० 731 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-1-1984

नोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

म्रायकर मिन्नियम, 1981 (1981 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी, 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5053/--अत मुझे, जे०एस० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी स० है तथा जो जुम्बा नहसील भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अटीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अमरिन्द्र सिंह पुत श्री मोहिन्दर सिंह, गांव जुम्बा, तहसील भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) श्री सुखदेव सिंह, श्री मेवा सिंह, श्री नायव सिंह।

> श्री हरदेव सिंह सुपृत्न श्री करनैल सिंह वासी बुचु कलां, तहसील भटिण्डा ा

> > (अन्तरिती)

(3) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति हितवद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 732 दिनांक मई, 1983 की रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी मटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन टेंज जाल-धर

तारीखा : 9-1-1984

माहर 3

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पो० नं० 5054—अतः मुझे, जे० एल० गिर्धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 /- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्नितिश्वा उद्दृश्य ने उन्ता प्रस्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती मनजीत कौर विधवा चन्द सिंह, गांव थराज वालां, तहसील मुक्तसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदास राम पुत श्रा मेहर चन्द, दुकान नम्बर 30, न्यू कलाथ मार्किट, भटिण्डा । श्रामती सुनील पत्नी श्री राकेश कुमार श्रीमती शान्ति पत्नी श्री राम किशन दास पना टेक्सटाइल ट्रेडर्स, दुकान नं० 30, न्यू क्लाथ मार्किट, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) (बह व्यक्ति, निसके अधिभोग सम्पत्ति है
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होरा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

## अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख तं० 7151 निनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 9-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5055-अत: मुझे, जे० एल०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य, 25.000/- रा. से मधिक **है** 

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सी, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्दोक्य मे उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरभ से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण क श्रामित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नया थाया किया जाना चाहिए था, क्रियाने में श्विधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्रीचमन लाल पूत्र श्री जंगीर सिंह, वासी मुलतानिया रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीपदन कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल. गोर्नियाना मण्डी ।
  - 2. श्रीमती शक्तला शर्मा पत्नी श्रीमूलचन्द,
  - 3. श्री श्रोम प्रकाग पुत्र श्रीबोर भान
  - 4. श्री दीवान चन्द पुत्र श्री चानन राम पता सब-रजिस्टार, भिटिण्डा ।

ं (अन्तरितीः)

को यह सुधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

## उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:--

- (क) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की ता**रीच तै** 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तोमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्याब्सियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (व) इस् स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षद्री के पाव लिखित में किए जा सकोंगे 🕕

<del>स्युव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त</del> शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1107 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9~1-1984

प्र<del>स्प बाद`. टी. एन्. एस्.,------</del>

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, आलन्धर आलन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5056/--—अतः मुझे, जे० एल० भेरमर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इस हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उडत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

बतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री मनकियन सिह पुत्र श्री जंगीर सिह, वासी मुलतानिया रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री हंमराज पुत्न श्री भगवान दास वासी तलवन्डी माबो, श्री सुखदेव सिंह, श्री रणधीर सिंह, गुरचचन सिंह, सुपुत्न श्री गुरदास सिंह, श्री धर्मपाल सिंह, पुत्र श्री जगन्नाथ, श्री कैलाणचन्द, श्रीमती सुरिन्दर वीर कौर पत्नी श्री तिलोचन सिंह, पता सब-रजिस्ट्रार,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध् , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1108 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा : 9-1-1984

# प्रकृष वाह्र दी. एन्. एत्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5057—-अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नायकर मिथनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से विधिक्ष है

भीर जिसकी सं० है तथा जो मनसा रोड, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) तौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्षन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती चन्द कौर विधवा श्री बिशन सिंह, मानसा रोड, नजदीक रोशन लाल आयल मिल्स प्रा० लि०, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह गांव मेहमां भगवाना, तहसील भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वोचत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिंभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्षीकरण: --इसमें प्रयुक्त शम्यों भीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया वहा है।

## वन्सूची

सम्पत्ति, तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1114 विनांक मई, 1983 को रिजस्ट्रीक्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखाः 5—1—1984 **मोहर**ा प्ररूप गाई. दी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5058---यतः मुझें, जै० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है है तथा जो मनमा रोड, भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, ऐसे रूथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ंक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्भाद्य:——

(1) श्रीमती चन्द कौर विधवा श्री बिशन सिंह, मानसा रोड, नजदीक रोशन लाल आयल मिस्स प्रा० लि०, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मिट्ठा सिंह पुत्र श्री हरचन्द सिंह, पता सब रजिस्ट्रार, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं: ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्लिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1117 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एत ० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख : 9-1-1984

मोहार 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० ए०-पी० नं० 5059---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

षायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ गंकर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गढ़ गंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गृन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उत्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, विस्कृतिकृति व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री अवतार सिह
गांव लधाना झीका.
नहसील नवां ग्रहर
मुख्तारे आम डा० सेवा सिह पुत्र
श्री मोहिन्दर सिह,
मकान नं० डब्ल्यू जेड-33,
मेजर भूपिन्दर सिह नगर,
नई दिल्ली-18

(अन्सरक)

(2) श्रीमती स्वर्ण कौर गांव मुज्जन, तहसील नवां णहर।

(अन्तरिती)

- जीमा कि उत्पर नं. 2 में है।
   (यह व्यक्ति, जिसक क्षेत्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
  (यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
  को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
  कीर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 478 दिनांक मई, 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गढ़ शंकर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-1-1984

प्ररूप. बाइ. टी. एन. एस. -----

अभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 10 जनवरी 1984

निदेश मं० ए० पी० नं० 5060--यतः मुझो,जे० एल० गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक ह<sup>®</sup>

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माहिलपुर तहसील गढ़ शंकर में स्थित है (और इससे उपाधन अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गढ़ णंकर में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति काँ उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारत (1) 🕏 अधीन, निग्नितिसित व्यक्तियों ,अर्थात :-- .

(1) श्रीकहा वस बाली पूत्र श्री दौलत राम वाली, माहिलपूर, जी० ए० श्रीदौलत राम बाली, श्री जगत राम, श्रीलाल चन्द, गांव माहिलपर, तहसील गढ़ शंकर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह, श्री पृथीपाल सिंह कनेडियन पूत्र श्री जसवन्त सिंह, गांव माहिलपुर, जिला होणियारपूर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रचता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पटकीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में विष्या गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 546 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गढ़ शंकर ने लिखा है ।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधि शारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-1-1984

मोहर 🖫

15-466 GI/83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5061—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिएकी मं० जैस कि भ्रमुसूची में लिखा है तथा जो पुरहीरा, होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजिन्द्री एतीं अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख मई, 1983

को प्वोंबत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (१००० ता 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्योजनार्ण जन्नीरती दवारा प्रकट होते किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क जिला

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री धर्म सह पुत श्री सुन्दर, श्री रामचन्द्र पुत श्री बाबू जगत सिंह, अनियास श्री अवतार सिंह, श्री हरवंस सिंह, पुत्र श्री ऊधम सिंह, श्रीमती प्रीतम कौर माता श्री दिवन्दर सिंह, गांव भिलोवाल, तहसील होणियारपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बूझा पुत्र श्री बन्ता, गांव पुरहीरां, होशियारपुर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में हैं।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अ<mark>धोहस्ताक्षरी</mark> जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**ब्द्ध है**)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहैं भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैपा कि वितेख नं 836 दिनांक मई, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर् मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-1-1984

प्रकार बार्च ,टी एक एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5063——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ,269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गित है) रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,

1983

,को पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी भाग की बायता, उक्त कीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जे अधीन जिम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री कौर सिंह पृत श्री कक्कड़ सिंह, वासी कोठी केमके पीछ एन० एफ० एल०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री जोगिन्दर सिंह, गांच विके कलां, तहमील भटिण्डा ।

- (2) श्री सीता राम पुत श्री राम जी दास गांव पथराला तहसील भटिण्डा।
  - श्रीमती णिन्द्र कौर पत्नी श्री कौर सिंह गांव पथरासा तहसील भटिण्डा
  - 4. श्रीमती परमजीतं कींर पत्नी श्री किशन सिंह गांव गुरथारी जिलाभटिण्डा ।
  - श्री हरनेक सिंह पुत श्री बख्तावर सिंह गांव फूलो मिथी तहसील भटिण्डा,
  - श्रीमती ऊषा देवी पत्नी श्री दीवान चन्द, गांव विकं कला, तह्सील भटिण्डा ।

(अन्तर्रती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में हैं।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारा करक प्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पवाँ का, को उक्त किथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया नवा है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि त्रिनेश सं० 779 दिन्ति मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है ।

जे० एल० भिरधर सञ्जम श्राधिकारी महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीकाण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-1-1984

मोहर 🕄

प्ररूप नाहाँ. टी. एन. एस. - = - - = - = - नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5062--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन संभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री क कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम् के रूथ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्मविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अक्षः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री हरी सिंह पुत श्री पूरण सिंह वासी सिदिया, मोहल्ला भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुख्तयार सिंह पुत्र श्री दयाल सिंह, गांव वीर बेहमन, तहसील भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिक, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 544 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल**० गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 12-1-1984

बुक्य बाइं.टी.एम्.एस..-----

नाय्कर निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के नधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5064---अतः मुझे, जे० एल ० गिरधर

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधितियम' कहा नया है), की घारा 269-ज के भ्रमीन सक्षम श्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान रित्कल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफल का उन्ह्र ह प्रतिशत से ग्रीक्षक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितं। (अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के लिए तथ पाय। यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्यात नहीं किया गया है:--

(क) प्रस्तरण संतुई किसा भाग का बाबत, उक्त भीछ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या

को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना वाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बनुसरक में, में उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क्रिब्धीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह, पता सब रजिस्ट्रार, भटिण्डा।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अविन्द्र सिंह फ्पूर पुत श्री सोहिन्द्र सिंह ।
  - कुमारी सरजीत कौर पुत्री श्री सोहिन्द्र सिंह ।
  - श्री जोहन मानक सिंह पुत्र
     श्री बिणन सिंह।
  - 4. श्रीमती सरोज मित्तल पत्नी श्री ओम प्रकाश पत्ता श्री एम० एल० गोयल, एस० डी० ओ० बी34, थर्मल कालोनी भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननसर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 925 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 12-1-1984

मोहरू 🖟

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

# भावकर विभिनिवस्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,ज ।लन्धर

जालन्धर, विनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5065—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उषित बाजार मूल्य से कम के दृदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से, एसे दृदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत सक्त विभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एरे गिकिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां., जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे विद्

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—— (1) श्री सुरिन्दर सिंह पुस्न तारा सिंह गांव सिदवां तहसील नकोदर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम लाल पुत खुशी राम और फुलदीप कौर पत्नी प्रेम लाल वासी पटेल नगर, गली नं० 4, फगवाडा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितु को अर्थन् को लिए कार्यवाहियो करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वित्यों में से किमी व्यक्ति हवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 384 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 12 जनवरी 1984

प्रकृप कार्ड. टी. एन. एसं. ------

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 26.0-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5066--यन: मझे जै० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का **ब**ारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. मे अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में **बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--**

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 **(1**922 का 11) या उक्त अधिनियम या **धन-क**र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रक्रट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िक्षपाने में सविधा के लिए;

अन्तः अन्न , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अप्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🏣

(1) थां दर्शन सिंह पुत गुरबचन सिह वासा मुहबत नगर, कपूरथला मुक्तियारेआम बाली श्रीमती सरवन कौर पत्नी दर्शन सिंह, म्हबत नगर, कपूरथला ।

(अन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह पुत दिदार सिंह वासी काहना, कपूरथला।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
  - (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जित्रवद्ध किसी जन्य व्यक्ति वृजारा अभोहस्साक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं० 459 दिनांक मई 1983 को. र्राजस्दोकर्ता अधिकारी क्पुर्थला में लिखा है ।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 12-1-1984

प्रक्प आह. टी. एन. एस.-----

**भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5067——अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को प्वेंक्ति सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किए। नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए, बाह्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय ये जिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारताय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दर्शन सिंह पुष्त
गुरबचन सिंह
कपूरथला
मुख्तियारेआम वाले श्रीमती सवरन कौर
पत्नी दर्शन सिंह
वासी मुहबत नगर, कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) सुरिन्द्र पाल सिंह पूत्र विवार सिंह वासी काहना, तहसील कपूरथमा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 823 दिनांक गई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क्पूरथला में लिखा है।

A 4 4 4 4 5

जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनोक: 12-1-1984

मोहर 🗓

प्ररूप साई० टी० एन० सं०---

मायकर प्रश्वितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5068—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जमके करणमान प्रतिफल में, एमं देर्ण्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निया;

कतः वर्षः, प्रेक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग को अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीनः निम्नलिखित व्यति यो सर्धातः—— 16—466GI/83 (1) श्रोमती दर्शना देवी पतनी धर्म पाल वासी रामा मंडी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीमा रानी पत्नी अमृत लाल मारफत जी० एन० डी॰ टी॰ पी० कैंटीन, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगी।

स्वव्होक्तरणा:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यो का, जो उन्हार अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुस्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1043 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्ध<sup>र</sup>

तारीख: 12-1-1984

मांहर:

प्ररूप बाह्र टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5069—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बाज्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसको सं० जैम: कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्छा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्छा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स ए से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्नोलोक्त उद्युप्य स अवत अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य का उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ज्ञान चन्द पुत्र हजारो लाल वासी बरनाला. जिला संगरूर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृत लाल पुत्र वेस राज मारफत जी० एन० डी० टी० पी० कैंटीन भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

का यह मुचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप --

- (क) इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुख्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुगरा.
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## जन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1044 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रोहर्ता अधिकारी भटिन्डा में सिखा है।

> जे० एस॰ गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12 जनवरी 1984

# शक्य बाइ. टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पो० नं० 5070-अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बंगा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पृष्ठों वत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम, के बधीन कर दोने के अन्तरक के शांगिल्य में कमी अरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत बड़, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनसरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री गन्धर्व सिंह नागरा
पुत्र नारायण सिंह
वासी 62 सेक्टर 28 ए,
चण्डीगढ़
स्वयं और मुख्तयार आर कैपटन हरप्रीत सिंह
स्वयं और अरसर्व.र कौर
परनो और इन्द्रजीत कौर।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती हरबंस कौर पत्नि बलान्त सिंह पता वी॰ करीहा तह॰ नवां शहर जिला जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हैं (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि थे। तस्य अन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब है
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ
  किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास्
  सिंबत में किए जा सकों गे।

स्यव्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त की पनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिसा प्रसाह ।

## वन्स्ची

सम्यक्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 300 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी बंगा ने लिखा है।

जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-1-1984

मोहर 🕫

Property and Asset Parks 1941 and 1941 and

प्रस्प भाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1984

निर्देश सं॰ 1370/अर्जन रेंज-III/कलकत्ता/83-84---यतः मुझे, एस० के॰ चौधरी,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 85 है तथा जो आधार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के सिष्

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण औं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री सत्य प्रभात बनर्जी और दूसरा

(अन्तरक)

(2) श्री दिलिए चौधुरी और दूसरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अन्सूची

85, आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता। 1 बीधा 8 छटांक जमीन साथ मकान।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकसा

तारीख: 4-1-1984

मोहर 🛭

and the second of the

प्रकृष आहूर, टी. एन्: एस.----

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकता का कार्यालय कलकता, दिनांक 4 जनवरी 1984

निर्वेश सं०  $1371/अर्जन रेंज-<math>\overline{\Pi}I/$ कलकत्ता/83-84-- यतः मुझे एस० के० चौधुरी/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 85 है तथा जो आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसते उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-5-1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करन का धारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तर्विक स्प से किथत नहीं किया गया है किया स्प है किया निम्नलिखित नहीं किया गया है किया से किथत नहीं किया गया है किया से किथा से किथा से किया से कि

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-शिवम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपान में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसितित व्यक्तियों, अर्थात् हे—— (1) भी सत्य प्रभात बनर्जी और दूसरा

(अन्तरक)

(2) श्री विलीप चौधुरी और दूसरा

(अन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पृयांक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा अधिक की पास लिकित में किए जो सकेंगे।

स्पळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त इक्दों और पर्वों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

85, आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता। । बीघा 8 छटोक जमीन के साथ मकान।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

तारीच : 4-1-1984

मो**हर**ः

प्ररूप नाइ". टी. एन. एस. = == ≥

नायकर निभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज कलकाता का कार्यालय

कलकता, दिनांक 4 जनवरी 1984

निर्वेश सं० 1372/अर्जन रेंज-III/कलकता/83-84---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा से धिक है

और जिसकी सं० 85 है सथा जो आजार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, क्लकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्याक्य क्लकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, त.रीख 13-5-1983

को पूर्वोक्षत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंहरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उव्ववेय से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वासत उक्त जिल्ला नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिस् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिए;

(1) सत्य प्रभात बानर्जी और दूसरा

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप चौधुरि और दूसरा

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाया। सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य क्यक्ति देवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाजित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुस्ची

85, आचार्य प्रकुल्ल चन्त्र रोड, कलकत्ता। 2 बीघा 8 छटांक जमीन साथ मकान।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकला।

सतः सव, उक्त गिंधनियम की धारा 269-व की जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

तारीख: 4-1-1984

मोहर ः

1 - 4 1 gr - e.

प्ररूप बाह टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कलकता का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 9 जनवरी 1984

निर्वेश सं० 1373/अर्जन रेंज-III/क्रलफता/83-84---यतः मुझे, एस० के० चौत्रुरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाडर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 89-ए हैं तथा जो प्रिन्स गोलाम होसेन सा रोड, कलबत्ता में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1983 को

(1908 का 16) के अर्थान, तारीख 4-5-1983 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सिविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिंधध के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्हलिखित व्यक्तिसमों, अर्थातः— (1) श्री शान्ती कुमार घाष, अलोक कुमार घोष

(अन्तरक)

(2) श्री नब राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जम्सकोंगे।

स्पच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## वर्म्सची

89ए, प्रिन्स गोलाम होसेन सा रोड, कलकता । 4 के० 7 छटांक--20 वर्ग फीट जमीन साथ मकान।

> एस० के० चौश्रुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Шा, फलकता-16

ता**रीख**: 9-1-1984

मोहर 🔅

प्रकृष कार्बा दी . एन् . एस . --------

' नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-भ (1) के अभीन सुमना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, फलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदेश सं० 1374/अर्जन रेज-III/कलकत्ता/83-84---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण 🗲 कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रत. में अधिक हैं

और जिसकी सं० 41-ए है तथा जो शामा प्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-5-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण की सिए नय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्योषय से उक्त बन्तरण सिखित में नास्त्रीयक क्य से कथित नहीं किया ग्या है 🤝

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि∞ नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एरेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियी को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के - प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ्था,या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा न । भए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :---

(1) फल्लानि घोष

(अन्तरक)

(2) केशररम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह स्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाम् लिखित में किए जा सकरें।

न्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो **उक्त** मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियो

अनुस्ची

41-ए, शामा प्रसाद मुखर्जी रोड, कलकता। 2 कनाल 3 छटांक 37 वर्ग फीट जमीन के साथ मकान।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंन-III, फलफत्ता

तारीख: 9-1-1984

प्ररूप बाहुँ .टी . एनं . एस . ------

भ्रायक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की धारा 269-व (1) ने प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण<sup>)</sup>

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ये० मी० नं० 433/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

者 श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार गुल्ए 25,000/- नामे से प्रधिक है और जिसकी संव आरव ओव 4,93 है, जो मेथनी, गन्नावरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के वर्षा हर, गन्न। वरम, मिं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर **मुझे वह** विश्वास करने सा कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिश्रल का पन्द्रह प्रतिश्रत से प्रधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) पोर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त प्रन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया में 1⊶∽

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किया आय या किसी धन या धन्य धास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय माय-कर भिनानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रक्षिनियम, या मन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दरोजनार्थ चन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं **किया** गमा था या किया जन्ता चाहिए था, छिपाने में मविद्या के लिए।

ग्रतः भव, उक्त प्रधिनियम को धारा 269भा के प्रनुसरण में, में, उथत अधिनियम की जिल्हा 269- क की जनवारा (1) के अधीत : निम्नलि**श्वित व्यक्तियों, वर्शात् ः--**17-466GI|83

(1) श्रीमता जी० सीतामहालक्ष्मी पत्ति लेट सीतारामय्या मननी ऋष्णा जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० रविन्द्र राव, मन्तनी, जिला---कृष्णः ।

(अन्तिरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हा।

**एकत सम्यो**त्त के सम्बन्ध में कोई भी **भाक्षेप** !----

- (क) इस भूवना के राजापत्र में प्रकाशन की नारी**ख से 45** दिन की ग्रवधि या तरसंबंधी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन ही अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी स्थक्ति द्वाराः
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितकद किसी भ्रन्य स्पनित द्वारा, भ्रजोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुवन पान्दों गीर नदीं हा, जो उन्त मिन-नियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित है, बढ़ी यव हाता. जो उर परराय में दरा परा है ।

## अमृस्ची

आर० सी० सी० इमारत, विस्तीर्ण 22 सेंटम्, राइस मीला, आर० ओ० नं० 4/93, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1198/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-1-1984

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.-----

(1) श्रो चोहान लाल लाधा भाई

(अन्तरक)

(2) श्री कलकत्ता लोहाना महाजन

(अग्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कल ृत्ता⊸16 कलकत्ता,दिनांछ 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० 1376/एक्य आर-3/83-84--यत: मुझे, एस०के० चौधरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं.

और जिप्तको संख्या फ्लटसं० 54 है तथाजो इमप्रवर्मेंट ट्रस्ट स्कीम संरापक्षरण्यार बीर में स्थित है और इसने उपाबद्ध अनमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यात्य क रहता में, रजिस्हो हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (कातरकों) और **अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच** एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अंतरण निचित्त में धास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) बन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख से** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त , शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगर, जो उस अध्याय में दिया . गया है।

# बनसची

ष्पाट पठ० 54, इसप्रादमेंट स्कीम सं० एक्स०एल०की० (आगरि सं० 1 1ए, राधा बाजारलेन), कलकत्ता। 2क्०-1 2छटांक-7 स्कृएयर फिट जमीन साथ मकान

> एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिदार्रा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकता-16

नारीखा: 11—1—1984

Support to the confidence of t

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 16, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 11जनवरी 1984

निर्देश मं० 1377/एक्य०/आ२-3/कल/83-84--यत: मुझे, एस०के० चौधुरि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी गं० 50-की है तथा जो गरियाहाद रोड, बलकत्ता म स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूचों में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, राजिस्ट्रो-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारोख 16-5-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतााण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो रतनगर चारिदि सोसाईटी

(अन्तरक)

(2) सुशिलो देवो मालपानि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजा को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भे जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्ता स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पस्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में षिया गया है।

# अमुस्ची

50-बी, गरियादाद,शेड,कलकत्ता। प्लाटसं० 4, 2nd प्लोर दलिल सं० 4826 ।

> एस० के० चौधृरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, कलकत्ता -- 16

तारीख: 11-1-84

प्रकप नाई. टी. एन. एस. ------

# भागकड मृश्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांकः 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० 1378/एकु/आर-III/83-84--यतः मुझे एस०के० वौध्रुरि

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जित्तको सं० 10 है तथा जो पारिस चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसने उलब्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अभिनियम, या भनक र अभिनियम, 1957 (1957 का 27) इं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा जा वा किया जाना चाहिए जा कियाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रो विरेन्द्र ऋष्ण मित्र

(अन्तरक)

(2) श्री नाउयाल किशोर अरोरा

(अन्तरिती)

को यह बुचना वारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्वि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त । अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः -है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

10, पारसि चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता।
3के-8छटांक—जमीन साथ मकान (1/9 शेयर)

एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼3, कलकत्ता−16

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ना**रीख**: 11--1--1984

प्रस्प आईं.टी.एन.एस्,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 3,कलकत्ता-16

कलकत्ता, वि 🖟 । 11 जनवरी 1984

निर्देश सं 1379/एक्/आर-11/83-84--यतः मुझे, एस० के० चौध्रि

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० 11 है तथा जो पारिस नार्च स्ट्रीट, क्ल ट ना स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में, रिज स्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत , उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए;

कतः जब, उन्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, उन्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भवेन्द्र किशोर मिन्न

(अन्तरक)

(2) श्रा नाज्याल किशोर अरोरा

(अन्तरिसी)

को यह स्वामा आरी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्नत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **अनुसूची**

11, पारिस चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता। 3 कट्टा --- 8 छटांक जमीन साथ मकान। (1/9 भेयर)

> एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 11-1-1984

मोहर 🤢

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायुकर जायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० 1380/एकु/आर-III/83-84--यत:, मुझे, एस०के० चौध्रुरि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो पारिस चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता म स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्छ बिभिनियम के अभीन कर दोने के अम्तरक के बायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; बौर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के निए?

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रोमती तोपाजा हालदार

(अन्तरका)

(2) श्री नाउयाल किशोर अरोग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी शाओप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

11, पारिस चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता।
3के-8 छटांक जमीन साथ मकान।
(1/9 शेयर)

एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरक्षिस) अर्जनरेंज-3,कलकत्ता-16

नारीख: 11-1-1984

# अरूप बार्च. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर ल

कलकता, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं०  $1381/\eta \phi/317-UI/83-84---यतः मुझे, गुस०के० चौध्रि$ 

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी मं० 13 है तथा जो पारिस चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसने उनाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है(, रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 10-5-1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दिश्यनान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्र प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय का बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर इने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और रिश
- (स) एसे किमी अप या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अवः, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नुभति ह—

(1) श्री प्रोनोबेन्द्र कृष्णा मिल

(अन्तरक)

(2) श्री नाउयाल किमोर अरोरा

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षपे :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिग्य गया है।

# मगुसूची

13, पारिस चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता। 3के--8छटांक जमीन साथ मकान। (1/9 वा णेयर)

> एस० के चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता -16

तारीख: 11-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

न।यकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### Mile aleas

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1984

1382/एक/आर-III/83-84---यतः मझे, निर्देश सं० एस० के० चौधुरि

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य, 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० 14 है तथा जो पारिस चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्सह प्रशिक्षत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिक्त उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए: बौर∕ना
- 📺) एोसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हां भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तुरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अप. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- ध की उपधारा (1) क् अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जवाबेन्द्र कृष्णा मित्र

(अन्तरक)

(2) श्री नाउयाल किणोर अरोरा

(अन्तरिती)

कर्म यह सूचना कारी करके पूर्वों क्ल सम्पत्ति के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृध् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया नमा 💕 🕕

नग्त्यी

14, पारसि चार्च स्ट्रीट, कलकत्ता। 3के-8 छटांक जमीन साथ मकान। (1/9वां शेयर)

> एस० के० चौध्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, कलकत्ता -16

नारीख: 11-1-1984

प्रारूप आई .टी. एन. एस ु-------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलक्सा

कलकत्ता, विनांक 11 जनवरी 1984

1382/एक्/आर-III/83-84--यतः, मझे; मिर्देश सं० एस०ूके० चौधुरि

कांबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र**ा. से अधिक ह**ै

और जिसकी सं० 15 है तथा जो पारिस वार्च स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-ंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख \_ 9-5-1983 को

'चूंचौक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम कै दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि सभापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के ्रन्स् प्रतिशास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वदेश्य से उक्त भन्तरण जिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय की यावत, उक्त निधिनियम के नधीन कर दोने के नन्तरक वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी भन या जन्म अगस्तियाँ को जिन्हों भारतीय नायकार निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बद, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण ों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---?-466 GI/83

(1) श्रीपी० के० मिस्र

(अस्तरक)

(2) श्री नाउयाल किणोर अरोरा

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध मा तत्सवंभी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबाड़ी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रमुक्त कव्यों भार पदां का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ध होंगा जो उस कथ्याय में विदा ग्या है।

## नन्स्ची

15, पारसि चार्च स्ट्रीट, कलकसा। 3के-8 छटांक जमीन साथ मकान। (1/9वां शेयर)

> एस० के० चौध्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकसा-16

तारीख: 11-1-1984

मोहार 🖫

प्ररूप आई. टी. एच्. एस. -----

बायुकार स्थिनियुम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायुकर वायुक्त (निर्काण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्वेश सं० 1384/एकु/आर- 1/83-84--यतः मुझे, एस०के० चौधरि

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम शिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- ए. त जायक हु
और जिसकी मं० 21 है तथा जो रिवन्द्र सरनी, कलकत्ता में स्थित
है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण
अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख 9-5-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उव्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के वास्तिय नें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें सुविधा के निए;

अतः जन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभादा (1) के अधितः विकास किला क्यों क्यांति क्

(1) श्री के० के० मिल्ल

(अन्तरक)

(2) श्री नाउयाल किशोर भ्ररोरा

(अन्तरिती)

क्रो यह सूचना जारी करके पृशींक्त सम्मत्ति के भवन के **्रिय** कार्यनाहियां करता हुई (1)

# दानत ब्रम्पति क्षे अर्थन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेत्र-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीक रुण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावितें हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

## भनसर्ची

21, रिबन्द्र सरिन, कलकत्ता 3के-8छटांक जमीन साथ मकान (1/9वाँ शेयर)

> एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 11-1-1984

मोहरु 🗗

प्रस्य बाह्रौड़ टींड एनड एस्डु≅-≅--⊌-प

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) में अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1984

चित्रंण सं० 1385/एकु/आर /83-84---यतः मुझे, एस०के० चौधिय

25,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं 23 है तथा जो रिबन्द सरिन, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप से बिणत है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-83
ो प्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
तिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने
ो कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
े इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया
तिफल, निम्मलिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित

- (क) अन्तर्य से हुई किसी आग की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तर्क के वासित्य में कभी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसिसयों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्रीपी० के० मिल्ल

(अन्तरक)

(2) श्री नाउयाल किशोर अरोरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आपी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द स्मृक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्विधीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कुर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुंबा हैं [1]

## अनुसूची

23, रिबन्द्र सर्रान, कलकत्ता। 2के-8 छटांक जमीन साथ मकान। (1/9वां शेयर)

> एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकला–16

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण रें, कें, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) . क्यीन, निस्तिविद्य व्यक्तियों, अर्थात् ह

तारीखा: 11-1-84

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश नं० 1386/एकु/आर-3/83-84--यतः मुझे , एस० के० चौधरी

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य,52000/- दं से प्रधिक है

और जिसकी सं० 25 है तथा जो रिबन्द्र सरनी कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1983

को पूर्वों कर संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई हैं और मुक्ते यह विश्वात् करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-कल निम्मलिबित उप्रदेश से उक्त अन्तरण में मिबित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बलाउन से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कड़े दोने के बलाएक के बायित्व में कभी कड़ने वा स्तरों अपने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नारिस्तयों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा के जिए;

जतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (१) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री के के विल

(अन्तरक)

(2) श्री नाउयाल किशोर अरोरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख रें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस ब्रुपना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय है 45 विश् के शीतर क्या स्थानर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताकरी के पांची सिवित में किए या सकती ।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त सभ्यों और एवां का, जो उनक जिल्लीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

# प्रमृत्यु वी

25 रबिन्द्र सरनि, कलकला। 3के-8 छटांक जमीन साथ मकान। 1/9वां गोयर)

> एस० के० वौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तांगोका: 11→1-1984

प्रकम बाद्र\*् डी., एव., एस.ु -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### मारत् बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वस (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकसा—16

कलकसा, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश मं० 1387/एकु/आर-3/83-84--यतः मुझे, एम०के० चौधरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधनियम' कहा ग्वा हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- छ. ते विभक्त हैं

और जिल्ला सं० 21 - बी है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्णरूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 9-5-1983

को पूर्वोक्त सम्बन्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रहयमान प्रतिकल के लिए कन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, ससके रूपमान प्रतिकल से एसे क्रयमान प्रतिकल का नम्द्र प्रतिचल से अधिक है बीर बंतरक (बंतरकों) बीर बंतरिती (बंतरितियों) से बीच एसे मुख्रण से लिए तब बाबा गवा प्रति-कल दिल्लीकीक्त स्वारंत से स्वत् बंतरण मिन्यु में बार्स्ट्रक कम से स्थित नहीं किया ग्वा है है——

- (क) जन्तरण वे कृषं कियी जाव की वावत वयस विध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वयने में सुविधा के लिए बीड/का
- (क) होती जिल्ही जान वा जिल्ही थन वा कुन्य जारित्ती की, जिल्ही भारतीय जानकर निर्धानयन, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्धानयन, वा धन-कर निर्धानयन, वा धन-कर निर्धानयन, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ जनतरिती ब्वास प्रकट नहीं किया प्या था वा जिल्हा जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की निका

भतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती सिश्रताम्खर्जी।

(अन्तरक)

(2) एम० बी० प्रोपरिटस प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

 $g_{\mu}(x) = (1/2 + 3/2) (1/2 + 1/2) (1/2 + 1/2 + 1/2) (2/2) (2/2) (2/2) (1/2 + 1/2) (1/2)$ 

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी अ्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

क्लक्क्ष्मिरण:--इतमें प्रमुक्त सक्यों और वर्गे का, को उन्तर अधिकृतिसम् के अध्याय 20-क में प्रिभाविक् इ, बहु अर्थ होना को उन्तरभाय में दिया गया है।

## नपुरुषी

21-वी, गुरु सदय रोड, कलकत्ता। 7के--15 छटांक 29 स्केयर फुट जमीन साथ मकान।

> एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 11-1-1984

# भक्त नाइ<sup>न</sup>, टॉ<sub>.</sub>एन्. एस्.,-------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### बारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्वेश सं० 1388/एकवी/आर- $\Pi V = 84$ —यतः मुक्त, एस०के० चौधुरि

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के मुभीन सभूम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारुण है कि स्थान्य सम्परित, जिसका उिज्त बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं हैं तथा जो मीजा कुसब्यि, थाना तिलजाला, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णक्ष्य से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख 24-5-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तृत्रक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जोड़/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन् या नन्य नास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम, या भन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३——

(1) श्री मोहम्मद हुसेन (एस० के० लाउला)

(अन्तरक)

(2) श्री अबदुल राज्यजाक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वनत् सम्परित् को नवीन् को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के ट्राथपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनाश;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मनसंची

मौजा--कुसब्या, थाना---तिलजाला, जे० एल० सं० 14, 10 डेसिमाल जमीन बलिल सं० 15081 ।

> एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 11-1-1984

मोहर 🛎

# प्रकृप भाई • ही • एन • एत •---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 289-व (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश मं ० 1389/एक्वी/आए-3/83-84---यत: मुझे, एस० के० चौधुरी

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण 🛢 कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मुख्य 25,000/-क्पए से अधिक है

और जिसकीं सं० 7/2/1 है तथा जो गरचा सेकेन्ड लेन, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और, पूर्णस्य से विणित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, राजिर्द -करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- <sup>\*</sup>(<del>व</del>) ऐसीकिसीआययाकिसीधनया*जन्य जास्तियों* को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 年 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः अबः उन्त प्रजिनियम नी बारा 269-ग के, प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

(1) श्रीमती उमारानी दत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री अविनि हाल्दार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्**चना के राजपत्र में प्रकाशन की** तारी<del>ख से</del> 45 विन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरो।

स्ववसीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# जन्त्रची

7/2/1, गरचा सेकेरड लेन, कलकत्ता। 1के-5 छटांक--5 स्कूयर फिट जमीत साथ मकात। दलिल सं० 14967

> एम० के० चौध्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकसा-16

तारीख: 12-1-1984

# प्रक्ष नाहर् दी पुन ुपन क्षा कर साम

भागकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० 1390/एक्दी /आर-3/83-84--यतः मुझी, एम०के० चौधुरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/6 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर अुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हिसए और/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अवसरण भें., भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निस्नलिकित <u>व्यक्तियों,</u> अर्थात् ध— (1) श्री विकाश चन्द्र सिन्हा

(अन्तरक)

(2) श्री अनेक्स एसटेट्स प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याश सभोहस्ताक्षरी के
  पास लिचित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित ही, वहीं अधीं होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

2/6, सरत् बोस रोड कलकत्ता। 2बी---6 छटांक 32 स्केयर फिट जमीन साथ मकान दिलल सं० 15286।

> एस० के० घौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकत्ता-16

नारी**ख** : 12—1—1984

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन्, एस.,----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 27 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पो० आर० नं० 2610/II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० माह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी नं० सर्वे नं० 21 पैकी है तथा जो देसरा ता० गणदेवी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूनो में और पूर्ण - रूप से वर्षित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-5-83

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत अधिक है और अन्तरक (अनारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उच्चेष्य से उन्तर अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में मृतिधा के लिए:

(1) श्रो तटवरलाल नाराणजी रावल गांव देसरा ता० गणदेवी

(अन्तरक)

(2) श्री कानजीभाई सामजी भाई सुरती देसरा ता० गणदेवी हाल——12 13, राजहंम अवार्टमेंट दूसरी मंजिल, जितेन्द्र रोड, मलाड (इस्ट) बम्बई—64

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कररता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोक्त्साक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्प्वतीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

जमीन जो देसरा में स्थित है जिसमें क्षेत्रफल 4 हा गुंधा 116 धीर बार है सब रजिस्ट्रार गणदेवी में 414 नम्बर पर तारीख 13-5-83 को रजिस्ट्री की गई है।

> आर० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :——
19—466 GI/83

तारीख: 27-12-83

प्ररूप आर्दःटी.एन ः एस . ------

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रश्नीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पो० आर० नं० 2620/JI/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नौंध नं० 1515 है तथा जो साधना को० ओ० सोसा० सूरत में स्थित है (और इसके उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से ऐसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व सम्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या असमे बचने टें सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीर श्रारकर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त स्रिधिनियम, या धनकर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में स्रिया के लिए)

जरः जन, उक्त जीभॉनयत्र की भारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अशीन, निम्नलियित् व्यक्तियों, अर्थात्ः~ः  श्री नटवरलाल प्रागजीभाई देसाई, 45, साधना सोसायटी, पराच्छा रोड़, सुरत।

(अन्तरक)

श्री सालभाई साक्षाभाई गोलकीया,
 45, साधना सीसायटी,
 वरोबदर, ला० गरियाघाट,
 जि० भावनगर।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता है।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अपृसुची

बंगला जो साधना सोसायटी, सूरत में स्थित है जिसका नौंध नं 1515 है और कुल क्षेत्रफल 280 स्का० मीटर्स है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 5117 नम्बर पर तारीख 25-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

तारीख: 28-12-1983

मांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1983

निवेश पं ० पी ० आर० नं० 2620-ए०/11-83-84--अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है:

और जिसको सं० 23-24 है तथा जो भाटर, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके रश्मान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल, निम्निनिश्त उद्वेष्य से उपत अन्तरण निश्वित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-निवृत्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में नृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---  श्रा अरिवद सिंह चोमन सिंह, अल्थानः, ताल ता० चोर्यासी, सुरत।

(अन्तरक)

(1) कस्तूरबेरन माधवर्जा चोटालिया
 (2) छगनलाल माधवर्जा चोटलिया
 1/934 नानपुरा, अङ्गूगर महोल्लो, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकरणः—--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गरा हैं।

# यन्स्ची

प्ताट जो भाटर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 23-24 जिसका कुल क्षेत्रफल 1631 स्के० यार्ड है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 4606 नंबर पर तारोख 9-5-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30-12-1983

'६ श्रंप' **आर्ड**' . ट**ी** . एन . एस .'-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० पाँ० आर० नं० 2621/II/83—84—— अतः मुझे, आर० आर० शाहा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० सर्वे नं० 23-24 है तथा जो भाटर, सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिप्स्ट्रायती अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्राप्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन 9-5-1983

को पूर्वोका संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनिश्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 हश्शाबेन अरिवद सिंह, के०/अर० अर्जुनसिंह चिमनसिंह, अलथाणा, सुरत।

(अन्तरक)

 श्रा भारतासैन किसोरचन्द्र घोषाला, 12/2902/ए०-1, रानं तालाब, भार बंध बध, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अजन के लिए कार्यशिष्ट्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसु अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट जो भाटर, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रकत 1790स्के० यार्ड है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4607 नंबर पर ना० 9-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30--12-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आर्इ. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पं।० आर० नं०  $2622/\Pi/83-84---$  अतः मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 23-24 है तथा जो भाटर, सूरत में स्थित है (और इसके उप बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राइनि अधिलारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्राइनिश्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 9-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचल प्रतिकल के पंचल प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धनं या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्यिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अधीर छ --  भल्यना बैन एफ, अर्जुनसिंह चिमनसिंह सोलंकी, अलयाणा, ता० सूरता

(अन्तर्क)

2. कोक्लिला बैन बम्सीलाल घीबाला, 12/2902/00-1 राणी तालाव, भार-बंध बाड, सूरत।

(अन्तर्रास्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

्ताट जो भाटर, सूरत में स्थित है जिसका सर्वे नं० 23-24 है और कुल क्षेत्रफल 1790 स्के० यार्ड है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 4609 नंबर पर तारीख 9-5-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर्० आर्० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30-12-1983

मोहर 🖺

प्ररूप आदः.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ं अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2623/11/83-84--अतः मुझे, आर० अर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० 23-24 है तथा जो भाटर---मूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रोनरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अंब, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

A Commence of the Commence of

 श्री महेन्द्र सिंह अरिवेद सिंह, बी० के० अर्जुनिसह चिमनसिंह, अलथाणा, मूरता।

(अन्तरक)

 श्री ईलाबैन जगदीणभाई घीवाला, 12/2902/बी०-1, रानी तालाब, भार बन्ध वाड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्योंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 पिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अयिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# मन्सूची

ग्लाट जो भाटर, सूरत में स्थित है जिसका सर्वे नं० 23-24 है और कुल क्षेत्रफल 1771 स्के० यार्ड है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 4608 नंबर पर ता० 9-5-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30-12-1983

# प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

# बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीत मुभना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1983

निदेश मं० पी० आर० नं०  $2624/\Pi/83-84--$  अतः मुझे, आर० आर० भाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संव वार्ड नंव 3, नींध नंव 4140 और 4141 है तथा जो नवापूरा सूरत में स्थित है (और इसके उपाबड़ अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापवाँक्त संपत्ति का उचित बाजार

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निसित में बास्तिकक कप में किथित नहीं किया गया है --

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वर्ग 11) या उबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वर्ग 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविभा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तिसों, अर्थात् ह—

- 1. (1) श्रा भूपेन्द्र नानालाल चोखादाला
  - (2) श्री रमेशचन्द्र नानानाल चोखावाला
  - (3) श्री अनील कुमार नानालाल चौखायाला
  - (4) श्री रोहित कुमार नानालाल चोखावाला दालिया शेरी, लवापुरा सुरन।

(अन्तर्क)

हिन्दकुमार कान्तीलाल वाडेकर,
 के०/आ० महाबीर जनरल होस्पिटल क्वाटर्स,
 मूरत—संग्रामपुरा।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  बविध बाब में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए घा सर्केंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुसची

मिलकत जो नवापुरा में स्थित है जिसका बार्डनं० 3, नींध नं० 4140 और 4141 है और कुलक्षेत्रफल 160.93 चौरत मीटर्स है। सब क्लिक्ट्रार, सूरत में 4625 नम्बर पर करोतीख 10-5-1983 को क्रिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

त शेब: 31-12-1983

.प्ररूप आइ .टी.एन.एस.------

# **गावकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन गुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 785/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो इमनापूर विकेश, मेवक जिला स्थित है (ग्रीर इससे उपावज अनुसूधी में ग्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगारेड्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयकी बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अब, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उबत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :--- (1) श्री के० सायूलू, पिता मलय्या, इसनापूर, तालूका संगारेड्डी, जिला मेदक, श्रीर 13 अन्य.

(अन्तरक)

(2) श्री ए० लक्ष्मन राव, पिता मधूसूदन राव, इसनापूर, मेदक जिला, श्रौर 4 अन्य.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान की राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियत्र, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बंजर भृमि, विस्तीर्ग 9-24 एकड़, इसनापूर विलेज, संगारेड्डी तालक, जिला मेदक रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1543/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारेट्टी.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद.

तारी**ख:** 11-1-1984

मोह्यर ः

the form of the second

प्रकृप **बार्ड**े. टी. एस: एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 786/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात् 'उक्त अधिनियम' कूहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी पं० भूमि है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को प्यंक्ति सम्पिति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अङ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--20-466 G1/83

(1) श्री फेंब्राची लाल, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री जी० श्रीनिवासा रेड्डी,
 पिता इण्वर रेड्डी,
 कान्द्रक्टर,
 3-3-543,
 कृतिबगुडा,
 हैदराबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जो सकोंगे।

हर्पण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सरमधी

भिम, विस्तीर्ग 588 चौ० गज० हैदराबाद, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 2979/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदशबाद

तारीख: 11-1-1984.

प्ररूप शाह . टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिमांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 787/83-84--अतः म्झे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृन्य 25 000 / रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट है, जो हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोकत सपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखन में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरम **से हुई फिसी बाय की बाग्त, उक्त** जि**भिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के** राणिक्त को कामी करने या प्रमास बजन की मिनिशा के लिया, और रिया
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्री के० बिहारी लाल, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार केडीया, पिता बनवारी लाल केडीया, 74, आवर्णनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

ु उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में धोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस स्वाना को राजपत्र से प्रकाशन की तारील सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसची

खूली जमीन, विस्तीर्ण 600 चौ० गज० हैदराबाद, रजिल्ट्रीकृत विलेख नं० 2978/83. रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 11-1-1984.

प्ररूप आइ. .टी. एन. एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आर०ये० सी० नं० 788/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिरों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :--  श्री बिहारी लाल, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एम० ठाकर,
 पिता मंजी मारारजी,
 प्लाट नं० 20,
 अवितीनगर,
 वसीरवाग,
 हैदराबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

खूली जमीन, विस्तीर्ण 657 चौ० गज० हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2977/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद.

नारीख: 11/1/1984

प्रकृप बार्च .टी . एन . एस . -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निवेश सं० आर०ये०सी० नं० 789/83-84--अतः मुर्झे, एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रांग जिसकी सं भिष्म है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर हससे उपाब अनुसूची में ग्रीर पूर्णहप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के नार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखत में रास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री के० बिहारीलाल, हैदराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती गौरीबाई. पिता पूनमचंद, श्रीर श्री हारी चंद्रन, पिता पूनमचंद, हैदराबाद.

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारो करके पृवाक्ति सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांच भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिंग की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी ध्यक्तिर द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमस्पी

प्लाट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2992/83, रजिस्टीकर्ता अधिकारी हैदराबाद.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11/1/1984.

मोहार :

प्ररूप आर्ड. टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद.

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आ४० ये० सी० नं० 790/83-84--अत : मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भिम है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं वाप्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) श्री के० विहारीलाल, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) डा० मंदाकीनी,
 बी-3,
 पूनम आपार्टमेंटस्,
 5-8-517,
 आबिडस,
 हैदराबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट विस्तीर्ण 398 चौ० गज० हैदराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2091/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद.

नारीख: 11/1/1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ज(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद.

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० 791/83-84--श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिम्की सं० भूमि है, जो हैदराबाद में स्थित है (प्रौर इससें उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्णस्य ह विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विस्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या निर्माधन या अन्य भास्त्यों की, जिन्हें भारतीय धामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धम्बरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :—— (1) श्री के० बिहारीलाल, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सूब्बाराव रेड्डी, पिता एन० राधवारेड्डी, नेलौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रगृदत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसची

भूमि भाग, विस्तीर्ण 418 चौ० गज० हैदराबाद, राजिस्ट्री-इत विलेख नं० 2990/83, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11/1/1984.

The Bridge and The State

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. - - - ----

नायफर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी 1984

निवेश सं० आर्० ये० सी० नं० 792/83-84-अनः मुझे, एम० जेगन मोहन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

थौर जिसकी सं० भूमि है, जो हैदराबाद स्थित में है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में थौर पूर्णस्प वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तविक एप से किथत नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसे किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री के० बिहारीलाल, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री एम० श्रीनियासा रेड्डी, पिना एभ० राघवारेड्डी,

नेलौर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों आहेर पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट विस्तीर्ण 4.45 ची० गज० हैइराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2989/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद.

तारीख: 11/1/1984

प्रस्थ बाह्य ही . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देण मं० आर० पे० मी० नं० 793/83-84--अतः मुझे , एम० जोगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्णकप में विणित है), रिजर्ट्रिक्त कर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में रिजर्ट्रिक्रिंग अधिकारों 1908 (1908 का 16) के अधीन 1983

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार पृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसिस ए वास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एटा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

उत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण पो. मी. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) आर के० विहासीलाल. हैदराबाद ।

(अन्तरक्)

(2) श्रांसनी एम० स्नेहलता, पति एम० सुधाकर रेड्डी, नेलीर ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसर्ची

खुलो जमान, विस्तीर्ण 405 चौ० गज० हैंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2988/83, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेपन मोहन गआम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 11-1-1984

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांका 11 जनवरी 1984

निदेश आर० सं०सी०नं० 794/83-84--अत: मुझे, एम० जोग मोहन,

धायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार गूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि है, जो हैदराबाद स्थित है (और हैं इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िक सी आय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीज. निम्निलिखित व्यक्तियों, खर्थात् ६---- 21---466GI/83

(1) श्रो के० बिह्/रीलाल, हैश्रराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० झेरापूरी, पिता एम० फीदाआली, पत्नैट गं० 1002, श्रामाथ काम्लेक्स, एस० जी० रोड, सिकंदराबाद ।

(अन्तरितीः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 467 चौ० गज० हैदराबाद, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 2987/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 11-1-1984.

मोहर 🏵

प्ररूप बाइ'. टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांछ 11 जनवरी 1984

निदेश अ१२० ए० सी०नं० 795/83-84--अत: मुझे, एम० जोगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विष्यात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि है, जो हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पृथेगित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्येगित संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अप की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन बार दोने के अन्तरक के वायित्य मों कामी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ठा, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 /1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) शा के० बिहारीलाल, हैदराबाद ।

(अन्तर्भः)

(2) श्रों बों ० 'पुरेंद्रनाथ रेड्डी, पिता बीं ० राम रेड्डी, बूचीरेड्डीपालम, नेलौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृषांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

डक्त सम्पति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्वीक्ष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अप्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मन्त्रची

ण्लाट विस्तीर्ण 467 चौ० गज० हैवराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2985/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1984

प्ररूप भार्च, टी. एन. एस. ----

ıt ..

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निवेष आर० ए०सो० नं० 796/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन महिन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक **ह**ै

और जिपको सं० भूमि है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) मई, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यकान प्रतिफाल में, एंसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप सं किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक कै दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही दिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उयर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) भो कें विहारीलाल, हैदर(ब/द, ।

(अन्तरक)

(2) श्री मीहिंदर सिंह, कोल डीलर्स, 3-6-128/1/2बसीरबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिर्ता)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसर्ची

प्लाट विस्तीर्ण 468 चौ० गज० हैदराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2986/83, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी हदराबाद।

> एम० जेगन मोहन गुक्षम प्राधिदारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1984

प्ररूप भार् . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदंश सं० आर० ए० मी० नं० 797/83-84--अत : मुझे, एम० जोगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हैदराबाद में स्थित है (और उनसे उपाधक अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिनारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से व्धिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिश्वत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुनिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधित:— (1) श्रो के० बिहारीलाल, हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभाबाई,
 पति हारीराम,
 3-2-350,
 चपलबाजार,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-वद्धा किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी ... पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भें परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 493 चौ० गज० हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2982/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी है हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

नारीख: 11-1-1984

प्ररूप. आह. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के.अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निवेण सं० आर० ए० सी० नं० 798/83-84--अतः मुझे, एम० जेमन मोहनः

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ऑर जिनकी संव धूमि है, जो हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उवाबड़ अनुसूची में और पूर्णच्य से विणत है), रिजर्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजर्ट्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा की लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बा: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भी, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाता :--- (1) श्रां के० विहारी लाल, हैदराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती पूप्पाबाई,
 पति राजकुमार,
 3-2-350,
 चपलबाजार,
 हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमृसुची

खुर्ता जमीन, विस्तीर्ण 493, जी० गज०हैदराबाद, राजस्ट्रीफ़्त विलेख नं० 2984/83, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ारीख: 11-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के ब्रधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० पे० मी० नं० 799/83—84→—अतः मुझे. एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिल्लकी सं० भूमि है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजिस्ट्री-एती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री केष बिहारीलाल, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम निवास, पिता बाबूलाल, 21-2-98, चारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हिलव से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारो।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ' हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 495 चौ० गज० हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2993/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1984

मोहर 🗓

प्ररूप् आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अभीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

् निदेशसं०आर०ए०मी०नं० 800/83─84──अनः मुझो, एस० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालया हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 मा 16) के अधीन मई, 1983

का पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृदिशा के सिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्पिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित क्यिक्तयों, अर्थात्:---

(1) श्रा केंद्र विहासीकाल, हैयभाष्य ।

(अन्तर्भः)

(2) श्री रामआवनार,
और राजेंद्र प्रामाद,
पार्टनर,
मैसर्म राम इनेक्ट्रानिभा,
और राम एन्टरप्राइजेस,
केयर आफ,
पूर्षोत्तमराव,
सी० ए० युनिटी हाऊस,
अबिडा,

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप : - -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनुसूची

खुला जर्मान, विस्तीर्ण 1162 चौ० गज० हैवराबाद, एजिस्ट्रीएत विलेख नं० 2994/83, एजिस्ट्रीशत्ती अधिगारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायक्त श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदर(बाद

तारी**ख**ः 11-1-1984

प्रस्प आर्द: टॉ. एन्. एस्.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराक्षाद

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 801,83-84-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

ण्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269- क के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित गजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० भुमी है, जो हैबराबाद में स्थित है (और इससे जपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और अभी एं विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृल्य. उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रुप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उन्त अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई कि सी जाय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——

(1) श्री के० बिहारीलाल, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीताबाई, गित शिव शंकर, 3-2-350, चगलवाझार, हैदराबाट.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सृथना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खूली जमीन, विस्तीर्ण 493 चौ० गज० हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2983/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद.

एम० जे**गन मोहन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद** 

नारीख: 11/1/1984.

मांहर:

प्ररूप बार्च दी. एन्. एस. -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के बधीन मुख्या

# भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवरावाद

हैवराबाद दिनांक 11 जनवरी 1984 आर० थे० सी० नं० 802/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हैंदराबाद में स्थित हें (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1983

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को; जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :~22-466GI/83

(1) श्री के० श्रहारीलाल, हैवराबाद.

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रेखा कन्सट्रक्शस,
 3-6-69|बी|25,
 आवंतीनगर,
 हैदराबाद.

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यो

खूली जमीन, विस्तीर्ण 500 चौ० गज० हदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2980/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हदराबाद

एम० जेगनमोहन सन्नम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11/1/1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद विमांक 11 जनवरी 1984

आर० ये० सी० त'० 803/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—— (1) श्री के० महारीलाल, हैवराबाव.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जानकी बाई, पति हार्षराज, 3-2-350, चपलबाजोर, हैंदराबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

खूली जमीन, विस्तीर्ण 514 चौ० गज० हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2981/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद

> (एम० जेगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद.

सा**रीखा**: 11/1/1984

प्ररूप आई. टी. एम. एस.------

नामकर जिभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्थांसय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 405/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 49 है, जो मधूरामतापालम विजयानगरम, स्थित है (और इस उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयानगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिख में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने यें सुविधा के सिए; और/या
- (च) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरणें में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभार (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~ (1) वीक नागेश्वर राव, पिता सूक्वाराव, एम्पलाज, एसक बीक आईक, कोथापेट, विजयानगरम,

(अवतरक)

(2) बी॰ आपालाकेंबा,
पिता गोपालम,
मोटार वर्कस्,
ओक्शठटीवारी स्ट्रीट,
नीयर पोयूरवारी स्ट्रीट,
विजयनगरम 2

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में पकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास किदित में किए जा सक्तेंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ण होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## नगत्त्रपी

वंजर भूमि विस्तीर्ण 5 एकर, मधुरामतापालम, एस० मै० 49 रजिस्ट्रीकृत विलेख नै० 1935/83,

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव.

तारीख: 7/1/1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद विनांक 7 जनवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 406/83-84--अत: मुझी, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 109, 113, मधूरतोयपालम, विजया-नगर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, विजयानगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरंण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के लिए; आपूर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सृषिधा के लिए;

जतः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) बी० आपलाराजू, पिता राम मुर्ता लेट, एम० जी० रोड, विजयानगरम,

(अस्तरक)

(2) आई० कोटेश्वरराव, और अन्य, गजपतीनगरम, विजयानगरम

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

वंजर भूमि, विस्तीण 2.35 एकर, आर० एस० नं० 109 और 113, मधूरतोटापालम, विजयानगरम, रजिस्ट्री-इत विलेख नं० 2111/83.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

तारीख: 7/1/1984.

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

भग्रयालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 जनवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 407/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 62/1 बी, 62/2 हैं जो बूचीराज्यालम, वैझान में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीफर्ती अधिकारी के कार्यालय, वैझान में भारतीय रिजर्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया रूप प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उन्से अचने में सुविधा को लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए:

अतः मण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) एम० गुरुअलू, और अन्य, गोपालपटनम, वैझाग.

(अन्तरक)

(2) श्री गणेस को-आप्रेटिय हाऊस, विहिडिंग सोसायटी लि०, डी० नं० 58-1-44, गणेश स्थर, बूचीराजूपालम, वैझाग-6.

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाब्दीकरण:--इसकें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वम्सूची

खूली जमीन, विस्तीर्ण 9677 चौ० मी० एस० नं० 62/1 बी, 62/2, बूचीराजुपालम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4743 और 4742/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी वैझाग

(एम० जेगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

तारीखाः 7/1/1984

मोहर 🖫

प्रस्प आहे. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक करण्यकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 7 जनवरी 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 408/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-18-6 है, जो बाल्टीयर में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वास्टीयर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्तित का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उपस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीग, निक्निकिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बी० धर्माराव आपोजी, रामकृष्णा लंख होम, के० जी० एख० डाउन, वैझाग,

(अस्तरक)

(2) पी० वीराजू, भामीदीपट्टोवारी स्ट्रीट, चौदावरम, वैक्षाग.

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के कर्चन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थक्त बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए था सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# **अनुसूची**

दो भंजील की इमारत, विस्तीर्ण 1235 चौ० फुट, और गोड विस्तीर्ण 178 चौ० फुट, और 400 चौ० गज०, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5020/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज. हैरराबाद।

ता**रीख:** 7:1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-भ (1) में अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 409/83—84——अत : मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 135/2 है, जो बैजाग स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृतियथा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० एस० शाबु, पिता मोहस्मद अब्दुल साहिब, दौंडापरती, दैजाग।

(अन्सरक)

(2) जे० रावार,पिता काजाम राजार,डाबागारडेनस,वैजाग-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्स संस्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनसची

भवर वैजाग में विस्तीर्ण 307 चतुर गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4818/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराखाद

तारीख: 7-1-1984.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

ंश्य श्रेष्टी हो। एन विल ---- ल ----

# धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 410/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोइन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह चिद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० 981 है, जो वैझागमें स्थित ह (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-भस निकासिकित उद्देविय से उस्त मन्तरण विवित में वास्तविक रूप से शाधित नहीं किया गया 💕 ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर धोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें निए; **कौर/या**
- (ग) ऐसी किसी भाष या किसी धर या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए शा, छिपाने में सविधाके लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में 🏰 उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) व्हा० एस० वेकटेश्वर, पिता वही० वही० नरसीम्हाचारीः, माहाराणीपेटा, वैभाग-2.

(अन्तरक)

(2) कविता जी० सतवानी, सी० बी० एम०, कम्पाऊंड, वैझाग--3,

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाद्वियां करता 🐉 ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वाका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

चुत्री जधीत, विस्तीर्ण 1014 चौ० गज० टी० एस० नं० 981, वैझाग, रिजस्ट्रीकृत विलेख र्न० 4929/83,

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

तारोख: 7-1-1984.

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 411/83-84--अतः मुझे. एम० जोगन माहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य \$25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 31-35-5 ए और बी है. जो वैझाग भूमें स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, वैझाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेत्र्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किर्ता आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——
23—466€1/83

(1) ए आपालस्वामी, और ब्रादर्स, वैझाग, नीयर रीडिंग रूम,

(अन्तरक)

(2) एम सूर्यनारायणा, और भाई, ज्वेलरी भरषेंट, मेन रोज, वैझाग,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशम की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतार उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्स्यी

घर नं 31-35-5 ए और बी घर संपत्ती वैद्याग-1 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6523/83,

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 7-1-1984

मोहर 🤞

# प्रकृप नाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के क्भीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 412/83—84——अतः मुझे एम० जोगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राभिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंज में अधिक है

और जिन्नकी सं० 14-37-27 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय वैजाग में रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्सरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोचनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्रीमती एन० सुभद्रादेवी, पति गोविंदराजुलु, 9-3-12 सैंट जानम रोड, सिकन्दराबाद-3 ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० सुबरामन्येंस्वाराराव, घरनं० 14-37-27 वैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में क्रोड्र भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है, 45 विन की जनिश्र या तत्सम्बन्धी स्मित्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जनिश्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मित्यों में से किसी स्मित्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

घर नं० 14-37-27, विस्तीर्ण 393 चैरस गज वैजाग रजिस्टीकृत विलेख नं० 5509/83।

> एम० जैगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैवराबाद

विनांक 7-1-1984 मोहर ः

# प्रकम बाह् ंदी. एन्. एस् ुननान्दनननान्द

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 413-83-84--अतः, मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाविर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ैऔर जिसकी सं० 21/एम०ए० जी० 42 है, जो बैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से क्रियात है), रिजस्ट्रीक्ती, अधिकारी के कार्यालय बैजाग रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृझे यह विक्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपौत्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण ते हुई किसी नाय की वायत, उनतः जिथिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुशारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सित्रधा के लिए;

नतः अन, उक्त निभिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः :---

- (1) श्रो एस० श्रोहरी मुख्वालावानीपालेम, वैजाग । (अन्तरक)
- (2) श्री बी॰ कामेस्वाराराव, पिता श्रीरामुल श्री काकुलम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्ह सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुः। रा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मोरत में हितबबुध किसी अन्य व्यवित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदी का, जो उन्त क्रिशियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिसा गया है।

# नन्स्ची

घर नं० 21/42/11 वैजाग विस्तीर्ण 340 चैरस गज रिजस्हीकृत विलेक नं० 5426/83।

एम० जोगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुकत (निरीक्षण,) अर्जन रोज हैदराबाद

दिनांक 7-1-1984 । मोहरः प्ररूप आहें, टी. एत. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकाऱ

# कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाध, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सो० नं० 414/83—84——अतः मुझे एम० जोगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 38/1 है, जो पोड्रूर अग्राहारम ताडवाल्ली पूड़ेम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ताडेवाल्ली पूड़ेम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को प्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्व देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से झूड़ी किसी आय की वाबत, उक्त जिभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अमृसरण मों,, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात है— (1) श्री ई० वो० सेशाचारयुष्ट्र अरंडलपेटा, विजायावाडा कृषान जिल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० वी० आर० राव, 20 वाई, ताडेपरूली-गूडेम वेस्ट गोवावारी जिल्ला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति ख्यासता में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थवधीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो खंक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुल्ली जमीन विस्तीर्ण 1 एकड़ 24 सेंटस, पोझूर रजिस्ट्री-कृत विलेक नं० 1976 2007/83 ।

> एम० जोगन मोहम, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, हैदराबाव

विनांक 7-1-1984 । मोहार भारत का राजन , वरेन्द्र 18, 188 – (वान का राजन , वरेन्द्र 18, 188 – (वान का वान का

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० मी० तं० 415/83-84--ध्रतः मुझो, एम० जेंगन मोहन

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 236/2 है, जो कोवूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोवूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983 ।

को पूर्वेक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुदं किसी थाए की वाबस्, उक्त वर्षितियम के अभीत कर दोनें से बन्तरक के दादिस्य में कमी करने या उद्युत दचने में सुविधा के के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निर्धानयम की भारा 269-ग के ननुसरण में, में उक्त सिर्धानयम की भारा 269-घ की उग्धारा (1) के नशीम, निम्नसिनित स्थितयों, स्थित्:— (1) श्रो बै॰ तुलासाम्मा, गंगाखोड, परवानी जिला माहारास्ट्रा स्टेट ।

(अन्तरक)

**v** , s

(2) श्री एम० एच० आग्निमकोर (पी), लिमिटेड, मंगालगिरी रोड, गुंटूर जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वास्त सम्परित के सर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पृष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

#### मदस्यी

खुल्ली जमीन विस्तीर्ण 2 एकड़ 13 सेंटस एस नं॰ 236/2 कोबूर, रजिस्ट्रीकृत विलेक नं॰ 833, 831/83।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः 7-1-1984

प्ररूप आइ", टी. एन्. एस.,------

भायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 416/83—~84—— अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 971/1, 2 है, जो ताडेपल्लीगूडेम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाडेपल्लीगूडेम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जावित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के मुधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अंतरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के लिए;

(1) श्री के० वेंकटस्वामी और अन्यप, ऊगूंटूर, ताडे-पल्लोगुडम, वेस्ट गोदावरी, जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० श्रीधर राव और अन्य, नारायणपूरम, ताडेपल्लीगुडम, वेस्टगोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये था सकरें।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## जन्मुची

आर० एस० नं० 971/1, 2 विस्तीर्ण 2 एकड़स 58 सेंटस वृंगूंट्र ताडेपल्लीगूडेम रिजस्ट्रीकृत विलेक सं० 21 2136/83 ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराझाद

अतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् :——

दिनांक 7-1-1984।

# **मस्य नार्**ं टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### नारुत स्रकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० म० मी०न० 417/83-84--अत: मुझे एम० जेगम मेहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 4-7-1 है, जो येलूक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय येलूक में भारतीय रिजअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भनकर निभिनयम, या भनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की सधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, संबंदि :---

- (1) श्री कें आरं बी भास्कर शरमा, 1-1-380/ 29, आणोकनगर, एक्स्टेंणन, हैदराबाद-20। (अन्तरक)
- (2) श्री बी० कृष्णारात्र, बी० एन० वी० आर० सत्यनारायणा, बी० एन० वी० मुख्बाराय, मेसर्स मुदर्शन टेक्सटाईल, येलूक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वा कर सम्पत्ति के नुर्वन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त बुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- .(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकी

स्यस्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्ची

घर संपत्ति धर नं० 4-7-11, येलूरू, बिस्तीर्ण 260 चौ. गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2668/83, रजिस्ट्रीजकृती अधिकारी येलूरू ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-1-1984

्रप्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

हैवशाबाद दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्वेश सं० आर० ए० सी० न० 418/83-84-अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 409-3 है, जो धरमाजीगुंडम, चीतलपूडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय चीतलपूडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन में 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन्, निम्नलिखित उद्बद्ध से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनारण से हुई किसी नाय की बाबत उनत जीध-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व के कमी करने या असूदी बुवने में सूबिधा के लिये; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अबूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जी वागलम्बा पिता भूषनम, वीतलपूडी, वेस्टगोवावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० एन० बी० वी० प्रसादराव और अन्य, धरमाजीगृडम, चीतलपूडी, वेस्टगोदावरी, (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के जर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कड़वाँ और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 2372 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 748 और 737/83, ।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैक्साबाद

विनांक 7-1-1984 । मोहर : प्रकृत वार्षे . डी : व्य : युव : -------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुमना

#### नारत सरकार

कार्यांतय, सहायक नायकर नायकः (निरीक्षण) अर्जन रूज, हैदरावाद

हैवराबाद दिनांभ 7 जनवरी 1984

निद्ग स० आर० ए० सी० नं० 419/83-84--अतः ृमुझे एम० जेगन मोहन

अौर जिसकी स० कृपया पीछे देखिए है, जो श्रंगावरीक्षम वीरा-वसरम में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण क्रिप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विरा-क्सरम में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1983

- (क) विकास के हुए किसी बाद की शावत क्षय हिंदन दिवस के नधीन कर दोने के नलारक के दासित्य में कर्मी करने वा कक्षये क्षये में कृष्या के जिले; शरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः थव, उनत निधितियम की धारा 26 म के अनुसरण में, मैं, उनत निधितियम की धारा 269-म का उपधारा (1) के निधित, निम्निसिंक ज्यानित्यों, निधित हि—— 24—466 GI/83

(1) श्री कैं रिवंद्रनाथ और अन्य, पासकोल, पोक्र तालुक वेस्ट गोधावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० लक्ष्मामराव और रामाराव, क्र-गाव-रीक्षम, भीमावरम, वेस्टगोदावरी जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

## बन्द ब्यास्ति के न्वन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाबोर् ह—

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आंभी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
  - (क) इस स्वना के राज्ञपन के प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तित्व :--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्यों का जो उक्त अधिनियम, के सम्बाम 20-क में परिभाषित हो, वही सर्थ होगा को उस सभ्याय में दिया नया है।

# वन्त्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 7 एकड़, 76 सेंट्स या न० 82/2, 87, 72/2, 72/1, 88/2, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 634, 633/83, रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी विरावसरम ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्रौद्यकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक 7-1-1984 मोहर 🖫 प्रकृष् अरहरे, ठी. एन. एस.-----

. भायकर बर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) **की** ं भारा 269-व (1) के अभीन स्**च**ना

#### भारत सुरकार

# कार्यालय, सहायक भागकर भागकत (निद्रीक्षण)

अर्जन रुज, हैवराबाव

हैदराबाद दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सठ० आर० ए० सी० नं० 420/83-84--आत० मुझे एम० जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सठ० निलहें, जो पालकीलू, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनस्ची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरी अधि-कारों के कार्यालय पालकीलू, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-निष्म, 1908 (1908 का 16) के अधीम मई 1983 को पूर्ण के लिए अन्तरित को जीवत बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमाय प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य उसके द्रश्यमान प्रतिकत सं , ऐसे द्रश्यमान प्रतिकत का बन्तर प्रतिक के निष् अपाय ग्री कन्तरित की अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्ननिवित उद्वर्षय से उकत अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बोर/बा
- (क) ऐसी किसी आव या किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के निए;

कतः अब, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा १९०-ए की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

- (1) श्री आर० वी० रामकालन, 7य वार्ड पालकाल (अन्तरक)
- (2) श्री आर० एस० राजू और अन्य, पोंडूरू, वैस्ट-गोदावरी जिला।

(अन्सरिती)

क्रों यह सूचना चारी करके पूर्वांकत संपृत्ति के मुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रसूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो ... अविधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीवत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्थानित ब्वाय नथोहस्ताकरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्तः अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भूषे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

# अनुसूची

खुर्ला जमीन विस्तीर्ण 3875 चौ० गज, 12थ वार्ड, पालकोलू, रजिस्ट्रीकृत विलेख स० 1164, 1165/83।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोका 7-1-1984 । मोहर∴ ं प्रस्प बार्ड् टी.एन.एस 🗸 =======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश स० आर ए० सी० न० 421/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य रूट, 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 16-4-10, 11, 12 है, जो पालकोलू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालकोलू, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी कुरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) श्री सी० एच० रामोहन राव पिता चीतारामा-मूर्ति, तथ वार्ड, घर न० 15-8-2, पालकोलू, वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर०धनराज् 10 वार्ड घरन० 40-2-2 पत्रकोल् वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

घर संपत्ति घर न० 16-4-10, 11, 12, विस्तीर्ण 140 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1091/83 ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद,

दिनांक 7-1ब1984। मोहर जरूपे आहें.टी.एन.एस. ------

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराझाद

हैदराबाद, विनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए०सी० नं० 422/83→84——अत:मुझे, एम०जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से जिथक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 42 है, जो राजमुंडी में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमुंडी में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाबार बूस्य से काम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पी० कृष्णामीहन, वानवहपेटा, राजमूंडी (अन्तरक)
- (2) श्रीमिति बलजीत कौर, श्रीनगर, राजम्ंडी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों ', सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ। अविधि वाह में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संप्रत्ति में हितबद्ध कि की अन्य ब्यक्ति ह्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वश्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उर्कत श्राधित्रियम के अध्याम 20-क में परिधाधित हैं, बही अर्थ होशा, के उत्त क्षमाम से दिया गमा है।

#### क्रमस्पी

खुली जमीन विस्तीर्ण 590 चौ० गज प्लाट नं० 42, राजमुडी, राजस्ट्रीझत क्लिख नं० 34/39/83, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमुंडी।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-1-1984 मोहर :

# TO SHOW THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PAR

# त्रकत् वाद<u>ौ. दी. एव . एव . -----</u>----

मायकर अधिनियम, 196/1 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### शास्त्र सरकाड

# कार्यालयः, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 3 जनवरी 1984

निर्देश स० आर० ए० सी० न० 423/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

कारकर किंपिन्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० 11-4-212 है, जो राजमुडी स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमुड़ी में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरुष् वे हुए किसी जाय की बाबत, उबस विभिन्नय के अभीन कार दोने के अन्तरक की दार्जिस्य में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जारितयों की, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में सुन्धि। के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री कें विवाद समाराच लेक्चरर, बीव टीव कालेज, राजमृत्वी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० सध्यवती पति कोंडय्या, हैबोन, हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन् के लिए कार्यनाहियों करता हूं।

## उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेद्र--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंकारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर संपत्ति, विस्तीर्ण 848 खौ॰ गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3370/83 ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनॉक 3-1-1984 मोहर ु प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश स० अंर० ए० सो० न० 424/83-84--अत' मुझे एम० जेगन मोहन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अौर जिलकी सं 0 17/165 हैं जो राजमूंडी में स्थित हैं (और इसमें उनाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमूंडी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1983 की न्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल सो, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ज्या गया प्रतिफल, निम्नलिकित उक्वेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुक् किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; जाँड/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री के० रंगानाथ, 3-4-526/28, बरकतपुरा हैवराबाद 28 ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० राममोहन राव मोटववेरी लेन, राजमूंडी वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्थिततयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, अर्भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्वों में से किसी स्थितत्व व्यापतः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्वव्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सक्तेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्वों का, जो संकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

इमारत घर नठ० 17/165विस्तीर्ण 186.3 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत न० 2779/83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी, सहायक आकर आमुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, हैदराबाय

दिनांक 7-1-1984 । मोहरक प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

## अर्जन रेंज हैदराबाद

## हैदराबाद दिनांक 7 अनवरी 1984

निर्देश सं० ए० सी०न० 425/83-84——यतः मुझे एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 186/18, है, जो वकालापू की, काकीनाडा स्थित है (और इससे उपायक अनुसूचीमें औरपूर्णरूप से वर्णित है), रिजट्रीस्कर्ना प्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मूक्ते यह विश्वास करने कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेद्रय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है रू

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने भें सुविधा के रि.ए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ए० लक्ष्मीक्षेत्री पति श्री ए० श्रीरामामूर्ती, काकीनाडा।

(अन्सरक)

(2) दो सालरीड एम्प्लाईज को-आंपरेटीव हाऊज बिल्डींग सोमाइटी लि०, नियर फनी स्टोअर्स, गांधीनगर काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का., जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

खुलो जमीन, विस्तीणं 8 एक 28 ग्रेकुड़, एस० नं० 186, 1 बी वकलाप् डी रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4335, 3470, 3471, 3472, 3473, 3474, 3475,3476,3477 3478, 3479, 3480, और 3481/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखज 7-1-1984 : मोहर ब्र المتطاعمة بيهواما أثران بومدان الخارام ويوام

अरूप जाईं दी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कांगीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिसांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं०आर०ए० सी०नं० 426/83-84——यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है जी गाहारामारों कि विश्व है (और

और जिसकी सं० 18/1, हैं जो गादारागुटा में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनोक मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूं में यह विश्वास करने की कारण है कि यश्रमृश्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकास के प्रसे दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकास के प्रसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रो एम० आचूतरामय्या, जी०पी० होल्डर, एम० व्हीं० णास्री, नियार पायर हाऊस, रामाराव पेटा, काकीनाडा ।

(असरक)

(2) श्रीमती टी० बेंकटारमनस्म। पति श्री व्ही० आर्० कांताराय, काकीनाडा।

(अम्तरिती)

को यह सुम्ना जारी जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वादर सम्मति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए या सकेंगें।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयूक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# जन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 58 सेंटस्, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 4405, 4407/83।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, हैदराबाद

तारी**ख 7-1-1974** मोहर : प्रक्रम नाहं, टी. 'एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1984

विदेश सं० आर० ए० सी० नं० 427/83—84——यत: मुझे ए म०जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

क्योर जिसकी सं० 24-9-20 है, जो विजयवाड़ा स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मई, 1983,

हैं पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीर् :—
25—466 GI /83

(1) श्री औ० आर० एस० खब्स्यू०, नरसिम्हा राष, छी० नं० 9-41-101, आंजनयापेटा, कोथापेट, विजयवाड़ा ।

(अन्तर्क)

(2) श्री एन० वेंकटेश्वर राव, शशय्या स्ट्रीट, विजयवाड़ा, जिला-कृष्णा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सि में किए जा सकेंगे।

स्पछ्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त काक्वों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन् सूची

चर नं 0.24-9-20, विस्तीर्ण 0.250-1/2, चौ 0.750-1/2 मंजिल की इमारत, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0.3159/83 ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; हैदराबाद

विनांक : 7-1-1984

प्ररूप गाई. टी. एन. एस. ------

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाष

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरीं, 1984

निदेश सै० आर० ये० सी० नं० 428/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 29-30-8, हैं, जो विजयवाड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ला अधिमारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, रत की गिष्ट हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) बंतरण से हुइ किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्चने में सुविधा भी सिए; और/बा
- (क) एरेंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः अर्थ, उक्तं जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्तं अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जा० लक्ष्मी देवी पति हारीश विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) सी० एच० लरुमी नारायण. डी० नं० 29-30-8, विजयवाडा ।

(अस्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पृति के अवित् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--- उ

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्धू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुवा हैं।

#### मनसूची

घर मं० 29-30-8, विस्तीर्ण 592-1/9; **चौ**० गज, रजिस्ट्रोक्कन विलेख नं० 3462/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 7-1-1984

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी; 1984

कि निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 429/83-84--यतः मुझे एम० जेंगन मोहन,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ... प्रे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भ्रूरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उण्यत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं 0 11-14-575 है, जो विजयवाड़ा स्थित में हैं (क्यौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्रप से विजय हैं), रजि-स्ट्रीक्त अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक में 1983,

जो पूर्वोक्त संप्रीत का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ूय, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के .... प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और निर्मिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय लिया ग्या प्रतिफल, न्स्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में शस्तविक रूप से केथित नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उच्नतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रें, मैं, खक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) डें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जी० रामाराव, वस्त्रलता, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें अंजेनेयू लू, पोटीस्वामी स्ट्रीट, विजयवाड़ा-1,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर नं ० 11--14-575, विस्तीर्ण 46-4--1, चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3892/83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैध नक्षाद

दिनांक : 7-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदरासाद

हैदराबाध, दिनांक 7 जनवरी, 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 430/83—84——यत: मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जितको सं० 31-2-10/5, है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक मई, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिएकर से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्हैं किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; अपूर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रो एन० स्वराज्यलक्ष्मी पति सत्यनारायण, सीक्षारामपुरम, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती डी० गीला रंजनी पति
 धन कोटेश्वर चौधरी,
 घर नं० 1-1-563/बि० गांधीनगरम,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियूं. में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पां. लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में रि. गया है।

## अन्सूची

घर नं० 31—2→10/5, विस्तीर्ण 400 चौ० गज, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 3818/83 ।

> एम**० जोगन मो.** स**क्षम प्राधिका**ः सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदरा...

अतः अब, उन्तत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के नधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक : 7-1-1984

मोहर 🖫

电影性性 化二氯化二氯化氯化甲基甲基酚

प्रस्स आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक शायकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाय, विनांक 7 जनवरी, 1984

निवेश सं आर ० ए० सी० नं ० 431/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० बी० एस० 143 है, जो विजयवाड़ा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तुषक रूप से कृषित् नहीं किया गया है।——

- (क) बन्तरूज से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जीभीनयम् के जभीन कर दोने के जन्तरक के खिबल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के गिए; जीर/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिल्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।)

बत: जब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण कें, सें, उक्त अभिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अभीन, निम्निसिक्त अभिक्तयों, अभीत् :-- (1) श्री बी० आर० कृष्णाराव, कोथापेटा, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० प्रसाद राव, विवसधर पुरम, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

खुनी जमीन, विस्तीर्ण 2420 चौ० गज, आर० एस० नं० 143, विवगधर पुरम, रजिस्ट्रीइत विलेख नं. 3466, 3468/ 83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आपृक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक 7-1-1984 मोहर प्ररूपः आर्द्रीः दीः एनः, एसः। -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 432/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

र जिसकी सं० एन० डी० एस० 19 है, जो मोगलराजपुरम विजयबाड़ा स्थित है (और इस ते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और सभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से सुद्दं किसीं नाय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित स्यिक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री बी० मागभूषतम पिता शिवरामक्रुष्णय्या, मोगलराजपुरम, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० बी० आप्पाराव पिता चीना सुब्बय्या, वैंकटेश्वर राव स्ट्रीट, गव्हरनपेटा; विजयबाडा—2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**त्रची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 419 चौ० मी० एन० टी० एस० 19, मोगलराजपुरम, रजिस्ट्रीशृत विलेख नं. 3920/83 ।

> एस॰ जेगन मोहन पक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विमान 7-1-1984 मोहर 🖰 प्ररूप बाइ . टी. एन . एसं . -----

भावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकसा

- कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० 1375/अर्जन रेंज-III//83-84--यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 28/3 बी है तथा जो टैगोर कासटेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-5-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिपने में स्विभा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) चैं सभीन, निम्निजि**वित व्यक्तियों, अर्थात्** स— (1) श्रीमती रतना बाई मोहता

(अन्तरकः)

(2) दुधनाथ गुप्ता, तारक देवी

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पह्ति के अर्थन के लिए कार्यगहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नन्त्रची

28/3 बी, टैगोर फासटेल स्ट्रीट, फलफसा। 10 कनाल 8 छटॉफ जमीन के साथ मफान (1/4 घेयर)।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकक्ता

तारीख: 6-1-1984

मोहर 🔞

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

नायकर व्यापिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के व्यान स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, विनाम 7 जनवरी, 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 434/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं॰ 16-2-42-ए०, है, जो पूरनानाधम, पेट विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को प्रोंक्त संगत्ति के उचित बाजार म्स्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य उसके रुवसमान प्रतिफल से, एसे रुवसमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; अरि/या
- (क) एसे किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए:

बतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्चित अपिन्यों, अर्थातः :---

(1) श्री कें लाम्बिशिवराव, कहरम्बायुरम, ड्राइवेनेटा, कृष्णा लंका, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बि० द्रूगोराव और अन्य अंजनयांवाडगु कोथापेटा । विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण: -- हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

## मम्सूपी

घर नं० 16-2-42-ए०, विस्तीण 490 ची० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3829/83 ।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 7-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

जायकर कॉंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुमता

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

तिवेण सं० आर० ए० मी० नं० 435/83~84-- पतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 225/1, तारीगोपाला, है, जो गन्नाधरम स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गन्नाधरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था किया जोना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---26—466GI83 (1) श्री ह्यी० मधुसूबन राव, और अन्य, मा १डूमफा, गन्नावरम लालूका जिला—कृष्णा ।

(अन्तरक)

(2) जीव रामचन्दर राघ पिता अंजय्या चौथा कास रोड, दुर्गापुरम, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त अम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही मर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स् चौ

भूमि, विस्तीण 50 मेंटस्, आर० एस० नं० 225/1, और सिनेमा हान को क्षेत्रफल, 900 चौ० फुट, तारीगापाला, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 129/83 ।

एम० जेगन मोहन सक्षय अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-1-1984

12 - 14 - 2 - 1 - 1 - 1

# प्रक्ष भाइं.टी. एन्. एस . ------

**भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1984

निवेश सं० स्नार० ए० सी० नं० 438/83-84--यतः मुझे,

एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात (उसत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भुल्य 25,000/- रतः से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1-95 है, जो रामय्यारावपेट, न्युजीविड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यूजीधिड् में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई. 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकित सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रति-क्स निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में नास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने यें स्विधा के सिए;

वत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमर्ती बि० राजेश्वरी बाह पति चमनलाल सीग, न्युझी विडु क्रुष्णाजिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कें लक्ष्मीलता पति सत्यनारायणा गुप्ता, तीरें करी, कृष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के नर्जन के जिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोद :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बवाराः
- (का) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सु 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शुख्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन, घर नं० 1~95, के पास, विस्तीर्ण 4237 चौ॰ गज, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1101, 1103, 1104/983, युजीविडू।

> एम० जेगन मोहन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-1-1984

प्ररूपः आई. टी. एन. एस्. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, धिनांक 7 जमवरी 1984

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० 439/843-84--यतः मुक्ते, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

- और जिसकी सं० 197, 198/1 है, जो गुनदला विजयवाड़ा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--
  - (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; आहु/वा
  - (ख) ऐसी किसी शार या किसी धन या प्रश्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वत घधिनियम, या धन-कर घधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरियौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया चाना चाहिए वा, स्थिपाने में सुविधा के जिए;

भतः शम्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—  श्री बाइ • मधुसूबन राव पिता नागय्या, गूनवला , विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी॰ राममूर्ती पिता चीना लिगय्या प्रेसीडेंट, विन्यू० इंडिया एंग्योरेंस को॰ लि॰ विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि की व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-मव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकागे।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### जन्स्भी

भूमि आए० एस० नं० 197, 198/1. विजयवाड़ा, गूनवला विस्तीर्ण 2.70 एकड़, रिजस्ट्रीकृत विनेख नं० 3539/83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंबराबाद

दिनांग : 7-1-1984

मोहर 🗈

प्रकंप नाइ . टी. एन्. एस . ----

. क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० 440/83-84--यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं० 6-124, है, जो ओगंल स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, ओंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मूक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वादत्, उक्त जिमिनियम के ज्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यन में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिनह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत:, जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्रीमती एम० लक्ष्मीदेवी पति नागारेही, कोंजेड्र, बस स्टैण्ड रोड, ओंगल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० सरस्वती देवी पति वेंकटेस्वर लू ट्रंफ रोड, ओंगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- -(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

घर नं० 6-124, घर सम्पत्ति, बिस्तीर्ण 1290 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1469/83 ।

एम० जेगन मोहन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज,हैदराबाद

दिनां**क** : 7-1-1984

# प्रकृष् बाह्र , टी., एत्., एत्.,------

# नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के नभीन सुचना

#### भारत स्रकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० 441/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० टी॰ एस॰ ने॰ 337 है, जो गांधी रोड ऑगन, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को प्रवेक्त संपृत्ति को उचित् वाकार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने वह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए;
- (क) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती सी० एच० रामवेत्री और अन्य शांतापेट, ओंगल ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटेस्वरलू, श्रीमती के० वेंकटरत्नम, तनेरु विरय्था गांधी रोड, ओंगल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

## मन्सूची

खुली जमीन, ओंगल, टी॰ एम॰ नं॰ 337, विस्तीर्ण 322 चौ॰ गज, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं॰ 1408, 1407, 1534, 1532/ 83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; हैदराबाद

विनांकः : 7-1-1984

मोहर 🤃

प्रकप आर्च. टी. एव. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

् निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 442/83—84——प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 84/1, है, जो ओंगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य. उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण तं हुइ किसी नाम की नामब, अक्त् विश्वित्म के अभीत कर दोने के अन्तरक के दासित्म में कमी करने या दससे अभने में सुविधा के बिए; बॉर्/ना
- (ख) एनेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने सें सुविधा के लिए;

अतः अज्ञः, उक्त अधिनियम की धारा 269-। के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिस्थित व्यक्तियों, सर्थात् :---

- (1) श्री सी० एच० विरय्या, शांतापेट, ओंगल । (श्रस्तरक)
- (2) श्री पी० गोपालस्वामी, श्री गोपालकृष्णा को०आपरेटिव विल्डिंग सोसायटी लि०, गांतापेट, ओंगल जिला—प्रकाशम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### अगसची

भूमि, विस्तीर्ण 1 एक्टड़, 72 सेंटस् एस० नं० 84/1, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1540/83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः : 7-1-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश मं० आर० ये,० सी० नं० 443/83-84--यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी० 4/63 है, जो कारावडी ओंगल में स्थित (और इसने उपाबड अनुसूची में और पूर्णक्य से विणित ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ध--

(1) श्री पी० बंगारु बोटलू, 37--5-85, मंचूकोंडाब्रारी स्ट्रीट वैसाग ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० ह्वीं० एस० मलीकार्जुन राव, मेडीकल प्रैक्टिसनर कारावाडी ओंगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>त</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **हैं**।

## अनुसूची

घर नं० 4/63, आंगेल, विस्तीर्ण 4200 चौ० फुट और स्लैब बिस्तीर्ण 11500 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1850/83।

्म० जेगन मोहन मक्षय प्रधिकारी महायक आयर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदाबाद

दिनांक : 7-1-1984

मोहर ः

प्रकथ कार्च .टी . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निवेण मं० आर० ये० सी० नं० 444/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ से अधिक है

और जिपकी मं० आ ४० एम० 122 है, जो पेरनामिट्टा बोंगोल स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुमूची में और पूर्णस्थ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोंगोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983 ।

को प्वेंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वर्थ से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उसत अधिनियम की धारा 269-व की उपशाल (1) को अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री के० पेदानागाय्या, करतूल रोड. बोंगोल ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० मत्यानारायाणा और एस० पदमावती पति, आदिसेणय्या, गांधी रोड, बोंगोल ।

(अन्तरियी)

को यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 पिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबनध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

खुल्ली जमीन विस्तीर्ण 0-31 सेंटस, पेरनामिट्टा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1799/83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

विनांक : 7-1-19854

मोहार :

प्ररूप जाद. टी. एम. एस.- - = =---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निवेश मं० आर० ये० मी० नं० 445/83-84--पतः मुझे, । एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

ं और जिसकी मं० 19-338 है, जो चीराला स्थित है (और इससे उपायब अनुसूची में और पूर्णस्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ता आंध ■ कारी के कार्यालय, चीराला में भारतीय रजिस्टी करण अधिनियम.

(1908 का 1908) के प्रयोग, नारोज मई, 1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विका जाना गहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अन्सरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, भन्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— 27—46601|83 (1) श्री डी॰ रामासत्यानारायाणा और अन्य, नीराला ।

(अन्तरक)

(3) श्री वेनुगोपाला टेकस्टाइलम, मीपाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारील में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर विस्तीर्ण 133-5/9 धैरस गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1603/83 ।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 7-1-1984

Water Arthurson

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदशबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० आए० ये० सो नं० 446/83-84--पतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संव 1-263 है, जो नेत्जूर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्जा में और पूर्णस्य से वर्णित है), रिजर्डी काधिकारी के कार्यालय, नेर्जूर में भारती एजिन्हें एए अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिख्लि मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेनेके अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रं कें अजिते गुन् पिना पामास्या कंद्रकृत प्रकाशन जिना ।

(अन्तरभः)

(2) श्रीमती पद्मावती टी०, पती वेंकाटेस्वारजु, कंटूक्स प्रकाणम जिला ।

(अटार्टिसे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछ्तीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ् है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनस्ची

घर सम्पत्ति नेल्लूर में विस्तीर्ण 215 चीरस गज. रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 219, 220/83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षत्र अधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

विनांक : 7-1-1984

. .

## प्रकल बाहा. टी. एव. एह.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेण सं० आर० ये० मी. नं० 447/83 -84→-7.1: मुझी, एम० जोगन मोहन,

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उनत निभिन्नम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निभान सका प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रापये से निभक हैं

और जिसकी संव 202/मीव/येव बीव मीव है, जो भानापायाराम चिलाकालेश्पेटा स्थित है (और इससे उपाबक अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में चिलाकालाश्पेटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कीभत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नांड/या
- (व) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यिक्तयों, अर्थास् :--  श्री पी० संवाधिकाराम, मेनेनिंग रार्टकर, सांवाधिका चाटत ईडस्ट्रीन, गानाकाराम, गुंटूर ।

The second section is the second section of

(अन्तरक)

(2) श्री एत० वेंहाटेस्वाराराव, पिता लक्ष्मीतारायाणा. एम० पी० वेंहाटेस्वारा और कं०, गातावाबाराम, गुन्टूर ।

(अन्तरिती)

को यह स्माना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्भाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्चीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमसुची

जमीन गनापाबाराम में विस्तीर्ण 1-8072 याकरत राजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1271/83 ।

> एम० जेगन मोहन संभय प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्स (निरीक्षण) शर्नन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 7-1-1984

भोहर :

ं प्ररूप आर्डः टी: एन: एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेंज, हैदराबाध

हेदगवाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 448/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयखार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं 0 है, जो चिलाकालेरिपेटा स्थित है (और इससे उपावद अनुमूची में और पूर्णक्ष्य से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी कार्यालय, जिलाकालूरिपेटा में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा गा किया जाना चाहिए था, छिपान में गूजिधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० वेंकाटेस्वारलु पिता रामाकोटाय्या, पाटिमीदि माहालक्ष्माम्मा चेट्टु, चिलाकालूरिपेटा, गुत्टूर जिला ।

(अन्तरकः)

(2) श्री एन० अध्याराव, नागाभीभवारिपालेम, चिलाकालूरिपेटा, गुन्टूर जिला।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- 🛊

- (क) इस सृघना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं क्र 45 दिन की अथिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूर्चा

जमीन 763 चौरस गज, चिलाकालूरिपेटा में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1220, 1260/83 ।

> एम० जंगन मोहन यक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैवराबाद

दिनांक : 7-1-1984

प्रस्प आहें.दी.एन.एस.-----

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिमांक 7 जनवरी 1981

निदंश सं० आर० ये० मी० नं० 449/83-84-यनः मुझे, एम० जेगन मोहनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आँय जिसकी सं० प्लाट 16 है, जो चीलाकलूरीपेटा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्णस्प से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीलाक लूरीपेटा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1998 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को प्वेंक्ति सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय भाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तिक रूप से किसत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री पी० वेंकटेस्वरलू, चीलाकलूरीपेटा, गुन्दूर जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्रो डो० तुलमोदेवी पिता मुब्बाराव, चोलाकलूरीपेटा---गृहर जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याण में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन, विस्तर्णि 385-1/3, चौ० गज, चीलाकलूरी-पेटा, रजिस्टीकृत विलेख न० 1246/83 ।

> एम० जेगन मोहन मझम प्राधिकारी गहासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , हैदराबाद

दिनांक: 7-1-1984

प्ररूप: बाह्र : दी: एत्: एस: -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हेंदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 450/83-84---थतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर-जिसकी सं0 1000-2 ग्रीर जो बापटाला स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णिस है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बापट्ला में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितिहर्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उदयोध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन भर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अयः, उक्त अधिनियमे की भारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ, उक्त अधिनियम की पारा 269-प की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तिका, अधीत् हम्म (1) श्री पी० एच० गोपालराव पिता श्रीरामाराव, वापट्ला, गुन्टूर **जि**ला 1

(अस्तरक)

(2) श्री विवेकानन्दा को०-आपरेटिव विल्डिंग मोसायटी लि०, बापट्ला, गुन्दूर जिला ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसुची**

खुलो जंमीन , बापटला, विस्तीर्ण 8.63 एकर, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1086, 1468, 1602, 1902/83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांग : 7-1-1984

मोहर 🛭

प्रस्प आहे . दी . एम . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत .सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 451/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7-22-15, है, जो तेनाली स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

की पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; बौर/मा
- (वा) एसी किसी अय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सिंथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधा**रा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्री ही व्ह्वी व्यक्ष व्यक्षीयनी, ज्ञीव्यक्तिस्वर राज, गंगम्मापेट, तेनाली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें व वेंकटेस्वरल् येडूगुन्डलापाडू, मदीपाडू तालुक जिला—प्रकाशम

(अन्सरिती)

न्ये मह तुचना वारी करके पुनाँक्त सम्मत्ति के वर्चन के निष् कार्यवाद्वियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बहुभ किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अभाहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वहीं वर्ध होंगा, को उस सभ्याय में विया गया
है।

## मन्स्ची

घर नं97-22-15, विस्तीर्ग 348 चौ9 गज, तेनाली, विस्तीर्ग 1577, 1576, 1575/83

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 7-1-1984

मोहरु 🖫

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 452/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है' कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिस ही सं० 32 है, जो नागरपालन, गुन्दूर में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्दूर में भारतीयरजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अबीन, दिनांक मई, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वाद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी फारने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

अतः अवः उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उम्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

(1) श्रीमती जे० मकुंतला रावसदगी, कल्नावारीयोटा, गुरुहुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० निरीक्षनावाइ प्रिन्सीपल, एन० पी० एम० गवर्नमेंट चित्री कालेज फार बोगेन निन्रुर ।

(अन्तरियी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्थत स्थावर सम्पत्ति में हिस- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

टी० एस० नं० 32, नागरपालेम, विस्तीर्ण 505 चौ० गज. रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 408/83 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिगांक : 7−1−1984 **मोहर** : प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-११ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अनवरी 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 453/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ला के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण 🕫 कि स्थावर संपत्ति, जिसका उत्तित वाजार असन्य 25,000/- रह. से अधिक हैं:

और जिन्न ही सं० 1/5त्रां प्रेयर है, जो इरीग टाकीज, राज्याले में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णि है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोरुसूरू में रिजिल्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंग्रोत दिनांक मई. 1983

को पर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुझे यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्रास्य, जमके इध्यमान पतिफाल से एसे इध्यमान प्रतिफाल के पॅन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अस्तरक के दाणित्व में कमी करने या उसमे असने में सर्विधा के जिए: और/सा
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) घी० कोटीरेड्डी और अन्य, कोरस्क, जिला प्रकाशम ।

(अस्तरक)

(2) श्री ए० जनार्धन राव पिता नागभूषनम मनीलेण्डिंग बिजीनेस, कोरुसुरू, राजुपालेम तालुक जिला गुन्ट्र ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### रम्स्ची

1/5, शेयर आफ ट्रिंग टाकीज, डी० नं० 574-13/9, कोस्सूकः रजिस्दीकृत विलेख नं० 952/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

अत: अब: क्ल किनियम की धारा १६०-ए के अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तिया, अर्थात:--

-28--466GI|83

दिनांक : 7-1-1984

मोहर 👙

प्ररूप. भार्ष: टी. एन. एस. - - - -

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज , हैदराबाव

हैं बराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निविधा सं. आर. ये. सी. 454/83-84---यतः म्फ्रो, एमा. जोगन मोहन. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ೨५,000 /- रु. में अधिक **ह**ै और जिसकी सं. भिम है, जो रोगली में स्थित है (और इससे जगबद्ध अन्हनी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अ<sup>पि</sup>धकारी के कार्यालय, रोगली में रिजस्टीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्इ 1983 को पर्वोक्ति सम्पन्ति को उक्ति बाजार सल्य से कम के स्वयंसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापर्योक्त संपत्ति का उचित आजार मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आग्र की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: अरि/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या उन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिगम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना सान्निए था छिपाने में सदिधा के लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री वी. तें कट देवर राव, 10 मं वाडी, रोपाली।

(अन्तरक)

🛂 अभी भी । सत्यनारायणा पिता सुम्बाराव, 11वां वार्ड, रपाली जी. टी. आर.

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनसची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 510 जी गण, रोपाली, गृंटर जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1978/83 ।

> एक जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हीदराबाद

तारीख : 7-1-1984

प्रारुप आहाँ. टी. एन. एस. -----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हीवराबाव

**हैदराबाद, दिनांक 7 जनव**री 1984

निवो सं. आर. ये. सी. नं. 455/83-84-- यतः मुक्ते, एम. जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है<sup>\*</sup>

और जिसकी सं. 1/2शेयर ही तथा जो मैसर्स जनता राइस दवुलुरू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लग कोलीपारा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन,, तारीख मई, 1983 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रापमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, या अन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: थव:, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, जक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) श्री आर. नारायण राव, गांधीनगर, तेनाली जिला गृंट्र।

(बन्सरक)

(2) चौ रंगाराव और अन्य. ब्रीपालेम, तेनाली, जिला गृंटपुर।

(मन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

1/2 भाग, मैसर्स जनता राइस मिल, दवुसूरत, चकाया-पालेम, तेनाली, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 456, 457/ 831

> एम , जेगन मोहन सक्षम गाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

तारीच : 7-1-1984 -

# प्रकृष् बार्ड, दी. एक्. एक्. ---

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

#### भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैदराबाद

हैं दराबाद, दिनांक 7 जनवारी 1984

निविधा सं. आर. ये. सी. नं.456/83-84---यतः मृस्हे, एम. जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं 220/3 है तथा जो मंगलगीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलगीरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1983

को प्रविक्त सम्परित के उण्यत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चें हम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उघोजनार्थ अन्ति एसी एयाचा प्रकार नहीं किया गए था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीव्ही शनमृखराव मंगलगीरी, गुटुर जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री व्ही श्रीकृष्णा राजेन्द्रप्रसाद डी. नं. 220/3, मंगलगीरी, गृंटर जिला।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिष्टयां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविकास दवारा:
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लासन मा किए जा सकरी।

स्पन्नीकरण: -- ६समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय

## अमुसुची

खुली जमीन, मंगलगीरी विस्तीर्ण 1344 खी. गज. खी.। नं. 220/3, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1541/83।

> एम . जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हैवराबाद

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

**सा्रीस** : 7-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च. दी. एन. एस., ------

**बायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराखाद

हैदराबाद, विनांक 7 जनपूरी 1984

्र नि**दश** सं. आर. यं. सी. नं.457∕83-84<del>---यशः मुफ</del>्रे, एम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका 'उचित बाजार मृल्य 125,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 13/ए हैं तथा जाराइस मिल, नाडंपल्ली मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप किया विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्शा अधिकारी के कार्यालय, मंगल-गीरी मों रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें ६६यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिला मो वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या नससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री वही. वॅंकटराज् श्रीर अन्य, ताडपेल्ली, गुंटूर जिला।

(मन्तरक)

(2) श्री एसः राममोहन राष्ट्रडी ताडपेल्ली, गृंटार जिला।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अस्ता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

## बन्स्यी

राइस मिल, डी. नं. 13/ए, ताड पेल्ली, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 1568/83।

एम जेपन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हौदराबाद

ता्रीब : 7-1-1984

प्रकण आई. टी. एन. एस.-----

नावकड निभिन्यम, 1961 (1961 का 42) की धारा 269-म् (1) के जभीन सुचरा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन र<sup>र</sup>ज, ह<sup>2</sup>दराबाद

हैंबराबाब, दिनांक 7 जनवारी 1984

निवरेश सं. आर. ये. सी. नं.458/83-84---यतः मृभ्ते, एम. जेगन मोहर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार सूख 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस.-2 है, तथा जो ग्ंटूर में स्थित हैं (आर इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रंट्रूर में रिजस्ट्रीकारण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निल्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर देने के अन्सरक के वायित्त्र में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किली आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

सतः जव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के मधीण, निम्निसिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ु--- (i) श्री इ. सम्बाशिवराव बाहतानगर, तेनाली, गुंटाूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के. तूलसीद वी, शिवरामाकृष्णाप्रसाद, आइतानगर, 6ठा वार्ड, तेनाली, गृंदर।

(बन्तिरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45<sup>7</sup> विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधु बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमं प्रयुक्त शक्यों और पर्वा का, जो उच्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

# अनुसूची

खूली जमीन, टी. एस. नं. 1 और 2, तेनाली, विस्तीर्ण 90 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1978/83 ।

> एमः जेगन मोहन सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, हैंदराबाद

स्**रीय** : 7-1-1984

माहर:

प्रस्य भारते. टी. एत्. एस .....

नायकर मिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>न्</sup>ज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अनव्हरी 1984

निविश सं. आर. ये. सी. नं. 459/83-84---यतः म्फे, एम. जेगन मोहर,

श्री कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 387/ए. हैं, तथा जो पेरीचेरला, गुंटर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, गुंटर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द, 1983

को पर्वोक्त मञ्चिति के उचित बाजार मत्या से कस के रुव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्र्य, उशके रुश्यमान प्रतिफल से, एसे रुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में त्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबस उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने था। उससे अपने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1)**यी. पेदालक्ष्मेना संगम** जागरसा**मृद्यी**, सेमाली, गृंद्यूर।

(अन्तरक)

(2) गोदावरी फाइनान्स, एम. पी. पी. रामकोंटस्वरा राव, मन रोड, गंटर।

(अन्सिरती)

को यह संचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 विन के भीतर जब्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दशारा अधेहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्वो का. को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

## नग्त्यो

भूमि, विस्तीर्ण 3 एकड़, 20 गूंठे और 323 ची. गज जी. नं .387/v, पेरीवेरला, रिजस्ट्रीकृत विलेख र्न 4859, 4860, 4982, 4983, 4984/83।

एसः. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हौदराबाद

<del>राजीब : 7-1-198</del>4

प्ररूप आही. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैंदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निद्याः सं. आर. ए. सी.नं.460/83-84—यतः मुक्ते, एम. जेगन मोहर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से विधिक है

25,000/- रु. से बिधक हैं
और जिसकी सं. 27-5-15 है तथा जो गूंटर में स्थित हैं
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालग, गूंटर में रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, महर्, 1983
को प्रोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गृह हैं और मृक्षे यह विद्यास
करने का कारण हैं कि यथाप्यों कत संपरित का उचित बाजार
मृज्य उसके दृश्यमान गृतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिजात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय
पाता गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उकत अन्तरण
मिलित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत, उक्त लिधिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अक्से में सुविधा के लिए; लौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत लीधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः उन, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के लधीन, निम्निस्थित व्यक्तिस्यों, प्रवाह :--- (1) पी. व्ही. मूख्याराव पिता पी. आसाप्, चरेका, बापटला, गृंटपुर।

(अन्तरक)

(2) एम राजन्द्रशसाव कन्नावारी थोटा, गृंद्रारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के जिन्ह कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी हैं अप्राप्त सिंहिस्ताक्षरी हैं अप्राप्त सिंहिस्ताक्षरी हैं अप्राप्त सिंहिस्ताक्षरी

स्पक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ क्षोगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

डी. नं. 27-5-15, विस्तीर्ण 182 **घ**ै. गज. गृंटरूर, रजिस्ट्रीकृत विलंख नं. 4920/83।

> एसः. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हैवराबाद

तारीख: 7-1-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (तिरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निविश सं. आर. ए. सी. नं.461/83-84---यतः म्फे, ♣एम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 5-60-2/17 है, तथा जो गूंट्र में स्थित है, (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंट्र में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मही 1983

- करो पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
  - '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; बौर/वा
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—466GI83 (1) के. साम्बाणिवराव, मंचीकलाप्डी, तेनासी।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी पति श्री गौरप्रिसाव, श्री गौरप्रिप्तासाद, खीं. नं.√5-60-2/17, श्रीनिवासानगर, गुटुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्वकाकरणः --- इतमं प्रमुक्त सन्दों और पदों का, वा उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

# अनुसूची

डी. नं. 5-60-2/17, श्रीनिवासानगर, विस्तीर्ण 494 चौ . गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 5015/83 ।

> एमः जेगन मोहन सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैदराबाद

ता्री**स** : 7-1-1984

Teller of the many transfer of

# प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हीदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 7 जनवारी 1984

निद्देश सं. आर. एे.सी. नं.462/83-84-~यतः म्फे, एम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं. 683/2 है तथा को गूंट्र में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंट्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विख्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे खामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्षने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) जी. मदन मोहन,9 जगन्नाधास्ट्रीट,नृंगमबाकम,मद्रास-34।

(अन्तरक)

(2) दत्तात्रया को-आपरेटीव्ह हाउज्स बिल्डिंग सोसाइटी लि., बाइ पी. मस. नारायना, 522006 गूंटरूर।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यविष्ट्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेदित के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वमुसूची

खुली जमीन, डी. नं. 683/2 विस्तीर्ण 12845-23 चौ. मी. रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 4625/83।

> एम जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण) अर्थन रोंग, हैंदराबाद

तारीख : 7-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निद्येश सं. आर. ए. सी.नं.463/83-84—-यतः मूक्ते, ≛रम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रिसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 398/ए, बि. है तथा जो पेरीचरला गृंदूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिष्ट्रिक्ती अधिकारी के कार्यालय, गृंदूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) है अधीन, तारील महर्, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) डी. वॅकटरामय्या पिता लक्ष्मीनरसीम्हाहात्, आरुनदलपेट, 3री लाइन, गृंटरूर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भारत जनरल एण्ड टोक्सटाइल्स इण्डस्ट्रीज लि., 5-87-10, मेन रोड, लक्ष्मीपूरम, गूंटरूर-522006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

जक्त सम्पक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

#### जनसंची

भूमि विस्तीर्ण 9872-24 चौ. मी., डी. नं. 398/ए, बी., परोचेरला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 4608/83 ।

> एस. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सं**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण**) अर्जन र<sup>े</sup>ज, ह**ै**चराबाद

तारीख: 7-1-1984

महिर :

# प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

Commence of the second of the second of the

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, हैवराबाव हैवराबाव, विनास 7 जनवरी 1984

निकोश सं. आर. ए. सी.नं.464/83-84---मतः मूर्के, एम. जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अर्गर जिसकी सं. 130/1, 128/2, 125/2, 129/2 हैं तथा जो बेम्लापुल्ली कोतामंटा में स्थित हैं (और इससे उपा-बव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हों), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मही, 1983 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरितात से अधिक हैं और यह कि अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरितात से अधिक हैं और यह कि अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरितात से अधिक हैं और यह कि अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखित उव्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री पी. आम्मावम्मा पीत पदाराजू, टामराखंडी, बोबिली।

(अन्तरक)

 श्री मीनावली विराज् और अन्य कक्ष्काविल, काकीनाडा तालुक।

(अन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्र--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ततसची

आर. एस. नं. 130/1, 128/2, 125/2, और 129/2, बुमूलापल्ली काथापेटा, विस्तीर्ण 16-76 एकर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 3820 और 3912/83 ।

एम जोगन मोहन सक्षम श्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1984

# प्रकष् कार्" ही एन एस ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-ग (1) के अधीन स्वृता

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरक्षिण) अर्जन रोज, हौदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं. आर. ए. सी. नं. 465/83-84---यतः, मुझे, एम. जंगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं घर ही, जो मेन बाजार विजयवाडा में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मही 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त प्रक्षित्यम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व को कमी करने या उससे बुजने में सुविधा में हुँबुए; बहुर/बा
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री जी. स्रूरेन्द्र राव और अन्य, पिता श्री कृष्णामूर्ती, गांधीनगर, विजयवाद्या।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी. वी. सूब्बायम्मा पति कामस्वरा राव, बुम्हय्या स्ट्रीट, सत्यनारायणपूरम, विजयवाडा।

(अन्सिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### नग्त्रभी

घर नं. 11-23-215, मेन बाजार, विजयवाडा-1, रिज-स्ट्रीकृत विलेख नं. 3893/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

> एस . जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैवराबाद

तारीस : 7-1-1984 -

# प्रकृप बार्ड, टी., एन्., एच.,-----

# नायकर् निर्मित्सम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्भीन स्वना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैंदराबाद हौंदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निव श सं. आर. ए. सी. नं. 466/83-84---यत:, मुझो, एम. जेगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं. घर हैं, जो बेसेन्ट रोड, विजयबाड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयबाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ड, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिकित उद्देश्य से अक्त अन्तरण निक्तित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियीं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री थंगीराला राधाकृष्णा मृतीं पिता श्री विरराघवय्या, दासरीवारी स्ट्रीट, सूर्यारावपेटा, विजयवाडा-2 ।

(अन्तरक)

 श्री वी. नरसीम्हम पिता श्री नागस्या, श्री सत्या इन्टरप्राइजेंस, प्रकाश मार्केट, तारापट, विजयवाडा-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्थन के हिंगुए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: ~

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्यों अर पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ज्या हैं।

# अमस्पी

घर नं. 470, 470-ए और 470-बी, बेसेन्ट रॉड, गोव्हरनरपेटा, विजयवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 3734/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

एम जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैक्साबाद

तारील : 11-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हीदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

निद्शेष सं. आर. ए, सी. नं. 467/83-84~-यत:, मुझे, एम. जेगन मोहन,

आयकर श्रिष्ठितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्षण से प्रधिक है

और जिसकी सं. घर ही, तथा जो विजयवाडा में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्ड. 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त शंतरण लिसित में बास्तिवक हम से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करा, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में राजिधन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग. निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:—— श्री जी. साम्बाशिवराव पिता
 श्री पंदाकनकस्या,
 निवासी-कामवारनगर, मद्राग।

(अन्सरक)

 श्री के अनिलक्ष्मार पिता श्री श्रीनिवासा राव, निवासी-सङ्फाबाद, होवराबाद।

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर '
  सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
  व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसची

घर नं 32-9-1, मोगलराजपूरम, विजयवाडा, रीजस्ट्रीकृत विक्रेस नं 3299/83, रिजस्ट्रीकर्ता विधिकारी, विजयवाडा।

> एम . जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, हैंदराबाद

तारीय : 11-1-1984

मोष्टर :

# प्रकार वार्ड . टी. एन्. एस्., -------

मायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलर

बंगलूर, दिनांक 5 जनवरी 1984

निवर्षा सं. 666/83-84/एमीक्यू.-बी--यतः मुझो, मंजु माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा सं अधिक है

और जिसकी सं सर्वे सं 151 हैं, तथा जो अलकान्र में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायभाग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1983

का पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त ल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्त-विक रूप से क्थित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण तेहुदै किसीबाव की वावतः, उनकः वीधीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व में कमी अरने या उन्नसे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य शास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर श्रीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था जियाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——  श्री कृष्णाजी गोविन्द कलूलकर्णी, वंन्कट श गोविन्द कलूकर्णी, दोनों, सत्ती, अतानी तालूक, बेलगांव डिस्ट्रीकट।

(अन्तरक)

 श्री अन्नासाह्ये अप्पासाह्ये पाटिल, अलकानूर, रायभाग तालूक, बेलगांव डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरितीं)

को वह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्बन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

# उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थित बुबारा;
- (स) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोह्यसाक्षरी के पान तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नपुत्रवी

(दस्तावेज सं. 160/83-84 ता. मर्ड, 1983) कृषि सम्पत्ति 10 एकड़ और 15 गूंटा, जो अलकान्र में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजें, बंगलूर

तारीस : 5-1-1984

मोहर 🛭

प्रकार आई. टी. एन. एस.-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निवोश मं. आर. ए. सी. नं. 437/83-84— यत:, मुझे, एम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000 ∕्रु. से अधिक हैं।

और जिसकी मं आर एस 354/1 और 2 है, तथा जो नृशीविड में स्थित है (और इससे उपाबध्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यूशीविड में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

का 16) के अधीन, तारीस मर्द, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान
प्रतिफास के लिए अंतरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान में, एसे रृश्यमान प्रतिफान का
पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निम्ति में बास्तियक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण में हार्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार अवस्ति इटारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्र :----  श्रीभती श्री. कमला बाई पित श्री साधू सिह, निवासी-न्यूझीविड,, जिला कृष्णा।

(अन्तरक)

2. श्री जी. कृष्णामूर्ती पिता श्री लक्ष्मीमय्या, निवासी-न्यूमीविड्य, जिला कृष्णा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

#### नगसची

खूली जमीन, विस्तीर्ण 4384 चौ. गज, न्यूझीविड्र, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 1100/83।

> एम. जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयण्ठ आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, होदगबाद

स्**रिक: 7-1-19**84

प्ररूप भार . टी. एन. एस. .-----

📭 श्री एनः सीः चल्लप्पा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता रंगनाथन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 जनवरी 1984

निद्येश सं. 18861—यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. सरवे 1147/8 है, सथा जो मैलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से र्धाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापर (डाक मेन्ट सं. 2409/83) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्दा, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मभ्रे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापर्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दर्थमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्ददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; आर/या
- (ख) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा स्केंगे।

स्यख्दीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमी और निर्माण—सरवे 1147/8, मैलापूर। (डाकूमेन्ट सं. 2409/83)

R X

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।,, मधास

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मैं सर्भें में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

त्र**ास** ः 11-1-1984

भोहर :

प्रकृष् कार्त्रः हो. एन. एस.:-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

अर्जन रॅज-।।, मद्रास मन्नास, दिनांक 11 जनवरी 1984

निद्येश सं. 18772--यतः मुक्ते, आर. पी, पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं सर्वे 420-424, 431, 432 है, तथा जो पनरज्दी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाक्रूमेन्ट मं. 1697, 1698, 1699/83) में,, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्ह, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अप्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक मी दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

1. श्री जनार्वनम और अदर्स।

(अन्तरक)ः

2. श्री बी. जी. पन्नीरदास और कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यहस्यना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख से** 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी सर प्यामित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

## अनुसूची

भूमि सर्वे 420-424, 431, 432, पनरुटी। (डाकूमेन्ट सं. 1697, 1698, 1699/83) '

> आर पी पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।।,, मन्नास

बत: शब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

तारीख 🖰 11-1-1984 मोहर 🕄

# जुरूष् बाह्ये, दी. एन<u>ः, एवः,</u> ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मदास

मदास, दिनांक 11 जनवरी 1984

निद्देश सं. 18767---यतः मुर्फे, आर. पी. पिल्लै, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं। और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो मन्नास मं स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)., रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्नास साउथ (डाक्रमेन्ट सं. 1681-1684/83) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्झ, 1983 को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बरवभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वे स्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वरंगन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्यों से उन्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत, अधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक को वादित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आराय या किसी भन वा अल्ब जास्तियों को जिन्ह भारतीय भाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा को लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री अन्युल शक्र, श्री मोहम्मद शीस साहिब, श्री मोहम्भद इस्माईल, श्रीचंद बाशा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिनाक्षी, श्रीमती करुपैया, श्रीमती स्वरनलता। श्रीमती राज्यमनी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ज्न्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्बक्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जी उस्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

# अनुसूची

भ मि---मदास । (डाक मेन्ट सं. 1681-1684/83)

> आर पी पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जन।।, मद्रास

तारीख : 11-1-1984

प्ररूप काई हो एन. एस. -----

।. सिटी लेन्ड कार्पीरोगन।

(अन्तरक)

2. श्री आर. एस. चन्द्रन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी 1984

निवंश सं 18767---यतः मुभ्के, आरः पी पिल्लै, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य \*25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे 67/3, है, तथा जो मठनंठपुरमं मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्नास साउथ (डाक्रमेन्ट सं. 1690/83) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्द, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियां) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदो का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अभूस्यो

भूमि--सर्वे 67/3, मठनठपुरम।' (डाकूमेन्ट सं. 1690/83)

> आरः पीः पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मक्रास

तारीख ा 11-1-1984 मोहर : प्रकप आइ<sup>‡</sup> टी. एन. एस.----

**बाय्कर बॉंधनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-म (1) को बक्षीन सुचना 1. श्री लोगनाथन।

(अन्तरक)

2. श्री आराम्ह्रम।

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1984

निवर्भेश सं. 10386—यतः, मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं। और जिसकी सं. 35 है, तथा जो कठलर रोड पांन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांन्डी (डाक्र्यनेट सं. 1224/83) में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्द, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उपित आजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उपदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृविधा खें लिए; नरि/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिप्सने में सुनियम के निए?

का यह स्थान बारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हों।

# उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्मान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त स्मान्त स्मान स्मा
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाच, तिलिखत में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहाँ॥

## मन्सूची

भूमि और निर्माण--35, कठलूर राड, पांन्डी। (डाक्रूमेन्ट सं. 1224/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

्<del>तारीस ः 12-1-1984</del>

मोहर 🕄

 $(1-\frac{1}{2})^{-1} + \frac{1}{4} \cdot (1-\frac{1}{2})^{-1} + ($ 

प्ररूप आह .टी.एन.एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 29 दिसम्बर 1983 निव<sup>र</sup>श सं. नोटिस नं. 653/83-84--

🛓 यतः मुझी, मंजु माधवन,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. 2228-1-2 है, तथा जो एन. सी. सी. ब्लाक ए9, बी डिविजन, 5 वार्ड, दावनगरे में स्थित है 🗼 (और इससे उपाबद्ध अगुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दावनगरे में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

का पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्तेयह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार म्स्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एोसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा वाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् "---

- श्रीमती सरस्थती बाई (और उनके छ: बेटे) पत्नी लेट श्री पांडांरन्या बोम्मय्या वरनेकर,
  - 2. श्री. पी. गंगाधर,
  - 3. श्री. पी. वामन,
  - 4. श्री. पी. विनायक, श्री पी कृष्णानन्द ,
  - 6. श्री. पी. अशोक और
  - श्री. पी. कमलाकर,

  - सब लोग निवासी 5 वार्ड, पी. अं. एक्सटोन्शन, 6 मैन,

दावनगरे ।

(अन्तरक)ः

2. श्री आर. वी. सुक्कोशप्पा, पुत्र बी आर. विरभद्रप्पा, निवासी ।। वार्ड, आनेकॉडापेटो, दावनगेरो।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

(दस्तावंज सं. 632/83-84 ता. मर्द, 1983) साली जगह और आधार है जिसकी सं. 65, डारे नं. 2228-1-2, जो 5 वार्ड, 9-बीडिंबिजन, एन. सी. सी. ए ब्लाक, दावनगेरे में स्थित हैं। जिसका गाप 120' imes20' और साउथ पोरशन है।

> मंज माधवन सक्षम पाधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलुर

तारीच : 29-12-1983

सोहर 🥲

त्ररूप आर्ष्-,टी. एन . एस . ~~~~~~

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

# भारा 269-व (1) के शभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 29 विसम्बर 1983

निद्रासं नोटिस नं 654/83-84--

यतः मुझो, मंजू माधवन, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2228-1-2 है, तथा जो एन. सी. सी. क्लाक ए, 9-बी डिथिजन, 5 वार्ड, दावनगरे में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वावनगरे में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मही, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सविधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिकित व्यक्तियों, अर्थात् ि

- श्रीमसी सरस्यती बाई (और अपने छे बेटे) परनी लेट श्री पांडरिना बोम्मध्या वस्तेकर,
  - 2. श्री. पी. गंगाधर,
  - 3. श्री. पी. वामन,
  - 4. श्री. पी. विनायक,
  - 5. श्री. पी. कृष्णानन्द,
  - 6. श्री. पी. अशोक और
  - श्री. पी. कमलाकर,
  - ेसब लोग निवासी 5 वार्क्ड, पी. घे. एक्सटेन्शन, 6 मैन,

दावनगरे।

(अन्तरकं)

 श्री आर. वी. बुक्कशप्पा, पूत्र श्री आर. विरभद्रप्पा, निवासी ।। वार्ड, आनेकाँडापेटो, दावनगरो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **वन्स्**ची

(दस्तावेज सं. 634/83-84 ता. मई, 1983) शाली जगह और आधार हैं., जिसकी सं. 2228-1-2 और नापना  $120'\times20'$  नार्थ पोर्शन जो 5 हार्ड, 9-बी डिवीजन, 6 मैन, दावनगेर में स्थित है।

मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगल्र

तारीब : 29-12-1983

मोहर 🖰

# प्रकृष कार्दा, दी. एन. एस्.,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 क. 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुकता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (चिरीक्षण)

अर्जन रन्ज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर 1983 निद<sup>™</sup>श सं. 655/83-84—यतः म्फे.

मंजू माधवन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को प्रहा विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका जिस्त शाजार मृल्य 25 000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस नं. 155/1 और 155/2 हो तथा के कृषि भूमि हरिहर ताल्क कोशाहा स्टार निस्ते में पिथा है (और इसमें जगावद्ध अद्भूषी से दौर एमें एम से दिशा है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिहा से रिवर्श करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) से उपीत, स्थाब सही, 1983

को प्वंवित सम्मत्ति के उवित गाजार मृत्य में उन्न के दशामास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरातां) और मंत्री जिल्ला में (अन्तरिताों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एस पान, गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य में अवत अन्तरात जिल्ला में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गरा है -

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम भी बानता, खनता विधिनवन के नधीन कर दोने के अम्तरक के दायिता में कमी करने या जमसे नचने में मिनिधा के लिए; नौर/वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी पन या वाय ग्रामियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्त क्यार प्रकार की किया था या किया प्राप्त की एउसे की स्वीक्षा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियः , कि धारा २६९-ग के ब्रन्मरण मी, मी, जन्न अधिनियम की धारा २६९-६ की उधारा (1) को अधीर िक्नि**लिसत व्यक्तियों अधी**त----

31-466GT[83

(1) श्री बी. पी. बसप्पा, श्री थी पी. कट्ट्रधा, शंट श्री पारप्पा, नं. 3 डिवीजन, हरलाप्र एक्स्टनेशन, हरिहर।

(अन्तरक)

- (2) लक्ष्मीनारायण, सन/आफ श्री हन्मन्तप्पा, हरिहर.
  - श्री एच हालप्पा स्त/आफ एच बसप्पा,
  - श्री जी. पालाक्ष्णा सन/आफ श्री एच गुन्डप्पा,
  - श्रीभती एम . एस . कमल वाइफ/आफ सुबाश चन्द्रा,
  - श्रीमती तुक्काम्मा वाइफ/आफ बी. पी. कोटप्पा,
  - 6 श्रीमती कालम्मा वाइफ/आफ बी. पी. बसप्पा,
  - श्री नेक्कन्टी कृष्णम्रती सन/आफ श्री सत्यम,
  - 8. श्री के. एम. शियानन्दय्या, सब लोग केर/आफ सोमाली भरमप्पा हल्लवा-केरी हिस्हिर में रहते हीं।

(अन्तरिती)

रार शहर राष्ट्र नारने कारके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### जुबल सम्पत्ति के कर्रन के सम्बन्ध में को**ड़ी भी बाक्षेप**:---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थित्त व्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर लग्ध ग्यावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पार्ध लिकिन में किए जा सकेंगे।

स्ण्वतीकरण: --इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितिएस, की अध्याय 20-क मीं परिभाषित हाँ, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मीं दिया समा हों।

## अनसची

(क्रमाबेज सं. 292/83-84 ता. सर्च 83) कृषि सम्परित ही जिसका सर्वो नं. 155/1 और 155/2 जो हरिहर तालक कोसाहा. संदार तिलेज सों स्थित ही, जिसका माप 4 एक्स्स और 31 स्टास ही।

मंजू मा**भवन** मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्**क्**स (निरक्षिण) अर्जन रॉज, बंगलर

ल्**र**ि : 28-1**2-1983** 

माहर 🖫

प्ररूप कार्द. टी. एत. एस. - - - - -

**आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) की अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

क्रजीन रोन्ज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 1 जनसरी 1984

निद<sup>क्</sup>श सं. 656/83-84--यतः मुभ्के,

मंज माधवन,

हारायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों सं. 171/1 है तथा जो कृषि सम्पत्ति 6 एक्रस 22 गुन्टास, ह्करी विलेज गिलम्रांनी में प्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ह्करेरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील महैं, 1983

को प्रवेकिन सम्परित के उणित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुफ्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का जिलत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वेचम से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अंतरण से हुद्दी किसी आयं की बाबत., उक्त इतिनियम के लधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उसन आधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ए। जिल्ला जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाब्:---

- (1) 1. श्री बालचन्द्रा नीलकन्टप्पा पट्टनशट्टी,
  - शीमती भौलजा बालचन्द्रा पट्टनशट्टी दोनों हुक्कोरी तालुक हुक्कोरी बेलगाम डिस्ट्रिक्ट के निवासी हैं"।

(अन्सरक)

- (2) 1. श्री बसव्स्ती मल्लप्पा दोड्डलिन्गस्तवर
  - 2. श्री शंकर मल्लप्पा दोड्डलिनगन्नवर
  - श्री बुंध्डप्पा मल्लप्पा दोड्डलिन्गन्नकार सब लोग योलिमनोली तालूक हुक्कोरी डिस्ट्रिक्ट बेलगाम के निवासी हों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर ग्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अंशी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (य) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी लन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकर्षी।

स्पष्टोकरणः ——शसमें प्रयूक्त प्रक्षों और पदों का, भी उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा शया है।

# अमुज्ञी

(दस्तावेज सं. 151/83-84 ता. मर्द 83) कृषि सम्पत्ति है जिसका गं. सं. 171/1 और जिसका माप 6 एक्स, 22 गुंटास है जो योज्लिम्रोती, हाक्केरी विलोज मों स्थित है।

> मंजू माधटन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

हारो**स** : 5-1-1984

मोहर 🗧

er in sure

प्रकृष् आई. दी. एन. एस्.-----

 $\mathbb{E}[(x_1, x_1, \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x})] \leq \mathbb{E}[(x_1, x_1, \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x}), \mathbf{x}^T(\mathbf{x})]$ 

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- म (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकाड

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

्रं अर्जन रेन्ज, बंगलूर बंगलूर, विनोक 1 जनसरी 1984 निवर्षेश सं. 657/83-84~-यतः मुक्ते,

मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 5-1-38 है तथा जो शाप कम गोडौन, मूंच भालकी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भालकी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सविधा के निष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रहलाव सन/आफ श्री गंगाराम बैयास, भवानी प्रसाद, भलकी के निवासी अब बीदर में हैं।

(अन्सरक)

(2) श्री नागषोट्टी सन/आफ कंटण्या जाजे, भलकी के निवासी, भलकी तालूक, बीदर डिस्टिक्ट।

The state of the state of the state of

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं. 440/83-84 तारीश मर्द 83) शाप कम गोडौन जिसका सं. 5-1-38 इस्टि-वैस्ट-15/ नार्थ-साउध-110/ जो ग्जि, भलकी में स्थित हैं।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन (रोज, बंगलूर

क्रींख : 5-1-1984

सोहर:

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

**गायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुख्ता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोन्ज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 1 जनवरी 1984 निर्दोशि सं. 658/83-84--यतः मुक्ते,

मंज् माधवन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 98 ही तथा जो सानाप्र रांड, बेलगाम मो स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस मर्दा, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिस्फल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ प्रयोग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत स्वार्थित से वास्तिबक रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत सकत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या समसे बचने में मुद्रिण की लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिख्या भय वा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, प्रधीत् ---- (1) श्री एच. मध्कर शराफ, श्री महोश मध्कर शराफ, द' 'राम नियास'', खानापुर रोड, तिलकवाडी, बेलगाम में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री माधव वेंकाजी कुलकरनी, नं. 217, गणेश चौक, हिन्दबाडी, बेलगाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

**उक्त** सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में को**इ** भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्मध्वनथी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर संपत्ति में हित- अड्ड किसी अन्य व्यवित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अन्सूची

(दस्तावंज सः 380/83-84 ताः मर्दः 1983) सम्पत्ति नेः 98 और आर. सीः सीः नया भवन जो साना-पुर रोड, बद्धशास सेंस्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन हरेज, बंगलुर

महाराज्य तारीखा : 5-1**-**1984 प्ररूप मार्ड . दी. एन. एस. ------

**बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-च (1) के अधीन स्<del>च</del>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज्ज, बंगलूर बंगलूर, दिनोक 1 जनवारी 1984 निद<sup>र्</sup>श सं. 659/83-84--यतः मुक्ते,

मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा में अधिक है

25,000/- रह. में आधार है और जिसकी में. मर्बी चालता नें. 1 है तथा जो आलटिन्हों पनजी तिसवाडी तालूक इलहास गोता मो रिथन हैं (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलहास में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्बी, 1983 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यादित मर्पात्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, होने दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरिण का राह्म प्रतिकल, निम्निलिसत उद्देश्य से उच्त अन्तरिण लिसत मों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिए कुन्न पर्वेट उन्हों किया गमा था या किया जाना चाहिए धा छिपाने मी सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखन व्यक्तियों. अर्थातः— (1) 1. श्री एडगर फ्रानिसस्को प्रिकिक्काबालेस

2 श्रीमती मेरिया लूसिया एपेदा जोस प्लारिन्डा डियास वाल्र, दोनों सान्ता इनोंज, पनजी गोवा मे रहते हैं।

(अन्स,रक)

(2) मेसर्स देवश्री रियल एस्टंट डंवलेपर्स उसके प्रतिनिधि श्री वासूदेवा वन्टेन्का सिनाय डोम्पो पनजी, गोवा में रहते हैं।

(अक्र(रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्सि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसर्ची

(दस्तावेज सं. 330/83-84 ता. मई 1983) सब सम्पत्ति है ''पारटे सुल डो लोट'' नाम से परिचित है, उसका नापना 3385 वर्ग गज है, जो आलटिन्ह्रुँ, प्राप्ति , तिसवाडी ताल्क सब डिस्ट्रिक्ट इलहास, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) उर्जन रॉज, बंगलूर

<u> हारीय : 5-1-1984</u>

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत उरकार

कार्यासय, सहायक बायकर जायकत (निर्देक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलीर, दिनांक 5 जनवरी 1984

निदोश सं. नोटिस सं. 660/83-84---यतः, मुक्ते, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 285 है, तथा जो कृषि भूमि, सोवादिन्ती में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारसगाड में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्ड, 1983

का 16) के अधीन, तारीख महं, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अम्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त श्रीधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के वायित्वः में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
- (व) ए'सी किसी जाव या किसी धन या जन्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सविधा के सिए;

नतः नन्, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीए, निम्नलिनित व्यक्तियों, अधीतः—  श्री महाद्देव गनपाल पाटिल धारवाड के निवासी हैं, धालाड।

(अन्तरक)

 मल्लप्पा नागप्पा किल्लड, सोलाकी विलोज सौंदत्ती तालक, बेलगाम डिस्ट्रिक्ट के निवासी हैं।

(अन्सरितीं)-

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विश की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

(वस्तावेज सं. 299/83-84 ता. 5-1-1984) कृषि सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं. 285 और नापना 13 एकड़, 14 गूंटास, जो सींवत्ती विलेज, बेलगाम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलर

तारीख : 5-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 5 जनत्ररी 1984

निर्दोश मं. नोटिस नं. 661/83-84---यतः मुझे, मंज् माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 17/2, कृषि सम्पत्ति, जिसका नापना 7 एकर्स, 12 ग्टाम है, तथा जो राजेश्वर विलोज में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, बसवकल्याण में, रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील यह, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए सम्मिटिंग की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिन का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की वावत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या जससे बचने में स्विधा के लिए और/पा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र---

श्री मिक्स्लिकार्जन

मन/आफ श्री चन्नवीरण्या पाटिल,

राजस्वर के निवासी है।

(अन्सरक)

 श्री मोहम्मद दिलावर सन/आफ श्री मोहम्मद रसूल, माइनर यू/जी. आफ अपन बाप, श्री मोहम्मद रसूल, सन/आफ श्री बन्देली साहोब, राजदेवर के निवासी हैं।

(अन्सरितीं)

का यह सूचना बारी करके पृशांकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वृद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त सम्बंधिर पूर्वे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं. 357/83-84 ता. मई, 1983) कृषि सम्पत्ति है जिसका सर्वो सं. 17/2 और नापना 7 एकर्स, 12 गुंटास जो राजेश्वर विलोज में स्थित है।

> मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

तारील : 5-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगल्र

बंगलूर, विनांक 5 जनवरी 1984

निदर्भेष सं. नोटिस गं. 662/83-84--यत:, मुक्ते, मंजू माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 17/2 हो तथा जो राजेश्वर विलंज मों सिथत हो (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण से विजित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवकल्याण मों, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्दा, 1983

को पूर्विवस संपरित के उचित बाजार म्ह्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गर्ह हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापर्विवत संपन्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बातत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री भिल्लकार्ज्न संग/अक्षत्र ते चलवीरप्पा पाटिला, राजस्वर के निवासी हों।

(अन्तरक)

 श्री मोहम्मद रयीस सन/आफ श्री मोहम्मद रस्त. माइनर यू./जी. आफ श्री मोहम्मद रस्त, सन/आफ श्री बन्दोतीसाब, राजदेनर के निवासी हैं।

(अन्तरितीं)

को यह स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ी भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थाबर गंपित्स में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया ही।

#### अनुसूची

(बस्तानेज मं. 358/83-84 ता. मर्डा, 1983) कृषि सम्पत्ति हो जिसकी सर्वी सं. 17/2 और उसकी नापना 7 एकड, 12 गृंदास जो राजेशवर मों स्थित हो।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>\*</sup>ज,, बंगल्र

तारीख : 5-1-1984

April 1 To the engine of the pro-

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जनवरी 1984

निवांश मं. नोटिस नं. 663/83-84--यक्षः, मुक्ते, संजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है।

और जिसकी सं सर्वों नं 52/1, कृषि मम्पस्ति, 10 एकड़, 36 गृंदास हो, तथा जो बंबंजवाड़ी में स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकोड़ी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्दी, 1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्तित में वास्नियक रूप में किथा नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे अचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 32.--466GI|83

 श्री सम्माजी गोविन्दराय विश्वपांडी, बंबलवाडा, चिकोडी तालूक, बोलगांम डिस्ट्रीक्ट के निवासी हैं।

(अन्तरक)

 श्री राचपा शिवपा कामत, बंबलवाडा, चिकोडी ताल्क, बेलगांम डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सभ्यन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त लिखित में किए जा सकोगे।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

(दस्तावेज सं 200/83-84 ता मर्द्र, 1983)
कृषि सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं 52/1 और नापना 10
एकड़, 36 गूंटास और कांजा में 1/3 त्राग जो बंबलवाड़ा,
चिकांडी तालुक, बेलगांव डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगल्र

तारीच : 5-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 5 जनवरी 1984

निद<sup>®</sup>श सं. 664/83-84--यतः मझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्लात 'लक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. है, तथा जो बंबलवाडा में स्थित **है** (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कोडी में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1083 को पर्वे क्त संपत्ति का रुचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिनी (अंतरिनियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

المع المناسبة المناسبة

 श्री तम्माजी गोविन्दराव देशपांडे, बंबलवाडा, चिकोडी तालूक, बेलगांम डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरक)

 श्री भरमप्पा शिवप्पा कामाटो, बंबलवाडा, चिकोडी तालूक, बेलगांम डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास-लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावंज सं. 201/83-84 ता. सर्दः, 1983)
कृषि सम्पत्ति 10 एकड़ और 36 गुंटे जो बंबलवाड़ा में
स्थित है, और साथ में 1/3 भाग कर्ए का हिस्सा जो
बंबलवाड़ा, चिक्कोंडी तालुक, बेलगांव जिला में स्थित है।

मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, बंगलुर

तारीख: 5-1-1984

मोहर 🙄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा <u> 269-घ (1) के अधीन सूचना</u>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 5 जनवरी 1984

<del>- • निवर्</del>ग सं. 665/83-84---

.स. मुझे, मंजू माधवन,

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ्य है पक्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख 🗅 अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है ़े, स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

है, तथा जो बंबलवाडा में स्थित **है** ौर जिसकी सं. (भार इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित **ह**ै), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कोड़ी में, रिजस्ट्री-ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख , 1983 जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने ज कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

- ु 🕽 दश्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबदोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशाजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 2.69-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- घकी उपधारा (1) के **अधी**न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1, श्री तम्माजी गोविन्दराव वंशपांडी, बंबलवाडा, चिकोडी साल्क, बेलगांम डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरक)

 श्री शंकर शिवणा कामाटे, बंबलवाडा, चिकोडी ताल्क, बेलगांम डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सुचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कों।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

(बस्तावेज सं : 202/83-84 ता. म**र्ड**, 1983) कृषि सम्पत्ति 10 एकड़ और 36 गुंटे जो बंबलवाडा में स्थित ही, और साथ में 1/3 भाग कुंए का हिस्सा जो बंबलवाड़ा, चिक्कोड़ी तालुक, बेलगांव जिला में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलुर

तारीख: 5-1-1984

मोहर 🕄

# प्रकम भाई • टी • एन • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार वायकत (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद हेंदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निद्या सं. आर. ए. सी. नं. 436/83-84--

यतः, मुझे, एमः जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 20/1 और 120/2 हो, तथा को कन्रा, विजयवाड़ा में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारील मही 1983

का 16) के अधीन, तारील महं, 1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उधित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित आजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरित्तियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की भावत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/ना
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृत्यिधा के लिए;

श्रीमती पी. पृष्पाकुमारी पति
 श्री राघवन्द्राराय,
 निवासी कन्रु, कृष्णा जिला।

(अन्तरक).

 श्री के. रामाराय पिता
 श्री बेन्कटरायूडूम,
 वि विजयवाडा को-ओपरॉटिय बिल्डिंग सोसायटी सि.,
 विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपालि में हित- व बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जी उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धूली जमीन, डॉ. न. 120/1, 120/3, 120/3 और 121/2, 120/3 और 120/2, 276/2,  $120^2$ , विस्तीर्ण 96 सेन्टस्, 96 सेन्टस्, 96 सेन्टस्, और 96 सेन्टस्, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 3100, 3178, 3387, 3312, 3419/83।

एम . जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, हैंबराबाद

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः---

नारोब : 7-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 5 जनवरी 1984

निदां सं .667/83-84/एसीक्यू/बी— यतः मूझे, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वे सं. 151 हैं, तथा जो अलकानूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, रायभाग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख महर्ं, 1983 को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निस्कृत में वास्तिवक रूप में कृथिन नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

 श्री कृष्णाजी गोबिन्द कुलकर्णी, वन्कटोश गोबिन्द कुलकर्णी, दोनों, सत्ती, अंथानी तालूक, बेलगांव डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरक)

 श्री बालासाहोब अप्पासाहोब पाटिल, अलकानूर, रायभाग ताल्क, बेलगांव डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं. 161/83-84 ता. मर्झ, 1983) कृषि सम्पत्ति स. सं. 151, 10 एकड़ और 7 गुंटा, जो अलकान्र में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजा, बंगलूर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, जुक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित ध्यिक्तयों अर्थात् :--

तारीख : 5-1-1984 मोहर 🛭 - प्रकथ बार्च टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 5 जनवरी 1984

निवर्भेश सं. 668/83-84--यतः मुक्ते,

मंजु माधवन,

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं. है तथा जो अलकानुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यर्णित 8 ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायभाग में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. मर्ह, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से शुद्र किसी आय की बाबत, उक्त निधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- 👣) एेसी किसी आय वा किसी धन या अस्य आसितयाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा भागकियाजानाचाहिए था, छिपाने में बुनिधा 🕏 सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, अवल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कृष्णाजी गोविंद कलकणीं, वेकटश गोविंद क लकर्णी, सत्ती, अतारी तालुक, बेलगांव डिस्टिक्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र अप्पासाह न पाटिल, अलेकान्र रायभाग ताल्क, बेलगांव जिला।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी कारके पूर्वोंक्त संपत्ति को अर्थन के स्तिए कार्यवाहियां करता है।

अन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. स्<sup>च्य</sup>ना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी**ब स** 4.5 दिन की अविभिया हत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त **भ्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्र्थ किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकते।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शख्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं. 162/83-84 ता. मद<sup>र</sup> 1983) कृषि भूमि 10 एक इ. 5 गृंटा जो अलकान्र में स्थित है।

> मंज माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

तारीस 🖫 5-1-1984 मोहर 🛭

Sometime of the state of the state of

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जनवरी 1984

निवर्धा सं. 669/83-84/अर्जन/बी.--यतः म्रुफे, मंज माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिस्कीं सं. 7-974/3 है तथा जो नया मोहल्ला, मोमिं-परा, 'बि' गुल्बर्गा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुलंबर्गा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. मई 1983

का 16) के अधीन, ता. मही 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के लिचत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अब्बुल मणीय पुत्र श्री महमद इस्माइल साब, नया मोहल्ला, मोमिपुरा 'बि' गुलवर्गा।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम अहमद मुजाहिद पुत्र श्री महमद हसनसाब, नया मोहल्ला, मोमिपुरा, 'बि', गुलबर्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मीं प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मीं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मीं किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

, (दस्तायेज सं. 705/83-84 ता. मई 1983) मकान जिसका कार्पोरोशन मं. 7-974/3, जो नया मोहल्ला, मोमिपूरा, 'वि', ग्लबर्गा में है और जिसका पांच कमरो नीचे फ्लोर में और 2 कमरो पहली मंजिल में है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

**तारीच : 5-1-1984** 

मोहर 🗓

प्रस्ता वाड<sup>क</sup> ती. एवं. एवं - ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज ,

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, विनाक 5 अनवरी 1984

निव<sup>र</sup>श सं <sub>र 670</sub>/83-84--यतः मुक्ते,

मंज माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रतपर्य से अधिक है और जिसकी सं. मकान नं. 1-972/1ए हैं तथा जो टारटैल स्टोशन बाजार गुलबर्गा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुलबर्गा में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, सा. मर्दे 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितः बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्यिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थान् :——  श्रीमती सालक्सा पत्नी श्री हनुमंता, टारटील स्टोशन दाजार, गुलक्षगी।

(अन्तरक)

(2) श्री रामू पुत्र श्री हनुमंता, टारट<sup>2</sup>ल स्टेशन बाजार, गुलबर्णा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष्म सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध ' किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

(दस्सायेज सं. 687/83-84 ता. मई 1983) मकान नं. 1-972/1ए जो टारटील स्टोशन बाजार, गुल-वर्गा में स्थित ही।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

तारीख : 5-1-1984 सोहर :: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर बंगलर, विनोक 5 जनवरी 1984

निवर्षेश सं. 671/83-84—यतः म्भे,

मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

रज्पये से अधिक है

और जिसकी सं. प्रेंट हैं तथा जो अजादपुर तालुक और गूलबर्गा जिला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूल- बर्गा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. मर्ड 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तिनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अर्थात् :--33---466GI|83

(1) श्री नावलचंद पुत्र श्री नानचंद महता, रिटर्डिं लैफ रॉसिडेंट आफ स्टान एरिया, नियर कोर्ट, गुलकर्गा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती सीताबाई वाइफ/आफ तुकाराम सरदािले,

> नगराबाइ वाइफ/आफ गोविंद सरव्ाैले, बाइफ/आफ गोविंद सरव्ाैले, बाइमापुर, गुलबर्गा,

लक्षमन
पुत्र गोविंद राव सरवौले,
मौनर दावी श्रीमती सीताबाई,
गुलवर्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

(बस्तावेज सं. 385/83-84 ता. मर्झ 1983)

सर्वे तं. 92 जिसका मापना 10 एक इ., जमीन जो आजादप्र तालुक और गुलबर्गा जिला में स्थित हैं।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, बंगलूर

सारीख: 5-1-1984

मीहर :

प्रारत्प आर्ह. टी. एन. एस. -----

भायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलुर, विनाक 5 जनवरी 1984

निदर्शि सं. 672/83-84---यतः मुक्ते, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 363 है तथा जो गांव किरांगी तालुक गूलबर्गा जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिल है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्ल-बर्गा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. मर्झ 1983

को प्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री गुरप्पा पुत्र श्री रंगप्पा तिलगुड़ एम. एस. के. मिल्स एरिया, गुलबर्गा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एकाबी पत्नी श्री मोहमद हुसेन साब, किरोगी तालुक, गुलबर्गा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सक्ष्मित के अर्जन के लिए <sup>व</sup> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं. 277/83-84,ता. मर्द 1983) भूमि सर्वे नं. 363 जो 21 एकड़ और 16 गृंटा है (रॅबिन्यू असंस्मेंट से रु. 39-16 जी.) जो किरांगी सालूक और गुलबर्गा जिला में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (.नरीक्षण) अर्जन रजे, बंगलूर

त्रारीख : 5-1-1984

मोहर 📱

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्काश)

अर्जन रोज, बंगल्र

बंगलूर, विनाक 13 जनवरी 1984

निदर्शि सं. सि. आर. 62/39712/83-84---यतः मुक्ते, मंजू माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रप्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ण्रीर जिसकी सं. 44/1 है सथा जो 13 काम, । ख्लाक, राजाजीनगर बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 16-5-1983

(1908 का 16) के अधीन, ता. 16-5-1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का करण है कि यक्षापूर्वोक्त लंगील का जोच्या वाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निसित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिचित व्यक्तियों, नर्धात्:— (1) श्री के. सि. सोंन्दाप्पा, नं. 951, डि-।।। क्रास, ।। स्टेज, राजाजीनगर, क्षेंगलूर-10।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारादा चंद्राकान्त, नं. 1524, 39-एफ-कास, 22 मैन रोड, । ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर-11

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में करेड़ी भी अक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्यीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

# अमुस्ची

(दस्तावेज सं. 549/83-84 ता. 16-5-1983) सम्पत्ति है जिसका सं. 44/1 में भाग जो 13 कास, । ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

त्रारीख : 13-1-1984

मोहर 🖫

प्रकृष् मार्घः दीः, एन् , एसः, ------

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक कायक र वायक (निरीक्षण) अर्जन रीज, बंगलूर

बंगलूर, विनाक 13 जनवरी 1984

निर्वाचि सं 39713/83-84---यतः म्र्फे,

मंज माधवन, मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- था के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से **अधिक हैं** और जिसकी सं. 44/1 है तथा जो 13 कास, । ज्लाक, राजाजीनगर, बेंगलर में स्थित है (और झस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय राजाजीनगर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 17-5-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाबार मुल्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से, एसे रश्यमान प्रतिफाल का र्षद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के अिए तय पाया प्रतिकल निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उत्तर जीभनियम के वृथीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कजी करने वा उसके स्वने में शुविभा के सिए; बरि/वा
- (व) एसी किसी नाम या किसी भने या जन्म शास्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नृहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के जिल्हा;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के. सी. सोल्डण्मा,
 नं. 951, डि. ।।। क्रास,
 ।। स्टेज, राजाणीनगर,
 बेंगलूर-10

(अन्तरक)

(2) श्री के एस चन्द्रकान्त,
 नं 86, 13 मैन रोड,
 4 ब्लाक, जयनगर,
 बेंगलर।

(अन्सरिती)

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दाँ और पदाँ का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेष सं. 685/83-84 ता. 17-5-83) सम्पत्ति 44/1 में भाग जो 13 क्रास । ब्लाक, राजाणी-नगर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलर

तारीस : 13-1-1984

मोहर 🚜

# **१६५ कार्**, दी. १२७ एत् प्रान्त

नायकार मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, विनाक 13 अनवरी 1984

. विद<sup>र्</sup>श सं. 39724/83-84—यतः मूभ्हे,

मंजू माधवन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं. 44/1 है तथा ओ 13 कास, । ब्लाक, राजाजीनगर, बोंगलूर-10 मों स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय राजाजीनगर मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 17-6-1983

1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 17-6-1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उअत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, बावत वीधीनवश के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यूने में विद्या के बिय; बॉड वा
- (क) एेसी किसी नाय या किसी भन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

भक्षः अत्र, उन्त अभिनियम कौ भाषा 269-य के अनुसरक मो, मी उत्रत अभिनियम की भाषा 269-य की उपधारा (1) कै अभीष, निम्नुनिधित व्यक्तियों, वर्षात् :-- (1) श्री सन्बष्पा
 सन/आफ श्री चिक्कन्ना,
 नं. 951, डी. ।।। फ्रास,
 ।। स्टोज, राजाजीनगर,
 बोंगल्र-10

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाखा चन्द्रकान्त के /आफ श्री के एस चन्द्रकान्त, ने 1524, 39-एक कास, ।। मैन रोड, 4 ब्लाक, जयनगर, क्षेमसुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की सारीश है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँक्त व्यक्तियाँ में से फिली व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पाचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

#### नगुत्रुची

(दस्तावेज सं. 815/83-84 ता. 17-6-1983) सम्पस्ति 44/1 में भाग जो 13 कास । ब्लाक, राजाजी-नगर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख: 13-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जधीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर पायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलूर

बंगलूर, विनोक 13 जनवरी 1984

निवर्षेश सं. 39725/83-84--- यतः मुभ्हे,

रूप से कि भत नहीं किया गया है:---

मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 44/1 है तथा जो 13 कास, । ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर-10 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय ताजाजीनगर में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, ता. 25-5-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दहै और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित प्राजार मृत्य., उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

- (क) अन्तरुण से हुई किसी अगय की दावत उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की शायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (क्र) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) मी प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट मुद्दी किया वया भावाकिया वाना भाहिए था, कियाने वें नृविधा के लिए;

बता बन, उन्त अधिनियम् की पारा 269-र के अनुसरक ar, व<sup>र्ण</sup> उपत वीधीनयम की भाषा 269-ज की जनवादा (1) के अधीन्, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् त---

(1) श्रीके. एस. सन्दर्भा सन/आफ श्री चिक्कन्ना, नं. 951, डी. ।।। कास, 🕕 स्टेज, राजाजीनगर, बेंगलूर-10

(मन्तरुक)

(2) श्री के. एस. चन्द्रकान्त, सन/आफ श्री एन श्रीनिवासा राव, नं 86, 13 मैन होड, 4 ब्लाक, जयनगर, वें गल्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यनाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्मचीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

(दस्तावेज सं. 810/83-84 ता. 25-5-83) स्मपत्ति 44/1 में भाग, जो 13 कास । ब्लाक राजाजी-नगर, बोंगल्य में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख: 13-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्दोस सं. सी. आर. 62/38823/83-84.---यतः

मुभ्हे, मंजू साधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 18 कास, 10 मैन, सेटलूर एक्सटेन्शन, मल्लेशवरम, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजिनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 11-5-1983

- करो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

क्षे अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. पि. एस. रंगानाथन, हाई क्लोवे स्टाङ, हांसकोर्ट। (अन्तरक)
- डाक्टर जी: एन: बुलगन्नावर, एम: एस: चिक्कान्ना गौन्डर, नं: 6901/1, IV फ्रांस, के: बी: एक्सटेन्शन, दावणगेरे। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्नि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगसची

(दस्तावेष सं. 598/83-84 ता. 11-5-1983) सम्पत्ति ही जिसकी सं. 22 जो 18 कास, 10 मौन, संटेलूर एक्सटोन्शन, मल्लोशवरम, बंगलूर में स्थित ही।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, धंगलूर

तारीख :12-1-84

मोहर 🗓

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------

ं आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर बंगल्र, दिनांक 12 जनवरी 1984

निवर्भेश सं. िसः आरः 62/38424/83-84<del>---य</del>तः मुभ्के, मंजुमाधवन,

*थायकर अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 /- रु. से अधिक हैं।

**अरि** जिसकी सं. 14 (10) है, तथा जो बसेट्टीपेट, बि. वि. को. एयंगार रोड, पट्टेगार लेन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाब्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, ता. 21-5-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रेसिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यभान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क्ते अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----

1. श्री एन. वि. नंजन्याप्या अलियास एन. वि. नटाराज और कुछ लोग, सं. 11, पट्टेगार लेन, बि. वि. के. एयंगार राष्ट्र, बेंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती क्लंति बार्ड नं. 67/76, मासुलपट, बेंगलूर-53।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 3,0 विन की अविधि, अर्थे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी अपक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास -लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

(दस्तावीज सं. 368/83-84 ता. 2-5-1983) सम्पत्ति है जिसका सं. 14 पुराना सं. 10 जो बेसट्टीपेट, पट्टोगार लोन, क्षि. वि. के. एयंगार रोड, बेंगलूर, में स्थित

> मंजुमाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बंगल्र

तारीख: 12-1-84

मोहर 🙄

 $\frac{(1+\frac{1}{2})^{2}}{2} = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2}$ 

प्ररूप का**र्य**ः टी. **एन**ः ए**स**ः-----

**गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** 

धारा २६३-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत मरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जनवरी 1984 निवर्षेक्ष सं. सि. आर. 62/38271/83-84∽—यतः हे संज साभवत

मुँभ्रे, मंजुमाधवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके प्रचात् 'चक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी गं. 73 से 79 तक डि. गं. 31-ए, 31-बि. 31-ए बि-2, 31-िम से 31-एम तक है, तथा जो सेंट जान्स पार्च रोड़, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपायक्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 9-5-1983

(1908 का 16) के अवान, तो. 9-5-1983
ो प्वेंवित सम्पित्स के उत्तित बाजार मूल्य स कम के दृश्मान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य असके दृश्मान प्रतिफल से, एसे दृश्मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर स्प से किथित नहीं किया गया है:--

(क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ

और/या

में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(क्ष) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धरा 269-च की उपधारा (1) 

⇒ अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अधीत् :——

34—466GI|83

 श्री आर. धनवंतराज चंट्टी, (2) श्रीमती आर. धनवंतराज चंट्टी, नं. 6, रावरटसन रोड, फ्रेंजर टाउकन, बॅगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री दि. एस. रमेश, (2) टि. एस. अनंत (3) टि. एस. बेंकटेश, नं. 64, सुन्कलपंट, बेंगतूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

#### बर संची

(दस्सावेज सं. 377/83-84 ता. 9-5-1983) सम्पत्ति हैं जिसका सं. 73 से 79 तक, डि. नं. 31-ए, 31-बि 31-ए बि-2, 31-सि से 31-एच तक, जो मेंट जान्स चार्च रोड, बेंगलूर में स्थित हैं।

> मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलुर

सारीच ः12-1-84 मोहर:

मो

-14

प्ररूप आहें. टी: एन. एस.----

मायकरु मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगल्र, विनांक 13 जनवरी 1984

निदर्शिनं 38878/83-84--यतः म्फे, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं. 12 पुरानानं. 11 है, तथा जो ।। फ्रांस न्यू मिशन काम्पींड ले आउन्ट बेंगलर डिविजन नं. 38 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गमवनगृडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारिख 30 वर 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम को उदयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार म्ल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एैसे अन्तरण के लिए तय पाया गका ≢तिफल, निम्नलिकित **उद्दो**स्य से उक्त अन्तरण लिकित र्मी बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरन से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनसरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (4) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री ए. सी. नील, सन आफ लटे जे. आर. न सी/63. **जी**थन-भी-मानगर बेंगलर

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रकान्ता बैक आफ श्री एस. आर. लक्ष्मन न. 19 और. के. टोम्पल स्ट्रीट विकपिट, बोगल्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकातन की तारीस 🚅 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा.. लिखित में किए पासकोंगे।

स्<del>यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त फब्यों और पदों</del> का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अपूर्वा

(बस्तावेज सं. 943/83-84 ता. 30-5-1983) काली जगह नं 12, प्राना नं 11 जो । कास, न्यू मिशन काम्पाउंड ले आऊट बेंगलूर डिविजन नं. 38 में स्थित हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगल्र

ता**रींच**ं: 13-1-1984

मोहर 🏋

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अंगल्र बंगलुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निवोश सं. सि. आर. 62/39719/83-84---यतः मुभ्ते,

मंज माधवन,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रतः से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं. 7/57/1 (उत्तर भाग) है, तथा जो 14-ए-कास कोडि बसवन्ना टर्पल रोड, 6 ब्लाक, राजाजी नगर बोंगलूर मों सिथल है (और इससे उपाववुध अनुसूची में और क्र्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908  $^{\prime\prime}$  का 16) के अधीन,, सारीख 11-5-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण तेहुई किसी भाव की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए नौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था श्रिपाने में सुविधा के लिए;'

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाष (1) के अधीन, निम्निसिखंद व्यक्तियों, अर्थात् 🖫--

- 1. (1) श्री एन. सिव्बय्या, (2) एस. उमापति, (3) एस. बसवराज, (4) एस.रामाकिष्ण, नं 112-बी, बापुजी नगर, मैसूर होड, बेंगलूर-26 । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती ताराबाई, नं. 14, मागडि मैन रोड, बेंगलूर-23

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क्ष) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्रवी

(दस्सावेज सं. 613/83-84 ता. 4-5-83) सम्पत्ति है जिसकी सं. 7/57/1 (उत्तर भाग) जो 14 ए-कास, कोडि बसवन्ना ट<sup>प</sup>पल रोड, राजाजी नगर, बेंगलुर में स्थित है।

> मंजुमाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, वंगल्र

तारी**ख**ः12-1**-8**4

मोहर 🏗

# शुक्य बाह्य , ही , एम् <u>। एक् ,-----</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र<sup>र्</sup>ज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 12 जनवरी 1984

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं. 7/57/1-दिक्षण भाग है, तथा जो 14-ए-कास, कोडि बसवन्ता टर्पल राजे, राजाजी नगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 11-5-1983

को प्वेंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की पद्दें हैं और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का नम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गिस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् हैं--

(1) श्री एन सिब्बय्या, (2) एस उमापित,
 (3) एस बसवाराज (4) एस रामािकष्ण,
 नं 112-बि., बापुजीनगर,
 मैसूर रोड, बेंगलूर-26.

(अन्तरक)<sub>.</sub> . **तेषराज** .

श्री ए. तंत्रराज,
 नं. 14, मागडि मैन राड,
 बेंगलूर-23.

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृतित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवागः;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सू 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्पत्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनस ची

(दस्ताक्षेत्र सं. 611/83-84 ता. 11-5-83) सम्पत्ति है जिसका सं. 7/57/1 (दक्षिण भाग) जो 14-ए-कास, कोडि बसवन्ता टपल रोड, राजाजीनगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलुर

तारीस :12-1-84 मोहर ॥ - प्ररूप नाइ. टी. एन्. एस. ----

भागुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कायलिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मूर्जन रेज, बंगसूर

बंगलूर, विनांक 13 जनवरी 1984

निवर्षा मं सी. आर. 62/39708/83-84--यतः मूक्ते, मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 101/20 ही, तथा जो जनशंकरी 1 स्टेज्न्त्र । ब्लाक, बंगलर डिबीजन नं. 31 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय बसावनगृडि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 19/18 (1908 का 16) के अधीन ता. 16-5-83

को पूर्वेवित संपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाब्द्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्था में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ाः—

- 1. श्री एन. लक्ष्मी नारासिमैय्या, न. 499, बीना शंशन्ता राड, 4 क्रांस, केंप्पानंजा-मदा अग्रहारा, मैसूर-1.
- (अन्सरक) 2. श्रीमती वि. लिलता,

्र श्रामता वि. लालता, विंकटाप्रम विलेज, तिरूतिन तालुक, थिनगलपट डिस्ट्रीक्ट, तमिलनाड्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (■) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमण्डिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स सिधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## जनसूची

(दस्तावेज सं. 634/83-84 तारीख 16-5-1983) साली जगह कि नं. 101/20, जो । ब्लाक, बनाशंकिर 1 स्टांज, बोंगलूर में स्थित ही।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>न</sup>ज, बंगलूर

नारीय: 13-1-1984

सोहर :

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निद<sup>~</sup>श सं. मी.आर.62/38042/83-84<del>---</del>यतः मूभ्हे, मंजुमाधवन

आयंकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं 16 है, तथा जा टी. एन. संट्टी लंन, एवेन्यू रांड क्रास, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 23-5-83

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नृष्ठीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुए किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती राजाम्भा, सं 2975, श्रान्ताकृषा, मरियप्पानापालया, राजाजीनगर ।। स्टोज, कोंगलूर-21

(अन्सरक)

 श्री की विश्वानातीया, नं 134 : 35 । मेन रोड, । ज्लाक, जयनगर, बेंगल्र-11.

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (अ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्तवी

सब सम्पत्ति है जिसकी सं. 16., जो टी. एन. सेट्टी लेन, एवन्यू रोड कास, बेंगलुर में सिथत है।

> मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोड क्षेंगलूर

ता्रीस : 12-1-1.984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्दोश सं. नोटीस नं. 39797/83-84--यतः मूर्से मंजुमाधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 629 है, तथा जो 11 मैन, एच ए एल 2 स्टोज बॉगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 5-5-1983

16) के अधीन तारीं क 5-5-1983 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री एच ए चिक्क अब्बय्या डी. होसहल्ली, होसकोटे तालूक बेगलूर डिस्टिक्ट ।

(अन्सरक)

2. श्री ती. रामेगौडा और श्रीमित्ती अन्जना कोर/आफ. श्री मुन्नेगौडा, हाँम नं. 629 11 मैन, एच. ए. एल. 2 स्टोज बोगलर ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ही।

## नन्त्वी

(दस्तावंज सं. 334/83-84 ता. 8-5-83) साली जगह नं. 629 जो 11 मेन रोड, एच.ए.एत. 2 स्टोज, बेंगलूर में सिथस है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बेंगलूर

तारील 13-1-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोन्ज, बंगलूर बंगलूर, विनांक 9 जनवरी 1984

निदर्श सं. गोटिस नं. 680---यतः म्फॅ,

मंजु माधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ब्लाक नं 353 और 355 है, तथा जो गामन-गट्टी ग्राम हुबली तालूक में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रॉकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिद उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत विधिनियम के ब्धीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व वे कमी करने या अनुसे बचने में सृविधा के लिए; वीर/वा
- (ख) ऐसी किस् ीआय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री शिवस्ववया
  - (2) शिवपुत्रपा
  - (3) श्री चंद्रशेखरपा
  - (4) स्भाष चंद्र सप्त्र गंगाधरूपा कलकर्णी निवासी गामनगट्टी

ग्राम हुबली तालुक।

(अन्सरक)

 श्री एफ जी खाली टीचर चैयरमेन स्टेट गर्वनमेंट आफिस को आपरोटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड विद्यानगर ह्यली । (अन्तरिसी)

स्त्रे यह शृचना जारी करके पृत्रों कर सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत प्रयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की टारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

(दस्तावंज सं. 328/83-84 तारीख 19-5-1983) खेत की जमीन जिसका ब्लाक नं. ही 355 (भाग) और 353 (भाग) हाउसिंग कालौनी के लिये जमीन गामनगट्टी ग्राम, हाबली तालूक में उपस्थित ही।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधि हारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बॉगलूर

तारीब : 9-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड, दी. एन्. एस. ----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदांश सं. नोटिस नं. 673--यतः मुभते,

मंजुमाधवन
श्रायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्ष्म पाधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं. डोर नं. 602 है. तथा जो सहादेव गली

और जिसकी सं. डारे नं. 602 हैं, तथा जो महादेव गली बेलगांव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची .ों और इप्पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्विधा के लिए।

- 1. (1) श्रीमती अलका शंकर लागू
  - (2) श्री किरन शंकर लागू निवासी गोंधली गली, बेलगांच ।

(अन्तरक)

 श्रीबालासाहोब अप्पासाहोब पाटील 1602 महादोब गली, अलगांव ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषेक्ति सम्पत्ति के अर्जभू के शिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (का) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुस्वी

(दस्तायेष सं. 575 सार्रीस 17-5-1973 सपली जिसका करेर नं. है 1602, सम्पली महादेव गली बेलगांव में उपस्थित है।

मंजू माधयन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, होंगलुर

तारी**व** : 2-1-1984

मोहर 🛭

उक्ष आह<sup>र</sup>. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 2 जनवरी 1984

निव<sup>र्र</sup>ण सं. नोटीस नं. 674<del>---यतः मृभ्ते</del>,

मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

वार जिसकी सं सर्वे नं 643, 644, 637/2 और 638 है, तथा जो मच्चे ग्राम बेलगांव तालुक में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-5-1983

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिपत्न से, ऐसे ख्र्यमान प्रतिपत्न का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल, निम्निसिश्त उद्वेष्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अय्य आस्तियों का किन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए,

कतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन की निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एकः नजीर अहमवः,
 निवासी 71, उभुकट्टम स्ट्रीट पेरीयमेट मन्नासः,
 अब बेलगीव ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रफी अहमद राजा अहमद मारकर

(2) श्रीमती शाजाद बेगम पत्नी रफी अहमव भारकर निवासी 218 एमं सी. फेस रोड क्रांस केडेल रोड, महीम, बाम्बे-400016, अब बेलगाँव

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों चर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा.
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे:

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रमुक्त सम्बां और पवां का, वां क्यक अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, बही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्सूची

(दस्तावंज सं. 493 तारीख 12-5-1983) खूली जगह और घर जिसका सर्वें नं. 643, 644, 637/ 2 और 638 सम्पत्ति मच्चे ग्राम, बेलगांव तालुक में स्थित हैं।

> भंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कॉमलुर

तारीख: 2-1-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीम सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकः (निरक्षिण) अर्जन रोम्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1984

निवर्षेश सं. नोटिस नं. 675---यतः मूभ्हे,

मंजुमाधवन 🔻

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 38/ए और 39/आई है तथा जो होजगीडर हल्ली अरसीकेट तालुक में स्थित हैं (और इससे उपा-सब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अरसीकेट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारींख 26-5-1983

की प्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौद्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य ज्ञास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिन्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. (1) रांगपा

(अन्तरक)

(2) इरिप्पा सपृत्र श्री मरीयप्पा भाजूर ग्राम कस्वा डोबली अरसीकटे तालुक हासन जिला।

(अन्तरिती)

2. श्री एस. वी. रामय्या घट्टी वी ट्रस्टी आफ देवसम ट्रस्ट लेयर आफ श्री बालाजी ट्रॉडर्स काकानेट मचेंटि अरसीकेटी

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति की अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप --

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्वीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसुची

(बस्तावेज सं. 220/83-84 तारीच 26-5-1983 चेतकी जमीन जिसका सर्वें नं. ही 38/ए, और 39/आई। संपत्ती होजरगॉडर ग्राम अरसीकेटो तालुक में उपस्थित ही।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बेंगलूर

तारीच : *2*-1-1984 मोहर :

فتنا والمراب ومعالمهم فالمناهي والمعهد والمناهد

# प्ररूप आई.टी.एम.एस. -----

and the second second second second second second second second second second

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रन्ज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1984

निवर्षेश सं. नोटीस नं. 676--यतः मुभ्ते,

श्रीमती मंजुमाधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' रूहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आरि जिसकी सं. सी. एस. 1610/2सी/3ए ही, तथा जो गवग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गदग में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 11-5-1983

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, इसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का **पन्त्रह** प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त मंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वागतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (च) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधाक लिए;

अत: अब, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसितित व्यक्तियों, अर्थाद् :---

- 1. (1) श्री मोहमव अस्लम सपुत्र रहमान मुजावर हल्लीकेटी गली बीजापुर
  - (2) श्री सैय्यद हसेनी शाहसेनी सपूत्र अब्दुल रहमान साब पीरजाद सिंचाई विभाग, रामदुर्ग, जिला बेलगांव

(अन्तरक)

2. श्री शंकरगोडा सप्त्र अय्यनगौडा गोडर सगमेरवर भोजनालय, गवग।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स्त) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- । बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

(बस्तावेज सं. 297/83-84 तारीख 11-5-1983 संपरित जिसका सी. एस. नं. है 1610/2सी/3ए सम्पत्ति गदम में उपस्थित हैं)।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज, दोंगलूर

तारील 🕆 2-1-1984 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रांन्ज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1984

निविधा सं. नोटीस नं. 677--यतः मुभ्हे,

श्रीमती मंजू माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों सं. सी. एस. नं. 1610/2सी/3ए है, तथा जो गवंग में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ति हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गवंग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-5-1983

को प्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूके यह विष्यस करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अजने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपभारा (1) के अधीम, निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. (1) श्री महमृद इस्लाम सपृत्र अवदुल रहमान मुजावर होल्लीकोरी गली, बीजापुर।

(2) संप्यद हुसैनी शाहसेनी संपृत्र अब्बुल रहमान साब पीरजाद इरीगेशन विभाग, रामदुर्गा, बेलगांव जिला।

(अन्सरक)

2.(1) श्री शरणपागौडा

(2) श्री संगनगोडा सपुत्र शंकरगोडा गोडर उर्फा पाटील बस स्टीड के पास, संगमेश्वर भोजनालय गदगः

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पूर स्वान की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपरित में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, क्षेत्रध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्द</sup> वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ह<sup>र</sup>ै।

# अभूसूची

(यस्तावेश्व सं. 303 तारींख 12-5-1983 प्रापटीं जिसका सी. एस. नं. 1610/2सी/3ए संपह्ति गवग में उपस्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, कोंगलूर

ता्रीख 👉 2-1-1984

मोहर 🚁

प्ररूप कार्द. टी. एत. एस.्≈----

भागकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भूधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, बंगलूर वंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1984 निवर्षि सं. नोटीस नं. 678—सतः मुफ्ते, श्रीमती

मंजु माधवन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके ध्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सवें नं. 217 है, तथा जो मिणजगी ग्राम मृद्वे बीहाल तालूक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मृद्वे बीहाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य छसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी कर्त या उससे ब्चमें में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय ा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के जधीन, निम्निषित्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री शिवयोगप्पा बसप्पा निम्बाल
  - (2) श्री गुरूलिंगप्पा असप्पा निवास दोनों निवासी मिणजगी टी-2 मृद्दे बीहाल तहसील बीजापुर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री बसनगोडा मलकनगौड पाटील
  - (2) श्रीमती सुजाता मलकनगांडा पाटील निवासी चाल गांडवाले माला विजापर।
  - (3) श्री दयानन्त बसागोडा पाटील क्रेयर आफ ए. बी. पाटील एडवोकेट एल. आइ. जी. 165, महांतेश नगर, बेलगांव
  - (4) रामनगौडा मल्लनगौड पाटील
  - (5) श्रीमती सुमीताबाई मल्लनगोडा पाटील दोनों निवासी कावेरी एम्पोरियम बीजापूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से कि 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ले जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो उक्स ' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

# मनुसूची

(बस्तावेज सं. 200/83-84 तारींच 24-5-1983 चेत की भूमि जिसका सर्वों नं. है 217, प्रापटी मिणजगी ग्राम मुद्दवंबीहाल तालूक में उपस्थित है।

मंज माध्यम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बेंगलुर

तारी<del>खाः, 2-1-1984</del> मोहरः, प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.-----

**अग्रयकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्श (निरीक्षण) अर्थन रोन्ज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 2 जनवरी 1984

निवर्णेश सं. नोटीस नं. 679—यतः म्फे, श्रीमती मंजुमाधवन,

- अवायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
- 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अरैर जिसकी सं. सी. एस. नं. 994, 995 और 999 है, जो वार्ड नं. ।।। सिद्देश्वर रोड बीजापूर में स्थित है (और इससे उपाधव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजि- स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीजापुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के कथीन तारीस

■ 16-5-1983
को प्रवेक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन मम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकत में. ऐने वृश्यमान प्रतिकल का पद्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरच के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तिरित द्वारा पका नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने बें स्विधा के लिए;

 श्री जगवीश चंद्रशेक्ट पाल्झली नियासी सीआपुर।

(अन्तरक)

2. श्री चंद्रशंखर चनबसप्पा पालमेली उपली बृरच के पास बीजापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वंगसंची

वस्तावेज सं. 456 तारीख 16-5-1983 संपर्ति जिसका सी. एस. नं. 994, 995, और 999 संपर्तित वार्ड नं. ।।।, सीव्वेष्ट्यर रोड बीजापुर में उपस्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आग्रकर आग्रकत (निरीक्षण) **मर्जन रो**ज, डॉफरूर

अतः ग्रंब, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 2-1-1984

मोहर ः

अरूप आईं.टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1983

ं सि . आर . 62़ /आर .~88 / 83-84 / 3**7 इ**ई . रिजस्ट्रोशन तं. 65--यतः म्भे, श्रीमली मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समिति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रुत्र. से अधिक ह और जिसकी सं. प्लाट नं. 9 ही, जो कृष्णकमल अपार्टमेन्टस पोन्डा, गोवा में स्थित ही (और इससे उपानव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बॅंगलूर में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन तारील 17-5-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से एसे दृष्यमान प्रतिफाल के पन्द्रमु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) आरि अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिष्ठ व्यक्तियों, प्रथित् हि—

 श्री गोपालकृष्ण दिवाकर, ल्यान्ड लाडे, वावालि, गोन्डा-गोवा।

(अन्तरक)

 श्रीफ्रान्सिसको स्कावियर मास्कारोन्हास और मैसर्स मरिया रावरिटना जैनिजिरिया परौरा, शान्तार्क्षज्ज, पोन्डा-गोवा।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इ.स. समना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नृवाहाँ।

#### अन्सची

दस्तावेश सं. 65/83-84 तारील 17-5-1983 सम्पत्ति है जिसकी सं. प्लाट नं. 9 जो कृष्णकमल अपार्ट मेन्टस, पोन्डा-गोवा, में स्थित है।

> **ंज् माधवन** स**क्षम प्राधकारी** स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज, बंगलर

तारीब : 26-12-1983

मोहर .

प्ररूप नार्द्ः दौ. एन., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगल्र

बंगल्र, विनांक 26 विसम्बर 1983

निविश मं, सी. श्रार -62/आर -436/83~84/37ईई —यतः मुक्ते, श्रीमती मंजू, माधवन्,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 25,000/- र<sub>ि</sub>. से अभिक है

और जिसकी सं. 135 , 136 और 137 भाग है , जो बिहैन्ड होटल उडलेन्डस मरगोवा, गोवा में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य, उसको प्रथमान प्रतिफल से एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति 🟲 में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नाबत, अपिनियम के अपीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (का) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---36-466GI 83

1. श्री मिनग्यूले फरटेडो और मेसर्स होलेना फरटोडा मरगोवा-सालस्टे-गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री बैरनारडिनो एल. डिसाँजा, आलोहरिया मेनेजस बिल्डिंग्स, आलटिन्हां, पंजिम-गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इ.स. सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

दस्तावेज सं. 207/83-84 तारीस 7-6-1983 संपर्तित है ''कामबा'' जिसका सर्वे चालता नं. 135, 136 और 137 (भाग) जो हाटेल उडलेन्डस के पीछो, मरगोवा, गोवा में स्थित है।

> मंज माधदन सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बेंपलूर

तारीच : 26-12-1983

# प्रक्ष कार्यः, टी. एव. एव. ---

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

#### भारत् तुरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, बंगल्ट

बंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1983

नियों श सं. सि. आर. 62/आर.-473/83-84/37 है हैं (रिजस्ट्रोशन नं. 299—यतः मुक्ते, मंजू माधवन, आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. 6 है, तथा जो कृष्णकमल अपाटं-मेन्ट्स देविलमल, पोंडा-गांवा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-7-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त बन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री गोपालकृष्ण कमलाकर
 ध्यालिकर, केयर आफ मेसर्स पि. वी. भन्डारो और कम्पनी, कार्टड एकाउन्टेन्टस, डाक्टर अलमैडास रॉजिडेंटस, पोन्डा-गोवा।

(अन्तरक)

 श्रीकान्त एन . नागवेक र, स्पृत्र एन . नागवेक र, गोल्डिस्मिथ, आशिर्वाद विल्डिंग, आपोजिट : बान्दरा मसजिद, बान्द्रा बंबड -50।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

# ् अनुसूची

दस्तावेज सं. 299/83-84 तारीख 13-7-1983 सम्पत्ति ही जिसकी सं. प्लाट नं. 6 जो कृष्णकमल अपार्ट मन्टस, दवालि-मल, पोन्डा, गोवा, मों स्थित ही।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण) अर्जन रोज, बेंगलूर

तारीष : 26-12-1983

मोहर ;

# त्र्व्य नार्यः टी. एव. एव.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेन्ज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1984

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जि-2 हैं, तथा जो पियरल अपार्टमेन्टस पोस्तोरिम बारडेस, गोवा, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-8-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुइ किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि. वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों. अर्थात् :---  मैसर्स यूनाइटेड बिल्डर्स, हा. नं. एन. 35, हउत्तरिंग बोर्ड कालोनी, आल्टो-बेहिम-गोवा।

(अन्तरक)

 मेसर्स सेवेरिना जिसाजा पो. आ. बाक्य-21998 सफट-कृबेट

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संप्रीत के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- /कः इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध अविध सो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्स में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही पर्व होगा जो उम ग्रध्याय में दिया भ्या है ...

# मनुसूची

दस्तावेज सं. 430/83-84 तारीस 10-8-1983 सम्पत्ति है जिसकी सं. प्लाट नं. जी-2, ग्राउत्ण्ड फ्लार, पंटरल अपार्ट-मेन्टस, प्लाट नं. 18, जो पांसारिम, बारड ज, गोवा (आं कोसिरो होटल के समीप) में स्थित है।

मंजू माध्यन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगलूर

तारील : 3-1-1984 <u>~</u>

# प्रकृष बाइ<sup>3</sup>, टी. एस. एस. -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269न्य (1) के मधीन सूचना

#### आरत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्फन रोन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1984

निर्देश सं. सी. आर. 62/आर.-796/83-84/37-**ईई** --यतः मुभ्के, मंजु माधवन,

श्रायकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रीविनियम' कहा गया है), की घारा 269 न्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-द० से प्रधिक है

और जिसकी सं. जि-2 है, तथा जो पियरल अपार्टमेन्टस प्रोस्नोरिम बारडेस, गोवा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बें गलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-8-1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुफे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के िन एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) को अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  मेसर्स यूनाइटोड बिल्डर्स, हा नं एन 35, हाउऽसिंग बोर्ड कालोनी, बास्टो-बोहिम-गोवा।

(अन्तरक)

2. नोरंबरटो घे. मेनेन्जेस, क्यर आफ डमीयों कारिमनों मेनेन्जेस, हा. नं. एल-54, हाउसिंग नं. एल-54, हाउतिंग बोडी कालोनी, आल्टो-बोटिम-बारडॉज-गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्ति पर पूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलक के किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

क्यवडी तरण: ---इतमें प्रमुक्त शक्यां श्रीर पदों का, तो उक्त प्रतितान के महतार 29-क में परिभाषित है। वही प्रतितान ता उन ग्रन्थान वंदिया गरा है।

## अनुसूची

दस्तावेज सं. 601/83-84 तारील 3-10-1983 सम्पत्ति है जिसकी सं. प्लाट नं. एस-2 ।। प्लोर, पेटरल अपार्ट मेन्टस, जो सं. 18 पोम्बोरिम-बारडेज, गोवा (ओ कोक्वीरों होटल के समीप), में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगलुर

तारील : 3-1-1984

12 1 1

# प्रकृष् आहे. टी., एन्., एस्., ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 1984

निद्या नं. एएसआर/83-84/294— यतः मूझे, सी. एस. काहलों, आई. आर. एस., हैं शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

'और जिसकी सं. एक जायदाद है, तथा जो बाजार माई सेवां, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और अमृतसर में सिथत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल में एमें द्रयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी काथ की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---  श्री हरबन्स लाल मल्ला मतबना प्त्र श्रीमती जर्मना देवी पत्नी श्री नकोदिरिया मल, बासी 807/2, गली लोहां वाली, कटड़ा आहुलवालिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

 क्रमारी पूनम पूत्री श्री सूरिन्द्र सिह, सी/ओ मैसरज प्रकाश बृदर्स, बाजार भाई सेवां, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उज्पर सं. 2 में कोई काराएवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।
(बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह स्वमा जारी करके प्योंक्त संम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया नया

#### अनुसूची

एक जाएदाद जो बाजार भाई सेवां, अमृतसर में हैं, जैसा सेल डीड नं 1787/9-5-83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

सी. एस. काहलों, आई. आर. एस. सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>उ</sup>ज, अमतसर

तारीख: 16-1-1984

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 1984

निवाश नं. एएसआर/83-84/295---यतः मुझे, सी. एस. कोहलों, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक जायदाव है, तथा जो गेट भगतावाला, वमतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्दा, 1983 को पूर्वीक्त संपर्तित के उच्चित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती निरन्द्र काँर पत्नी श्री हीरा सिंह, वासी अन्दरून गेट, भगतांवाला, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्रीमती दलजीत कार पत्नी श्री हरजिन्द्र सिंह, वासी अन्दरून गेट, भगतांवाला, अमृतसर।

(अन्तरिती)

जैसा उज्पर सं. 2 में कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) ♣

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी क् जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील भें कि 45 दिन की बनिध या तत्से बंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

एक जायदाद, 1/2 भाग, जो बाजार चूड़ बेरी, अन्वर गेट, भगतांवाला, अमृतसर में ही, जैसा सेल डीड नं. 2730/ 30-5-83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज ही।

> सी. एस. काहलों, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

तारीस : 16-1-1984

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 1984

निव श नं. एएसआर/83-84/296-ृयतः मुझे, सी. एस. काहलों, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य ,25,000 ∕-रु. से अभिक **है** और जिसकी सं एक जायदाद है, तथा जो गेट भगतांवाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपा**बद्ध अनुसूची** में और "पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीस मद्दं, 1983 को पूर्वेक्ति संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय , पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देषस्य से उस्त अंत्रण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण तै हुई किसी भाव की बावत अवत अवि-नियम् के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया बा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती निरन्द कौर पत्नी श्री हीरा सिंह, वासी अन्दरून गेट, भगतांवाला, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री किरपाल सिंह पृत्र श्री नरण सिंह, वासी अन्वरून गेट, भगतांवाला, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उत्पर सं. 2 में कोई काराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 4. और कोई।
 (यह ध्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

#### अन्स्ची

एक जायदाद, 1/2 भाग, जो बाजार चूड़ बेरी, अन्दर गेंट, भगतांवाला, अमृतसर में हैं, जैसा सेल छीड नं. 2344/20-5-83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज हैं।

सी. एस. काहलों, आई. जार. एस. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख : 16-1-1984

मोहर 🗓

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार आवृक्त (निर्शिक्षण)

अर्जन रेंभ, अमृतसर

अमृतसर, दिगांक 16 जनवरी 1984

निक्श नं. एएसआर/83-84/297---यतः मुझे, सी. एस. काहलों, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद है, तथा जो बाजार बत्ती हटां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख मर्द्र, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के जभीन, निम्निनिक्कि व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री सोहन लाल पूत्र
 श्री विश्वनो दास,
 वासी शालीमार बाग, नर्द दिल्ली,
 सी/ओ श्री शंकर लाल उर्फ
 श्री सकत्तर लाल जैन पूत्र
 श्री ज्ञान चन्द जैन,
 बाजार बत्ती हटां, अमृतसर।

(अन्तरक)-

 श्री रमेश कुमार पृत्र श्री राजा राम, मकान नं. 2968 और 2973, बाजार बत्ती हटां, अमृतसर।

(अन्तरिती})

- 3. जैसा उज्पर सं. 2 में कोई काराएवार हो।
  - (1) नरिन्द्र सिह--6/- रु. महीना,
  - (2) श्री राजा राम--15/- रु. महीना,
  - (3) श्री पूर्ण चन्व---4/- रु. महीना। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- और कोई।
   (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यक्षित्र करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--- 🤫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/4 भाग जायदाद का जो बाजार क्षत्ती हटां, अमृतसर में हैं, जैसा सेल डींड नं. 1894/9-5-83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

> सी. एस. काहनों, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख : 16-1-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मही भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 1984

निद्देश नं. एएसआर/83-84/298--**पै**त: मुझे, सी. एस. काहलों, आई. आर. एस. : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ≇सके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की <del>धारा</del> 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं . और जिसकी सं. एक जायदाद है, तथा जो बाजार बसी हटां, अमृतसर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय मर्द, 1983 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुभ्तेयह विज्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए प्तय **बाया गया प्रति**फल, निम्नलिस्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उपकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाभा शाहिए था, छिपाने में सृविधा के रिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण क्रॉ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1, के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 37—466GI 83

श्री सोहन लाल प्त्र
 श्री बिशनो दास,
 वासी शालीमार बाग, नई दिल्ली,
 सी/ओ श्री शंकर लाल उर्फ
 श्री सकत्तर लाल जःन पृत्र
 श्री ज्ञान चन्द जैन,
 बाजार बसी हटां, अमृतसर।

(अन्तरक)

2, श्री कैलाश चन्द्र पूत्र श्री राजा राम, मकान नं. 2968 और 2973, बाजार बत्ती हटां, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा उत्पर सं. 2 में कोई किराराण्यार हो।
  - (1) नरिन्द्र सिंह--6/- रत. महीना,
  - (2) श्री राजा राम--15/- रह. महीना,
  - (3) श्री पूर्ण चन्द---4/- रु. महीना। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मन्पत्ति हैं)
- 4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकी।

स्पब्सीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

#### अनुसूची

1/4 भाग जायदाद का जो बाजार बत्ती हटां, अमृतसर में हैं, जैसा सेल डीड नं. 1805/9-5-83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

सी. एस. काहलों, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राक्तर आपृक्त, (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>न</sup>ज, पटना

पटना, दिनांक 9 जनवरी 1984

निचेश सं. ।।।-901/अर्जन/83-84---अतः मुझे, प्रबोध कुमार वृबे, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 '- रा. से अधिक है और जिसकी सं. एम. एस. प्लोट मं. 1362, हो. 744 डी , वार्ड सं. Vll थाना रात्र सं. 197 है, तथा जो मौजा लालपुर, पोस्ट/जिला सांधी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1983 को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह गित्रवास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदोश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने मे सृविधा के लिए;
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री सुरोग कुमार गडांदिया वल्द श्री एस. बी. गडांदिया,
  - (2) श्री भ्वनेश्वर अनुज वल्द श्री कमल नाथ साहु, दोनों निवासी—साहु टोली, बहु बाजार, थाना लोअर बाजार, पोस्ट/जिला रांची। (अन्तरः
- श्री बैचनाथ अग्रवाल वल्द श्री शंकर लाल अग्रवाल, निवासी——जितन चन्त्र रोड, थाना लालपुर, जिला रांची।

(अन्सरित

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रि. कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ु ए स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिर गया है।

# अन्सूची

12.98 कट्ठा जमीन बनावट सहित जो मौजा लालपूर पोस्ट-लालपूर, जिला रांची में स्थित है और पूर्ण रूप विसका सं. 5799, दिनांक 27-5-83 में वर्णिस है ए जिला-अवर-निबन्धक पदाधिकारी, रांची के द्वारा पंजिकृत है

> प्रबोध क्मार **द**्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र**ं**ज, पटन

तारी**व** : 9-1**-**1984

# प्रकल आहें.. टी.. हुन .. हुन .. = = = ===

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पटना

पटना, दिनांक 11 जनवरी 1984

ॅॅॅ निद`श सं. ।।।-911/अर्जन/83-84---ातः मुझे, प्रबोध कामार दाबे, गियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 169-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का ज़रण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृत्य \_5,000 / - रु. से अधिक हैं **ौर जिसको सं**. तौजी नं. 156, थाना नं. **6, स्वाता नं**. 5%, खसरा नं 138 है, तथा जो लोहानीपुर (कंकड़बाग), टना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ्ष<sub>ृत्</sub>से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, .टर्नें। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) े अधीन, तारीस 20-5-1983 ो पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान .तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विश्वास जरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ्रस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह . तिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

. वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री नागेश्वर सिंह पिता स्व. देवशरण सिंह, मोहल्ला पश्चिम लोहानीपुर, थाना पो. कदम कुंआं, पटना।

(अन्तरक)

श्री संजय कुमार,
 श्री राजीव कुमार, दोनों के पिता
 श्री रघुनाथ प्रसाद,
 मोहल्ला बालकृष्ण गंज, थाना आलम गंज,
 पो. गुलजारबाग, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रक्बा  $5^{\frac{1}{2}}$  डिसमल, जो मोहल्ला लोहानीपूर (कंकड़बाग), थाना कंकड़बाग, पटना में स्थित है, तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 4510 दिनांक 20-5-83 में विणित है एवं जिसका निवन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध क्रमार द्रबे सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आय हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

त्रारीख : 11-1-1984

all the control of the left of

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पटना

पटना, दिनांक 9 जनवरी 1984

निद्देश सं. ।।।-908/अर्जन/83-84--अतः मुझे, प्रबोध कामार दाूबे, बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परशात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक हैं और जिसकी सं. थाना नं. 2, तौजी नं. 5123, साता नं. 458, प्लाट नं . 1493., 1494, 1495 है, तथा जो मैनपुरा (वोरिंग पाटलिपुत्र रोड), पटना-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 7-5-1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त-

> (क) जन्तरुण से हुई किसी जाय की थावत, उक्त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रघुनन्दन राय बल्द स्वः श्री मखलाल रायः,
  - (2) श्रीमती तिलंदवरी देवी जीजे श्री रघुनन्दन राय,
  - (3) श्री क्मार शैलेन्द्र किशार सिंहा वल्व स्व. श्री राधा कृष्ण यादव,
  - (4) श्री महोन्द्र प्रसाद वल्व स्व. श्री राधा कृष्ण यादव, साकिन मान्द्रमपूर, पो. थाना दीघा, जिला पटना।

(अन्तरक)

 श्री क्स्म ग्प्ता जौजे श्री चन्द्रभान गुप्ता, साकिन मौजा पाटलीप्त्र कालोनी, थाना पाटलीप्त्रा, पो. पाटलीप्त्रा, जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा क्त सम्पत्ति को अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गवा है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रकवा  $10^{\frac{1}{2}}$  डिसिमल है, जो मैनपूरा (बोरिंग पाटलीपूत्र रोड), पटना-13 में स्थित है, तथा जो पूर्ण रूप से बिसका संख्या 4086 दिनांक 7-5-83 में बिणत है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुंआ है।

प्रबोध क्मार **दूबें** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र**ी**ण, पटना

तारीख: 9-1-1984

प्ररूप कार्र. टी. एन. एस.- - - ----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पटना

पटना, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदेश सं. ।।।-907/अर्जन/83-84---

जलः मुझे, प्रबोध क्रमार द्वं, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परिवाद (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. तौजी नं. 85/18856, खाता नं. 36, धार्ड नं. 37 है, तथा जो मौजा ढक्कनपूरा, मोहल्ला गर्दनी-धाग, पटना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-1983

16) के अधान, ताराख 31-5-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतं. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सराज नाथ सरकार वल्द स्व. स्रोन्द्र नाथ सरकार,
  - (2) श्री समीन्द्र नाथ सरकार वल्द श्री सरोज नाथ सरकार, सा. ओडादाहा थाना हिरसकांष्ठ, जिला अयसोर,
  - (3) श्रीमती रमारानी राय जीजे श्री जे. एम. राय, निवासी गर्दानीबाग, पटना।

(4) श्रीमती बीणा सेन जीजे
 श्री परिप्रसन्त सेन.,
 निवासी अलकापुरी, थाना गर्दानीबाग,
 जिला पटना.

Partie of a second

- (5) श्री प्रसन्नो सरकार वर्ल्द स्य . श्री अनिल नाथ सरकार, जोडदाहा, थाना हिरसकड़ंड, जिला जयसोर,
- (6) श्रीमती मनिका सरकार जौजे स्व. अनिल नाथ सरकार,
- (7) श्रीमती गोपा सिहा जौजं श्री पी. सिहा, निवासी दानाप्र, थाना पो. दानाप्र, जिला पटना।

(अन्तरक)

 श्रीमधी लक्ष्मी दोवी जीजें श्री राम नारायण वर्मा, निवासी मोहल्ला नयाटोला, थाना कदमक्ंआ, पटना-4।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो क अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गया है।

#### अम्सूची

जमीन जिसका रकवा 8 कट्ठा साथ में दो मंजिला मकान जो मीजा ठक्कनपूर, मोहल्ला गर्दानीवाग, शहर और जिला पटना मों स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 4756 विनांक 31-5-83 मों वर्णित है एवं जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कर्मार **द्र्वे** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>†</sup>जं, पटना

तारीख : 9-1-1984

And the second of the second of the second of the second of the second of

and the comment of the state of the second

January 1988 - January 1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-म (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पटना

पटना, दिनांक 9 जनवरी 1984

निवर्षे सं. ।।।-905/अर्जन/83-84--

अतः मुझे, प्रबोध कामार दावे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. थाना नं. 2, तौजी नं. 5123, खाता नं. 458, प्लाट नं. 1493., 1494, 1495 है, तथा जो मैनपुरा (वोरिंग पाटलीपुत्र रोड), पटना-13 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई जिसी आय की बाबत उथत अधि-नियम के अधीन पर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघुनन्दन राय वल्द स्वः श्री मुखलाल रायः,
  - (2) श्रीमती तिलेक्ष्वरी बेवी जीजे श्री रघुनन्दन राय,
  - (3) श्री कुमार शैलेन्द्र किशारे सिंहा वल्द स्व. श्री राधा कृष्ण यादव,
  - (4) श्री महोन्द्र प्रसाद वल्द स्व. श्री राधा कृष्ण याववः, साकिन मौजा मान्द्पूर, पो. थाना दीघा, जिला पटना।

(अन्तरक)

 श्रीमती मोहनी गृप्ता जोजे स्वः श्री राम कुमार गुप्ता, साकिन मौजा पाटलीपृत्रा कालोनी, थाना पाटलीपृत्रा, पोः पाटलीपृत्रा, जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अयुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अमीन जिसका रकवा  $10^{\frac{1}{2}}$  डिसिमल है, जो मैनप्रा (बोरिंग पीटलीप्त्रा रोड), पटना-13 में स्थित है, तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 4133 दिनांक 9-5-83 मे विणित है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध क्रमार दूबे सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

तारीस : 9-1-1984

प्ररूप आई'० टी० एन० एस०~~--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन **सुब**ना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पटना

पटना, दिनांक 9 जनवरी 1984

निदोश सं. ।।।-906/अर्जन/83-84--

अतः मुझे, प्रबोध क्मार ब्बे, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. थाना नं. 2, तीजी नं. 5123 बाता नं. 166, 190, प्लाट नं. 1015, 1016, 1017, 1018 हो, तथा जो न्यू पाटलीप्त्रा कालोनी, थाना पाटलीप्त्रा, पटना में स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 24-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गटा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती विनीता सिन्हा जाँगे श्री हिरिनिवास क्मार सिन्हा,
 हेन्सल रोड, कदमा-5 थाना कदमा, शहर जमशेवपूर,
 जिला सिहभूम।

(अन्तरक)

 श्रीमती गीता देवी अग्रवाल जोजे श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल, निवासी पाटलीपुत्रा कालोनी, थाना पाटलीपुत्रा, पटना-13 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रक्षा 5 कट्ठा है, जो मोहल्ला न्यू पाटलीप्ता कालोनी, थाना पाटलीप्त्रा, शहर और जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 4616 विनांक 24-5-83 मे विणित है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध क्रमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, पटना

तारीख : 9-1-1984

श्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदश सं. ।।।-910/अर्थन/83-84---अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुखे, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕ - रतः से अधिक **ह**ै और जिसकी मं. तौजी नं. 156, थाना नं. 6, जाता नं. 57., ससरा नं. 138 ही, तथा जो लोहानीपूर (कंकड़दाग), पटना में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना मों रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20-5-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित याजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृदिधा को लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-  श्री मुखदेव सिंह पिता स्व. श्री राम पदारथी सिंह, मोहल्ला परिचम लोहानीपुर, थाना पा. कवम काुआ, पटना।

(अन्तरक)

 श्री अरुण कुमार पिता श्री रधुनाथ प्रसाद, मोहल्ला, बालकृष्ण गंज, थाना आलमगंज, जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को**दंभी आक्षो**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

जभीन जिसका रकवा 4 डिसमल जो लोहानीपुर (कंकडबाग)। में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 4511 विनांक 20-5-83 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध क्रमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

तारीस 11-1-1984 मोहर : प्रकप् , नाइ<sup>म</sup>् थ<u>ी.</u> एत्. एत<sub>ः</sub> -----

कारकार अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सुरकाडु

# कार्यालय, सहायक जायकर बायकत (निर्देशक)

अर्जन रंज, आयकर भवन, ल्भियाना ल्भियाना, दिनांक 9 जनवरी 1984

निवरेश सं. चण्डी./26/83-84-- अतः म्फे,

जोगिन्द्र सिंह,

शायकर शिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- , और जिसकी सं. प्लाट नं. 1217, सैक्टर 34 सी. है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्झ, 1983
  - को पूर्विक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
    - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
    - (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—
38—466GI[83

- कारान एच. जार. सूद पृत्र श्री ठाकार दास.,
   निवासी मकान नं एफ. 22, कालका जी, नई दिल्ली, द्वारा उसके जनरल पावर आफ अटानी श्री सतनाम सिह सेठी पृत्र श्री सोहन सिह सेठी,
   निवासी मकान नं 461, सैक्टर 37-ए... जण्डीगढ़।
   (अन्सरक)
- श्रीमती अमरजीत काँर पत्नी श्री हरी घरन सिंह, निवासी मकान गं. 1212, सैंक्टर 34-सी..., घण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन्न में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

प्लाट नं. 1217, सैक्टर 34-सी.,, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं. 166 मर्ड, 1983 में दर्ज हैं।)

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

तारील इ. 9-1-1984 मोहर ⊌ प्ररूप आई टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ध (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, आयकर भवन, लूधियाना लूधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1983

निवंश सं. चण्डी./28/83-84--अतः मृक्षे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 632, सैक्टर 16-डी है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री राम स्वरूप जैरथ पुत्र लंट श्री नानक चन्द जैरथ, भारतीय नागरिक निवासी शहर कलग्रे ग्रेविन्स आफ अलवरता कौनाडा द्वारा उसकी जनरल अटार्नी श्री बलदेव सिंह होरा प्त श्री आई. एस. होरा, निवासी ए.-26, नरायना विहार, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रमेश मलहात्रा पूत्र श्री कंदन लाल मलहात्रा,

> (2) श्रीमती नीलम मलहात्रा पत्नी श्री रमेश मलहात्रा, निवासी मकान नं 632, सैक्टर 16-डी., चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए , कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- \*

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसुची

मकान नं . 632., सैक्टर 16-डी., अण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं . 175 मर्ड, 1983 में दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिह् मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, लुधियाना

तारी**ब** : 10-1-1984

प्ररूप मार्ड, दी, पुन, एस, ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, आयकर भवन, ल्धियाना ल्धियाना, विनांक 12 जनवरी 1984

्रि**विश** सं. चण्डी./29/83-84--अतः म्भे,

जोगिन्द्र सिंह, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 1612, सैक्टर 36-डी. है, तथा

जा चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्द, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीमती इंगर कार निवासी 648., सैक्टर 33-बी., द्वारा श्री करनैल सिंह, निवासी 1625, सैक्टर 18-डी., चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

श्री ओम प्रकाश लता पृत्र
 श्री हरबन्स लान तता,
 एस डी ओ. केनल कालोनी,
 हारिशयारपुर।

(अर्न्सारती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत,र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं. 1612, सैक्टर 36-डी., चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलंख संख्या नं. 179 मर्दा, 1983 में दर्ज हो।)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीम : 12-1-1984

# प्रस्य भार 🖸 धी ु एन्। एस 此 ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, आयकर भवन, लूधियाना लुधियाना, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदांश सं. ल्धियाना/24/83-84~-अतः सूक्ते, जोगिन्द्र सिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आएा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्यु 25,000/- एः से अधिक है

और जिसकी सं. कोठी नं. 418, एल. माडल टाउन है, तथा जो लुधियाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1983

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी जाय की वाब्त, उच्छा अधिनियम के अधीन के दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हिन्दु; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी अन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उत्तल अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण कें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थील :---

शी जगतार सिह,
श्री दलजीत सिह,
श्रीमती राम कार पत्नी
और पुत्रान श्री बूटा सिह,
निवासी 1, 2, 3 शास्त्री नगर, लुधियाना,
द्वारा लोकल कमीश्नर
श्री गुरदीप सिह वकील,
लुधियाना।

(अन्तरक)

श्री मनप्रीत सिंह,
 श्री हरदित मिंह,
 श्री अमरजीत सिंह प्त्रान
 श्री हिम्मत सिंह,
 निवासी 422, एल. मोडल टाउन, लिधवाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोठी नं. 418, एल. मोडल टाउन्न, ल्<mark>धियाना में स्थित</mark> है।

(जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लूधियाना, के विलेख संख्या नं. 2371 मर्द, 1983 में वर्ज है।)

जोगिन्द्र सिह् मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, ल्धियाना

तारीम : 12~1-1984

मोहर 🤥

प्रकप आई. टी. एन्. एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रॉज, आयकर भवन, लूधियाना लूधियाना, दिनांक 6 जनवरी 1984

निद्देश सं. शिमला/1/83-84--अतः मुक्तं, जोगिन्द्र सिंह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मृज्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

और जिसकी सं है, तथा जो पहली मंजिल आफ बिल्डिंग, शहर विख्त जासू में स्थित हैं (और इससं उपाबद्ध अनुसूजी में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं)., रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1983

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्यित्व में कमी कर्ने या उससे अभने में सुविधा वी लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—— 1.. खा. बाल राम सोफट पूत्र श्री मैं ठा राम सोफट, निवासी होती आक संजोती, शिमला-6 ।

(अन्तरक)

 श्री एस. पी. कपूर पूत्र श्री बालकृष्ण कपूर, कर्ता हिन्दू मुस्तींका परिवार, निवासी 1-वी. 1 हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, रिचमोड इस्टोट, जाख्, शिमसा। (अन्सरिती)

डी. आई. जी. (इनफांसट),
डायरेक्टारेट आफ. इनफांसमीन्ट,
शिमला (हि. प्र.),
पहली मंजिल, बिल्डिंग, शहर विक्र जासू,
शिमला।
(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मगुज्जी

पहली मंजिल आफ. बिल्डिंग, शहर विक जाखू, शिमला। (जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के विलेस संख्या नं. 238 मर्दो, 1983 में दर्ज हैं।)

> जोगिन्द्र सिष्ठ् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, ल्धियाना

तारीय : 6-1-1984

माहर

प्रकप नाइ ैं दी. एन् ः एसः ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) में अभीन स्वना

#### भारत सुरकार

कार्यालव, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना लेभियाना, दिनांक 16 जनवरी 1984

निद्या मं. चण्डी. /23/83-84--अत: मुभ्ते, जोगिन्द्रसिंह,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 3368., सैक्टर 35-डी है, संभा जो चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, र्षण्डोगढ़ में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्द, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिसित उद्देश्य से उत्तर मृत्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उप्त अभिनियमं के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कामी करने या उत्तरसे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (बा) एसी किसी अगयं या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाग किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 े श्री परनजीत राय पुत्र श्री आया राम., निवासी मकान नं 3368, संक्टर 35-डी., चण्डीगढ़, द्वारा श्रीराम सिंह, स्टेनों, सब-जज, प्रथम कलास, चण्डीगळ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रजीत कार पत्नी श्री सतनाम सिह, निवासी मार्फात बोम्बे ट्रॉडिंग कम्पनी, थांगल बाजार, इम्फाल (मनिप्र)।

(अन्तरिती)

 श्री गनपत लाल, श्री विजय कुमार, निवासी मकान नं 3368, सेक्टर 35-डी., चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए । कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुभाना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 🗓

# ननुस्ची

मकान नं. 3368, सैक्टर 35-डी., चण्डीगढ़ में स्थित (जायबाद जैसा कि रिजस्टीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ के विलेख संख्या नं. 120 मर्ड, 1983 में दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, लुधियाना

तारील : 16-1-1984

मोहर 🗵

प्रकण कार्य है दी है **एत** है **एउ** ५५००००००

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, आयकर भवन, ल्धियाना ल्रीधयाना, षिनांक 16 जनवरी 1984

निविश सं. चण्डी./33/83-84--अतः मूक्ते, जोगिन्द्रसिष्ठ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस. सी. एफ. नं. 12, सैक्टर 18-सी. है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख महं, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह<sup>7</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री रधवीर सिंह पृत्र
श्री सन्त सिंह,
पक्का निवासी ग्राम और डाकघर लोला
(दसमेश नगर), जिला अमृतगर,
और अब निवासी मकान नं 328,
फेस ।।, मोहाली, जिला रोपड।

2. श्री बाबा तीरथ सिंह पुत्र श्री बाबा सावन सिंह, श्रीमती रनजीत कार पत्नी श्री बाबा तीरथ मिह, बाक्षा हरिन्द्र सिह पृत्र श्री बाबा तीरथ सिह, वाबा इन्द्रप्रीत सिंह पृत्र वाबा हरिन्द्र सिंह, ववारा उसका पिता या गर्डियन, श्री बाबा हरिन्द्र सिंह, श्री सिंह बाबा स्रोन्द्र सिंह पुत्र श्री बाबा तीरथ सिह., श्रीमती मुखिन्द्र कार पन्नी श्री बाबा मुसिन्द्र सिंह, सब नियामी कोट कप्रा रोड, मक्तमर, जिला फरीवकोट।

(अन्तरिती)

श्री स्रिन्द्र सिंह पृत्र
 श्री सोधी बस्कीस सिंह,
 श्री गोपाल गोयल और
 श्री संजय गोयल पृत्र
 श्री एस. एल. गोयल,
 सास्टर भीस सेन आफ रमेश बैंड,
 सब निवासी एस. सी. एफ. नं. 12,
 सैक्टर 18-सी., चण्डीगढ़।
 (वह व्यक्ति, जिमको अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वाना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थित्त ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

्रसः सी. एफ. नं. 12, सैक्टर 18-सी, जो चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं. 233 मर्झ, 1983 में दर्ज ही।)

जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ल्पियाना

तारील : 16-1-1984

'(अन्तरक)` मोहर छ

# संध लांक सेवा आयोग नोटिस

# इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1984

नइं दिल्ली-110011, दिनांक 18 फरवरी, 1984

सं. एक 2/3/83-प.। (स)--भारत के राजपत्र विनांक 18 फरवरी, 1984 रोल मंत्रालय (रोलवे बोर्ड), द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं / पदों पर भती के लिए संघ लोक सेवा आयोग बुवारा अगरतला, अहमदाबाद, एजल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, कलकरता, चंडीगढ़, कोचीन, दिल्ली,, कटक, इंटानगर, अयपुर, जम्म्,, (गोहाटी) है बराबाद, इम्फाल, जोरहाट, कोहिमा, लखनक, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा). पटना पोर्ट ब्लेअर, रायपुर, शिलांग, शिमला, तिरापित, त्रियन्द्रम और विशासापत्तनम में 5 अगस्त, 1984 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुक्त केन्द्रों तथा तारीयों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र वे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलां) की जानकारी वे दी जाएगी (अनुबंध ा, पैरा 11 दीखए) ।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर उक्त सेवाओं/ पदों के निम्निलिखित वर्गी में भती की जाएगी :---

वर्गे । धर्ग ॥

--- मिषिल इंजीनियरी ----यक्तिक इंजीनियरी

वर्गे ॥। वर्गं उ∨ --- श्रेशुस् इंजीनियरी -इलैक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजी-

प्रस्येफ वर्ग के अन्तर्गत विभिन्न सेवाओं/पदों में लगभग कितनी रिक्तिया है, यह नीचे दर्शाया गया है:---

# वर्गे I -- सिविल इंजीनियरी स्प 'क' की सेवाएं/पद

- (i) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल मंशर मेवा (गिविस इंजी(नयरी पक्)
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा

15 (घ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और भ० ज० जा० के उम्मीद-वारों के लिए 1 ब्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित ह) ।

- (iv) सेना इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सङ्क्षासंवर्ग/ निर्माण गर्बेक्षक संवर्ग)
- 68 (ग्र॰ जा॰ के उम्मीववारों के लिए 11 और घ० ज० जा० के उम्मीदयारों के लिए त आरक्षित रिक्तियां सिक्सिलिन 🖁)
- (v) फेन्ग्रीय जल ईजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी **पद**)

(vi) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)

5 (भ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 और ग्र० ज० जा० के उम्मीव-बारों के लिए 1 बारिकत रिक्ति सम्मिथित है)

- (vii) सहायक कार्यपायक इंजी-नियर (सिविल) (डाक व तार सिविल इंजी-नियरी स्कंध) 🖁
- (viii) भारतीय सायुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्रा) सिविल इंजीनियरी पद

# ग्रुप 'ख'की सेवाएं/पद

- (ix) सहायक इंजीनियर (सिविज) डाक व तार मिनिल इंजीनियरी स्कंघ
- (x) सहायक इंजीनियर (सिविल), भ्राकाशवाणी का सिविल निर्माण स्कंध

# यर्ग-II--यांतिक इंजीनियरी मूप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (याजिक इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (यांजिक इंजीनियरी पव)
- (iv) केम्ब्रीय शक्ति इंजी-नियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (v) भारतीय ग्रायुद्ध कारखाना सेवा (इंजीमियरी शाखा) (यांत्रिक)

20 (घ० जा० के उम्मीवबारों के लिए 3 और ग्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 झारक्षित रिक्तियां सम्मिलित 🗗 ।

4 (६० जा० के उम्मीववारों

के लिए 1 रिक्ति मारक्षित है)

- (vi) भारतीय भौसेना स्नायघ रीवा (यांजिक इंजीनियरी पद)
- (vii) सहायक प्रचन्ध (कार-खाना) (डाक व तार दूर-संचार कारखाना संगठन)

7 (घ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 तथा भ्र० ज० जा० के उम्मीद-वारों के लिए धारिशत 1 रिक्ति सम्मिलित है।

(vlii) सैन्य इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)

12 (भ० जा० के उम्मीदवारों के (वैश्रुम् भीर यांत्रिक संवर्ग) लिए 1 भारक्षित रिक्ति भीर स० ज० जा० के उस्मीवकारों के लिए 1 मारक्षित रिक्ति)

(ix) कर्मशाला अधिकारी (यात्रिक) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मैत्रालय

5 (ध्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 तथा घ० ज० जा० के अम्मीद-वारों के लिए 1 द्यारक्षित रिक्टि सम्मिषित है)।

(x) केन्द्रीय वैद्युत और यांक्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पक्)

- (xi) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद नकनीकी विकास महा-निदेशालय (यास्रिक इंजी-नियरी पद)
- (xii) भारतीय ग्रापूर्ति शेवा (यांक्रिक इंजीनियरी पद)
- (xiii) भारतीय निरीक्षण सेवा सूप "क" (सोक्रिक इंजी-नियरी पद)

4 (प्रनुसुचित जाति के उम्मीद-वारों हेतुएक भारक्षित रिक्ति सम्मि-1 (रिक्ति प्र० जा० के उम्भीक्यारों

(xiv) भारी उद्योग विभाग में सहायक निदेशक (तक-नीकी) ग्रुप 'क' – यां ज्ञिक इंजीनियरी पव

हेतुभारकित है)।

# पुप 'ख' की सेवाएं/पब

(XV) कर्मेशाला अधिकारी 1 (रिक्ति अर्जार के उपमीववारों (यांक्षिक इंजीनियरी पक्) हेस् आ रक्षित है) ई० एम० ई० कोर, रक्ता मेवालय

# वर्ग-III—वैद्युत् इंजीनियरी मूप 'क' की सेवार्थे/पद

- (i) वैश्रुत् इंजीनियरों भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय वैद्युत् भीर शक्तिक 4 (ग्र० जा० के उम्मीदवारों हेतु 1 ब्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित है) इंजीनियरी सेवा (केन्द्रीय इंजीनियरी पद)
- (iv) भारतीय माय्यः कारखाशा 5 (प्र० जा० के उम्मीववारों के लिए 1 प्रारक्षित रिक्त सहित) (इंजीनियरी शास्त्रा) (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (v) भारतीय नौसेना भायत्व 4 (प्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के सेवा (वैद्युत् इंजीनियरी लिए द्यारक्षित 1 रिक्ति महित) पद)
- (vi) केन्द्रीय भक्ति इंजीनियरी सेबा (बैबुन् इंजीनियरी पद)
- (vii) सहायक कार्यपालक इंजी-नियर (वैद्युत्) (डाक व नार सिविल इंजीनियरी स्कंध)
- (viii) कर्मशाला श्रष्टिकारी 4 (भ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 (वैद्युत्) ६०एम०६० कोर, घारक्षित रिक्ति महित) रक्षा मंत्रालय
- (ix) सहायक विकास मधिकारी (इंजीनियरी का पद) तकनीकी विकास महानिदे-शालय (वैद्युत इंजीनियरी पद्
- (x) भारतीय प्रापूर्ति सेवा (वैद्युत् इंजीनियरी पव)
- (xi) भारतीय निरीक्षण सेवा पूप्रे 1 'क' (वैद्युत् इं**जी नियरी पद)**

(xii) सैन्य इंजीनियर सेना (वैद्युत् ग्रीर यांत्रिक संवर्ग) 20 (ग्र० जा० के उम्मीदवारो के (बैध्तु इंजीनियरी पद) लिए 3 मारक्षित रिक्ति ध्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 ग्रारक्षित रिक्ति सहित)

#### भूप 'ख' सेवायें/पद

- (xiii) सहायक इंजीनियरी (वैद्युस्) (ङाकव तार मिविल इंजीनियरी स्कंध)
- (Xiv) सहायक इंजीनियरी (वैद्युत् ध्राकाशवाणी -(सर्विल ) निर्माण विभाग स्कंध
- (xv) कर्मणाला घधिकारी (वैद्युत्) ई०एम० ई० कोर, रक्षा मंद्रालय

# वर्ग-IV---इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रुप 'क' सेवाएं/पव

- (i) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल भेवा
- (ii) भारतीय रेल मंडार सेवा (दूर संचार/दलेक्ट्रानिक इंजीनियरी पय)
- (iii) भारतीय दूर संचार सेवा 150 \*\*
- (iv) इंजीनियर, बेतार योजना और समन्वय स्कन्ध/अनुश्रघण संगठन, संचार मंत्रालय
- (v) उप-प्रभारी इंजीनियरी मम्द्रपार संचार सेवा
- (vi) भारतीय प्रसारण (इंजी-नियर) मेवा
- (vii) तकनीकी अधिकारी, 🕽 सिविल विमानन विभाग
- (viii) संचार अधिकारी सिविल विमानन विभाग
  - (ix) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पव)
  - (x) भारतीय नौसेना, आयुद्ध सेवा (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)
- |(xi) केन्द्रीय शक्ति नियरी सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद)
- (xii) महायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महा-निवेशालय, (इलेक्ट्रानिकी दूर संचार इंजीनियरी पव),

- 18 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 और अ० ज० जा० के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित हैं)। ө (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और अ० ज० जा० के लिए ा आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)। । (रिक्ति ४० ज० সা০ उम्मीदवारों के लिए आरक्षित)
- 4 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 1 रिनिन मस्मिनित है)
- 12 (अा० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्सियां मिम-लित हैं)।

- (xiii) कर्मेशाला अधिकारी 2 (इलेक्ट्रानिकी ईजीनियरी गर्य), ई०एम० ई० कीण, यक्षा मंद्यालय
  - (xiv) भारतीय आपूर्ति सेवा \* (इलेक्ट्रानिकी/दूर संचार इंजीनियरी पढ)
  - (XV) भारतीय निरीक्षण मेवा 2 शृप "क" (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पर)

#### ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

- (xvi) सहायक इंजीनियर समुद्रपार संचार सेवा
- (Xvii) कर्मणाला अधिकारी (इलेक्ट्रानिकी) ई०एम०ई० कोर, रक्षा मैंबालय
- (xviii) तकनीकी सहायक (ग्रृप 'ख') अराजपीवन समुद्रपार संचार मेवा

भारतीय आयुद्ध कारलाना सेवा (सिविल, यांत्रिक, वैश्वत और इलेक्ट्रानिकी) भारी उद्योग विभाग में महायक निद्देशक (तकनीकी) भूष क—-यांत्रिक इंजीनियरी पद तथा भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेता के सामने दिखाई गई रिक्तियां स्थायी है।

अन्य सभी मेताओं और पदों के गामने दिखार्ड गई रिक्तियां अस्थायी हैं।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है। \*रिक्तियां सरकार ने मुखन नहीं की हैं।

\*\*अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत रिक्तियों की संख्या, यदि कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

टिष्पणी:--उपर्यक्त सेवाओं/पदों पर भर्ती नियमावली के परिक्षिष्ट-। में निर्धारित परीक्षा योजना (योज-नाओं) के आधार पर की जाएगी।

3. उम्मीदवार उपयुक्ति पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/ पदों में से सब के लिए या किसी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कार्ड उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के वर्ग के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहना हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटिस के पैरा 6 में उल्लिखित शुक्क कीवल एक बार दोना होगा और प्रत्येक वर्ग के सेवा/पद, जिसके लिए यह आवेदन कर रहा है, के लिए अलग-अलग शुक्क नहीं दोना होगा।

विषेष ध्यान कै—- उम्मीववारों में यह अपंक्षा की जाती है कि के जिन सेवाओं /पदों के लिए विजार किए जाने के इष्टकुक हों, अपने आवंदन पत्रों में उनका करीयता कम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हों सलाह दी जाती है कि के जितनी चाह उतनी करीयताओं का उल्लेख करों ताकि योग्यताकम में उनके रेक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया आ सकी।

उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उन्हीं सेवाओं/पदों पर नियक्ति के लिए उन पर विचार किया जाएगा जिनके लिए उन्होंने अपनी बरीयता का उल्लेख किया है और किसी अन्य सेवा पद के लिए नहीं।

विशेष ध्यान वं— उम्मीदवारों जिन सेवा/पद से सम्बद्ध वर्ग/वर्गी अर्थात सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अंतर्गत आने वाली सेवाऑं/पवॉ के बारे में उसके द्वारा निर्विष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं विया जाएगा जब तक एसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्या लय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाणन की तारील में 30 दिन के अन्वर प्राप्त नहीं हो जाता हैं। आयोग या रोल मंत्रालय उम्मीदवारों को कोई एसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे आवेदन पत्र प्रस्तृत कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिकांथित वरींयता निर्विष्ट करने को कहा जाए।

विशेष ध्यान बं— उम्मीदियार केवल उन्हीं सेवाओं और पर्वां के लिए अपनी बरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शतों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं और पर्वों के वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पर्वों के वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पर्वों में उन्हें प्रवेश नहीं विया जाएगा। अतः नियम 5 (क) के अधीन परीक्षा में प्रवेश वियो गये उम्मीदवार केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं प्रवों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे और जन्य सेवाओं और पदों के लिए इनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं विया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश वियो गये उम्मीदवारों की यरिता पर भी केवल उन्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं विया जाएगा।

4. परीक्षा में प्रबंध चाहने वाले उम्मीववारों को निर्धारित आवंदन-प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपर हाउम, नई दिल्ली-110011 को आवंदन करना
धाहिए। निर्धारित आवंदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध
पूर्ण विवरण (रु. 2/-) दो रुपये देकर आयोग से खक द्वारा
प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा
आयोग, धीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीबार्डर
द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल
डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी
धाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या
करसी नोट स्वीकार नहीं किये जायोंगे। ये आवंदन-प्रपन्न
आयोग के कार्डटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किये
जा सकते हैं। (रु. 2/-)वो रुपये की यह राशि किसी भी
हालत में वापस नहीं की जाएगी।

हिष्पणी: -- उम्मीविशरों को चेतावनी वी जाती है कि वे अपने
आयेदन-पत्र इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1984 के
लिए निर्धारित मृत्रित पत्र में ही प्रस्तृत करें।
इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1984 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तृत
आयेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवंदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सिंखन, संघ लोक सेवा आयोग, भौलपुर झाउस, नई दिल्ली-110011 को 16 अप्रैल, 1984 से पहले की किसी तारील से असम, संघालय, अराणाचल प्रवेश, सिजोरस,

मणिपूर, नागालैंड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाल प्रभाग, हिमाचल प्रवेश के लाहाल और स्पीति जिले, अंडमान और निकाबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले और जिनका आवेदन प्रपत्र उपयोक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होता हो उन उम्मीह-वारों के मामले में 30 अप्रैल, 1984 तक या उससे पहले बाक द्वारा अवस्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम्म, मंघालय, अरुणाचल प्रदंश, मिजारम, मणिपूर, नागालैंड, त्रिपूरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदंश के लाहौंल और स्पीति जिले, अंडमान और निकांशर द्वीप समूह या लक्ष्य्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदिवारों से आयोग यदि चाहों तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तृत करने के लिए कह सकता है कि वह 16 अप्रैल, 1984 से पहले की किसी तारीख से असम, मंघालय, अरुणाचल प्रदंश, मिजारम, मणिपूर, नागालैंड त्रिपूरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमा-चल प्रदंश के लाहौंल और स्पीति जिले, अंडमान और निकानितार स्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिष्पणी (।) :--जो उम्मीदवार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवंदन की प्रस्तृती होत अतिरिक्त समय के हक वार है उन्हें आवंदन पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हक दार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- िहलाणी (।।) :— उम्मीदिशारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों को स्वयं मं. लो. से. आ. के काउंटर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को विए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरवायी नहीं होगा।
- 6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वालं उम्मीवनारों को भरे हुए बावेदन-पत्र के साथ आयोग को 80.00 (अस्सी रुपये) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीवनार के मामले में रु. 20.00 (बीस रुपये)] का शुल्क इस प्रकार भेजना होगा जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दोय रोबांकित भारतीय पास्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में दोय स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी कियो गर्ब रोबांकित बैंक डाफ्ट के रूप में हो।

विदाश में रहने वाले उम्मीववारों को निर्भारित शुस्क भारत के उच्च आयुक्त/राजबा्त या विदाश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुस्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाये और उन्हें आवेदन-एक के गांश जगकी रमीद लगा कर भेजनी आहिए 1.

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाएं पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जा नीच के पैरा 7 के अंतर्गत निर्धारित शुक्क से छूट चाहते हैं।

- 7. आयोग यदि चाहें तो उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब यह इस बात से संतृष्ट हो कि आवेषक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच को अविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला दोश) से भारत आया हुआ वास्तिवक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तिवक रूप में प्रत्यावित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया था या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर 7, 1964 के भारत श्रीलंका समझौत के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया था या काने वाला है या भूतपूर्व पिरचम पाकिस्तान से वास्तियक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के दौरान भारत प्रवृजन कर चुका था और वह निर्धारित शुल्क दोने की स्थिति में नहीं है।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित गूल्क का भगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग व्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रठ. 54.00 (चववन रूपये) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रठ. 14.00 (चिंदह रूपये)] की राशि वापस कर दी जायेगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नांट 1 की शतों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवंदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अहा परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयुक्त नांट के उपवन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह गूल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नीचे के पैरा 9 के उपबन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भगतान किये गये गुल्क की अपसी के किसी दावे पर न हो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिये आरक्षित रखा जा सकेंगा।

- . 9, यदि काई उम्मीवनार, 1983 में ली गई इंजीनियरी सेवा परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा के लिये आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये बिना ही अपना-अपना आवेदन पत्र अवस्य भेज देना चाहिए ताकि वह आयोग के कार्यालय में निर्धारित तारीख तक पहुंच जाए। यदि वह 1983 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति होत अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुशंध पर 1984 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी रख्द कर दी जाएगी और झुल्क लौटा दिया जाएगा बहातें कि उम्मीदवारी रख्द करने और झुल्क लौटा दिया जाएगा बहातें कि उम्मीदवारी रख्द करने और झुल्क वापस करने का अनुशंध आयोग के कार्यालय में 1983 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के ''रोजगार समाचार'' में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त हो जाता है ।
- 10 आवंदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट 1 में परीक्षा योजना में यथासम्मिलित सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रकानपत्र और सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रांगिकी और दुरसंचार इंजीनियरी में में प्रत्येक

के दो प्रश्न-पत्रों में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होगे। वस्तुपरक परीक्षण और नमूने के प्रश्नों के विस्तृत विवरण के लिये उम्मीव-बारों को सूचनार्थ विवरणिका के अनुबंध ।। को दोसिए।

> बी. एस. जैन उपसचिव संघ लोक सेवा झायोग

#### अनुबंध ।

## उम्मीदवारों को अनुवाश

१ - उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आयदेन प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देखे की कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भोजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा-1 में दिये गए केन्द्रों में किसी एक को जहां वह परीक्षा दोने का इच्छुक है अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन में सम्बद्ध अन्रोध को सामान्यत्या स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्त् जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उस्त परीक्षा होतू अपने आवेदन मे निर्दिष्ट किया था जो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औषित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भंजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों घाहता है। एमे अनुरोधों पर गूजवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्त् 5 जुलाई, 1984 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ में स्याही से या बाल पाइन्ट पैन से ही भरना चाहिए। अधून या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जाएगा।

उम्मीववार यह ध्यान रखे कि आवंदन-पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंतराष्ट्रीय पत्रों का ही प्रयोग करना है। चाहों माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवंदन प्रपत्र में प्रविष्टि करते समय इसको भारतीय अंकों में केवल अंतराष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बार में विशेष सावधानी बरतें कि आवंदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या भूमक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाली भूनित या सन्देह के लिए उम्मीदवार जिम्मेवार होंगे।

उम्मीदवार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आयदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्रों सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में हाँ या सरकारी अधिगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दरे से पहांचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भने ही तह नियोक्ता को आकिरी तारीक के पहले प्रस्तृत किया गया हो। जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दौनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी है सियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की है सियत से काम कर रहे हैं, अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कर्यरत हैं, उन्हें यह परिवचन (अंडर टोकिंग) प्रस्तृत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

उम्मीदवारों कां ध्यान रखना चाहिए कि आयोग को उनकी नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीद-वारी रद्द कर दी जाएगी।

- 3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिकित प्रलेख अवस्य भेजने चाहिए ।
  - (1) निर्धारित शूल्क के लिए रखांकित किये हुए भारतीय पास्टल आडर या बैंक ड्राफ्ट या शूल्क भेजने के अपने दावें के समर्थन में प्रमाण पत्रों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (वेखिए: नोटिस का परा 6 और 7 और नीचे परा 6)।
  - (2) आय के प्रभाण-पत्र की अनुप्रभाणित/प्रमाणित, प्रतिलिपि।
  - (3) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की अन्प्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (4) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जिस पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

फोटो की एक प्रति को आवंदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में निर्धारित स्थान पर जिपका दोनी चाहिए।

- (5) लगभग 11.5 सं.मी. ×27.5 सं. मी. के दो बिना टिकट लगे हुए लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।
- (6) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का होने का दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देविए नीजे पैरा 4)।
- (7) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाणप्रत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (8) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।

टिप्पणी (।):—-उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पन्नों के साथ उपर्युक्त मद (2), (3), (6) और (7) में उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतिया हों प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राज-पत्रित अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हों अधवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखिल भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण होते साक्षात्कार के लिये कर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण पत्र मूल एप में प्रस्तुत करने होगे। लिखिल परीक्षा के परिणाम संभवतः दिसम्बर 1984 में घोषित किए जाएंगे उन्हें अपने मूल प्रमाण पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिये तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रख्व कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी (।।):— आवेदन पत्रों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे और तारीख भी दोनी होगी।

उपर्युक्त मद (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों में विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (6) और (7) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिये गये हैं:--

(1) (क) निर्धारित <u>घूल्क</u> के लिये रेखांकित भारतीय पास्टल आर्डर

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यताः रोखांकित होना चाहिए ▶ और उस पर ''सिचव'' संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दोय'' लिखा जाना चाहिए ।

, किसी अन्य डाकघर पर घेय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये आर्थोगे। विरूपित या कटो-फटो पोस्टल वार्डर भी स्वीकार नहीं किये आर्थोगे।

सभी पोस्टल आर्डिंगे पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकचर की स्पष्ट मोहर होनी बाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर रेखांकित नहीं है आहैर नहीं सचिय, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हैं उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(न) निर्धारित शलक के लिये रोखांकित बैंक डाफ्ट

बैंक छापट स्टोट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टोट बैंक आफ इण्डिया की मूख्य शाखा, नई विल्ली में देय हो तथा विधियत रोखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में दोय बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं, किए जायोंगे।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तृत करते समय भैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिरे पर अपना नाम सथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) आयु का प्रमाण पत्र :— आयोग जन्म की वह तारी कर्मकार करता है जो मैंट्रिक लेशन या माध्यमिक विव्यालय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विक्विविद्यालय द्वारा मैंट्रिक लेशन के समकक्ष माने गए प्रमाणपत्र या किसी विक्विविद्यालय द्वारा अन्रिक नेट्रिक लेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विक्विविद्यालय के सम्षित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप ग्रस्तून कर सकता है।

आय के संबंध में कोई अन्य दस्ताबेज जैसे जन्मकं इसीं, शपथपत्र, तगर निगम से सेवा अभिलेख में पान्त सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य एसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अनुदेशों के इस भाग में आए हुए मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र वाक्यांश के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैदिक लेखन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीच नहीं होती या आयू के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीववारों को मैदिक लेखन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/प्रिंसीपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैदिक लेखन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में वर्ज की गई उसकी जन्म की तारीच या वास्तिक आयू लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निधारित आयू का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1— जिस उम्मीववार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाव प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि बाले पृष्ठ की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ।

टिप्पणी 2— उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिक, लेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में वर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3—उम्मीववार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अन्मित नहीं दी जाएगी।

(3) विक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :— उम्मीदियार को एक एमें प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवस्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या किसी परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि एसे प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदिवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से मंबद्ध अपने दावे की पृष्टि में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस सीक्ष्य पर उसकी गुणवत्सा के आधार पर विचार करेगा, किन्तु उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

आयांग को अपना आयंदन-पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदबार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के अधीन दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के परा 1 में निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध कालेज/विश्वविद्यालय के प्रिंसीपल/रिजस्ट्रार/डीन के लिए इस आवाय के एक प्रमाण-पत्र की प्रतिलिप भेजनी चाहिए कि उसने अहाँक परीक्षा उत्तीर्ण कर ती हैं और डिग्री प्रवान किए जाने के लिए आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

A Commence of the second

टिप्पणी 1 :——यदि कोई उम्मीदवार एसी परीक्षा में बैठ बुका हो जिसे उसीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से अहाँता प्राप्त हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की मूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवंदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहाँक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवंदन कर सकता है। एसे उम्मीदवारों को, यदि बन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्त परीक्षा में बैठने की यह बन्यति बन्सिम मानी जाएगी और यदि व अहाँक परीक्षा में उसीर्ण होंने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हाल में 31 बक्स्बर, 1984 तक नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तृत नहीं करते तो यह अन्मित रहद की जा सकती है।

दिनांक .

रैं को शब्द लागुन हों उसे कृपयाकाट द<sup>‡</sup>।

टिप्पणी 2:—-नियम 6 के परन्त्क में उल्लिखित योग्यताओं के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को सम्बद्ध कालेज/संस्था/विश्वयिद्यालय के प्रिन्सीपल/डीन से यह दर्शानं काले प्रमाण-पत्र की एक अनुमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उममें दिए गए विशेष विषयों में सं एक विषय लेकर एम. एस. सी. डिग्री परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उस्तीर्ण कर ली हैं/परीक्षा दी हैं।

(4) कोटोग्राफ :-- उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पाम-पोट बाकार (अगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दृमरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए। फोटो की प्रत्यंक प्रति के उत्पर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

निशंध ध्यान :— उम्मीववारों को चेतावनी दी जाती है कि सदि बावेदन-पत्र के साथ उत्पर पैरा 3(2), 3(3), 3(4), 3(6) और 3(7) में उल्लिखिल प्रलेख आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टी- करण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जाएगा और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

5. यिष कोई उम्मीदवार किसी अन्सूचित जाति या सन्मित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समधन में उस जिल के, जिसम असके गाता-पिता (या जीविस माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी

या उप मडल अधिकारी या नीचे उच्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के निए सक्षम प्राधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए फार्म में प्रमाण-पत्र लंकर उसकी एक अनुप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यू हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतार पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पर्वो पर निमृत्वित के लिए बाबेदन करने वाले अनुस्चित जातियों और अनुस्चित जन जातियों के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

संविधान (अनुस्चित जन जातियां) आदेश, 1950 । संविधान (अनुस्चित जातियां) (संच राज्य क्षेत्र) आदेश,

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आवंश, 1951\*।

[(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (अज्ञाधन) आदेश, 1956, बम्बई प्नर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब प्नर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पूनर्गठन), अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथो- मंशोधित)]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातिया बादश, 1956\*।

संविधान (अंडमान और निकाबार व्वीपसमूह) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1956 अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जातियां अविधान के अनुसूचित जातियां अविधान के अनुसूचित जातियां अविधान के अनुसूचित जातियां अनुसूचित जातियां अविधान के अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जातियां अविधान के अव

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आयोग, 1962\*1

संविधान (बाबरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962 में।

संविधान (पांडिकरों) अनुसूचित जातियां आयोध, 1964 । संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रवेध), आवोध, 1967 ।

संविधान (गोआ, दमन और दिय्) अनुस्चित जातियाँ आदोश, 1968\*।

सिवधान (गोजा, दमन और दिय) अनुसूचित जन जातियां जादेश, 1968\*।

भैविधान (नागार्वेष्ट) अनुसूचित जनजातियां आविषा, 1970\*।

				2
भाग ІШ—आ		<u> भार</u>	<b>स क</b> ा राजपन	, फरवरी 1
संविधान	(सिक्किम)		जातियां	आदेश,
1978*	_ ` `			
संविधान ,	(सिक्किम)_	अनुसूचित	अनजातियां	आदेश,
1978*_।				
<b>भौ</b> र/या* उनक	िअला ∕ मंडल'	प्तरीर में गांव ∕	राज्य/संघ*	 राज्य क्षंत्र हती* ह <sup>1</sup> ।
		ाक्षर		
	**	पदनाम .		
	(क	ार्यालय की मो	हर महित)	
	राज्य	/मंघ राज्य क्ष	त्र	
स्थाम				
तारीखः .				
*(जो शब्द ला	गून हों, उक्	र्¹कृपयाकाट	म् <sup>3</sup> )	
नोट:यह वहीं होगा जो की धारा 20 म		ामतौर से रहर आफ दि पि	तं/रहती हैं पूल एक्ट,	का <b>अर्थ</b> 1950''
**जाति/ज <b>म</b> धिकारी।	निजाति प्रमाण	-पत्र जार <u>ी</u> ब	हरने को वि	लए सक्षम
े क <b>्</b> इन	ाता मंजिस्त लॅक्टर डिप्ट र/डिप्टी ब जस्ट्रेट/सिटी	ी क <b>िमदन</b> र/। हालेक्टर/प्रथम	एडिशनल डिप ' श्रेणीकाः	न्टीकमि- स्टाइयेंडरी

- मीजिस्ट्रोट/िनटी मीजिस्ट्रोटी सब डिबीजनल मीजि-स्ट्रोट/ताल्लुक मीजिस्ट्रोट/एकजीक्य्टिव मीजिस्ट्रोट/ एक्स्ट्रा असिस्टोट कमिशनर। ौ(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेडरी मीजिस्ट्रोट से कम
- (2) चीफ प्रेमीडोन्सी मॅिअस्ट्रोट/एडिशनल चीफ प्रेसीडोन्सी मॅिअस्ट्रोट/प्रेमीडोन्सी मॅिजस्ट्रोट।

ओहदेका नहीं)

- (3) रोबेन्यू अफसर जिसका ओहधा तहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीद-वार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (5) **एडिमिनिस्ट्रोटर/एडिमिनिस्ट्रोटर** का सचिव/इविल-मन्ट अफसर, ''ल**अव्वी**फ''।
- 5. (1) नियम 5 (स) को अंतर्गत आयु-सीमा में छूट की लिये दावा करने वाले सरकारी कर्मचारी को अपने विभाग/कार्यालय को अध्यक्ष से नीचे दिये फार्म में प्रमाण-पत्र की मल प्रति अस्तत करनी वाहिए।

उम्मीववार द्वारा प्रस्तत किये जाने त्राले प्रमाण-पत्र का कार्म।

कार्यालय की मोहर .

सारीम . . . . . . स्थान . . . . .

(2) नियम 5 (ग) (2) या 5 (ग) (3) के अंतर्गत निर्धा-रियम आयु मीमा में छुट का दावा करने वाले और /या उक्त नोटिम के पैराग्राफ 7 के अधीन शृल्क से छुट का दावा करने वाले भूमपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब वंगला वंश) से बिस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-प्रत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह भूमपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध के दौरान प्रयुजन पर भारत आया है:——

- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के शिविर कर्मार्डट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मीजिस्ट्रोट
- (4) स्थयं प्रभारित भव-डिवीजनल का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणाथी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/ निदोशक (पुनर्वास) कलकत्ता।
- (3) नियम 5(ग) (4) अथवा 5(ग) (5) के अंतर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/मा उक्त नेटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले भीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यांजय में लिये गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अन्-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक हैं जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौत के अधीन 1 नवस्बर, 1964 को या उसके बाव भारत आया है या आने वाला है।
- (4) नियम 5 (ग) (6) अथवा 5 (ग) (7) के अंतर्गत निर्धारित आयू मीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उकत नेटिम के पैराग्राफ 7 के अधीन शुक्क में छूट का दावा करने वाले वर्मा में प्रत्यावर्गित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावाम, रंगून द्वारा दिये गये पहचान प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिर्धि यह दिखलाने के लिये प्रम्त् करनी चाहिए कि वह भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट में सियं गये प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि यह दिखलाने के लिये प्रमूत्त करनी चाहिए कि वह बर्मा में आया हुआ बास्तविक

3884 प्रत्यावित व्यक्ति ही और । जून, 1963 का या उसने नाद भारत आया ही। (5) नियम 5 (ग) (8) अथवा 5 (ग) (9) के अंतर्गत बायु-सीमा में छूट चाहने वाले एसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकालांग हुआ है, महानिद्योशक पुनःस्थापना, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अन्-प्रमाणित∕प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्त्त करनी चाहिए कि बह रका सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्र देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निम्क्ति हुआ। जम्मीषयार द्वारा प्रस्तत किया जाने वाला प्रभाण-पत्र का फार्म :---प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट . . . . 💥 🥕 को रीक नम्बर . . . . . . , . . . . . कार्यकरते हुए विदोशी शत्रुदोश के साथ संवर्ष में \*/ अर्शातिग्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्माक्त हुए । हस्ताक्षर . . . . पदनाम . . १० १० १० १८ १८ दिनांक 🕟 🕟 🤃 😥 \*जो शब्द लाग न हों उसे कृपया काट दै। (6) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीवन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमी-द्यान प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 5 (ग) (14) अथवा 5 (ग) (15) की शर्ती के अधीन आयु सीमाओं में छूट का दाया करते हैं उन्हें संबद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिलित निर्धारित प्रयम में उन पर लागू होने वाले प्रभाण-पत्र की, एक प्रमाणित/ अनुप्रमाणित प्रतिनिधि प्रस्तृत करनी चाहिए। (क) कार्यमृक्त/सेवानिवृत्त कार्मिको पर लाग् प्रमाणित किया जाता है कि सं. . र्दंक . . नाम जिसकी जन्म की तारींख . . . **से** . . . . सैना/नौसेना/वाय्सेना में सेवा की है और वे निम्निसित में से एक बर्तपरी करते हैं:--(क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षी तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण बर्सास्त या कार्यकाल होने के जलावा अन्य आधार पर कार्यम्क्स हुए हैं। (ब) वे सैनिक संया के कारण हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण . . . को कार्यम्क्त

हुए हैं।

स्थान : .

तारीखः 👵 👵

सक्षम प्राधिकारी का

नाम तथा पदनाम .

मृहर

(ख) संवारत/काभिकों पर लागू प्रभाणित किया जाता है कि सं. . जिनकी जन्म तिथि . . , से सेना/नौसेना/वाय्सेना में सेवाकर रहे हैं। 2 . उन्हें . . . . . . से कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल . . . तक समाप्त होने की सम्भावना है। उनके विरुद्ध कांई अनुशासनात्मक मामला लिम्बत नहिंही। सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम . . स्थान : . . . . . ≆ारील ः . . . . . . प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नीलिखित ਰਾ :⊸⊸ (क) कमीणन प्राप्त अधिकारियों (आपासकालीन कमीणन प्राप्त अधिकारियाँ/अल्पकालिक सेवा क**मीशन प्राप्त** अधिकारियों सहित) के मामले में :--सेना - कार्मिक सेवा निद्यालय, सेना म्ह्या-लय, नर्षे दिल्ली। नौसेना – कार्मिक सेवा निवद्यालय, नौसेना मुख्यालय, नद्दं दिल्ली। बाय् सेना - कार्मिक सेवा निद्वेशालय, बाय् सेना म्ख्यालय, नर्हं दिल्ली। (व) नौ सेना तथा वाय सेना को जुनियर कामीणन प्राप्त अधिकारियों/अन्य रकीं तथा समकक्ष अधिकारियों के मामले में :---मेना -- विभिन्न रोजिमेन्टल रिकार्ड कार्यालयों बवारा नौसेना – नौसेना रिकार्ड बम्बद्धाः

वायुसेना - वायुसेना रिकार्ड नर्ड दिल्ली।

- (7) नियम 5 (ग) (X) या 5 (ग) (XI) 7 के अनंत-र्गत आयु में छुट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावरितः मुलतः भारतीय अयक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, इसके जिला मजिस्ट्रोट में लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिपि यह विस्तृताने के लिए प्रस्तत करनी पाहिए कि वह व्यितनाम से आया हाआ वास्तविक प्रत्या-वर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से ज्लाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (8) नियम 5 ग (XII) या 5 (ग) (XIII) 8 के ग्रंतर्गत जाय में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गण-राज्य तंजानिया (भृतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवृजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलाबी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावितत हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मीजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतितिषि यह विवलाने के लिए

प्रस्तृत कारनी चाहिए कि वह बास्तव में उपर्युक्त दोशों से प्रवृजन कार आया है।

- (9) नियम 5 (ग) ( XVI ) या नियम 5 (ग) ( XVII ) को अंतर्गत आयु में छुट और/या नोटिस के पैरा 7 के अंतर्गत शुक्क में माफी चाहने वाले भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से विस्था- पित व्यक्ति को निम्नलिखित में से किसी प्राधिकारों से इस आश्य के प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तूत जिर्नी चाहिए कि वह भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 से बीच की अविध के दौरान भारत प्रवृजन कर चुका
- 1. विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्र या राहत शिविरां के शिवर कमांडेन्ट;
- 2. उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जिसमें बह फिलहाल युता हो;
- अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पूनर्वास के प्रभारी अति-रिक्त जिला मिजिस्ट्रेट;
- 4. अपने प्रभारान्तर्गत सब डियीजन के अन्दर सब डियी--भूल अफसर;
- 5 . **शरणाथी<sup>†</sup> पृ**नर्वास का उपायुक्तः;
- 6. जो उम्मीदिवार उत्पर पैरा 5 (2), (3) (4) और 5 (9) में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार क्रिंग में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए, िक बह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का 5 प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-र्लिप प्रस्तृत करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, को परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियक्ति ..... भारत सरकार के रोल/निर्माण और आवास/रक्षा ्रा / सिंचार्ष्ट / संचार /पृति / अहाजरानी और परिवहन/पृचना और प्रसारण/पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय व्वारा शवस्यकता पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर विए जाने के बाद ही ुया जाएगा।
- 8. जम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवदन-पत्र .रते समय कोई भूठा ब्यौरा न दे अथवा किसी महत्वपूर्ण सृचना .गे न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी की जाता है कि वे अपने जारा प्रस्तृत किए गए किसी प्रलंख अथवा उसकी प्रति की जिसी प्रतिक्रित में न तो ठीक करें, न अमें परिवर्तन करें और न कोई फेर-बदल करें और न ही होई फेर-बदल करें। यदि एसे जो उससे अधिक प्रलंखों या उनकी प्रतियों में कोई अध्विध अवि विसंगति को संबंध में स्पष्टीकरण स्तृत किए आएं।

9. आयेदन-पत्र दोर से प्रस्तृत किए आने पर दोरी के कारण के प्रमा यह तर्क स्थीकार नहीं किया जाएगा कि आयेदन पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आयेदन-प्रपत्र का के जाना ही स्वतः इस यात का गूनक न होगा कि अयेदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें दोर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सिम्मिलित हैं की पानती दी जाती हैं तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण मंख्या सचित कर दी जाती हैं। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अन्तिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती हैं तो उसे तत्काल आयोग से पावती होतू सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या स्चित कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदियार को उसके आबेदन-पत्र के परिणाम की स्चना यथाशीय दे दी जाएगी। किन्त् यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब स्चित किया जाएगा। यदि परीक्षा के श्रुक होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदियार को अपने आबेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई स्चना र मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदिवार ने एना नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।
- 12. संध लोक सेवा आयोग ने "संध लोक सेवा आयोग की वस्त्परक परीक्षाओं होत उम्मीदवार विवरणिका" शिर्क से एक सम्ल्य प्रिस्तका छापी है। यह प्रितका सं. लो. से. आयोग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को महायता दोने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

यह प्रितका और पिछली परीक्षाओं की नियमावली तथा पारम्परिक प्रकार के प्रका-पश्नों का उल्लेख करने वाले पैम्फलेटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, मिविल लाइन्स, दोहली-110054 के पास बिकी के लिए सलभ हैं और इन्हें उनसे सीधे मेल आईर दवारा या नकद भगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें क्षेत्रल नकद भगतान पर (1) किताब महल, रियोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया विल्डिंग, ''मी' ब्लाक, बाबा खडगसिंह मार्ग नई विल्ली-110001 और (2) उद्योग भवन, नई विल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउन्टर और (3) गवर्नमेन्ट आफ इन्डिया बुक डिपो, 8-के. एस. राय रोट, कलकता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनव्यल/ पैम्फलेट भागत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न म्फिसल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

- 13. आवेदन-पत्रों से मम्बद्ध पत्र-ध्यवहार—आवेदन पत्रों से सम्बद्ध मनी पत्र आदि सचिव. संघ लोक मेवा आयोग, धौलपर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को भोजे आएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया आए:—
  - (1) परीक्षा का नाम
  - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
  - (3) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण सं./रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीस, यदि आवेदन पंजीकरण सं./अनक्षमांक सचित नहीं किया गया है।
  - (त) अम्मीदवार का नाम (परा तथा बड़े अक्षरों में)
  - (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

t0-466 GI/83

विशेष ध्यान (1) :——िजन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा, सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशोष ध्यान (2) :--परीक्षा के समाप्त हो जाने के बाद यदि

उम्मीदवार से कोई ऐसा पत्र/सूचना

प्राप्त होती है जिस पर उसने अपना नाम
और अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो

ऐसे पत्रों पर कोई ध्यान नहीं दिया

जाएगा और न ही उन पर कोई कार्यवाही की जाएगी।

पते में परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजें गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी स्चना उपर्यक्त परा 13 में उल्लिखित आयोग के उसकी स्चना उपर्यक्त परा 13 में उल्लिखित आयोग के समाथ, यथाणीम दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान दोने का प्रा प्रयत्न करता है किन्त इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### अमुबर्ध--।।

## उम्मीदवारों को सुधनार्थ विवरणिका

# (क) वस्तुपरक परीक्षण

नियमावली के परिविष्ट-। में इंजीनियरी की प्रत्येक जान विभा (अर्थात सिविल, यांत्रिक, बेंद्युस और इलेंक्ट्रानिकी द्र संचार) के अंतर्गत भाग-। के प्रश्न-पत्र में आपकी परीक्षा ''वस्त्-परक परीक्षण'' के नाम से जानी जाएगी। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसके आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई मुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्यूत्तर कहा जाएगा) दिए जाते ही उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चून लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी दोना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

# **ं(ख)** परीक्षण कास्वरूप

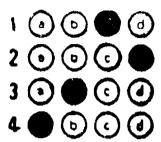
प्रदन-पत्र ''परिक्षण पृस्तिका'' के रूप में होंगे। इस पृस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3--आदि के क्रम से प्रवनांश होंगे। हर प्रक्तंश के नीचे ए, बी, सी, डी, चिन्न के साथ स्काए गए प्रत्यत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्यृत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का ध्नाव करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने के प्रवनांश देखें लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रवनांश के लिए आपको एक सही प्रत्यृत्तर का च्नाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक च्न लेते हों तो आपका प्रत्यृत्तर गलत माना आएगा।

#### (ग) उत्तर दोने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा जिसको एक नम्ना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी। आपको अपने प्रत्यूत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण प्रक्षक में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जायोंगे।

उत्तर पत्रक (नियमावली के अंत में नमना संलग्न) में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए, बी, सी, चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान

छपे होते हैं। परिक्षण प्रस्तका के प्रत्येक प्रकाश को पढ़ लंगे और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्यूत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के उत्तर वाले बृत्त को पैन्सिल से पूरी सरह काला बना कर उसे अंकित कर दोना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर-पत्रक के बृत्त का काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि :---

- प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए क्षेत्रल अच्छी किस्म की एच .
   पीन्सल (पीन्सलें) ही लाए- और उन्हों का प्रयोग कर .
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे प्रा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दैं। इसके लिए आप अपने साथ एक रखड़ भी लाएं। ♣
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एरे. असावधानी न हो जिसमें द फट आए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ आए या वह सराब हो जाए।

# (घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- अपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा ।
- परीक्षा गुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुरू होनें के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पूस्तिका और उत्तद्व पत्रक निरीक्षक/पर्यविक्षक को सौंप दै। आपको परीक्षण पूस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।
- 5. आपको उत्तर पत्रक पर काछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। आपको काछ दिवरण उत्तर पत्रक पर क्रूटबद्ध भी करने होंगे। इसके बारे में आपके नाम अनुद्देश प्रवेश प्रमाण-प, के साथ भेजे जाएंगे।
- 6. प्रिक्षण-पृस्तिका में विए गए सभी अनुवास आपका सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुवासों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संविष्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपकों कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षण के प्रत्युत्तर के लिए आपकों कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षण के प्रत्युत्तर के लिए आपकों काई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षण के प्रत्युत्तर के लिए का पर्ववेक्षण किसी परीक्षण या उसके किसी आग को आरम्भ या समाप्त करने को कहीं मां उनके अनुवासों का तत्काल पालन कर ।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लायों, आपको अपने साथ एक एच. बी. पैन्सिल, एक रवड़, एक पैन्सिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह वी जाती हो कि आप अपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो ॥

कापको परीक्षा भवन में काई खाली कागज या कागज का टूकड़ा या पैमाना या आरखण उपकरण नहीं लाने हैं क्यों कि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया आएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

# (अ) विशोध अनुवाश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक विभे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर वे। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका वैगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य वेख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा को। परीक्षण पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिख वे। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक एसा करने के लिये न कही।

# (च) कुछ उपयोगी सुभगव

▶ यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गिति की अपेक्षा शृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासम्भव दक्षता से उपयोग करें। संतृतन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो।

३ आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें।

अपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर दक्षें और उन कठिन प्रश्नों पर वाद में विचार करें।

सभी प्रश्नामों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जायोंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटी आयोंगे।

#### (छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यविक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें, जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं सो जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्लिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं हैं।

## ममूने के प्रश्नांण (प्रश्न)

(नोट--- सही/सर्वोक्षम उत्तर-विकल्प को निविष्ट करता है)

#### 1. सामास्य अध्ययन

बहुत कंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है ?

- (a) रक्त का दाय वायुमण्डल के दान से कम होता है।
- \*(b) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से अधिक होता है।
- (c) रक्त बाहिकाओं की अन्वरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
- (d) रक्त का बाब वायुमण्डल के बाब के अनुरूप घटता बढ़ता है। 2. (कृषि)

अरहर में, फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- \*(a) बुद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काय
  - (b) दूर पूर पौध लगाना
  - (c) सही ऋतु में पौधे लगाना
  - (d) शोड़े थोड़े कासले पर पौछे लगाना।

#### (रसायन विज्ञान)

H<sub>3</sub>VO<sub>4</sub> का एनहाड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a)  $VO_3$
- (b) VG<sub>4</sub>
- (c)  $V_2G_4$
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>

# 4. (अर्थशास्त्र)

भम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- \*(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमांत राजस्य उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

# 5. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को आपेक्षित पैरावैश्वतांक 9 के पैरावैश्वत से सम्पू-रित किया गया है। यवि C मुक्त अन्तराल में संचरण वेग वर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c)  $C/_3$
- (d) C/9

# (भृषिज्ञान)

बैसाल्ट में प्लेजिओक्लेस क्या होता है।

- (a) आलिगोक्लज
- \*(b) लेकोडोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एनायाईठ

#### 7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने बाला और  $\frac{d^2y}{dx^2} \frac{dy}{dx} = \emptyset$  समीकरण

को संगत रखने वाला बक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (a) y = ax + v
- (b) y⇒ax
- (c)  $y=aex^x+be^{-x}$
- \*(d)  $y=ae^x-a$

#### 8. (मौतिकी)

एक आवर्श उत्मा इंजन 400° K और 300° K तापऋम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) 3/4
- \*(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 9. (सांस्यिकी)

यदि विपद विकर का माध्य 5 है तो इसका प्रमरण निम्नलिखित में से क्या होगा

- (a)  $4^2$
- \*(b) 3
- (c) ∝
- (d) = 5

#### 10 (भूगाल)

**वर्मा के दक्षिणी भाग** की अत्यधिक समृद्धिका कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपूल भण्डार है।
- \*(b) वर्मा की अधिकांग निवयों का डेस्टाई भाग है।
  - (c) यहां श्रेष्ठ बन संपदा है।
  - (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी माग में हैं।

#### 11. (मारतीय इतिहास)

बाह्यणबाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या शस्य नहीं है?

- (a) बौद्ध धर्म के उल्कर्ष काल में भी वाश्चाणनाद के अनुपायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (b) ब्राह्मणमाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडंबर से पूर्ण धर्म था।
- \*(c) ब्राह्मणबाद के अभ्युदय के साथ, बलि संबंधी यज्ञ कर्में का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की जिभिन्न दणाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

#### 12. (वर्शन)

निम्नलिखित में से निरीयवरवाधी वर्शन समूह कौन-सा है?

- (a) बीज, न्याय, चार्वाक, भीमांशा
- (b) न्याय, वरोषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) अद्भन, बेदांत, सांख्य, चार्वाक, योग
- \*(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

#### 13. (राजनीति विज्ञान)

"बृत्तिगत प्रतिनिधान" का अर्थ निम्नलिखित में से क्या 🖁 ?

- \*(a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन !
- (b) किसी समूह या किसी ज्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन ।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

#### 14 (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किसकी निर्वेशित करती है ?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि भावात्मक
- \*(b) अन्तर्नोद ग्रवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

## 15 (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कीन-सी है?

- \*(a) प्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचा-रिक प्रतिनिधिरव प्राप्त हुआ है।
  - (b) खुआछूत कम हुई है।
  - (c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
  - (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :--- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्यूक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) कीवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार होंं। White pills are and

 $\alpha = \mathbb{I}^{n_1} \times \mathbb{I}_{\mathbb{I}^{n_2}} \times \mathbb{I}^{n_2}$ 

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi, the 11th January 1984

No. A.32013/1/80-Admn.H.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri J. P. Aggawal, a permanent Programmer in the office of Union Public Service Commission, to the post of Senior Programme (Group 'A'—Rs. 1100-50-1600) in the Commission's office on an ad-hoc basis for the period from 16-1-1984 (A.N.) to 29-2-1984, or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri J. P. Aggarwal as Senior Programmer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Sr. Programmer.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

They are the real of the second of

#### New Delhi-110011, the 24th November 1983

No. A.31018/1/83-Admn, III (i)—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officers in the office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. Name No.	Period				
S/Shri					
1. H.S. Bhatia		1-11-83 until further orders.			
2. S.C. Jain .		1-11-83 until further orders.			
3. Krishan Kumar		7-11-83 to 26-11-83			
4. Jit Ram		14-11-83 to 28-12-83			
5. N.M.L. Bhatnagar		Do.			
6. Ram Autar	,	Do.			
7. Sudesh Kumar .		14-11-83 to 28-12-83			

The above officers shall draw Special Pay  $(\bar{a})$  Rs. 75 per month in terms of D.O.P. & A.R.O.M. No. 12/1/74-CSI dated 11th December, 1975.

#### The 31st December 1983

No. P.252-Adma.I.—The President is pleased to permit Shri R. Sahai, a permanent Section Officer and officiating as Under Secretary on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st December, 1983.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th lanuary 1984

No. A-19035/1/81-AD-V.—In continuation of Notification No. A-19035/2/82-AD-V dated 1st November, 1983, Director, CBI and IGP/SPE is pleased to appoint Shri Mohan Lal, Crime Assistant as Office Superintendent, CBI on ad-hoc basis in Zone-III of CBI Head Office upto 31st January, 1984 in the leave vacancy of Shri S. Ramamoorthy, Office Superintendent.

No. A-19014/1/84-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Samiran Mukherjee, IPS (West Bengal-SPS) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the Afternoon of 18th January, 1984 upto 18th January, 1987.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 21st January 1984

No. P. VII-5,83-Estt.L. The President is pleased to appoint on promotion the following Commandants of CRPF to the rank of Commandant Selection grade in a temporary capacity till further orders.

2. They took over charge of the post on the dates indicated agains their names:—

agains their names	:			
Sl.No. Name of the	Officer			Date of taking over
1 2				3
S/Shri				
1. S. Pal Sigh .	,			- 18-10-83
2. A.K. Bandhopadh				18-10-83
3. P.V. Subbarao				. 27-10-83
4. B. Chakraborty				. 17-10-83 (AN)
5. C.M. Pandey				. 17-10-83 (AN).
6, K.M. Mathur				. 17-10-83 (AN)
7. R. Santhanam				. 17-10-83 (AN)
8. Y.P. Baxi				. 18-10-83
9, P.N. Ramakrishna	ın			. 17-10-83 (AN)
10. Satish Kumar Mal	hindroo			. 17-10-83 (AN)
11, M.R. Malik	. ,			. 17-10-83 (AN)
12. J.S. Negi .	, ,		,	. 18-10-83
13. E.S. Bakhtawar				. 17-10-83 (AN)
14. R.N. Saxona				. 17-10-83 (AN)
15. S.P. Sharma				. 17-10-83 (AN)
16. Mohan Lal Guler	ia .			. 19-10-33 (AN)
17. M.S. Farooqi				. 17-10-83 (AN)
18. D.R. Yadav				. 17-10-83 (AN)
19, P.D. Gupta				. 18-10-83
				. 17-10-83 (AN)
21. D.K. Suri	, .			. 17-10-83 (AN)
22. O.P. Bhatta				. 17-10-83 (AN)
23. Mahindor Prasad				. 17-10-83 (AN)
24. N.K. Towari				. 17-10-83 (AN)
25. V.D. Saggal				. 17-10-83 (AN)
26. J. Basnet				. 17-10-83 (AN)
27. S.S. Gill				. 24-10-83
28. M.S. Boparai				, 21-10-83
29. B.S. Kang				. 17-10-83 (AN)
30. A. Guha Roy		,		. 17-10-83 (AN)
31. K.M. Mehrotra				. 17-10-83
32. R.P. Tewari				. 17-10-83 ,,
33. S.K. Sankaran	• ,			. 17-10-83 ,,
34. P.K. Menon		•		. 19-10-83
35. Gurmohan Singh	` .	,		17-10-83 (AN)
36. C.P. Singh	,			. 18-10-83
37. George C. Podipa				. 27-1083
38. N. Samsuddin				. 18-10-83
39. M.K. Mukherjee				. 17-10-83 (AN)
40 34 35 1/1				. 17-10-83
41. R.S. Gill				. 17-10-83 (AN)
42. Swaran Singh				. 18-10-83
43. S.B.Lal				. 17-10-83 (AN)
44. B.B. Sharma				. 24-12-83
45, Y.N. Kashyap				, 17-10-83 (AN)
46. Mohtab Singh		,		. 20-10-83
47. B.K. Sehgal			,	. 17-10-83 (AN)
48. Inderjit Singh	. ,			. 17-10-83 ,,
49. R.R. Bhanti	•			17-10-83
50. Sukhcharan Singh				17-10-83
51. R.S. Notyal		-		. 18-10-83
52. R.N. Rao		:	•	. 17-10-83 (AN)
53. B.K. Karkara		•	•	. 17-10-83
	· · ·	·		

1 - 19 1 /2 Fr 2 - 1 - 1 /2 4 1 - 1 - 1

1 2				 3 
54. Narinderpal				. 18-10-83
55, K, D. Mani				. 18-10-83
56. P.S. Kadian				. 17-10-83 (AN)
57, R.S. Yadav.				. 17-10-83 ,,
58. Sukhjinder Singh				17-10-83
59, M,M, Prasad				. 4-12-83
60, R.C. Puri				. 18-10-83
61, M.L. Sharma				. 18-10-83
62 K. Kesavan				. 18-10-83
63. Jagbir Sigh				. 27-10-83
64. Mohar Singh		,		. 17-10-83 (AN)
65, R.S. Vohra				. 17-10-83 ,,
66. H.S. Sandhu				. 18-10-83
67. Amilal Yadav				. 18-10-83
68. N. Ramachandra	n			. 18-10-83
69. Swaran Singh				. 17-10-83 (AN)
70. P.J. Sotty				. 17-10-83 ,,
71. B.R. Sharma				. 17-10-83 ,,
72. M.P. Chitnis				. 18-10-8
73. S.R. Yadav				. 18-10-83
74. S.A. Khan				. 21-10-83
75. G.S. Sidhu				, 21-10-83
76. R. B. Pathak				. 20-10-83 (AN
77. A.M. Tewari				20-10-83
78. R.K. Singh	į.			. 20-10-83
79. J. B. S. Bains				. 19-10-83(AN)
80. G.S. Randhawa				. 20-10-83
81. S. A. Mishra	,			. 20-10-83
82. G.G.A. Sharma				20-10-83
83. R. Jagdish Chan	dian			. 20-10-83
84. M.S. Multani				. 20-10-83
85. S.C. Kuckreja				. 20-10-83
86. Nand Lal				20-10-83
87. J.S. Dhillon	•			20-10-83(AN)
88. J.N. Mathur				20-1083
89. B.S. Yadav	•	-	•	20-10-83 (AN)

#### The 23rd January 1983

No. O.II-1774/83-Estt,—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Surender Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 28th November, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

#### FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 25th January 1984

No. 8FC 2(32)-A/82.—Consequent on his transfer from the Directorate of Plant Protection, Quarantine & Storage, N. H. IV. Faridabad (Haryana), Shri Chaman Lal, Section Officer, Cadre of the Department of Agriculture & Cooperation, has been appointed as Section Officer in the Fighth Finance Commission in the scale of Rs. 650-1200 with effect from the forenoon of 13th January, 1984 and until further orders.

T. C. NANDA Administrative-com-Accounts Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, COMMERCE, WOWRKS AND MISC.

New Delhi, the 13 January 1984

No. Admm. III/2 (1)/VIII/2572—The Director of Audit-Commerce, Works & Misc., New Delhi has ordered the

promotion of the following Section Officers as temporary Audit Officers on provisional basis in the scale of Rs. 840-40-1000 EB-40-1200 from the dates indicated against each.:—

S. Name No.				Da	ite from which promoted
S/Shri				 	<del></del>
1. N.K. Sinha					1-6-83
2. K.K. Schgal			,		16-5-83
3. S.P. Gupta					16-5-83
4. S.P. Tyagi					13-7-83
5. A.K. Mitra			,		22-7-83
6. R. Gangadhara	n		,		24-8-83
7. R.L. Kaul .	,				26-9-83
8. J.D. Kapoor		-			17-11-83
9. K.K. Srivastva					19-11-83

A.K. PATNAIK.

Dy Director of Audit (Admn.)

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH-1

Hyderabad-500 476, the 9th January 1984

No. Admn.1/8-132/83-84/36.—Sri K. Subramaniam-I, Accounts Officer of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-12-1983 Afternoon.

Senior Deputy Accountant General
Administration

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (I) BIHAR

Ranchi, the 21st January 1984

No. Admn-II-1424.—The Accountant General (I) Bihar has been pleased to promote Shri Sachidanand Prasad No. In substantive Section officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 30-11-83 (FN).

No. Admn.-II-1425.—The Accountant General (I), Bihar Ranchi has been pleased to Promote Shri Janardan Prasad No. Il a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 27-12-83 (FN).

#### The 25th January 1984

No. Admn-II-1423.—The Accountant General (I) Bihar Ranchi has been pleased to Promote Shri Nirmalya Biswas a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 22-11-83 (FN).

No. Admn.-II-1426.—The Accountant General (1) Bihar Ranchi has been pleased to Promote Shri Niranja Das a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 30-12-83 (FN).

Sd./- ILLEGIBLE
Sr. Depary Accountant General
(Admn.) Bihar

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 4th January 1984

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C·1(1)/18.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay, is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate

and the second of the second o

The series of the series

as Accounts Officers, from the dates mentioned against their names, until further orders:

- (1) Shri S. D. Subramanian -- 6-12-1983 Forenood,
- (2) Shri K. S. Mahadevan-30-12-1983 Forenoon,
- (3) Shri T. K. Tilak-31-12-1983 Forenoon.

#### The 20th January 1984

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/20.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri M. S. Gaitonde, Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 11-1-1984 Afternoon, until further orders.

C. R. RAMANARAYANAN Sr. Dy. Accountant General/A

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 19th January 1984

No. AN/I/1174/1/II.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

- Sl. No., Name and Date
- 1. Shri Nand Kishore-16-12-1983
- 2. Shri Rajesh Kumar Singhal-28-12-1983
- 3. Shri Sanjoy Mukherjce-15-12-1983
- Shri Abhijit Basu—3-12-1983.
- 5. Smt. Radha A. Nanjanath-26-12-1983.

No. AN/I/1174/1/II—The President is pleased to appoint the undermentioned officers (on deputation as noted against their names) of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, until further orders with effect from the dates shown against their names, under the 'Next Below Rule'

1. Smt. C.R. VIJAYA-LAKSHMY GUPTA

15-12-1983 Assi

Assistant Financial Adviser, Directorate General, Naval Project, Bombay.

2. Shri JAYARAMAN NATA-RAJAN

26-12-1983

Chief Finance and Accounts Officer, Defence Research & Development Laboratory, Hyderabad

No. AN/I/1174/I/II—The President is pleased to appoint the undermentioned officers on deputation as noted against their names) of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1590-69-1800-100-2000 of that Service, for a period of six months with effect from the dates shown against their names under 'Next Below Rule';—

1. Sri Guru Prasad Mohanty 28-12-83

Under Secretary Ministry of Defence. New Delhi 2. Smt. Usha Grace Antony 30-12-83 Deputy Develop-

Deputy Development Officer
(Admin) Planning & Development Unit Directoral General, All India Radio New Delhi (Ministry of Information and

Broadcasting).

V.S. JAFA

Additional Controller General of Defence Accounts

#### MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 25th January 1984

No. 2/84/G.—The President is pleased to appoint Dr. Narendra Chandra Malakar, Permt Asstt. Director of Health Services as Deputy Director of Health Services on ad-hoc basis with effect from 29th December, 1983.

V. K. MEHTA Director/EST

#### MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd January 1984

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 1/16/83-ADMN(G)/1010.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Sengupta, (CSS Grade I) to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for a further period of two months with effect from 1-10-83 to 30-11-1983.

#### The 25th January 1984

No. 14(8)/83-Admn(G)/891.—On attaining the age of superannuation. Shri A. K. Sengupta, Joint Chief Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from afternoon of the 30th November, 1983

#### The 27th January 1981

No. 6/1143/76-ADMN(G)/885.—On attaining the age of superannuation. Shri N K. Ganeadharon. Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports. Bangalore has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30-11-1983.

SHANKAR CHAND

Dv. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

# (DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 27th January 1984

No. FST.I-2(571)/501.—Shri N. N. Gotam, Deputy Director in the Regional Office of the Textile Commissioner, Ahmedabad, retired from service from the alternoon of 31-12-1983, on attaining the age of superannuation.

S. RAMAMOORTHI Textile Commissioner

#### MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 24th January 1984

No. A.12018/1/83-Admn.(G).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution,

the President hereby makes the following rules further to amend the Small Industry Development Organisation [Group 'A' and Group 'B' (Gazetted posts)] Recruitment Rules, 1962, namely:

- (1) These rules may be called the small Industry Development Organisation [Group 'A' and Group 'B' (Gazetted posts)] Recruitment (Amendment) Rules, 1983.
  - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In Schedule II to the Small Industry Development Organisation [Group 'A' and Group 'B' (Gazetted Posts)] Recruitment Rules, 1962 (hereinafter referred to as the said rules).
  - (i) under the heading "(a) Mechanical Engineering Section".
  - (A) against item 1 relating to the post of Industrial Adviser (Ancillary Industries Development),
    - (a) in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
      - "50 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
    - (2) in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion, failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.

Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years.";

- (B) against item 2 relating to the post of Industrial Adviser (Modernisation).
  - (a) in column 6, for the existing entry, the followshall be substituted, namely:—

"50 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government),";

(b) in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion, failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall no exceed 3 years.":

(C) against item 3 relating to the post of Director (Gr. I) (Mechanical), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxabl<sub>2</sub> for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.";

(D) against item 4 relating to the post of Director (Gr. II) (Mechanical), in Column 6, for the existing entry the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.";

(E) against item 5 relating to the post of Deputy Director, in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"40 years and below (Relaxable for Government servents unto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).":

(F) against 'tem 6 relating to the post of Assistant Director (Grade I), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

- "35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).":
- (G) against item 7 telating to the post of Assistant Director (Grade II), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the nstructions or orders issued by the Central Government).";

- (ii) under the heading "(b) Electrical Engineering Section",
- (A) against item 8 relating to the post of Director (Gr. I) (Electrical), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(B) against item 9 relating to the post of Director (Gr. II) Electrical), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(C) against item 10 relating to the post of Deputy Director, in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"40 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).":

(D) against item 11 relating to the post of Assistant Director (Grade I), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).":

(E) against item 12 relating to the post of Assistant Director (Grade II), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

- (iii) under the heading "(c) Matalluroical Section".
- (A) against item 13 relating to the post of Director (Gr. I) (Metallurgy), in column 6 for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants unto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(B) against item 14 relating to the post of Director (Gr. II) (Metallurgy), in column 6 for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(C) against item 15 relating to the post of Deputy Director in column 6 for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"40 years and below (Relaxable for Government servants unto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(D) against item 16 relating to the most of Assistant Director (Grade D) in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

ervants upto 5 years in accordance with the

instructions or orders issued by the Central Government).";

(E) against item 17 relating to the post of Assistant Director (Grade II), in column 6, for the existing, entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 5years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

- (iv) under the heading "(b) Hosiery Section",
- (A) against item 18 relating to the post of Director (Gr. I) (Hosiery), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(B) against item 19 relating to the post of Deputy Director, in clumn 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"40 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.";

- (v) under the heading "(e) Civil Engineering Section",
- (A) against item 20 relating to the post of Assistant Director (Gr. I) (Civil Engineering), in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion falling which by transfer on deputation. Period of Deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/deartment shall not exceed 3 years."

- (B) against item 21 relating to the post of Industrial Adviser (Electronics),
  - (a) in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"50 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

- (b) in column 10. for the existing entry, the following shall be substituted. namely:— "By promotion, failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years.";
- (C) against item 22 relating to the post of Director (Gr. I) (Flectronics) in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(D) against item 23 relating to the post of Deputy Director (Electronics), in the column 6, for the existing entry the following shall be substituted, namely:—

"40 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(E) against item 24 relating to the post of Assistant Director (Grade I) (Electronics), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government)."

. . .

- 3. In Schedule III to the said rules,
- (i) under the heading "(a) Chemical Section",

- (A) against item 1 relating to the post of Industrial Adviser (Chemicals),
  - (a) in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"50 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(b) in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years.";

- (B) against item 2 relating to the post of Director (Gr. I) (Chemicals), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (C) against item 3 relating to the post of Director (Gr. II) (Chemicals), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(D) against item 4 relating to the post of Deputy Director, in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"40 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(E) against item 5 relating to the post of Assistant Director (Grade I), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with he instructions or orders issued by the Central Government).";

(F) against item 6 relating to the post of Assistant Director (Grade II), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

- (ii) under the heading "(b) Leather/Footwear Section",
- (A) against item 7 relating to the post of Director Gr. I)
  (Leather/Footwear), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(B) against item 8 relating to the post of Director (Gr. II) (Leather/Footwear), in column 6. for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(C) against item 9 relating to the post of Deputy Director in column 6. for the existing entry, the following shall be substituted namely:—

"40 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.";

(D) against item 10 relating to the nost of Assistant Director (Grade I) in column 6 for the existing entry, the following shall be substituted, namely:

- "35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (E) against item 11 relating to the post of Assistant Director (Grade II), in column 6, for the existing entry, th<sub>2</sub> following shall be substituted, namely:—
  - "35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (iii) under the heading "(c) Glass/Ceramics Section",
- (A) against item 12 relating to the post of Director (Gr. I) (Glass/ceramics), n column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (B) against item 13 relating to the post of Director (Gr. II) (Glass/Chemicals), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (C) against item 14 relating to the post of Deputy Director in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "40 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (D) against item 15 relating to the post of Assistant Director (Grade I), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (E) against item 16 relating to the post of Assistant Director (Grade II), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (iv) under the heading "(d) Metal Finishing Section",
- (A) against item 17 relating to the post of Deputy Director in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "40 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government)."
- (B) against item 18 relating to the post of Assistant Director (Grade I), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (C) against item 19 relating to the post of Assistant Director (Grade II) in column 6 for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "35 years and below (Relaxable for Government servents unto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (v) under the heading "(e) Food Industry Section",
- (A) against item 20 relating to the post of Director (Gr. II) (Food Industry), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

- "45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (B) against item 21 relating to the post of Deputy Director (Food Industry), its column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "40 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (C) against item 22 relating to the post of Deputy Director (Packaging), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "40 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (D) against item 23 relating to the post of Assistant Director (Gr. I) (Food Industry) and Assistant Director (Gr. I) (Fruit Preservation), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "35 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
- (E) against item 24 relating to the post of Assistant Director (Gr. I) (Food Industry) and Assistant Director the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "35 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
  - (vi) under the heading "(f) Lens Grinding Section", against item 25 relating to the post of Assistant Director (Grade I), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
    - "35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.":
- 4. In Schedule IV to the said rules, against item 1 relating to the post of Assistant Director (Grade II), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
  - 5. In Schedule V to the said rules,
  - (A) against item I relating to the post of Director (Grade I), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
    - "45 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
  - (B) against item 2 relating to the post of Deputy Director. in column 6. for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
    - "40 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
  - (C) against item 3 relating to the post of Assistant Director (Grade I), in column 6. for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
    - "35 years and below (Relaxable for Government servants unto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";
  - (D) against item 4 relating to the post of Assistant Director (Grade II). in column 6. for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government)."

- 6. In Schedule VI to the said rules,
- (A) against item 1 relating to the post of Director (Grade 1) in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"66-2/3% by deputation and 33-1/3% or one minimum post by promotion. Period of deputation including period of deputation in another excadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years.";

(B) against item 2 relating to the post of Director (Gr. II) (General Administrative Division), in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion failing which by transfer on deputation. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years.":

- (C) against item 3 relating to the post of Deputy Director in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
  - "(i) 50% by promotion failing which by transfer on deputation; and
  - (ii) 50% by transfer on deputation. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years.";
- (D) against item 4 relating to the post of Assistant Director (Gr. 1) (GAD), in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion failing which by transfer on deputation. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years.";

(E) against item 5 relating to the post of Assistant Director (Gr. II) (GAD), in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion failing which by transfer on deputation. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/deputation shall not exceed 3 years."

- 7. In Schedule VII to the said rules,
- (A) against item 1 relating to the post of Industrial Designer, in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—-

"50 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(B) against item 2 relating to the post of Assistant Industrial Designer, in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government)."

- 8. In Schedule VIII to the said rules,
- (A) against item 1 relating to the post of Assistant Editor (English) in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(B) against item 2 relating to the post of Assistant Editor (Hindi), in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"35 years and below (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government)."

- 9. In Schedule 1X to the said rules,
- (A) against item 1 relating to the post of Director (Grade I) in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.";

(B) against item 2 relating to the post of Deputy Director, in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

> "40 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government)."

- 10. In Schedule X to the said rules against item 1 relating to the post of Director (Gr. I) (Assistance to Engineer Entrerenuers Division),
  - (a) in column 6, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"45 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).";

(b) in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"By transfer or deputation, failing which by direct recruitment. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years."

Note:—The Small Industry Development Organisation [Group 'A' and Group 'B' (Gazetted posts)] Recruitment Rules, 1962 were amended vide notification as under:—

- (a) GSR 69--dt. 5-11-1963
- (b) GSR 1911—dt. 4-12-1963
- (c) GSR 750-dt. 10-5-1965
- (d) GSR-dt. 27-8-1965
- (c) GSR--dt. 11-10-1965
- (f) GSR-dt. 8-6-1966
- (g) GSR-dt. 18-7-1967
- (h) GSR-dt. 3-10-1967
- (i) GSR—dt. 16-12-1967
- (j) GSR-dt. 22-11-1975
- (k) GSR 137-dt. 28-2-1977
- (1) GSR-dt. 5-9-1977
- (m) GSR--dt. 6-1-1978
- (n) GSR-dt. 25-3-1982
- (o) GSR
- (p) GSR-dt, 28-12-1982

R. R. FOUZDAR Deputy Dir. (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 19th January 1984

No. A-6/247(287).—Shri K. N. Ganguly, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', (Engineering Branch) in the office of Director of Inspection, Bombay, retired from Government service in the afternoon of 31st December, 1983 on attaining the age of superannuation.

1

#### The 21st January 1984

No A-6/247(449)/63.—The President is pleased to appoint Shri Vireshwar Prasad, A.I.O. (Engg.) as Assistant Director of Inspection (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on ad-hoc basis with effect from the afternoon of the 30th December, 1983 for a period of six months.

- 2. The ad hoc appointment of Shri Vireshwar Prasad will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in the grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Vireshwar Prasad relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engineer) on 30-12-83 (A.N.) in the Northern Inspection Circle at New Delhi and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Engineering) at Headquarters office of D.G.S.&D. at New Delhi on the afternoon of the 30th December, 1983.

#### The 24th January 1984

No. A-6/247(434)/63/II.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Gupta, Assistant Inspecting Officer (Engineering) as Assistant Director of Inspection (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on ad hoc basis with effect from the forenoon of 31st December, 1983 for a period of six months.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri J. K. Gupta will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Gupta relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) on 31-12-1983 (F.N.) in the N.I. Circle, New Delhi and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Engineering) in the Headquarters office of DGS&D at New Delhi on the same date.

No. A-6/247(556)/III.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Naresh, Assistant Inspecting Officer (Engineering) as Assistant Director of Inspection (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 30th December, 1983 for a period of six months.

- The ad-hoc appointment of Shri D. S. Naresh will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Naresh assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Engineering) at Headquarters Office of DGS&D at New Delhi on the afternoon of 30-12-83 on reversion from deputation to the Department of Steel, Ministry of Steel and Mines.

S. L. KAPOOR Dy. Director (Administration)

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th January 1984

No. A-1/1(1193).—The President is pleased to appoint Shri Jitender Kumar, Asstt. Director (Statistics) (Gr. IV of Director Indian Statistical Service) to officiate as Deputy (Statistics) (Gr. III of Indian Statistical Service) in this of 21st Directorate General with effect from the forenoon January, 1984 vice Shri D. S. Phalke, Deputy Director (Stats.) retired from Government service with effect from 31-12-1983 (AN).

2. Shri Jitender Kumar relinquished charge of the post of Asstt. Director (Stat.) (Gr. IV of Indian Statistical Service) and assumed charge of the post of Deputy Director (Stats.) (Gr. III of Indian Statistical Service) in the Dte. General of

Supplies & Disposals, New Delhi with effect from 21-1-1984 (FN).

S. BALASUBRAMANIAN Dy. Director (Administration)

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 20th January 1984

No. 457B/A-19012(1-KBR)/82/19A,--Shri K. Babu Rao. Senior Technical Asstt. (Geology), Geological Survey of India has been appointed on promotion as Assistant Geologist by the Director General, GSI in the same Department on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th December, 1983 until further orders.

> A. KUSHARI Director (Personnel)
> for Controller General

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th January 1984

No. A.19011(325)/83-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Dr. M. P. Chacharkar, Chemist (Jr.), Central Region, Geological Survey of India, Nagpur to the post of Senior Chemist in the Indian Bureau of Mines in an officiation ing capacity w.e.f. the forenoon of 9th January, 1984.

> A. R. KASHAV Senior Administrative Officer for Director General Indian Bureau of Mines

#### SURVEY OF INDIA

#### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun-248001, the 27th January 1984

No. E1-6043/594-Managers.—Shri Rabindra Nath Mallick. No. E1-6043/594-Managers.—Shri Rabindra Nath Mallick. is appointed to officiate as Assistant Manager (Map Reproduction), Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against the temporary post in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 30th December, 1983. His pay is to be fixed according to rules,

> G. C. AGARWAL \* Major-General Surveyor General of India

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 25th January 1984

A-12025/23/82-Admn.I(Vol.II).-The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Shobha Deshpande to the post of Dental Surgeon at Safdar-jang Hospital, New Delhi w.c.f. the forenoon of 18th November, 1983 in a temporary capacity and until further orders.

> P. N. THAKUR Deputy Director Administration (C&B)

#### (STORE I SECTION)

New Delhi, the 30th January 1984

No. A.19012/2/81-S.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Balbir Singh Dhillon, a temporary Assistant Depot Manager at Govt. Medical Store Depot, Karnal retired

from service with effect from the afternoon of 31st December, 1983.

R. C. GULATI Deputy Assistant Director (Stores)

### WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA

Dehra Dun, the 27th January 1984

No. 112/84-WLI/3(22)B.—Shri C. P. Pahwa, Superintendent, Directorate of Pulses Development, Lucknow, is appointed as Administrative Officer in the Wildlife Institute of India, Dehra Dun, on deputation on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 9th January 1984 until further orders.

V. B. SAHARIA Director Wildlife Institute of India

### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 24th January 1984

No. R/409/Estt.H/278.—Shri Krishan Singh Rawat relinquished charge of the post of Security Officer on 31-12-1983 AN consequent on superannuation.

R. L. BATRA Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 24th January 1984

No. PA/12(2)/80/R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri POONGODAN BALA-KRISHNAN as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the Forenoon of 18-1-1984 until further orders.

No. PA/12(2)/80/R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri VILAS GULAB MULTANE as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the Forenoon of 16-1-1984 until further orders.

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 23rd January 1984

Ref. DPS/2/1(11)/83/Adm/2156.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. S. Mahuli, a Permanent Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer on regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-12-83 (AN) until further orders in the same Directorate.

P. GOPALAN Administrative Officer

### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 21st January 1984

No. AMD-16/3/82-Rectt.Vol.II.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an adhoc basis with effect from the forenoon of November 19, 1983 until further orders.

No. AMD-16/3/82-Rectt.Vol.II.—Director, Atomic Minerals Division, Deartmen of Aomic Energy hereby appoints

Shri K. M. Kaushik, a permanent Assistant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of January 12, 1984 to February 13, 1984 vice Shri J. R. Gupta Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

### The 23rd January 1984

No. AMD-1/9/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Gopala Rao, a permanent Junior Accountant and officiating Junior Accounts Officer, Director of Accounts (Postal), Andhra Circle, Hyderabad as Assistant Accounts Officer on deputation in the Atomic Minerals Division with effect from the afternoon of November 30, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE

Sr. Administrative & Accounts Officer

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th January 1984

No. A-38013/3/83-EC.—Shri C. John, Assistant Communication Officer, in the office of the Director of Communication, Aero, Comm. Station, Madras of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office on retirement on 1st Jan.. 1984 Forenoon under the provisions of F. R. 56(K).

No. A. 12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office Notification No. 12025/3/71-E.I. dated the 19-9-1983 the Director General of Civil Aviation is pleased to continue the adhoc appointment of Shri K. K. Sharma as Hindi Officer in the Civil Aviation Department upto 31-12-1983.

No. A.32013/7/79-E-I.—In continuation of this Office Notification No. A-32013/7/79-E.I. dated 25-8-1983 and 16-10-1982 and No. A.32013/12/82-E-I dated 14-12-1982, the President is pleased to continue the adhoc appointment of the following Officers in the grade of Scientific Officer for the period indicated against their names:

- S. No., Name and Period-
- Sh. B. K. Gandhi—Beyond 30-11-1982 upo 31-12-1983.
- 2. Sh. Kuldip Singh-Beyond 29-7-1982 upto 31-12-1983
- 3. Sh. B. R. Sharma-Beyond 19-1-1982 upto 25-4-1983.

### The 23rd January 1984

No. A. 32013/7/81-E.I.—The President is pleased to continue the appointment of Shri P. S. Gujral to the post of Deputy Director (Regulation & Information) on an ad-hoc basis for a further period of one year beyond 15-2-1983 or till the date the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

### The 27th January 1984

No. A-31011/1/177-EC.—In continuation of this Department's Gazette Notification No. A-31011/1/77-EC dated the 1st April, 1980, A-31011/2/81-EC dated the 21st July, 1983 and 12th Sept., 1983, the President is pleased to appoint S/Shri B. D. Garekar, L P Samuel and S. P. Konar in a substantive capacity in the grade of echnical Officer in the Civil Aviation, Deartment w.e.f. 26-4-1979.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 31st January 1984

No. A.12026/40/77-Ests-1.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been pleased

to appoint Shri U. C. Dandriyal Librarian working on adhoc basis on regular basis with effect from 25th January 1984 until further orders.

G. S. GROVER
Dy. Registrar,
Forest Research Institute & Colleges

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bhubaneswar, the 25th January 1984

No. 1/84.—The following officers of the Collectorate of Central Excise & Customs, Bhubaneswar were confirmed in the grade of Superintendent Group 'B' from the date mentioned against each.

- Sl. No., Name of officer and Date of confirmation. S/Shri
  - 1. S. C. Palit, Supdt. Gr. 'B'-6-6-82.
  - 2. J. Bohidar, Supdt. Gr. 'B'-11-6-82.
  - 3. R. C. Kanungo, Supdt. Gr. 'B'-11-6-82.
  - 4. D. N. Patnaik, Supdt. Gr. 'B'-11-6-82.
  - 5. K. Rama Rao (No. 1) Supdt. Gr. 'B'-29-9-82.
  - 6. Ganapati Sahu, Supdt. Gr. 'B'-29-9-82.
  - 7. S. N. Rao, Supdt. Gr. 'B'-16-3-83.
  - 8. C. T. Venkateswarulu, Supdt. Gr. 'B'-16-3-83.
  - 9. K. C. Dey, Supdt. Gr. 'B'-3-4-83.
  - 10. N. C. Mitra, Supdt. Gr. 'B'-29-7-83.
  - 11. B. P. Nandi, Supdt. Gr. 'B'-30-7-83.
  - 12. N. C. Moharana, Supdt. Gr. 'B'-5-9-83.

C. SATAPATHY
Deputy Collector (P&E)
Central Excise & Customs
Bhubaneswar

### DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES

(CUSTOMS & CENTRAL EXCISE)

New Delhi, the 27th January 1984

No. 1/84(545/1/83-OMS).—Sh. J. L. Malik, Addl. Assistant Director, Directorate of O&M Services, Customs and Central Excise, New Delhi, retired from Government service with effect from the A.N. of the 31st December, 1983 on superannuation pension.

K. J. RAMAN Director of O&M Services Customs and Central Excise

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. K. P. Satya Agencies Private Limited

New Delhi, the 10th January 1984

No. 5809/649.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. K. P. Satya Agencies Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. R. T. V. Sales Promotion Private Limited

New Delhi, the 10th January 1984

No. 6429/664.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. R. T. V. Sales Promotion Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Suredeals Private Limited

New Delhi, the 10th January 1984

No. 5808/672.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Suredeals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

S. L. SINGHAL Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Antares Properties and Estates Private Limited

Bombay-400 002, the 17th January 1984

No. 661/26759/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Antares Properties and Estates Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

t. Or'

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Antares Trading Private Limited.

Bombay-400 002, the 17th January 1984

No. 662/26443/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Antares Trading Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s R. Khimji Trading Company Private Limited.

Bombay-400002, the 17th January 1984

No. 666/15249/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. R. Khimji Trading Company Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Thermometers & Appliances Private Limited.

Bombay-400002, the 27th January 1984

No. 669/12378/560(3).—Notice is hereby given pursuant to shb-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Thermometers & Appliances Private

1 . . . .

Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay-2.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Himalaya Shipping Comany Limited.

Calcutta, the 20th January 1984

No. L/2813-H-D/2042.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 7-3-83 and the Official Liquidator/court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

S. K. SAHA, Addl. Registrar of Companies, West Bengal, Calcutta, In the matter of the Companies Act, 1956 and of Thavakkal Plastics P. Ltd.

Cochin-682 011, the 24th January 1984

No. 3280/Liq/560(3)/892/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Thavakkal Plastics P. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN, Registrar of Companies, Kerala.

#### FORM ITN9 ~

(1) M/s. Parul Enterprises

(Transferor)

٠,٠,٠

(2) Shri Minoddin Alfoo

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JII **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR.III/1470/82-83.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4 on 6th Floor of Wing A in Bldg. No. 6 at Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomeltax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 6th Floor of Wing A in Bidg., No. 6 at Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/931/83-84 dated 11-5-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1984

(Transferor)

(2) Mrs. Kapila K. Karia & Ravi K. Karia

may be made in writing to the undersigned:-

(1) M/s Schaco Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. AR-II/37EE.1638/82-83.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor at Shuco Apartments, Krupanagar Road, Irla, Vile-Parle (W) Bombay-56, situated at Vile Parle West and more fully described in the schedule appeared herea-West and more fully described in the schedule annexed here-to), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the oje of the registering officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

₹ at Bombay on 2-5-1983

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta; Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor at Shaco Apartments, Krupanagar Road, Irla Vile-Parle (W), Bombay-56. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II 1638/83-84 Date 2-5-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 42-466GI/83

Date: 12-1-1984.

FORM I.T.N.S.

(1) M/s Shaco Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. A, R. Shahani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 12th January 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-Π/37EE/1539/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 401, at Shaco Apartments, Krupnagar Road, Irla. Vile-Parle (W), Bombay-56 situated Vile Parle (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Competent Authority at Officer at Bombay on 2-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 401, at Shaco Apartments, Krupnagar Road, Irla, Vile-Parle (W) Bombay-56. The agreement has been registered by the Compentent Authority, Bombay under serial No. AR-II/1639/83-84 Date 2-5-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 12-1-1984.

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Tikamdas Kungumal Sachdev

(Transferor)

(2) Smt. Parmeshwari Vassumal Sajnani

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1984

Ref. No. AR-11/37E11.2470/83-84,-Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 12 in Nav Nirman Co. op. Hsg. Soc. Ltd. 16th

Road, Santacruz (W), Bombay-400 054 situated at Santacruz (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 12 in Nav Nirman Co. Hosg. Society 1.td., 16th Rond, Santacruz. (W) Bombay 400 054. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IJ/1234/83-84 Date 2-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-1-1984.

The transfer with a part of Fig. 11. At

### FORM ITNS-

(1) M/s. Parul Enterprise

(Transferor)

(2) Shri Shaikh Gulam Mohammed

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III / 1471 / 82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 3 on Gr. I-loor of wing 'A' in Bldg. No. 3 at "Damodar Park" I.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

Bombay on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 3 on Ground Floor of Wing 'A' in Bldg., No. 3 at "Damodar Park" L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/935/83-84 Dated 12-5-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,III Bombay.

Date: 10-1-1984.

### (1) M/s Sheth Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Kasam Shahabuddin & Oothers (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Rombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III/1637/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 322, 3rd Floor, Amrut Nagar, 2 room kitchen, in Bharti Bldg, LBS Marg, Bombay-86

- (and more fully described in the Schedule annexed
  - hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Bombay in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initlate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 322, 3rd Floor, Amrut Nagar, 2 room kitchen in Bharti Bldg., L.B.S. Marg Ghatkopar Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/941/83-84 Dated 25-5-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1984.

(1) M/s. Ashok Corp.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Shrikant

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR/III/1664/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs 25.000/- and

Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Flat No. 2 on ground floor of Karlash Kripa Building situated at Plot No. 69 of Kanjur Co.-op. Housing Society Ltd. Damle Colony, Kanjur Marg, Bombay-78,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 20-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential Flat No. 2 on ground floor in Kailash Kripa Building situated at plot No. 69 of Kanjur Co. Op. Hsng Soc. Ltd., Damle Colony, Kanjur Marg. Bombay-78. The agreement has been registered vide serial No. AR-III/905/83-84 with the Competent Authority Bombay on Dated 28-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III/1674/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

Flat No. 32, at 3rd floor, Adjoining Open Terrace in Jainex Apartments, Opp. Vidayanagari Post Office, CST Road, Kalina, Santacruz (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 28-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Jainex Builders Pvt. Ltd.

(2) Shri Philip Verghese Alukka & Mrs. B. M. Alukka

(Transferor)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 32, at 3rd floor, Adjoining Open Terrace in Jainex Apartments, Opp. Vidyanagari Post Office, CST Road, Kalina Santacruz (F), Bombay.

Kalina Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/906/83-84 Dated. 28-5-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1984.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. AR-III/37EE.1919/82-83.—Whereas, I. H. S. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 61, 6th floor, Sea-View, Chimbai Road, Bandra,
Bombay-50 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mr. Gobind V. Hiramandani M/s. Nariman Nallaseth P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Ruby Nariman Nalleseth & Mr. Nariman Ferroze Nallaseth

(3) As above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, Sea-View, Chimbai Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR/1919/83-84 dated 10-5-1983.

H. S. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-1-1984,

Scal ;

- (1) M/s. Parul Enterprise,
- (2) Smt. Laxmi Gopaldas Shari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 $x = e^{-\alpha t} \cdot (-\alpha t) = e^{-\alpha t} t = 0$ 

Smt. Laxmi Gopaldas Shari

Property of the second second

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III/1667/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 6 on Ground floor of Bldg. No. 3A in Damodar Park L.B.S. Marg. Ghatkopar (W) Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tlability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—46GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 6 on Ground Floor of Building, No. 3/A in Damodar Park, L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR/III/900/83-84 Dated, 28-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1984.

للمان والمراجع والمنطق والمناطق والمناز والمساورة والمناز والمناز والمناز والمناز والمناز والمناز والمناز والمناز

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Kantilal Hemchand Panchal

(Transferor)

(2) Shri Jaswantrai Jayantilal Gandhi and Shri Vinodrai Jayantilal Gandhi

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III / 1549/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 3, Damji Kheraj Building, Junction of RRT Road and C. G. Road, Mulund (West), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faciliting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saids.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Damji Kheraj Building, Junction of RRT Road and G. G. Road, Mulund (E), Bombay-400 80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/898/83-84 Dated. 21-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1984.

Scal:

19-14-5

FORM ITNS-

(1) M/s. Ashok Corporation

(Transferor)

(2) Shri S. R. Shrikhande.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1984

Ref No. AR-III/1686/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No.2 on ground floor of Kailash Kripa building, Survey No. 272 Part No. 3 Plot No. 69 City Survey Plot No. 923, Damle Colony Bhandup (E) Bombay-78. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 2, Ground Floor, Kailash Kripa Survey No. 272, Hissa No. 3, City Survey No. 923, Damle Colony Bhandup (E) Bombay-78. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/911/83-84 dated 28-5-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1984

(1) Smt. Kanchan Rameshchandra Dedhia

(Transferor)

(2) Shri Lal Hotchand Bahirwani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR.III/1467/82-83.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 11, 1st floor, Neelkanth, Commercial Complex, Govandi Road, Chembur Station, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 11, 1st floor, Neelkanth, Commercial Complex Govandi Road, Chembur Station, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/895/83-84 dated 11-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

(1) M/s. Ashok Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. Pandey.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR.111/1633/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Flat No. 1 on ground floor of Kailash Kripa Building situated at Plot No. 69 of Kanjur Co. op. Hsn. Soc. Ltd., Damle Colony, Kanjur Marg Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning vs given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential Flat No. 1 on ground floor of Kailash Kripa Blddg, situated at Plot No. 69 of Kainjur Co. op. Hang. Soc. Ltd. Damle Colony, Kanjur Marg, Bombay-78. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/907/83-84 dated 25-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 10-1-1984

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Burma Mechanical Works.

(Transferor)

(2) M/s. Virdi Mechanical Works

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR.III/1439/82-83.--Whereas, 1,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Gala No. 2 on Ground Floor, Nahar & Seth Industrial Estate,

Gala No. 2 on Ground Floor, Nahar & Seth Industrial Estate, Lal Bahadur Shastri Marg, Bhandup (W), Bombay-78. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-5-1983 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or eny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gala No. 2 on Ground Floor, Nahar & Seth Industrial Estate Lal Bahadur Shastri Marg, Bhandup (W), Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/894/83-84 dated 10-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

Soal :

(1) M/s. Ashok-Corporation

(Transferor)

(2) Shri Vinay M. Kochare

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. o. AR.III/1687/82-83.—Whereas, I, R. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>5</sub>, 25,000/-and bearing

Kailash Kripa Survey No. 272, Part No. 3, Plot No. 69, Damle Col. Bhandup (E) Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 28-5-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Kailash Kripa Survey No. 272 Part No. 3 Flat No. 69 Damle Colony, Bhandup (E), Bombay-78. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/909/83-84 dated 28-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

(1) M/s. Kwik Production Tool Engineers

(Transferor)

(2) M/s. Sanjay Fastners Industries.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. o. AR.III/1609/82-83.—Whereas, I, R. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 14, Shah Industrial Estate, Doonar, Bombay-400 088 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 24-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/930/83-84 dated 24-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 10-1-1984

----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. Acqn. Range-I/37FE/541/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQΛYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. G4, Dosti Apartment

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44--466GI/83

(1) Mr. Leo Soares.

(Transferor)

(2) Mr. Simon Nunes.

\_ \_ .

(3) Mr. Simon Nunes

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. G4, Dosti Apartment, Wadala (E) Bombay-31. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. Acqn. Range-1/356/83-84, dated 17-5-1983

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-1-1984

- (1) M/s. Vikrant Const. Co.
- (Transferor)
- (2) Mr. Stanley S. Henry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III/1451/82-83.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3 on ground floor building B situated on Plot Deconar, Near Amar Theatre, Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on ground floor in Building 'B' situated on Plot Near Amar Theatre, Deonar, Bombay-88. The agreement has been registered by Competent Authority Bombay serial No. AR III/92/83-84 dated 10-5-83,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay.

Date: 10-1-1984

Scal:

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2137/83-84,---Whereas, I, VIJAY RANJAN, i

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

Flat No. B-41, 4th floor, Nalanda Building No. 2 situated at Malad

and the Agreement is registered under section 269AB of the IT Act, 1961, in the office of the Competent Authority

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-5-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M/s. Queens Park

(Transferor)

(2) Mrs. Bina P Advani & Mr. Parso M Advani,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat o. B-41, 4th floor, Nalanda Building No. 2, Valnai Village, Marve Road, Malad(W) Bombay-400 064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqu. Range-II/2137/83-84, dated 31-5-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 13-1-1984

(1) M/s. Sunder Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Rambhaben Mathuradas & Bharatkumar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II- BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. Ar 11/2108/82-83.—Whereas, I, V. RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 4 on 4th floor in A wing of Sunder Durshan at
Magathana Village, S.V. Road, Borivali(W), C.T. Survey

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Rombuy on 25th May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 4th floor in A-wing of Sunder Darshan at Magathana Village, S.V. Road, Borivali (W),

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR II/2108 dated 25th May, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 13-1-1984,

1.00

### FORM ITNS-

- (1) M/s. Ruby Const. Co.
- (Transferor)
- (2) Smt. Kasturben D. Khant.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Rcf. No. AR 111/1445/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Block No. 9 2nd Floor, in the proposed bldg. on plot No. 1193-B of s. No. 1000 (part) behind Deep Mandap, Opp. Sohnson & Johnsons L.B.S. Marg, Mulund, Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

bus been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 9, 2nd Floor, in the proposed building on plot No. 1193-B of S. No. 1000 (part), behind Deep Mandap, Opp. Johnson and Johnson Ltd., LBS Marg, Mulund (W) Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/893/83-84 dated 10-5-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-1-1984.

### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Vashudev A Pednekar.

(Transferor)

(2) M/s. Parul Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III/1288/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2, 2nd Floor; D Wing of Bldg No. 2, Damodar Park, LBS Marg, Ghatkopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd Floor, D Wing of Bldg. No. 2 at Damodar Park, LBS Marg; Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide seriel No. AR III/944/83-84 dated 21-5-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1984.

### 3923

### FORM ITNS-

(1) Shri Popatlal Hajarimal Shah.

(Transferor)

(2) Late I. Panchal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

No. AR.IV/1819/82-83.—Whereas, I, V. RANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000- and bearing

Rs. 25,000- and bearing situated at village Pabadi, Goregaon at Aarey Road, Sub-Dist. of Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at (Bombay on 2nd May, 1983)

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Situated at Village Pabadi, Goregaon at Aarey Road, Registration Dist and Sub-Dist of Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. Ar II/1819/82-83 dt. 2nd May, 1983.

V. RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date: 13-1-1984

Scal:

(1) M/s. Peacock Const Co.

(Transferor)

(2) Shri Kishinchand D. Shiv.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1984

Ref. No. AR III/1597/82-85.—Whereas I, A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovab under the immovable of the said Act', have reason to believe that the immovable of the said Act', have reason to believe that the immovable of the said on Plot No. 805-

Sh B al on Plot No. 805ale annexed (a t is registered under ha 51 in the Office of Se the Bc i less than the fair fo and I have reason m of the property as tration therefor by  $\mathbf{af}$ parent consideration ш fer as agreed to betan d in the said instruwe m

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ision of the liability ider the said Act, in from the transfer,

### THE SCHEDULE

Shop No. 6, in the old building of Mayur Mahal M.G. Road, Plot No. 805-B, Mulund (W) Bombay-80 The agreement has been registered with Competent Authority, Bombay at serial No. AR III/912/83-84 dt. 23-5-1983.

any income or any have not been or y the transferee for come-tax Act, 1922, or the Wealth-tax

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomboy

in 269 C of the said te acquisition of the totice under sub-sectet, to the following

Date : 9-1-1984 Seal :

Ac afo tlo per -150 C. C

FORM ITNS----

(1) M/s. Ashok Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Daisy John

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, 9CQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

AR IIII / 1421 / 82-83.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 10. 2nd Floor, in Knilash Kripa situated at Plot No. 69 of Kanjur Co. Op. Hsng. Soc. Dtd. Damle Col. Kanjurmarg, Bombay-78

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential flat No. 10 or 2nd floor of Kailash Kripa situated at Plot No. 69 of Kanjur Co. Op. Hsng. Soc. Ltd. Damle Colony, Kanjur Marge, Bombay-78. The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR IIII/903/82-83 dt. 12-5-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 45-466GT/83

Date: 10-1-1984

Scal:

(1) Shri S. Sathyanarayan,

(Transferou)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Venketeswaran.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR III/1313/82-83.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing [Flat No. A/2, Geethanjali Co-operative Housing Society

I.td., Kopri Colony, Thane East (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agremnt is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, 2 shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) faxilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating me concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A/2, Feethanjali Co-operative Housing Society Ltd., Kopri Colony, Thane East.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/892/83-84 dt. 3-5-1983

> Λ. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefole, in pulsuance of section 2000 of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the 'said Act' to the following persons, namely ;--

Date: 10-1-1984

### FORM ITNS----

(1) Smr. Gangabai Alumal Jethwani.

(Transfero )

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. B. Jumani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III/1607/82-83.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Tlat No. 7/A-4, Nityanand Baug Co. Op. Housing Society,

Ltd., Mahul Road, Chembur, Bombay-74 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7/A-4, Nityanand Baug Co. Op. Soc. Ltd. Mahul Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/897/82-83 dt. 24-5-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1984

The second secon

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### 12) Mrs. Sahira Abbas Zahas

(1) Mr. Aniq Husain.

(Transferor)

(2) Mrs. Sabira Abbas Zabeer,

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 9th January 1984

Ref. No. AR-IV/1404/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 209, Shree Gopinath Krupa Co.-op. Soc. Ltd. Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (E), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 209, Shri Gopinath Kiupa Co-operative Hsg. Society Ltd., Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (E), Bom-Bay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/27/83-84 dt. 6-5-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th January 1984

Ref No AR-IV/37EF 2032/83-84.—Whereas I. VIJAY RANJAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 10, 4th floor, 'Manibhai Apartments of Manibhai Co-op. Hg. Society Bhadran Nagar, SV. Rd., Malad (W)-Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section on 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (\*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mrs. Bernandine P. Sequeira.

(Transferor)

(2) Shri Amratlal Kalyanji Purekh.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, 'Manibhai Apartments of Manibhai Co. Op. Hsg. Society, Bhadran Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/2032/83-84 dt. 20-5-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bombay

Date: 6-1-1984

Scal :

2673

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Kesarben Navji Visaria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 $(-\epsilon) = (-\epsilon_{\rm soft} - \delta)^{\alpha} = \epsilon^{-\alpha}$ 

(2) Vaibhav Plastics.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. AR-II/2022/82-83.-Whereas, I, VIJAY

Ref. No. AR-11/2022/82-83.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Indl. unit No. D-33, Hnd floor, M/s. Bonanza Industrial Estate, Chakravarti Road, Kaativail (E), Bombay

at Kandivali (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. D-33, find floor, M/s. Bonanza Industrial Estate, Chakravarti Road, Kandivali (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2022/82-83 dt. 20-5-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-1-1984

FORM ITNS -----

(1) Shoth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. A. Vishwanathan,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Jalandhar, the 10th January 1984

Ref. No. AR III/1365/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 30 two room kitchen on 2nd fl. in Bhagrathi Bldg., LBS Marg, Ghatkopar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 30 on 2nd floor, two room kitchen in bhagirathi Villa, LBS Marg, Bombay-86, Ghatkopar,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/942/83-84 dt. 7-5-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1984

### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sheth Enterprises.

(Transferor)

(1) Smt. V. V. Shetty,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR.III/1636/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 20, in Bhagrathi Villa, 1st floor, Plot No. 1A. LBS Marg, Ghatkopar Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trapsfer with the object of:—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immogable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 20 in Bhagirathi Villa, 1st Floor, Plot No. 1A., LBS Marg. Ghatkopar Bombay-85.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR III/945/83-84 dtd 2.5-5-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rane-III. Bombay

Date: 10-1-1984

Sen1:

where the second of the second

FORM ITNS-

(1) Shri Ashok Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Sebella Rosalinda D'Costs.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF -961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-III/1661/82-83.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12 2nd Floor, Kailash Kripa Bldg., at Plot No. 69 of Kanjur Co, Op. Hsng. Society Jtd. Damle Colony Kanjur Marg. Bombay-78,

Maig, Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd Floor, Kailash Kripa building, at Plot No. 69 of Kanjur Co. Op. Housing Society Ltd. Damle Colony, Kanjur Marg, Bombay-78. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/928/83-84 dt. 29-5-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-46-466GI/83

Date: 10-1-1984

 $(1-r_{\mu}) = (1-r_{\mu})^{2} + (1-r_{\mu})^{2} = 1$ 

FORM ITNS-

(1) M/s. Shree Ashish.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manjula Devidus Kotak.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-JII/1273/82-83.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. Part of 53B in B Building Jalaram Ashish, Mulund
Bombay, on west side of Devidayal Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period to of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. Part of 53 B in Building 'B' Jalaram Ashish located at the distance of about 10 minutes from Mulund station, on the west side of Devidayal Road. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/917/83-84 dated 2-5-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1984

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pankaj Parekh Family Trust.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. ACQN. RANGE-1/37EE/1879/83-84.— Whereas I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 28, D Wing, Gr. Floor, Mamta Apartment, Apasaheb Marathe Marg, New Prabhadevi Road, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saki immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 28, Gr. Floor, D Wing, Mamta Apartment, Apasaheb Marathe Marg, New Prabhadevi Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-II/2102/83-84 dt. 2-5-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. ACQN. RANGE-1/37EE/376/83-84.—Whereas. I, R. K. BAQAYA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office Premises No. 6 Atlanta Building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1983 Bombay on 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sudhadevi Shrivastava Shantidevi Jagdishprasad

3. Surendrakumar Shrivastava Hyarsidevi Shrivastava

5. Madhu D. Shrivastava.

(Transferor)

(2) The Peorless General Finance & Investment Co. Ltd. (Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 6, Atlanta Building, Backbay Reclamation Scheme, Block No. III, Nariman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/347/83-84, dated 13-5-1983,

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely--

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 12th January 1984

Ref. No. AR-I/4916/83-84.---Whereas 1, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 3/1/82 of Lower Parel Division, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manda Mohan Mamtri,

(Transferor)

(2) Shri K. J. Mehta.

(Transferee)

- 3. Shrì Mohan Nathurao Mhatre
- 4. Smt. Dwarkabai Damodhar Mhatre
- 5. Dattatraya Krishnaji Gaokar &
- 6. Sudhir Bhaskar Pathare,
  (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 173/80 and registered on 30-5-1983 with the Sub-Registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) Shan Insulating Corporation, Prop. Sarabhai Trust.

may be made in writing to the undersigned.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/1880/83-84,—Whereas I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 27 & Stilt No. 2, 3 & 4 D Wing, Ground floor, Mainta Apartments, New Prabhadevi Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of \$\epsilon\$ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 27 & Stilt No. 2, 3 & 4, D Wing, Gr. floor, Mamta Apartment, Apasaheb Marathe Marg, New Prabhadevi Road, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/2103/83-84, dated 2-5-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Gawand Baug, Panchpakhadi, Thane-400 602.

(1) Shri Yeshwant Shivaji Gawand,

(Transferor)

مناسحه الروات

(2) M/s. Kedar Co-operative housing society I.td., Plot No. 12, Gawand Baug, Wagle Estate, Thane-400 604.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 4th January 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37-G/83-84/1063.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12, F.P. No. 194, T.P.S. 1, Panchapakhadi, situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Thane on May, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12, F.P. No. 194, T.P.S. 1 Pauchpakhadi, Thane. (Area-550 sq. ft).

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the Sub-Registrar, Thane under document No. 1049 in the month of May, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 4-1-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. M-1459/83/562-I.—Whereas, I, P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 13-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Usha Rani
 W/o Shri M. K. Gupta
 Saket, Meerut.

(Transferor)

(2) Sardar Nirlape Singh S/o Sardar Gulab Singh 64-A, Saket, Meerut.

(Transferee)

(3) Smt. Usha Rani.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 64-A, Saket, Meerut, Area-1997 Sq. yds.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-1-1984

(1) 1. Smt. Abida Begum. 2, Shri S. M. Alim.

Transferor)

(2) M/s. The U.P. Roller Flour Millers Association Through its Secretary, Shri Irfan Ahmad Khan, Lucknow.

(Transferce)

(3) Above vendee. (Person in occupation of the property)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1984

Ref. No. G.I.R. No. 4-30/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Corporation No. 23/15 situated at 3, Radichi Rd., Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 17-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2426 sq. ft. with building known as 3, Radichi Road, Lucknow, bearing Corporation No. 23/15, and all that description of the property which is manifoned in the sale deed and form 37G No. 5422, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 17-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-1-1984 Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :— 47—466 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARK, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1984

Ref. No. G.I.R. No. 4-30/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Corporation No. 23/15 situated at 3, Radichi Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 17-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Nanhan Miyan 2. Shri S. M. Alim

(Transferor)

(2) M/s The U.P. Roller Flour Millers Association through its Secretary, Shri Irfan Ahmed Khan, Lucknow.

(Transferce)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2425 sq. ft. with building known as 3 Radichi Mark, Lucknow, bearing Corporation No. 23/15, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5421 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 17-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-1-1984.

#### (1) Shri Devi Lal Sah

(Transferor)

(2) 1. Km. Amrita Singh (Minor)2. Shri Pratap Singh (Minor)3. Prashant Singh (Minor)

4. Km. Sheeba Singh (Minor)

may be made in writing to the undersigned :-

Through guardian Shri Pratap Narayan Singh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th January 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-128/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 31/62 situated at Hazratganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Pagistains Officer of of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/7th share in the property situated at Plot 2, No. 31/62, Hazratganj, Lucknow, having carpet area 1400 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5678, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 20-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-1-1984.

- (1) Shri Man Mohan Singh Arora,
- (Transferor)

(2) Shri Hari Kant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPICTING ASSTIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRT!! MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th January 1984

Ref. No. G.I.R. No. II-48. Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B-25 situated at Sector 'H', Aligani Housing Scheme,

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in Office of the Registering Officer at Lucknow on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot No. B-25, situated at Sector-H, Aliganj Housing Scheme, Lucknow, measuring 6030 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5707, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- -

Date: 13-1-1934.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1984

Ref. No. G.I.R. No. B-118/Acq.—Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B at the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storeyed building, Shop No. 1100 situated at Gola Bazar, Sadar Bazar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lücknow on 25-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dukhi Ram

(Transferor)

(2) 1. Bishun Narain

Vinod Kumar
 Hari Narain

4. Narain

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storeyed Shop No. 1100 along with platform together with lease hold rights in the land measuring 285 sq. ft. situated at Gola Bazar, Sadar Bazar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6136, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-1-1984,

(1) Ceylon and India General Mission Represented by Mr. B. E. Tozer,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th January 1984

Ref. No. G.I.R. No. P-III/Azq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land situated at Survey No. 187/2, Civil Lines, Basti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Basti on 21-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Bangalore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Prahlad Das Gupta
  - 2. Dhruv Chand Gupta
  - 3. Smt. Rekha Devi Smt. Sheela Devi
  - 5. Raghunath Das Gupta
  - 6. Sanjai Kumar Gupta
  - 7. Hira Singh
  - 8. Sunil Kumar Gupta 9. Dhruv Pratap Pal
  - (10) Bandana
  - (11) Ram Nain Shukla

(Transferee)

(3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated in the middle of Survey No. 187/2, Civil Lines, Basti, measuring 32567 sq. ft. bearing one bungalow, one tin shed etc. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2190, which have deals the projected in the office of the Sub-Registrary. have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Basti, on 21-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th January 1984

d. G.I.R. No. A-127/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Plot of land No. 14A Block-F situated at Rampur Bagh,

Civil Lines, Bareilly,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on May 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Ramvati Devi.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Lal.

(Transferee)

(3) Above vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land No. 14A, Block-F, situated of Rampur Bagh, Civil Lines, Bareilly, measuring 5512.5 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6442, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 12-1-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

> > Lucknow, the 7th January 1984

G.I.R. No. 1-17/Acq.—Whereas, I, A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Premises No. 127/3A situated at Baradari Chaulakhi, B. N. Road, Lucknow,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 21-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

(1) Shri Ram Das Baijal,

(Transferor)

(2) Dr. Irshad Ahmad Khan.

(Transferee)

(3) Above vendor.

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 127/3A, situated at Baradari Chaulakhi, Bisheshwar Nath Rd., Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5783, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 21-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-1-1984

Shri Syed Mohammad Alim.

(Transferor)

3949

(2) Smt. Pushpa Kohli.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th January 1984

G.I.R. No. P-110/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plot of Land No. 3 situated at Radichi Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 6-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land No. 3 Minjumla, measuring 5890 sq. ft. situated at Radichi Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9901, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 6-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Luckonw

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

48-466GI/83

Date: 9-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th January 1984

G.I.R. No. S-292/Acq.—Whereas, I, A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. B.1/206 situated at Nirgla Nagar Lucknow.

House No. B-1/206 situated at Nirala Nagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Amitab Banerjee.
  - 2. Smt. Nonibala Devi.

(Transferee)

(2) 1. Shri Sunil Jhingian.2. Shri Prabhat Jhingran.

(Transfere :

(3) Above vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. B-17206, constructed over the lease hold plot, measuring 6033 sq. ft. situated at Nirala Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6055, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Luckonw

Date : 9-1-1984

(1) Shri Brijendra Kumar Srivastava.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Raj Singh.

(Transferee)

(3) Above vendor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

> > Lucknow, the 9th January 1984

G.I.R. No. IRT-34/Acq.--Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. S-8/114-16 situated at Indranagar Colony, Moh. Khajuri Dist. Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 20-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 4000 sq. ft. with constructed plinth work and boundary wall, bearing Nagar Mahapalika No. S-8//114-16, situated at Indra Nagar Colony, Mohalla-Khajuri Pargana-Shivpur, Distt. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 13138, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 20-5-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Luckonw

Date ; 9-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th January 1984

G.I.R. No. T-35/Acq.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Khasra No. 44/2M situated at Mohalla-Jagatpur Lala Begum, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 21-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Prema Devi.2. Shri Pramod Kumar

3. Shri Lalta Prasad.

(Transferor)
(2) Tulsinagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Bareilly through Secretary, Shri Hukum Singh.

(Transferee)

(3) Above Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Khasra No. 44/2 M. measuring 4355 sy. yards and 2/3rd part of Khasra No. 44/2 M, measuring 695 sq. yards, total 5050 sq. yards, situated at Mohalla-Jagatpur Lala Begum Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6117, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 21-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 11-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th January 1984

G.J.R. H-1/37EE/83-84/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Property measuring about 12870 sq. ft. situated at 11, Mahatma

Gandhi Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 12-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby luitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Ali Bahadur Habibullah.
  - 2. Shri Inayat Habibullah.
  - Smt. Shahla Habibullah.

(Transferor)

(2) M/s, Halwasiya Properties Pvt. Ltd., through its Chairman, Shri B. P. Halwasiya, Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferee)

(3) M/s. Chloride India Ltd. Lucknow in occupation of a part of the building. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property measuring about 12870 sq. ft. (as mentioned in Form No. 37EE), situated at 11, Mahatma Gandhi Marg, now, and all that description of the property which is mentioned in the agreement and Form No. 37EE. The agreement tioned in the agreement and Form No. 37EE. The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Lucknow, under G.I.R. No. 1/37EE/83-84/Acq. dated 12-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 11-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(3) Above Sciler.

#### (Transferor)

(2 1. Dr. A. S. Gupta. 2. Smt. Uma Gupta,

(1) Shri Rum Prasad Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONI'R OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM ŤIRTH MARG, LÚČKNOW

Lucknow, the 31st December 1983

G.I.R. No. A-126/Acq.--Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. C-937 situated at Mahanagar Housing Scheme, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 17-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-937, measuring 3200 sq. ft, situated at Mahanagar Housing Scheme, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5462, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 17-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Date: 31-12-1983.

#### FORM ITNS----

(1) 1. Smt. Batul Begum. 2. Shri Sayel Mehmood Ali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th January 1984

G.I.R. No. H-70/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Arazi Uptadi situate at Mohalla Peela Talab, Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 10-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(2) Shri Nasiruddin.

(Transferce)

(3) Above Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi Uptadi measuring 2307½ sq. yds. situated at Moballa. Pecla Talab, Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and for 37G No. 934, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Rampur, on 10-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons numly:—

Date: 4-1-1984.

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No./5071.—Whereas, I, J, L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaitu on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Joginder Singh & Ratten Singh Ss/o Fauja Singh and Bhagat Singh s/o Mihan Singh and Dalip Singh s/o Burh Singh r/o V. Patti Rasal, Jaitu Distt, Faridkot, (Transferor)
- (2) Shrimati Ninder Kaur W/o Balbir Singh r/o V. Patti Rasal, Jaitu Dist. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S No. 2 above.
  (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 9 K, 13 Mls, situated at V. Jaitu and persons as mentioned in the registered sale deed No. 269 of May, 83 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-1984.

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No./5072.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at

Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—49—466GI/83

(1) Shri Harbhajan Singh s/o Banta Singh attorney of Gurjit Singh 1,0 V. Mithapur Tch. Jalandhar.

والأفارات المرازين والأفارات والمواجوري المسي

(Transferor)

(2) Shri Arvind bir Singh & Gagandip Singh ss/o Sant Singh and Harjit Singh Gobindpuri s/o Bachitter Singh and Vinod Kalia w/o Parshotam Kalia, r/o NC-84, Kot Kishan Chand, Mithapur, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 80 Mls, situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1030 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5073.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Garha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh.1 Puran Singh S/o Shri Labh Singh, R/o Gurjit Nagar, Garha Wahinda Teh, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Snit. Guicharan Kaur W/o Shri Thaman Singh, R/o V Begowal, Tehsil Bolath Distt. Kapurthala. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1 Kl. situated in Gurjit Nagar, Garha Wahinda and persons as mentioned in the registration sale deed No. 747 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-1-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5074.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-band bearing

No. As per Schedule si uated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). Sas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Niwas S/o Shri Lekh Raj attorney of Shri Gurteg Singh S/o Shri Bhoga Singh, R/o V. Kingra Teb. Jalandhar,

(2) Smt. Susil W/o Shri Som Nath & Raj Rani W/o Shri Baldev Raj, R[o V. Kingra 'Feh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Off al Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 19 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1029 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No. 575.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a falt market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Kingra, (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandbar on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Haripal Singh S/o Shri Ujjagar Singh,
- R/o V. Kingra Teh. Jalandhar.

  (2) Shri Sher Singh S/o Shri Kapur Singh and Harbans Singh S/o Shri Sher Singh and Shri Harjit Singh, Shri Sukhdeep Singh Sa/o Harbans Singh, R/o V. Marhana Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property). (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 7095 sq. ft. situated in V. Kingra and Persins as mentioned in the registration sale deed No. 906 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-1-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984.

Ref. No. A. P. No./5076,—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Pir Dad Khan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Jalandhar in May 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- h(1) Shri Gurdial Batra S/o Dharam Pal, Mukhtiar-ai-am of Kulbir Singh S/o Dudha Singh and Harbans Kaur W/o Kulbir Singh, Gian Kaur & Harnam Kaur wd/o Budha Singh, r/o Busti Pir Dad Khan, Jalandhar.
- (Transferor)
  (2) Shri Ashish Kumar s/o Manhor Lal & Nirmal Kumari w/o Om Parkash Juneja r/o Chahar Bagh, Jalandhar.
- (3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land area 2Kls. 13-Mls. situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1040 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984.

Ref. No. A. P. No./5077.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Basti Pir Dad Khan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Gurdial Batra s/o Paras Ram, Mukhtiar of Kulbir Singh s/o Budha Singh, Harbans Kaur w/o Kulbir Singh & Gian Kaur & Harnam Kaur wd/o Budha Singh r/o Basi Pir Dad Khan, Jalandhar.
- (2) Shri Vinod Kumar Batra s/o Sh. Gurdial Batra r/o Mohalla Qarar Khan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s, no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, ir any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land area 2 K-14 Mls. situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 962 of May 83 of the Registring authority, Jalandhar.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984.

Ref. No. A. P. No./5078.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing

No. as per schedule situated at Basti Pir Dad Khan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdial Batra s/o Paras Ram Mukhtiar of Kulbir Singh s/o Budha Singh & Harbans Kaur W/o Kulbir Singh and Glan Kaur & Harnam Kaur wd/o Budha Singh r/o Basti Pir Dad Khan, Jalandhar.
- (2) Harbhajan Singh s/o Puran Singh r/o Mohalla Gobind Garh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land area 2 K-13 Mls. situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 977 of May 83 of the Registeration authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JAI.ANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984.

Ref. No. A.P. No. 5079,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Satpaul Kaur Wd/o Mohan Singh r/o V. Dholowal Teh. & Distt. Hoshiarpur through Mukhtiar-Khas Tara Singh.

(Transferor)

(2) Maj. Jagir Singh S. o Dalip Singh & Sukhvinder Kaur widow and Randip Singh, s/o Maj. Jagir Singh r o V. Chugathi Teh. Jalandhar.

(Transferce)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1081-Phase I situated in Urban Estates, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1300 of May 1983 of the Registering authority, Jalandhar.

J. I., GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984.

Ref. No. A.P. No./5080.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in May 1983,

Muktsar in May 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—466GI/83

 Shri Shiv Raj Singh S/o Jang Singh and Gurbax Singh S/o Jodh Singh r/o near factory M/s. Sadhu Ram Sat Pal, Muktsar.

(Transferor)
(2) Shrimati Kaushalya Devi W/o Sadhu Ram and
Bhagwan Dass, Surrinder Kumar ss/o Sadhu Ram
and Ravi Kumar, Raj Kumar, Jiwan Kumar ss/o
Om Parkash & Naresh Kumar, Binay Kumar ss/o
Sat Pal C/O Factory M/o Sadhu Ram Sat Pal
Muktsar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land area 2K1s. 18 Mls. situated in Muktsar and mentioned in the registration sale deed No. 366 of May 1983, of May 1983 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-84.

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984.

Ref. No. A.P. No. '5081.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedle situated at Shamkot,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Malout in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri Babu Singh S/o Mehar Singh r/o V. Mahni Khera, Tehsil Muktsar, of V. Shamkot.

(Transferor)

(2) Shri Mahal Singh, Balkar Singh ss/o Baj Singh r/o V. Shamkot Tehsil Muktsav.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immost able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 32K1s. situated in V. Shamkot and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 481 of May 1983 of the Registering Authority, Malont.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-84.

Soal :

#### 3967

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984.

Ref. No. A.P. No./5082.—Whereas,I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Malout, \*(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at \*Malout in May 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

. (1) Shri Puran Singh s/o Gurbax Singh r/o V. Malout Teh. Mukısar.

(Transferor)

- (2) Shri Harbans Singh, Gurmit Singh ss/o Gitan Singh & Harpal Kaur w/o Gitan Singh & Sukhdev Kaur w/o Gurcharan Singh & Gurcharan Singh s/o Buta Singh r/o V. Malout Teh. Muktsar. (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 20 Kls. situated in Malout and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 366 of May 1983, of the Registering Authority, Malout.

J. I GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-84.

#### FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5083.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

at V. Badian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1958) in the office of the Registering Officer at at Gidherbah in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sohan Singh, S/o Khushal Singh, R/o V. Badian Tehsil Muktsar,

(2) Sh. Kabul Singh Bakhshish Ss/o Mohinder Singh, R/o V. Badian, Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land area 42 Kls. 10 Mls. situated in V. Badian and persons as mentioned in the registration sale deed No. 262 of May, 1983 of the Registering Authority, Gidherbah.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-1984



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

falandhar, the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5084.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. at V. Hussner

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gidharbah in May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chand Kaur, W/o Partap Singh, R/o V. Hussner, Teh. Muktsar.
- (Transferor)
- (2) Sh. Gurbax Singh, S/o Karam Singh, R o V. Hussner Teh. Muktsar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
  - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the perperty.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 24 Kls. 14 Mls. situated in V. Hussner and persons as mentioned in the registration sale deed No. 405 of May, 1983 of the Registering Authority, Gidherbah.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-1-1984

#### FORM I.T.N.S. --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5085.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedingly Rs. 25,000/- and bearing No.

at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rakesh Dada, S/o. Lal Chand, R/o Dada Bhawan, Tanda Road, Jalandhai. (Transferor)

(2) Smt. Kaushalya, W/o Raj Kumar, R/o EE-258, Panj Pir, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the prop

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

# THE SCHEDULE

Property Shop No. BI-295/897 (portion) situated at Mohalla Fatchpura, Tanda Road, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1259 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date 16-1-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jidandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5086.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rakesh Dada, S/o Lal Chand, R/o Dada Bhawan, Tanda Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Sh. Harish Kumai, S/o Raj Kumai, R/o EE-258, Panjpir, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made ni writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property shop No. EE-295/897 (portion) situated in Mohalla Fatehpura, Tanda Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1260 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date 16-1-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5087.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Smt. Neelam Sondhl, W/o Prem Nath Sondhl, R/o GT Road, Near Ladowali Road, Talandhar

(Transferor)

(2) Sh. Karam Singh, Piara Singh, Ss/o Ganga Singh, R/o V. & P.O. Bhogpur Teh. Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

to be interested in the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property area 10 Mls. situated in Jalandhar (G.T. Road, near Ladowali Road) as mentioned in the regn. deed No. 1239

of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

THE SCHEDULE

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5088.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding as. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated

at Kotkapura

at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Faridkot in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeable exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

51-466GI/83

Sh. Varinder Kumar, S/o Safkat Rai, Throgh Sh. Des Raj, S/o Ram Chand, R/o V. Panchan Wali, Teh. Fazilka, Distt. Ferozepur.

(Transferor)

- (2) Smt. Baljit Kaur, W/o Bhai Narinder Singh, S/o Bhai Karnail Singh, S/o M/s Kuldip Theatre, Kotkapura (Pb.). (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land situated in Kotkapura (site of old Kuldip Theatre) & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 474 of May, 83 of the Registering Authority Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-1-1984

(Transferec)

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5089.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Faridkot in May, 1983

at Faridkot in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Varinder Kumar, S/o Safkat Rai, Through Des Raj S/o Ram Chand, R/o V. Panchan Wali, Teh. Fazilka Distt. Ferozepur.
- (2) Smt. Amarjit Kaur, W/o Bhai Simandir Singh, C/o M/s. Kuldip Theater, Kotkapura (Pb.).
  - (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as \_ are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land situated in Kotknpura (site of old Kuldip Theatre) & persons as mentioned in the registration sale deed No. 475 of May, 83 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 16-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR "

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5090.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at

Kotkapura

and more fully described in the Scheduule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Faridkot in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor t opay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforenaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Varinder Kumar, S/o Safkat Rai, Through Des Raj, S/o Ram Chand, R/o V. Panchan Wali, Teh. Fazilka Distt. Ferozepur. (Transferor)
- (2) Smt. Dalip Kaur, W/o Bhai Karanail Singh, C/o M/s. Kuldip Theatre, Kotkapura.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property land situated in Kotkapura (site of old Kuldip Theatre) and persons as mentioned in the registration sale deed No. 476 of May, 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-1-1984

(Transferce

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5091.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at

Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Varinder Kumar, S/o Safkat Ral, Through Des Raj, S/o Ram Chand, R/o V. Panchan Wali, Teh. Fazilka Distt. Ferozepur (Transferor)

(2) Smt. Parmjit Kaur W/o Bhai Har Kirpal Singh, R/o Old Kuldip Theatre, Kotkapura.

(3) As S. No. 2. above.

(Person in occupation of the property

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land situated in Kotkapura (site of old Kuld Theatre) & persons as mentioned in the registration sale do No. 477 of May, 1983 of the Registering Authority, Faridke

J. L. GIRDHA
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Jalandha

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5092.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurmakh Singh, S/o Tara Singh, R/o Dada Nagar, Jalandhar,

(Transferor)

- (2) Shri Ajit Singh, S/o Sohan Singh, R/o V. Kang Sahibo Teh. Nakodar Distt. Jalandhar. (Transfèree)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1/4 share of Kothi situated in Cheema Nagar Extension, near Model Town, Jalandhar & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 986 of May, 1983, of the Registration Authority, Jalandhar.

f. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-1-1984

}

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, 16th January 1984

Ref. No. A. P. No./5093.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamaljit Kaur W/o Gurmakh Singh r/o Dada Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Satwinder Singh s/o Ajit Singh r/o V. Kang Sahibo teh. Nakodar Distt. Jalandhar. (Trausferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1/4 share of Kothi situated in Cheema Nagar Extension near Model Town, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 987 of May 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No A. P. No./5024.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office

of the Registering Officer at

Jalandhar in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Shri Gurmakh Singh s/o Tara Singh r/o Dada Nagar, Jalandhar.

- (2) Jaspal Singh s/o Ajit singh r/o V. Kang Sahibo Teh. Nakodar Distt, Jalandhar. (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/4 share of Kothi situated in Cheema Nagar Extension near Model Town, Jalandhar & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1093 of May 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 16th January 1984

Ref. No. A. P. No./5095.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a f exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. fair mar**k**et as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Jalandhar in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamaljit Kaur w/o Gurmakh Singh d/o Dada Nagar, Jalandhar.

(Transferor) (2) Shri Prit Pal Singh s/o Ajit Singh r|o V. Kang Sahibo Tch. Nakodar Distt, Jalandhar. (Transferce)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property /14 share of Kothi situated in Cheema Nagar extension near Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1094 of May 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-1-84

#### 3981

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1984

Ref. No. A. P. No. / 5048.—Whereas I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Rampura Phul. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), thus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rampura Phul on May 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excellent the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-466GI/83

(1) Shri Boota Singh S/o Dayal Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shri Gamdoor Singh, Jasvii Singh SS/o Pritam Singh R/o Rampura Phul.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. -(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imutovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 461 of May 1983 of the Registering Authority, Rampura. Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1984.

(x,y,y) = 0

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 7th January 1984

Ref. No. A. P. No./5049.--Whereas I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Sheikhu Teh. Talwandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwand; Sabo on May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jangir Kaur D/o Nidhan Singh, Sh. Jit Singh S/o Gurmukh Singh Vill, Sheikhu Teh. Talwandi Sabo.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shri Baldev Singh S/o Arjan Singh Vill. Sheikhu Teh. Talawandi Sabo.

(3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perio of 45 days from the date of sublication of t notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration st deed No. 555 of May 1983 of the Registering Authority Talwandi Sabo.

> J. L. GIRDHAI Competent Authori' Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th January 1984

Ref No. A.P. No. 5050.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Vill. Mansa Kalan, Teh.

Talwandi Sabo,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Karnail Singh Nihal Singh Ss/o Shri Tota Singh R/o Mansa Kalan, Teh, Talwandi, Sabo.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lal, Hans Rai S/o Ramji Dass C/o M/s Punjab Soap Factory, Maur Mandi, Teh. Talwandi, Sabo.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registeration sale deed No. 362 of May, 1983 of the Registering Authority, Talwandi, Sabo.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th January 1984

Rct. No. A. P. No. 5051.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. - and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—

(1) Shri Midda Singh S/o Gurjant Singh R/o Talwandi Sabo.

(Transferor).

(2) Shri Binder Singh, Mamu Chand, Labh Chand, Naib Singh Ss/o Banarsi Dass C/o Banarsi Dass S/o Surjan Ram Back Side D. A. V. College, Chand Sar Basti, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in using to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 649 of May, 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta:
Acquisition Range, Jalandhat

Date: 9-1-1984

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 9th January 1984

Ref. No. A. P. No. 5052.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated Vill Jhumba, Teh. Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri Manwinder Singh S/o Bhai Shawinder Singh Vill. Jhumba Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh, Mewa Singh, Naib Singh, Hardev Singh, Ss/o Karnail Singh Vill, Bhucho Kalan, Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 731 of May, 1983 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, pamely:—

Date: 9-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF TE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 9th January 1984

Ref. No. A. P. No. 5053.— Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Jhumba, Teh. Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amarinder Singh S/o Mohinder Singh Vill. Jhumba, Teh. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh, Mewa Singh, Naib Singh, Hardev Singh, Ss/o Karnail Singh R/o Bhucho Kalan, Teh. Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 732 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-1-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th January 1984

Ref. No. A. P. No. 5054.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

bhatinda on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ex

 Shrimati Manjit Kaur Wd/o Chand Singh Vill. Thraj Wala, Teh, Mukhtsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdas Rai S/o Mehar Chand Shop No. 30, New Cloth Market, Bhatinda. Sunita W/o Rakesh Kumar Santi W/o Ram Kishan Dass C/o Textile Traders, Shop No. 30, New Cloth Market. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 715 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th January 1984

Ref. No. A. P. No. 5055.—Whereas, i,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Chaman Lal S/o Jangir Singh R/o Multania Road, Bhatinda,

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar
 S/o Girdhari Lal,
 Goniana Mandi,
 2. Shakuntla Sharma

2. Shakuntla Sharma W/o Mool Chand 3. Om Parkash

S/o Veer Bhan 4. Diwan Chand S/o Chanan Ram C/o Sub-Registrar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Perosn whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in tha Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1107 of May, 1983 of the Registering Authrority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th January 1984

Ref. No. A. P. No. 5056.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ing persons, namely :---

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow(1) Shri Malkiat Singh S/o Jangir Singh R/o Multania Road. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj S/o Bhagwan Dass R/o Talwandi Sabo, Sukhdev Singh, Randhir Singh, Gurcharan Singh Ss/o Gurdas Singh, Dharam Pal S/o Jagan Nath Kailash Chand, Surinder Veer Kaur W/o Trilochan Singh C/o Sub-Registrar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Perosn whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale ded No. 108 of May, 1983 of the Registering Authority. Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 9-1-1984

Seal:

53-466/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th January 1984

Ref. No. A. P. No. 5057.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Oct'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a solution of the property as aforesaid property as a consideration therefore have more said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Chand Kaut Wd/o Bishan Singh Mansa Road, Near Roshan Lal Oil Mills (P) Ltd., Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh S/o Narain Singh Vill. Mehma Bhagwana, Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jayas from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1114 of May, 1983 of the Registering Authorlty, Bhatinda

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5058.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, is
  respect of any income arising from the transfer;
  -nd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Chand Kaur Wd/o Bishan Singh, Mansa Road near Roshan Lal Oil Mills (P) Ltd., Bhatinda.
- (Transferor)
  (2) Shri Mitha Singh S/o Harchand Singh
  - C/o Sub-Registrar, Bhatinda. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the unders good knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1117 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition & .ge, Jalandhar

Date: 9-1-1984

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISIION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5059.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Garhshanker

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Garhshanker on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Avtar Singh Vill, Ladhana Jhikka Teh, Nawanshahar Mukhtar-am Dr. Sewa Singh S/o Mohinder Singh, H. No. WZ-33 Major Bhupinder Singh Nagar, New Delhi-18.
- (2) Shrimati Sawarn Kaur Vill, Sujjon Th. Nawanshear.

(Transferce)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 478 of May, 1983 of the Registering Authority, Garbshanker.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-1-1984

STATE OF THE STATE OF THE STATE OF

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISIION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5060.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Mahilpur Teh. Garhshanker

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garhshanker on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Brahm Dutt Bali S/o Daulat Ram Bali Mahilpur G.A. of Sh. Daulat Ram Bali, Jagat Ram, Lal Chand, Vill. Mahilpur, Teh. Garhshanker.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh S/o Inder Singh, Sh. Prithipal Singh Canadian, S/o Giani Jaswan; Singh V. Mahilpur Distt, Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 546 of 25-5-1983 of the Registering Authority, Garhshanker.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-1-1984

1.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5061.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Purhiran, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Hoshiarpur on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

- (1) Shri Dharam Singh S/o Sunder, Ram Chand S/o Babu, Jagat Singh Alias Avtar Singh, Harbans Singh S/o Udham Singh, Smt. Pritam Kaur M/o Davinder Singh Vill. Bhllowal Teh. Hoshiarpur.
- (2) Shri Bujha S/o Banta Vill. Pur Hiran, Hoshiarpur.

('Transferee)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 836 of May, 1983 of the Registering Authority, Hoshlarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 10-1-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5063.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer to

Bhatinda on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--..... Cutt

(1) Shri Kaur Singh S/o Kakar Singh R/o Kothi Kameke, Opp. N.F.L. Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shrimati Gurdip Kaur W/o Joginder Singh.
   V. Virk Kalan Teh. Bhatinda,
   2. Sita Ram S/o Ramji Dass V. Pathrala

  - Sita Ram S/o Ramji Duss V. Path Teh. Bhatinda.
     Shinder Kaur W/o Kaur Singh, V. Pathrala Teh. Bha.inda.
     Paramjit Kaur W/o Kishan Singh, V. Gurthari Distt. Bhatinda.
     Harnek Singh S/o Bakhtaur Singh V. Phullo Mithi Th. Bhatinda.
     Usha Devi W/o Diwan Chand V. Virk Kalan Teh. Bhatinda.

  - Virk Kalan Teh. Bhatinda.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 779 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5062.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bha'inda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrl Hari Singh S/o Pooran Singh R o Sidiau Mohalla, Bhatinda.

(Transferor)

Shri Ranjit Singh S/o Mukhtiar Singh
 Mukhtiar Singh S/o Dayal Singh
 Bir Behman Teh, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 544 of May, 1983 of the Registering Autority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5064.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons, namely :-54-466GT/83

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Shri Ranjit Singh S/o Harbans Singh C/o Sub-Registrar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Major Avinder Singh Kapoor

Major Avinder Singh Kapoor S/o Sohinder Singh, 2. Sarjit Kaur D/o Sohinder Singh, 3. John Man K. Singh S/o Kishan Singh 4. Saroj Mittal W/o Om Parkash C/o Sh. M. L. Goel, S.D.O. B-34, Thermal Colony, Bhatinda.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 925 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5065.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Surinder Singh S/o. Tara Singh Vill. Sidhwan, Teh. Nakodar.
- (Transferor)
  (2) Prem Lal S/o. Khushi Ram, and Kuldip Kaur W/o.
  Prem Lal R/o Patel Nagar, Gali No. 4, Phagwara.
  (Transferor)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
  (Person whom the undersgned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 384 of May, 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Iulandhar

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5006.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kapurthala on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Darshan Singh S/o Gurbachan Singh R/o Mohabat Nagar, Kapurthala Mukhtiara-am walo Smt. Swaran Kaur W/o. Darshan Singh, Mohabat Nagar, Kapurthala.

(Transferor) (2) Shri Jasbir Singh S/o. Didar Singh R/o Kahana Teh. Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 459 of May, 1983 of the Registering Authority, Kapurthala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5067.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Darshan Singh S/o Gurbachan Singh Kapurthala Mukhtiara-Am-Walo Smt. Swaran Kaur W/o Darshan Singh R/o Mohabat Nagar, Kapurthala.

  (Transferor)
- (2) Shri Surinder Pal Singh S/o Didar Singh R/o Kahana Teh. Kapurthala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registering sale No. 823 of May, 1983 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 12-1-1984

(1) Shrimati Darshna Devi W/o. Dharam Pal R/o Raman Mandi.

(Transferor)

(2) Shrimati Scema Rani W/o. Amrit Lal C/o. G.N.D.T.P. Canteen, Bhatinda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

the undersigned knows to be interested in the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5068.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to was the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registering sale No. 1043 of May, 1983 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5069.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the omce of Registering Officer at

of Registering Officer at Bhatinda on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Gian Chand S/o. Hazari Lal R/o Barnala Distt. Sangrur.
- (2) Shri Amrit Lal S/o. Des Raj C/o. G.N.D.T.P. Canteen, Bhatinda.

er Sr. No. 2 above (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exprires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registering sale deed No. 1044 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th January 1984

- Ref. No. A.P. No. 5070.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
- Banga on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tramely:—

- Shri Gandherb Singh Nagra s/o Naryan Singh R/o 62, Sector 28A, Chandigarh Self and Mukhtiar of—Capt. Harprit Singh Self and Arasbir Kaur wife and Inderjit Kaur. (Transferor)
- (2) Smt. Harbans Kaur w/o Balwant Singh R/o V. Katiha Tehsil Nawan Sheher Distt. Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land measuring 11 K-14 Mls. situated in Banga and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 300 dated May, 1983 of the Registering Authority, Banga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Satya Prabhat Banerjee.
 Smt. Anjali Mukherjee.
 Smt. Acharna Chatterjee.
 Smt. Aditi Ganguli.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dilip Chowdhury. Ajit Kumar Roy. Jyotish Chandra Bhadra. Tapan Chakarborty.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th January 1984

Ref. No. 1370/Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHOWDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No.

ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (neventative referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

85 situated at Acharyya Prafulla Chandra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Calcutta on 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 1B-8ch. (1/6th share of 1/2 of the property) being premises No. 85, Acharyya Prafulla Chandra Road, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Refl Ahmad Ki<sup>2</sup>wai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 4th January 1984

\*Ref. No. 1371/Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas. I. S. K. CHOWDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

15 situated at Acharyva Prafulla Chandra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

as been transferred

r the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-5-83

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

101 集1 案 图=

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said .ct, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—466GI/83

 Sri Satya Prabhat Banerjer Smt. Anjali Mukherjee.
 Smt. Acharna Chatterjee.
 Smt. Aditi Ganguli.

(Transferor)

(2) Dilip Chowdhury. Ajit Kumar Roy. Jyotish Chandra Bhadra. Tapan Chakarborty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or purcel of land measuring 1B-8ch. (1/6th share of 1/2 of the property) being premises No. 85, Acharyya Prafulla Chandra Road, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54. Refi Ahmad Kidwal Road, Calcutta-16.

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th January 1984

Ref. No. 1372/Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHOWDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

85 situated at Acharyya Prafulla Chandra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Satya Prabhat Banerjee.
 Smt. Anjali Mukherjee.
 Smt. Acharna Chatterjee.
 Smt. Aditi Ganguli.

(Transferor

(2) Dilip Chowdhury, Ajit Kumar Roy, Jyotish Chandra Bhadra, Tapan Chakarborty,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphle property, within 45 days from the date of the pub lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1B-8ch. (1/6t share of 1/2 of the property) being premises No. 8: Acharyya Prafulla Chandra Road, Calcutta.

S. K. CHOWDHUF
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-:
Acquisition Range-III, Calcutt
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-1

Date: 4-1-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) Santi Kumar Ghosh.

(Transferor)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1984

1373 Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, Ref. No. K. CHOWDHURI, eing the Competent Authority under Section 269B of the

ncome-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable operty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

nd bearing No.
A situated at Prince Golam Hossain Shah Road, Calcutta-33 nd more fully described in the Schedule annexed hereto). is been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at alcutta on 4-5-83

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to elleve that the fair market value of the property as aforeid exceeds the apparent consideration therefor by more than en per cent of such apparent consideration and that the nsideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transferi and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Aloke Kumar Ghosh,

(2) Sri Naba Roy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4k-7ch. 20 sq. ft. with structure thereon being premises No. 89A, Prince Golam Hossain Shah Road, Calcutta.

> S. K. CHOWDHURI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-talk
> Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said xt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:-

Date: 9-1-1984.

(1) Kalyani Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Keshar Shyam Construction Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1984

No.  $1374/\Lambda cq$ . R-III / 83-84.—Whereas, S. K. CHOWDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41A situated at Shyama Prosad Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 21-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein is are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or percel of land measuring 2k-3ch-37 sq. ft, with two storied building thereon being premises No. 41A Shyama Prosad Mukherjee Rond, Calcutta.

> S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 9-1-1984.

(1) Smt. Ratna Bai Mohta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dudh Nath Gupta. Smt. Tarak Devi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1984

Ref. No. 1375/Acq. R-111/83-84.—Whereas, I S. K. CHOWDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28/3B, situated at Tagore Castle Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that: Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 10k-8ch. (undivided 1/4th share) one storied brick built hereon being premises No. 28/3B, Tagore Castle Street, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 9-1-1984.

(1) Chhoanlal Ladha Bhai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Calcutta Lohana Mehajan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1376/Acq.R-III/83-84.--Whereas, I, S. K. CHOWDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 54 situated at Improvement Scheme No. XLV formerly 11-A, Radhabazar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2k-12ch-7sq. ft. being premises No. Plot No. 54, Improvement Scheme No. XLV—formerly 11-A, Radha Bazar Lane, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1984

(1) Tatangara Charity Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Devi Malpani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1377/Acq.R-III/83-84.--Whereas I, S. K. CHOWDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50B Flat No. 4 on 2nd floor, situated at Gariahat Road, Colontin.

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 16-5-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 4 on 2nd floor, with a servant quarter, being premises No. 50B, Geriahat Road, Calcutta Regd. before S.R.A. Cal. vide deed No. 4826 dt. 16-5-83.

S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-1-1984

FORM IT'NS----

(1) Birendra Krishna Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nawal Kishore Arora.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1378/Acq.R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHOWDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at Parshi Church Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Calcutta on 10-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3k-8ch. (1/9th share) with partly two storeyed & partly three storeyed building thereon being premises No. 10, Parshi Church Street, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

#### FORM ITNS----

(1) Bhabendra Kishore Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nawal Kishore Atom.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1379 / Acq.R-IΠ/83-84.—Whereas I, S. K. CHOWDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 situated at Parshi Church Street, Calcutta (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of \$908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough: to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underly need to

a second of the second

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-8ch, (1/9th share) partly two & three storeyed building thereon being premises No. 11, Parshi Church Street, Calcutta,

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—466GI/83

Date: 11-1-1984

Soal:

FORM ITNS——

(1) Smt. Topaja Haldar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nawal Kishore Arora.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1380/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHOWDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

11 situated at Parshi Church Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-8ch. (1/9th share) partly two & three storeyed building thereon being premises No. 11, Parshi Church Street, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 11-1-1984

Seal;

(1) Pronabendra Krishna Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nawal Kishore Arora.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1381, Acq.R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHOWDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

13 situated at Parshi Church Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-8ch. (1/9th share) partly two & three storeged building thereon being premises No. 13, Parshi Church Street, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 11-1-1984

Scal:

FORM ITNS---

(1) Jadabendra Krishna Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Nawal Kishore Arora.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1382/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I. S. K. CHOWDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14 cituated at Parshop Church Street, Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Odice of the Registering Officer at Colcutta on 10-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per central of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-8ch. (1/9th Share) partly two & three storeyed building thereon on being premises No. 14, Parshee Church Street, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-1984.

(1) P. K. Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nawal Kishore Arora.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1383/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHOWDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. situated at Parshee Church Street, Calcutta-1 and more fully described in the Schedule annexed hereto).

No. situated at Parshee Church Street, Calculta-1 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calculta on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-8ch. (1/9th Share) partly two & three storezed building thereon being premises No. 15, Parshee Church Street, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984.

(1) K, K. Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Nawal Kishore Arora.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1384 Acq. R-JII/83-84.—Whereas, S. K. CHOWDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

21 situated at Rabindra Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutte on 9-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-8ch. (1/9th Share) partly two & three doreyed building thereon being premises No. 21, Rabindra Sarani, Calcutta.

S. K. CHOWDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984.

Scal:

(1) P. K. Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A - C - P & G & G P &

(2) Nawal Kishore Arora.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1385/Acq. S. K. CHOWDHURI, R-III /83-84.---Whereas, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
23 situated at Rabindra Sarani, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutte on 9-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not hear truly steed in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-8ch. (1/9th Share) partly two & three storeyed building thereon being premises No. 23, Rabindra Sarani, Calcutta.

> S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16,

Date: 11-1-1984.

Scal :

FORM I.T.N.S .--

K. K. Mifra.

(Transferor)

(2) Nawal Kishore Arora,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Ref. No. 1386/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHOWDHURI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ac'') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

25, situated at Rabindra Sarani, Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; πnd /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. pemely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub lication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-8ch. (1/9th Share) partly two & three storeyed building thereon being premises No. 25, Rabindra Sarani, Calcutta.

> S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III. Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-1984.

Sent:

FORM ITNS----

(1) Smt. Sabita Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Amby Properties Private 1td,

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

1387 / Acq. R-III / 83-84.—Whereas, S. K. CHOWDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21B situated at Gurusaday Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

57--466GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7k 15ch 29sft. together with 4 storeyed building thereon being premises No. 21B, Gurusaday Road, Calcutta.

> S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-1984.

(1) Mohammad Hossvin shee 5. P. Ludha-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdid Kazzague.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,

CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1984

Pef. No. 1388/Acg R-III/83-84.—Whereas. I, S. K. CHOWDHURI

being the Comnetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at P.S. Tilzala, Mouza—Kusthia, J. L. No. 14 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

situated at P.S. Tilzala, Mouza—Kusthia, J. L. No. 14 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1983

for an apparent consideration which is less than the faimarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 10 Decimals being premises No. P.S. Lilzala Mouza—Kusthia J. L. No. 14, Khatin No. C.S. 142 under C.S. 86, Dag. No. C.S. 903/987 registered before S.R.A. vide deed No. 15081 dated 24-5-1983.

S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-1-1984

the state of the s

(1) Smt. Uma Rani Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Abani Haldar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th January 1984

Ref. No. 1389/Acq.R-III/83-84 -- Whereas, I, S. K. CHOWDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable proaperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 7/2/1 situated at Garcha 2nd Lane, Calcutta-19

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tainsfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring IK- 5ch. 5sft, with two storeyed pucca building being premises No. 7/2/1, Garcha 2nd Lane, Calcutta-19. Registered before S.R.A. vide deed No. 14967.

S. K. CHOWDHURL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Dato: 12-1-1984 Seal:

Sri Bikash Chandra Sinha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Onyx Estates Private Limited.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III

#### CALCUTTA

Calcutta, the 12th January 1984

Ref. No. 1390/Acq. R-III/83-84.--Whereas, 1, S. K. CHOWDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-5-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2B—6ch.—32 sft, with two storied building with gagages thereon premises No. 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered befire S.R.A. vide Deed No. 15286 dated 31st May, 1983

S. K. CHOWDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-1-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2610 Acq. 23/IL 83-84. --Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-S. No. 21 paiki Desara Tal. Gandevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Crande vi on 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (f) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Natwar Naranji Raval At Desara Tal. Gandevi.

(Transferor)

(2) Kanjibhai Samjibhai Surati Desara Tal. Gandevi. At present:—Bombay, 12B Raj Hansa Aptt. 2nd Floor, Jitendra Road, Malad. East No. 64. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land at Desura S. No. 21 paiki adm. 4 guntha 116 sq. yards. The document is registered at S.R. Gandevi vide No. 414 dated 13-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 27-12-1983

Seal ;

(1) Natwarlal Paragji Desai, At 45 Sadhana Socy. Varachha Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Balubhai Bayabhai Golvia, At 45, Sadhana Society, Veravadar Tal. Gariadhar, Dist. Bhavnagar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2620 Acq. 23/II/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1515 Sadhana Coop. Hsg. Socy, No. 45 Varachha Road—Surat

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 25-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The Bunglow situated at Sadhana Socy. No. 45, Varachha Road, Surat Nondh No. 1515 Adm. 280 sq. mtr. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 5117 Dt : 25-5-1983.

R. R. SILAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-12-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Arvindsinh Chimansinh, Althana Tal Choryash, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1, Kasturben Madhavji Chotaliya,
 2, Chhaganlal Madhavji Chotaliya,
 At 1/934, Nanpura Adugar Nholoo,
 Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND 1/1 OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1983

Ref. No. P.R. No. 2620A Acq. 23/83-84.—Whereas, I. R. P. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-24 Bhatar Sim—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The plot situated at Bhatar sim. S. No. 23-24 adm, 1631 sq. yards. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4606 dated 9-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Alimedabat.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Harshaben Arvindsinh, V. K. Arjunsinh Chimansinh Althana—Surat,

Surat.

(2) Bhartiben Kishorchandra Gheewala, 12/2902/A-1, Rani Talaya, Bhai Bandh Vad, (Transferor)

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1983

Ref. No. P.R. No. 2621 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 23-24 Bhatar--Smat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 8a<sup>j</sup>d Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The plot at Bhatar S. No. 23-24 adm. 1790 sq. yards. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4607 dated 2.5 1923.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedubad,

Date: 30-12-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HO ISE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1983

Ref. No. P. R. No. 2622 Acq.23/II/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-24, Bhatar—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269E on the said Act, to the following persons, namely:

58-466 GI '83

 Kalpanaben, F.
 K. K. Arjunsinh Chimansinh Solanki, Althana—Surat,

(Transferor)

(2) Kokilaben Bansilal Gheewala, 12/2902: A-1 Rani Talav, Bhar Bandh Vad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sa'd Ac', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The plot at Bhatar—S. No. 23-24 Adm. 1790 sq. yards. The document is regd. at .R. Surat vide No. 4609 dated 9-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox,
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 30-12-1983

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Mahendrasinh Arvindsinh,
 K. Arjunsinh Chimansinh Solanki,
 Althana—Surat.

(Transferer)

 Illeben Jagdishbhai Gheewala, 12/2902/B-1, Rani Talav, Bhar Bandh Vad, Surat.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HAND! OOM HO'ISE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1983

Ref. No. P. R. No. 2623 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and braring No. 23-24 Bhatar—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The plot at Bhatar—Surat S. No. 23-24 Adm. 1771 sq. yards. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4608 dated 9-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pare : 30-12-1983

Sen1

11, 11

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Bhupendra Nanalal Chokhawala, Rameshchandra Nanalal Chokhawala,

 Amikumat Nanalai Chokhawala
 Rohitkumar Nanalai Chokhawala, Lelia Sn.-ri, Navapura, Surat.

(Transferer)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 31st December 1983

Ref. No. P.R. No. 2624 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Ward No. 3 Nondh No. 4140 & 4141
Navapura Lad Sheri—Surat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the eRgistering Officer at Surat on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate p occedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) Hindkumar Kant'lal Vadekar. C/o Mahavir General Hospital Quarters, Šu∸at. Sagrampura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sad Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Navapura Lad Sheri at Ward No. 3 Nondh No. 4140 & 4141 adm. 160.93 sq mtra. The document is registeredd at S.R. Surat vide No. 4625 dated 10-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority napecting Assistant Assistant of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 30-12-1584

Sri K. Sayulu,
 S/o Sri Mallalah,
 R/o Isnapoor, Sangareddy Tq.,
 Medak Dt., and 13 others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri A. Lakshmana Rao, S/o Sri Madhusudhana Rao, R/o Isnap ore, Medak Dt. and 4 Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC No. 785/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Isnapur village Medak Dt.

Sangareddy on May, 1983
(and more tuny assembled in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

flyderabad in May, 1985 for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ac., 1921 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Dry land admeasuring 9-24 acres situated at Isnapoor village, Sangareddy Taluk, Medak Dt., registered by the S.R.O.. Sangareddy vide document No. 1543/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act t hereby initiate proceedings for the exquisition of the afor said property by the Issue of this notice under subsect n (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC No. 786/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and barring No.

Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Between per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(1) Sri G. Srinivassa Reddy, S/o Sri Eswar Reddy, Cnotractor, 3-3-543. Kutbiguda, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat of land admeasuring 588 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2979 /83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1984

Scal:

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Pavan Kumar Kedia, S/o Sri Banwarilal Kedia, 74, Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 11th January 1984

RAC, No. 787/83-84.—Whereas, 1,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the knoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Hyderabad

'(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred

under the Registrat on 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offic al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough, to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 600 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2978 /83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad. (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 788/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referted to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May. 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri K. Belarilal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. M. Thakkar, S/o Sri Manji Morarji Plot No. 20, Avanthinagar, Nasheerbagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immonable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 657 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2977/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Dato: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 789/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000' and bearing

Land situated at Hyderabad

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Gowribai, W/o Sri Poonamchand, and Sri Haricharan, S/o Sri Poonamchand. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Hyderabad registered by the SRO Hyderabad vide document No. 2992/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income--tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 790/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Band situated at Hyderabad

land situated at Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
Hyderabad in May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
marke value of the aforesaid proprty and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

/59-466 GI /83

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Mandakini,B-3 F, Poonam Apartments,5-8-517, Abids, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 398 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide decument No. 2991/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad. (A.P.)

Date: 11-1-1984

 Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. Subbaram Reddy, S/o Sri M. Raghavareddy, Nellore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 791/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as some defined in Chapter XXA of the said Acr. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 418 sq. yds, situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2990/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 792/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, ,to the folling persons, namely—

 Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri M. Srinivasa Reddy, S/o Sri M. Raghava Reddy, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oilleral Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 445 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2989/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 11-1-1984

#### FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 793/83/84.— Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. Snehálatha, W/o Sri M. Sudhakar Reddy, Nellore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date c the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 405 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2988/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-:
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 794/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri A, K. Zera Puri,
 S/o Sri M. Fida All,
 Flat No. 1002, Srinath Complex,
 S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land admeasuring 467 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2987/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 11-1-1984

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri B. Surendranath Reddy, S/o Sri B. Ram Reddy, Butchireddypalem, Nellore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 795/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being th; Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exources later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 467 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2985/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 11-1-1984

#### FORM I.T.N.S.

(11 Sri K. Beharilal. Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mohinder Singh, Coal Dealers, 3-6-128/1/2, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 796/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Land situated at Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad in May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 468 sq. yds. situated at Hydera-bad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2986/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 11th January 1984

RAC No. 797/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

Smt. Shoba Bai,
 W/o Sri Hariram,
 3-2-350, Chappal Bazar,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 493 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2982/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Bai, W/o Sri`Raj Kumar, 3-2-350, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 798/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sold

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land admeasuring 493 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2984/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad. (A.P.)

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ram Nivas, S/o Sri Babulal, 21-2-98, Charkaman, Hyderabad.

(Transfere

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 799/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period -45 days from the date of publication of the notic in the Official Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gagett

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land admeasuring 495 sq. yds. situated at Hyde bad registered by the SRO, Hyderabad vide document 2993/83.

M. JEGAN MOHA
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range, Hyderabad, (A.

Date: 11-1-1984

# OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

#### Hyderabad, the 11th January 1984

RAC. No. 800/83-84.--Whereas, I.

RAC. No. 800/83-84.—whereas, 1,

JEGAN MOHAN,
ing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
the 'said Act') have reason to believe that the immovle property, having a fair market value exceeding
3, 25,000/- and bearing No.

ind situated at Hyderabad

more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at

ydcrabad in May, 1983 r an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have ason to believe that the fair market value of the operty as aforesaid exceeds the apparent consideration erefor by more than fifteen per cent of such apparent nesideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in e said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. tt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following ons, namely :-

(1) Srl K. Beharilal. Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Sri Ramavathar and Rajendra Prasad, Partners, M/s. Ram Electronics and Ram Enterprises, C/o Purushotham Rao, C.A. Unity House, Abids, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1162 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2994/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 11-1-1984

#### Sri K. Behavilal. Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Goetha Bai, W/o Sri Shiv Shankar, 3-2-350, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

Ref. No. RAC. No. 801/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property a may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 493 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2983/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 11-1-1984

# 4049

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Sri K. Beharilal, Hyderabad.

Hyderabad.

(2) M/s. Rekha Constructions, 3-6-69/B/25, Avanthinagar,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

Ref. No. RAC. No. 802/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 500 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 2980/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

ollow- Date: 11-1-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 $g_{22}^{(2)} = g_{21}(x_1 + x_2) + g_{22}(x_1 + x_2) + g_{22}(x_2 + x_2) + g_{22}(x_1 + x_2) + g_{22}(x_$ 

(1) Sri K. Beharilal, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Janaki Bai, w/o Harsh Raj, 3-2-350, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

Ref. No. RAC. No. 803/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land admeasuring 514 sq. yds. situated at Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2981/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-1 Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 405/83-84,--Wherens, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49 situated at Madhuramotapalem Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) V. Nageswararao, S/o Subbarao, Employees, SBI, Kothapeta, Vizianagaram

(Transferor)

(2) B. Appalakonda, S/o Gopalam, Motor Worker, Orugantivari Street, near Pothuruvari Street, Vixianagaram-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Dry land of Ac. 5-00 at Madhuramotapalem, S. No. 49, document No. 1935/83.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

#### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 406/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 109, 113 situated at Madhuratotapalem Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vizianagaram in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) B. Appalaraju, S/o Ramamurthy, (late) M. G. Road, Vizlanagaram.

(Transferor)

(2) I. Koteswararáo, & Others, Gajapathinagaram, Vizianagaram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Dry land of Ac. 2-35 in R. S. No. 109, & 113, Madhuratota-palem. VZM., document No. 2111/83.

M. JEGAN MOHAN
Compètent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 407/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 62/1B, 62/2 situated at Butchirajupalem Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer

at Vizag on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—466GI[83]

(1) M. Guruvulu & Others, Gopalapatnam, Vizag.

(Transferor)

4053

(2) Sri Ganesh Co-op. House Building Society, Ltd. D. No. 58-1-44, Ganesh Nagar, Butchirajupalem, Vizag-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacat site of 9677 Sq. Mtrs., in S. No. 62/1B, 62/2, Butchirajupalem, document No. 4743, 4742/83, S.R.O. Vizag.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

(1) B. Dharmarao, Opp. To Ramakrishna Lunch Home, K.G.H. Down, Vizag.

(Transferor)

 P. Verraju, Bhamidipativari Street Chodavaram, Vizag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 408/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No. 6-18-6 situated at Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Waltair on May 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storried building of 1235 Sq. ft. & a shed of 178 Sq. ft., in 400 Sq. yds, at Vizag, document No. 5020/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

(1) M. S. Shabu, S/o M. D. Akber Saheb, Dondaparthi, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. Rawar, S/o Kajam Ravar, Dabagardens, Vizag,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 409/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 135/2 situated at Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the collowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building of Vizag, area of 307 Sq. yds., document No. 4818/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) V. S. Venkateswar S/o V. V. Narasimhachari, Maharanipeta, Vizag-2.

(Transferor)

(2) Kavita G. Satwani, C.B.M. Compound, Vizag-3. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 410/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 981 situated at Vizag. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Vizag on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (ā) fācilitating the reduction or evalue of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the maid immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site of 1014 Sq. yds, in T. S. No. 981, at Vizag, document No. 4929/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1984

#### FORM I.T.N.S.--

 A. Appalaswamy & Bros. Vizag. Near Reading Room.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M. Suryanarayana & His brother Jeellory Merchants, Main Road, Vizag. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 411/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

▲No. 31-35-5A & B situated at Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Vizag on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Door No. 31-35-5A & B, House property at Vizag, document No. 6523/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 N. Subhadradevi, W/o Dovindarajulu, 9-3.12, Saint Joines Road, Secunderabad-3.

(2) K. Subrahmanyeswararao, D. No. 14-37-27, Vizag.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 412/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 14-37-27 situated at Vziag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a gree defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

D. No. 14-37-27 in 393 Sq. yds. at Vizag, document No. 5509/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:—

Date: 7-1-1984

FORM JTNS

 S. Srihari, Muyyalayanipalem, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) B. Kameswararao, S/o Sriramulu, Srikakaulam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 413/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21/MIG42/11 situated at Vizag.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Vizag on May 1983

at vizag on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); MIG No. 21, 42/11, at Vizag area of 340 sq. yds. document No. 5426/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1984

#### FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### E. V. Seshacharujullu. Arundapeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) V. V. P. R. Rao, 20th Word, Tadepalligudem, W. G. DT.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 414/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 38/1 situated at Poduru Agraharam Tadepalligudem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tadepalligudem in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land of Ac-1-24 Cents, Poduru document No. 1976, 2007/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1984

Y. Tulasamma, Gangazad P.abhani Dt. Maharashtra State.

(Transferor)

(2) M/s. Agrimmeor (P) Ltd., Mangalagiri Road,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. o. RAC No. 415/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and b aring No.

No. 236/2, situated at Kovvuru (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering office at

Kovvuru in May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 62-466 GJ /83

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of Ac-2-13 Cents, in S. o. 236/2 Kovvuru, document No. 833, 831/83.

> M, JEGAN MOHAN Comp tent Au'ho ity Inspecting Assistant Commissioner of Income ax Acquisition Parge Hyderabad (A.P.)

Dato: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 416/83-84. -Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing

No. 971/2, 971/1 situated at Unguturu Tadepal'igudem (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any locome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(Transferor)

(1) K. Venkataswamy & Others, Ungutur, T. P. Gudem, W. G. Dt.

(2) M. S idhararao & Others, Narayanapuram, Tadepalligudem, W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

R. S. No. 971/2, 971/1, area of Ac. 2-58 Cents, at Ungutur, T. P. Gudem, document No. 2107, 2136/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984.

Seat

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 417 '83-84,—Whereas J M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovatle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-7-1 situated at Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Eluru on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shri K. R. B. Bhaskarasarma, 1-1 380/29, A.hoknagar Ex ention, Hyderabad-20.

(Transferor)

(2) Shri B. Krishnarao, B. N. V. R. Satyanarayana,
 B. N. V. Subbarao
 M/s. Sudarsana Textiles, Eluru.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property at D. No. 4-7-11, Eluru, 260 Sq. yds., document No. 2668/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

 Shri G. Bagalmba S/o Bhushanam, Chintalapudi, W.G. Dt.

· (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri G. N. B. V. Prasadarao & Others, Dharmajigudem, Chintalapudi, W.G. Dt.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 418/83-84.---Whereas, I

M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beraing No.

No. 409 3 situated at Dharmaj gudem Chin alapudi (and more fully described in the Sch dule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chintaiapud on May, 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period de 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Viicant land of 2372 Sq. yds., document No. 748, 737/8

M. JEGAN MOHA'
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-:.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date; 7-1-84

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri K. Ravindranath & Others, Palakol, Podur Iq. WG. Dt.

(Transferor)

(2) Shri S. Laxmunrao & Ramarao, Srungavriksham, Bhimayaram, WG. Dt.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 419/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, has ng a tau market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. pr. see back chuancu at Srungavriksham Veedavasa am (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veeravasaram on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person in rested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land of Ac. 7-76 Cents, at S. No. 82/2, 87, 72/2. 72/1, 88/2, document No. 634, 633/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 420/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

No. Nil, sinated at Palakollo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the reistering Officer at

Rs. 25,000, - bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. V. Ramakalan, 7th Ward, Palakollu.

(Transferor)
(2) Shri R. S. Raju, & Others Poduru, W.G. Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertys may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land of 3875 Sq. yds. at 12th Ward, Palakollu, document No. 1164, 1165/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

#### FORM I.T.N.S.---

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Ch. Ramamohanarao, S/o Chinaramamurthy, 7th Ward, Loor No. 15-8-82, Palakorlu, W.G. Dt. (Transferor)

(2) Shri R. Dhanaraju, 10th Ward, D. No. 40-2-2, Parakodu, W.G. Dt.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 421/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/gand bearing

No. 16-4-10 11, 12 situated at Palakollu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Palakollu on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

D. No. 16-4-10, 11, 12. House property 140 Sq. yds., document No. 1091/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Au ho i y
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 7-1-84

FORM I.T.N.S.----(1) Shri P. K.ishna Mohan, Danavajpeta, Rajahmundry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Baljit Kour, Srinagar, kajahmungry-4.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 422/83-84.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Inco ne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No por No 42 situat d at Rajahmunday

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajahmunday on May '83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent ronsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant si'e of 590 Sq. yds., plot No. 42(42) Rajahmundry document No. 3439/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1984

Ref. No. RAC No. 423/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11-4-212 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Rajamundry on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri K. V. Ramarao, Lecturer V.T. College, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Smt. K. Satyavathi W/o Shri Kondayya, Hybron, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

House property of 848 Sq. yds., at Rajahmundry document No. 3370/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---63-466GI/83

Date: 3-1-1984.

(1) Smt. G. Laxmi Devi, W/o Hareesh, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ch. Laxminarayana, D. No. 29-30-8, Vijayawada.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 428/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29-30-8 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 29-30-8, area of 592-1/9 Sq. yds. document No. 3462/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 429/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11-14-575 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on May. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Ramarao, Vastralatha Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri K. Anjaneyulu, Pottiswamy Street, Vijayawada-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 11-14-575, area of 46-4-1- Sq. yds. document No. 3892/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 430/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31-2-10/5 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oungt to be disclosed by the transferee fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salf Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons namely:—

 Smt. N. Swarajya Laxmi W/o Sri Satyanarayana, Sitarampuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. D. Sheela Ranjani, W/o Shri Dhana Koteswara Chowdary, H. No. 1-1-563/B, Gandhinagaram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

D. No. 31-2-10/5, Area of 400 Sq. yds. document No. 3818/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

#### FORM I.T.N.S.-

 Smt. A. Laxmidevi, W/o Sri A. Srirama Murthy, Kakinada.

(Transferor)

FNOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Salaried Employees Co-op. House Building Society Ltd., Near Phani Stores, Gandhinagar, Kakinada.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 425/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

No. 186/1B situated at Vakalapudi Kakinada fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Vacant land of Ac. 8-28 Cents, in S. No. 186/1B. Vakalnpudi, document No. 4335, 3470, 3471, 3472, 3473, 3474, 3475, 3476, 3477, 3478, 3479, 3480/83, 3481/83.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 426/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 18/1 situated at Godarigunta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri M. Atchutaramaiah, G.P. Holder, M. V. Sastry, Near Power House Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferor)

 Smt. T. Venkataramanamma, W/o Sri V. R. Kantharao, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site of 0-58 Cents, document Nos. 4405, 4407/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1984

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 427/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 24-9-20 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Vijayawada on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arlsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) ORSW, Narasimharao, D. No. 9-41-101, Anjenayapet, Kothapeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri N. Venkateswararao, Seshalah, Street, Vijayawada, Krishna Dt.

(Transferce)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

D. No. 24-9-20, area of 250-1/2 Sq. yds. double storyed building, document No. 3159/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

· :- ·- .

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 424/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 17/165 situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Ranganath, 3-4-526/28, Barkatpura, Hyderabad-27.

(Transferor)

 Shri K. Ramamohanarao, Motovari Lane, Rajahmundry, W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the...
  Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at D. No. 17/165, area of 186.3 Sq. yds. document No. 2779/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

(1) Shri V. R. Krishna Rao, Kothapeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Prasadarao, Vidyadhara Puram, Vijayawada.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 431/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beeding

No. RS 143 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, namely:—64—466GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site of 1210+1210=2420 Sq. yds. R.S. No. 143 Vidyadharapuram, document No. 3466, 3468/83 (2420 Sq. yds.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 432/83-84,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing No. NTS 19 situated at Mogalrajapuram, Vijawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri B. Nagabhushanam, S/o Shri Sivaramakrishnayya, Mogalrajapuram, Vijayawada.

(Transferor

(2) Shri G. V. Apparao, S/o Shri China Subbayya, Venkateswararao Street, Governorpet, Vijayawada-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettes.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site of 419 Sq. mtrs. NTS No. 19 Mogalrajapuram, document No. 3920/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. G. Sitamahalaxmi, W/o Late Sitaramayya, Manteni, Krishna Dt.

(2) Ch. Ravindrarao, Manteni, Krishna Dt. (Transferor)

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 433/83-84. - Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RO. 4/93 situated at Manthani Gannavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gannavaram on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

R.C.C. Building in 0-22 Cents, & Rice Mill R.O. No. 4/ 93, Manteni, document No. 1198/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 434/83-84.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN,

being the Compe.ent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16-2-42-A situated at Poornanandampet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri K. Sambasivarao, Brahrambapuram, Drivepeta, Krishna Lanka, Vijayawada.

 Shri B. Durgarao, & Others, Anjenayavagu Kothapeta, Vijayawada, (Transferor)

(Transferes) 🕏

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 16-2-42-A area of 490 Sq. yds, document No. 3829/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-:
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1984

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 435/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 225/1 situated at Tarlgoppala Gannavaram (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gannavaram on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Madhusudhanarao & Others, Maredumaka Gannavaram Tq., Krishna Dt.

(Transferor)

Shri G. Ramchandrarao,
 S/o Shri Anjayya,
 4th Cross Road, Durgapuram Vijayawada.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 0-50 Cents, in R.O. No. 225/1, & 900 Sq. ft. of Cinema Hall, at Tarigoppala, document No. 129/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderahad (A.P.)

Date: 7-1-1984

Seal;

### FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### GOVERNMENT OF HOM

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 438/83/84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-95 situated at Ramayyaraopet Nuzividu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nuzividu on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. B. Rajeswaribai, W/o Shri Chamanlal Singh, Nuzividu, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) Smt. K. Laxhmi Lalitha W/o Shri Satyanarayana Gupta, Tiruvuru, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site near Door No. 1-95, area of 4237 Sq. yds. document Nos. 1101, 1103, 1104/83, at Auzivid.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 439/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 197, 198 1 situated at Ganadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Y. Madhusudhanarao S/o Nagayya, Gunadala, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri G, Ramurthy S/o China Lingayya, President The New India Assurance Co., Ltd., Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Site R.S. No. 197, 198/1, at Vijayawada, (Gunadala area of Ac. 2-70 Cents, Document No. 3539/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-1-84

### FORM TINS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 440/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

6-124, situated at Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the tra afteror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. M. Laxmi Devi Wl'o Nagireddi, Konjedu, Bus Stand Road, Ongole.

(2) Ch. Saraswati Devi W/o Venkateswarlu, Trunk Road,

Ongole.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

D. No. 6-124 House property of 1290 sq. ft., Document No. 1469/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

1-1-1-1

### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 441/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS. 337 situated at Gandhiroad, Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ongole on May 1983

1908) in the Office of the registering Officer at Ongole on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--65-466GI/83

(1) Ch. Ramadevi & Others, Ongole.

(Transferor)

(2) Shri K. Venkateswarlu, Smt. K. Venkataratnam, Tanneru, Veeraiah, Gandhiroad, Ongole.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period explies later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official A : 5 6

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site at Ongole, in T.S. No. 337, area of 322 sq. yards, document Nos. 1408, 1407, 1534, 1532/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority recting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 442 83-84.—Whereas. J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 84/1 situated at Ongole

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ch. Verrayya, Santapeta, Ongole.

(Transferor)

(2) Sri P. Gopalaswamy, Sri Gopalakrishna Co-op. Building Society, Ltd., Santhapeta, Ongole, Prakasham Dt.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land of Ac. 1-72 Cents, in S. No 84'1, Document No. 1504, 1540/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta.
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 443, 83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Q. 4/63 situated at Karavadi Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Ongole on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) P. Bangaru Botlu, 37-5-85, Manchukondavari St., Vizag.

(Transferor)

(2) R. V. S. Mallikarjuna Rao, Medical Practitioner, Karavadi, Ongole.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 4/63, area of 4200 sq. ft., slab 11500 sq ft., Ongole, Document No. 1850/83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-1-84

### FORM I.T.N.S.-

(1) K. Pendanagaiah, Kurnool Road, Ongole.

--\_ --- ---

(Transferor)

(2) B. Satyanarayana, and S. Padmavathi W, o Adiseshayya, Gadhi Road, Ongole.

(Transferee)

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 444/83-84,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 25,000/- and bearing No.

RS. 122 situated at Pernamitta, Ongole,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registerd

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Ongole on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immedvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land of 0.41 Cents, Pernamitta, Document  $N_{\odot}$  1799/83.

M. JEGAN MOHAL Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-4 Acquisition Rang. Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 445/83-84. - Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 19-338 situated at Chirala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chirala on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) D. Ramasatyanarayana and Others, Chirala.

(2) G. Sri Venugopala, Krishna Textiles, Chirala. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any ,to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property area 133-5 9 sq. yards, Document No. 1603/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC No. 446/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-263 situated at Nellur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nellur on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Anjenuyulu S/o Ramayya, Kandukuru, Prakasham Dt.

(Transferor)

 T. Padmavathi W/o Venkateswarlu, Kandukuru, Prakasham Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property at Nellur, area of 215 sq. yards, Documents Nos. 219, 220/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 447/83-84.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

202/C'ABC situated at Ganapayaram Chilakaluripeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered Chilakaluripeta on May 1983

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. Sambasivarao, Mg. Pr., Sambasiva Coton Industries, Ganapavaram, Guntur.

(Transferor)

(2) N. Venkateswararao S'o Laxminarayana, M.P. Venkateswara & Co., Ganapavaram, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Ac, 1-8072 vacant land, at Ganapavaram Document No. 1271/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 448/180-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 10 situated at Chilakaluripeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M. Venkateswarlu S/o Ramakotaiah, Patimeedi Mahalaxmma, Chilakaluripeta. GNT. Dt

 Nagabhiru Aapparao, Nagabhiruvari Palem, Chilakaluripeta, GNT, Dt, (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Site of 763 sq. wards at Chilakaluripeta, Documents Nos. 1220, 1260-83,

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) P Venkateswarlu, Chilakaluripeta, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) D. Tulasidevi D/o Subbarno, Chilakaluripeta, Guntur Dt.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 449/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement below the second of the market was the second of able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 16 situated at Chilakaluripeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chilakaluripeta on May 1983
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

66-466GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioad of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site of 385-1/3 s. yards at Chilakaluripeta. Document No. 1246/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84 Seal:

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 450/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1000-2&1 situated at Baptla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baptla on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. H. Gopalarao S/o Sriramarao, Baptla, Gunur Dt,

(Transferor)

(2) Sri Vivekananda Co-op. Building Soicety Ltd., Baptla, Guntur D.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land of Ac. 8-63 Baptla, Document No. 1086/83, 1468, 1602, 1902/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

Soal :

(1) Shri T. V. S. Laxmipethi, Varaf Venkateswararao, Ganganammapet, Tenali. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Venkateswarlu, Edugundlapadu, Maddipadu, Tq., Prakasham Dt.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 451/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-22-15 situated at Tenali (and more fully described in the Scholule approach better).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Tenali on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

D. No. 7-22-15, are aof 348 Sq. yds., at Tenali, document No. 1577/83, 1576, 1575/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissional of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-84

### FORM NO. I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 452/83-84.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32 situated at Nagarampalem, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered in the office of the Registering Officer as por deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) J. Sakuntala Rajyalaxmi, Kannavarithota. Guntur.
  - (Transferor)
- (2) Ch. Nirikshnabai, Principal, N.P.S. Govt. Degree College, for Women, Chittoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saidy Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

T.S. No. 32, site of 505 Sq. yds., Nagarampalem, document No. 408/83,

> M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-1-84 Seal:

(1) Ch. Kotireddy & Others, Korusur, Prakasham Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Janardhanarao, S/o Nagabhushanam, Money lending Business, Krosur, Rajupalem Tq., GTR. Dt.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 453/83-84,—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1, 5th share of touring Talkies situated at Rajupalem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Krosuru (Korusur) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/5th Share, of Touring Talkies, D. No. 574-13/9, Krosur, document No. 952/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-84

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 454/83-84.--Whereas, I,

M, JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

No. Site situated at Repalle, Repalle

has ocen transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registrating officer at Repalle on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) B. Venkateswararao, 10th Ward, Repalle.

Transferor) (2) G. Satyanarayana S/o Subbarao, 11th Ward, Repalle, GTR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site of 510 Sq. yds., document No. 1078/83,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) R. Narayana Rao, Gandhinagar, Tenali, Guntur Dt.
  - (Transferor)
- (2) Ch. Rangarao, & Other Vurripalam, Tenali, GNT, Dt.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 455'83-84.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/2 share in M/s. Janata Rirce Mill, situated at Davuluri (and more fully decsribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per need registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kollipara on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1 2 Share in M/s. Janata Rice Mill, Davuluru, Chakrayapalem, Tenali, document No. 456 457/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Date: 7-1-84

(1) V. Shanmukharao, Mangalagiri, GNT. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. Srikrishna Rajendra Prasad, D. No. 220/3, Mangalagiri, GNT. Dt.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 456/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and ocaring

No. 220/3 situated at Mangalagiri Mangalagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalagiri on May '83

Mangalagiri on May 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or
- of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Vacant site of 1344 Sq. yds., D. No. 220/3, Mangalagiri, document No. 1541/83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of raforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.-

Date: 7-1-84

(1) V. Venkataraju & Others, Tadepalli, Guntur Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Ramamohan Reddy, Tadepalli, Guntur Dt.
(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 457/83-84,—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding \$\\$8. 25,000/- and bearing

No. 13/A, situated at Rice Mill, Tadepalli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mangalagiri on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties ims not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

JE SCHEDULE

Rice Mill D. No. 13/A, Tadepulli, document No 1568/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—67—466GI/83

Date: 7-1-1984.

### FORM I.T.N.S.—

(1) E. Sambasiva Rao, Aitanagar, Tenali, Guntur.

(Transferor)

(2) K. Tulsi Devi, Sivaramkr'shnaprasad, Altanagar, 6th Ward, Tenali, Guntur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC, No. 458/83-84.—Whereas, I

### M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. TS. 2, situated at Guntur

Road, Malad Bombay-64 at Malad (W.) (and more fully described in the Schedule ennexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Guntur on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-as d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land of 0-90 Cents, T.F. No. 1, & 2, Tenali, document No. 1978 '83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Au hori'y Inspecting Assistant Commissioner of 'ncome-Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hie following persons, namely :-

Date: 7-1-84

 B. Pedalaxmaina Sangam Jagarlamudi, Tenali, Guntur.

(Transferor)

(2) Godavari Finance, M. P. P. Ramakoteswaraiao, Main Road, Guntur,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 459/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 387/A situated a. Pericherla Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property w hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land of Ac-3-20 & 323 Sp. yds, D. No. 387/A, Pericherta, document No. 4859, 4860, 4982, 4983, 4984/83

M. JEGAN MOHAN
Competen Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Rarge,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 7-1-84

NOTICE UNDFR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Bupatla, Guntur Dt. (Tran

(1) Shri P. V. Subbarao, S/o P. Ayapu, Chervu,

(Transferor)

(2) Shri M, Rajendraprasad, Kannavarithota, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 460/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 27-5-15 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

  whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

D. No. 27-5-15, Sq. yds., 182. Guntur, document No. 4920/83.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-84

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACCOUISITION RANGE, HYDERABAD A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 461/83-84.---Whereas. I

### M, JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-60 2/17 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Office at Guntur on May '83

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Shri Sambasiya Rao, Manchikalapudi, Tenali. (Transferor)
- (2) Shrimati P. Laxmi, W/o Sri Gowri Prasad, D. No. 5-60-2/17, Sr.nivasanagar, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pu'olication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULL

D. No. 5-60-2/17, Srinivasanagar, area of 494 Sq. yds., document No. 5015/83.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-84

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 462/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act. (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 683/2, situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under hie Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Reg stering Officer at

Guntur on May '83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtren per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

- (1) Shri G. Madan Mohan 9-Jagannadha Street, Nungambakam, Mad.as-34.
- (2) Dattatreya Co-op H B. Society, Ltd. Rep. P. S. Narayana, 522006-Gun.ur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b' by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site under D. No. 683/3, area of 12845.23 Sq. mtrs., document No. 4625/83.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ref. No. RAC. No. 463/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

398/A, B situated at Pericherla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on May 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as wgreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri D. Venkatramayam S/o Laxminarasimharao, Arundedpet, 3rd, Line, Guntur.

(Transferor)

(2) M/s. Bharat General & Textiles Industries Ltd., 5-8-10, Maiaroad, Laxmipuram, Guntur-522006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Site of 9872-24 Sq. mtrs. D. No. 398/A, B, at Pericharla, Document No. 4608/83.

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shrimati P. Ammayamma W/o Puddaraju, Tamarakhandi, Bobbili.

(Transferor)

(2) Meenavalli Veeraju & Others, Kaikavolu, Kakinada Tq.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th Junuary 1984

Ref. No. RAC. No. 464/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (45 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R3, 25,000/- and bearing No.

130/1, 128/2, 125/2, 129/2 situated at Vemulapelly, Kotha-

peta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kakinada on May '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

R. S. No. 130/1, 128/2, 125/2 & 129/2, Vennulapalli, Kothaneta, area Ac. 16-76 Guntur, documents Nos. 3820, 3912/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 7-1-1984.

### FORM IINS ---

S/o Krishnamurthy, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

w/o Kameswara Rao, Brahmaiah Street, Satyanarayanapuram, Vijayawada,

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Sri Gelli Surendra Rao & Others,

(2) Smt. Bodem Venkata Subbayyamma,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

RAC, No. 465/NKD/83-84.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Main Bazar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1983

for up apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in me Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Door No. 11-25-215 situated at Main Bazar, Vijavawada-I registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 3893 /83.

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income \* x. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1984.

Seal:

68-466GI/R3

### FORM JTNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(.1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th January 1984

Ref. No. RAC. No. 466/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Besant Road, Vijayawada (and more fully described n the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Vijayawada on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of transfer with the said instrument of transfer with the object of transfer with the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of transfer with the said instrument of transfer with the object of transfer w

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sii hTangirala Radhakrishna Murthy, s/o Veeraraghayaah, Dasariyari Street, Suryaraopeta, Vijayawaat-2.

(Transferor)

(2) Sri Vadheghar Narasimham s/o Nagayya, Sri Satya Enterprises, Prakash Market Tompeta, Vijayawada-1. (Transferee) -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writin to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Door No. 470, 470-A and 470-B situated at Bevent Road, Governorpeta, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 3734/83.

M. JEGAN MCHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderalada (A.P.)

Date: 11-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

" ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

Ref No. RAC. No. 467/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269D of the the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
House situated at Vijayawada
\*(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Vijavawada on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-السأالنا اسلا

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, on respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act' is the following persons, namely :--

(1) Sri Chrapati Sambasiva Rao s/o Pedakanakaiah, Kamdarnagar, Madras.

(Transferor)

(2) Sri Katragadda Anil Kumar s/o Srinivasa Rao, Saifabad, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ارات مراج المراج المراج المراج المستحديدة المناسبية فيوال فلازموم مثار بيان الرمان الراج

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Compatent Authority under Section 269B of heing the

THE SCHEDULE

Door No. 32-9-1, Mogalarajapuram, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawade vide document No. 3299/83.

z JEGAN MCHAN, Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th Jenuary 1984

Ref. No. RAC No. 346/83-84.--Whereas, I, M. JAGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

20/1 & 120/2 situated at Kanuru, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not seen of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati P. Pushankumari W/o Raghavendrarao, Kanuru, Krishna Dt.
- (Transferor)
  (2) Shrl K. Ramarao S/o Venka@rayudum,
  The Viiavawada Co-op. Building Society Ltd.,
  Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afore aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person in cleated in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Kanuru Vijayawad.

document	Area	D. No.
No.	A-Cent	S.
1, 3,00/83	090	120/1
2. 3178/8	0 <b>—</b> ე6	120/3
3. <b>33</b> 87,83	096	120/3 & 121/2
4. 33(2/83	0-00	1120/3 & 120/2
5. 3419/83	0- <b>9</b> 6	276/2, 120/2.
6.		•

M. JEGAN MOHAN Competent Autho ity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato: 7-1-1984.

#### FORM ITNS——

(1) Shrintti B. Kamala Bai W/o Sadhau Singh, Nuzividu, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) Shri G. Krishnamurthy S/o Laxmalah, Nuzividu, Krishna Dt.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1984

Ret. No. RAC. No. 437/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MUHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. 359/1 & 2 situated at Nuzivadu (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Nuzividu on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mon vs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site of 4384 Sq. yds., at Nuzividu, document 💢 1100/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1984

#### FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Geetha Renganathan,

----(1)-N. C.-Chellappa,

Madras-4.

(Transferor)

77, Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.

77, Dr. Radhakrishnan Road,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSI. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

- -

--- - Madras600 006 the 11th January 1984

Ref. No. 18861.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing

S. No. 1147/8 situated at Mylanore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer at
Mylapore (Doc. 2409/83) on Miv 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of he aforesa d p operty and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Jubil-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter-XXA-of the said -Act, shall have the same meaning as given - in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 1147 8, Mylapore. (Doc. 2409/83)

> R. P. PILLAI Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-1-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras600 006 the 11th January 1984

Ref. No. 18772.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe 'hat the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 420 to 424, 431, 432, situated at Panruti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madres South (Doc. 1697 1698, 1699 /83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair ....market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

A. E. G. C. C. G. A. C.

\_\_\_ (1) K. R. Janardhanam, C. Venkatesan R. Rajalingam, 29, Arya Gowder Road, Madras-33.

(Transferor)

(2) V. C. Panneerdas and Co. VGP Square, 6, Dharmacaja Koil St., Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; - 1
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 420 to 424, 431, 432 Panruti. (Doc, 1697, 1698, 1699/83)

. .

R. P. PILLAI Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox, Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date: 11-1-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) K A's lul Shukkur, 39/84-A, Park Road, Kurnool, A.P. M. da. On the Sun b, 23/69, Mughalpuro St., Kurnool, K. Mohamed Ismail, 39, Wattucattan St., Madras-3. G. Chand Basha, 16/198, Petta Kurnool, A.P.

(2) LM. RM. Meenakshi, M. S. Karuppiah,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th January 1984

Ret. No. 18767.—Whreas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (here natter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Madras situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeric g Officer at Madras South (Doc. to 1684) on May.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds 'he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

M. S. Swarnalatia, M. S. Rukmani, 7, II Main Road. Gandhinagar, Madras-20.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Madras. (Doc. 1681 to 1684/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1 84.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th January 1984

Ref. No. 18767.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

S. No. 67/3, Madanandapuram situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 1690/83) in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theterore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—466GI/83

(1) City Lando Corporation, 262. Arcot Read, Madres-26.

(Transferor)

(2) R. S. Chandran, Shop 42, Madurai Sreemeenakshi Nagar, Madras-87. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 67/3, Madanandapuram. (Doc. 1690/83)

R. P. PILLAI
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-1-84. Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th January 1984

Ref. No. 10386.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

35, Cuddalore Road, Poody stuated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc. 1224/83) in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Sh. N. Loganathan, 206, Mahatma Gandhi Road, Pondy.

(2) Sh. A. Arumugham, 35, Cuddalore Road, Pondy.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 35, Cuddalore Road, Pondy. (Doc. 1224/83)

R. P. PH LAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Madras-600 006.

Date: 12-1-84,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 29th December 1983

No. C.R. No. 62 Notice No. 653, 83-84]ACO|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2228-1-2 signted at NCC. 'A' Block, 9B Division, 5th Ward, Dayanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Davanagere under Document No. 632/83-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Mrs. Saraswathi Gai (and her Six Sons) W/o Late Panduranga Bommaiah Varnikar,
  - Mr. P. Gangadhar
     Mr. P. Vaman

  - Mr. P. Vinayak,
     Mr. P. Krishanand,
  - 6. Mr. P.Ashoke and
  - 7. Mr. P. Kamalakar all of them residing at 5th Ward P. J. Extension., 6th Main, Davanagere.

(Transferor)

(2) Mr. R. V. Bukkeshappa, S/o R. Veerabhadrappa, 2nd Ward Anekondapete Davanagere.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 632, 83-84 dated May 1983)

The open plot with foundation situated in 5th Ward, 9R Division N.C.C. 'A' Block site No. 65 Door No. 2228-1-2, measuring 120>40 of which half portion i.e 120>20 South portion 9B Division 5th Ward Davanagere.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

Date: 29-12-1983

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 29th Dcember 1983

No. C.R. No. 62/Notice No./83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being in: Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2228-1-2 situated at 5th Ward, 9B Division N.C.C. 'A' Block Davanagere.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Davanagere under Document No. 634/83-84 in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Sarashwathi Rai (and her Six Sons)
 W/o Late Panduranga Bommaiah Varnikar
 Ward, 6th Main, P. J. Extenson Davanagere,

2. Mr. P. Gangadhar

3. Mr. P. Vaman 4. Mr. P. Vinayak

5: Mr. P. Krishanand,

6. Mr. P. Ashok and 7. Mr. P. Kamalakar.

all of them residing at 5th Ward P. J. extension 6th Main, Davanagere.

(Transferor)

 Mr. R. V. Bakkeshappa, S/o R. Veerabhadrappa, 2nd Ward Anckondapete Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anid immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

(Registered Document No. 634/83-84 Dated May 1983)

The open plot with foundation Door No. 2228-1-2 measuring 120×40 of which half portion i.e. 120×20 North portion situated in 5th Ward, 9B Division 6th Main Davanagere.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 29-12-1983

Scal:

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 28th December 1983

C.R. No. 65/Notice No. 655/83-84/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 155/1+155/2 Agricultural Lands situated at Harihar Tuluk Kosaha Guttur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at Harihar under Document No. 292/83-84 on May

1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ,namely :-

(1) Mr. B. P. Basappa and Mr. B. P. Katrappa Sons of Mr. Parappa. 3 Division Harlapur Extesion Haribar

(Transferor)

(2) 1, Mr. Laiminarayan

S/o Mr. Hanumanthapa, Haribar.

2. Mr. H. Halappa S/o H. Bosappa

Mr. G. P. Palakshappa S/o Mr. Gundappa,
 Mrs. N. S. Kamal W/o Subhus chandra

5. Mrs. Tukkamma W/o B. P. Kolrappa.

6. Mrs. Kalamma W/o B. P. Basappa 7. Mr. Nekkanti Krishnamurty S/o Mr. Satyam, 8. Mr. K. M. Shivanan Dev

All of them residing at Coo Sumalli Bharamappa, Halladakari Harihar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 292/83-84 Dated May 1983 ) Agriculural Land, under Survey No. 155/1, 155/2 situated at Harihar Taluk, Kosha, Guttur Village (Tosal 4 acres and 31 guntas).

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 28-12-1983

Seul:

#### FORM ITNS ...

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, -BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

Ref. No. C.R. No. 62/Notice No. 656/83-84]ACK|B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 171/1 Agricultural Lands of 6 areas and 22 Guntas situated at Hikkeri Village Yelimuroli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hukkeri under Document No. 151/83-84 on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

I. Mr. Bala Chandra Neclkanthappa Pattanshethi
 Sow Shailaja Balachandra Pattanshethi
 Both are resident of Hukkeri Taluk, Hukkeri Dist.
 Belgaum

(Transferor)

Mr. Basavanni Nallappa Doddalingannawar
 Mr. Shankar Nallappa Doddalingannawar; and
 Mr. Dundappa Nallappa Doddallingammawar all are resident of Yelimoroli Talluk, Hokkeri Dist Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Registered Document No. 151/83-84 Dated May 1983]
Agricultural land of 6 acres and 22 Guntas situated at Yelimuroli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore.

Date : 5-1-1984, Seal ;

#### 4123

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

C. R. No. 62' Notice No. 657, 83-84 ACQ B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop Cum Godown No. 5-1-38 situated at Guuj Bhalki. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhalki under Document No. 440/83-84 on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Pralahad §/o Gangaram Biyas, Bhavaniprasad, resident of Bhalki now at Bidar (Transferor)
- (2) Mr. Nagshetty S/o Kantappa Jaje Resident of Bhalki, Taluk Bhailki Bidar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1Registered Document No. 440/83-84 dated May 1983]

Shop Cum Godown No. 5-1-38 East-West 15 North South110/situated at Gunj Bhalki.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-1-1984, Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 29th December, 1983

C.R. No. 62/Notice No. 658/83-84|Acq.[B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ard bearing No.

Plot No. 98 situated at Khanapur Road Belgaum

Plot No. 98 situated at Khanapur Road Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Belgaum under Document No. 380/83-84 on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Mr. H. Madhukar Saraf
 Mr. Mahesh Madhukar Saraf
 Both R/o "Ram Nivas" Khanapur Road,
 Tilakwadi Belgaum.

(Transferor)

 Mr. Madhav Venkaji, Kulkarni R/o H. No. 217, Ganesh Chowk, Hindwadi, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 380/83-84 Dated May 1983]

Plot No. 98 and R.C.C. New Building at Khanapur Road, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-1-1984, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

Ref. No. 62/Notice No./659/83-84. Acq/B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey Chaka No. 1 situated at Altinho Panaji, Tiswadi Taluk Ilhas Gon

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas under Document No. 330/83-84 in May 1983

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
70—466GI/83

- Mr. Edgar Francisco putificação Valles and
   Maria Ducha Aida fose Florinda Dias Vallacs

   Both residing at Santa Inez, Panaji, Goa
   (Transferor)
- .(2) M/s. Devasri Real Estate Developers represented by Mr. Vasudeva Vantanka Sinci Denpo Panaji, Goa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 330 83-84 dated May 1983]
All that piece and parcel of 1 and of the property known as "Parte soil Do Iote N" admeasuring 3,385 sq. ms. situated at Altinho Panaji Tiswadi Taluk Sub District Ilhas District Goa

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-1-1984.

(1) Mr. Mahadev Gaupat Patil R/o Bharwad Dharwadi Distt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mr. Mallappa Nagappa Killed, R/o Solaki Village Saundatti Taluk Belgaum Distt.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Bangalore-560001, the 5th January 1984

BANGALORE-560 001

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Objections if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

C.R. No. 62/Notice No. 660/83-84./ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land of 13 acres and 14 Guntas situated at Soadirni.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act 1700 (10 of 1700) ... the of the Registering Officer at Parasayad under Document No. 229/83-84 in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or - 1 '

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Registered Document No. 299/83-84 Dated May 1983) Agricultural Lands of 13 acres and 14 Guntas at Soundatti Belgaum Distt. (Survey No. 285)

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 5-1-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560001.

Bangalore-560001, the 5th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 662 : 83-84, ACQ, B. -Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural lands measuring 7 acres and 11 guntas land survey No. 17/2 situated at Rajeshwar Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hasbeen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Basawakalyar under Dovument No. 358/83-84 in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Mallikarjun S/o Chanveerappa. Patil R/o Rajeshwar.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Rayces S/o Md. Rasool Minor u/g of Mod. Rasool s/o Bandelisab R/o Rajeshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 358/83-84 Dated May 1983)
Agricultural lands measuring 7 acres and 11 Guntas situated at Rajeshwar Village

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1984,

FORM TINE --

NOTICE UNDER MICHON 269D(1) OF THE INCOMPTAN AND 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 5th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 663/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the competent authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to before that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural Lands of 10 acres and 36 funtas survey No. 52/1 situated at Bambalwada (15 1/3 Share in hall) and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkedi under Document No. 200/83-84 in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Tammaji Govindaras Dishpavde R/o Bambalwada Chikedi Taluk Belgaum District

(Transferor)

(2) Mr. Rachappa Shiyappa Kamate, Bambal wada Post Chikadi Taluk Belgaum Dist,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afo esaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of police on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 200/83-84 Dated May 1983)

Agricultural lands of 10 acres and 36 Guntas situated at Bambalwada (his 15 1/3 share in hall) Chikadi Taluk Belgaum Dist (survey No. 52[1)

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-1-1984.

#### FORM ITNS ----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE,

#### BANGALORE-560001.

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

C.R. No. 664/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Irrigated Agricultural lands of 10 acres and 36 guntas

situated at Bamkal wada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkodi under Document No. 201/83-84 in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Mr. Tamaji Govindrao Dashpande R/o Bamkalwada Chikkodi Taluk Belgaum Distt.

(Transferor)

(2) Mr. Bharmappa Shivappa Kamate, R/o Bamkalwada Chikkodi Taluk Belgaum Distt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable \* property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 201/83-84 Dated May 1983)

Irrigated Agricultural lands of 10 acres and 36 Guntas situated at Bamkalwada with 1/3 share in hall) Chikkodi Taluk Belgaum Dist.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date :5-1-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560-001.

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 665/83-84/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Irrigated Agricultural Lands of 10 acres and 36

Guntas situated at Bamkalwada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registereding Officer at Chikkodi Under Document No. 202/83-84 in May 1983

Chikkodi Under Document No. 202/83-84 in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Tammaji Govindrao Deshpande. R/o Bamkal Wada Chikkodi Taluk Belgaum Distt.

(Transferor(s)

(2) Mr. Shankar Shiyappa Kamate R/o Bamkal Wada Chikkodi Taluk Belgaum Distt.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 202/83-84 Dated May 1983.] Irrigated Agricultural Lands of 10 acres and 36 Guntas along with 1/3 share in well situated at Bamkalwada, Chikkodi fuluk, Belgaum Dist.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-1-1984.

(1) Mr. Krishnaji Govind Kurktani Mr. Vankacesn Govind Kulkacni R/o Same mank Athani Belgaum Disit.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

(2) Mr. Annasad Appasaheb Patil R/o Ail hanur Raibag Taluk Belgaum Dist.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- C. R. No. 62/Notice No. 666/93-84/Aca./B.—Whereas, I. MANJU MADHAYAN.
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agricultural Lands of 10 acres and 15 Guntas

Survey No. 15, situated at Alkhanur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Raibag under Document No. 160/83-84 in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whiche me period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wahin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Pegistered Document No. 160/85-84 Dated May 1983.] Agricultural Lands of 10 acres and 15 Guntas situated at Alkhanur.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the soid Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-1-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE,

#### BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 667/83 84/Acq./B.—Whereas, 1, MANUU MAUHAYAN,

being the Competent Authority under Section 268B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act ), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

\*Agricultural Lands of 10 acres and 7 Guntas,

Survey No. 151 situated at Alkhanur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 2697.B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Office at Raibag Under Document No. 161/83-84 on May 1583.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Mr. Krishnaji Govind Kulkarni M.. Venkatesh Govind Kulkarni Both R/o Satti, Athani Taluk, Belgaum Distt.
- (2) Mr. Balasaheb Appasaheb Patil, R/o Alkhanur Raibag Taluk

Belgaum Distt.

Transferor(s)

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 161/83-84 Dated May 1983]. Agricultural Lands of 10 Acres and 7 Guntas situated at Alkhanur.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax AcquisitionRange, Bangalore.

Date : 5-1-1984 Seal :

71-466 G1/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. Krishnaji Govind Kulkarni Mr. Venkatesh Govind Kulkarni R/o Satti, Taluk Athari Belgaum Distt.

Transferor(s)

(2) Mr. Surendra Appasaheb Patil R/o Alkhanur Raibag Taluk. Belgaum Distt.

Transferce(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

C. R. No. 62/Notice No. 668/83-84/Acq./B.—Whereas J, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Lands of 10 acres 5 Guntas

situated at Alkhanur

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Officer at Raibag Under Document No. 162/83-84 on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said Net, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 162/83-84 Dated May 1983.1 Agricultural Lands of 10 acres and 5 Guntas situated at Alkhanur.

MANJU MADHAVA.
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Incometa:
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1584.

#### FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. Abdul Majeed
 S/o. Md. Lomad Sab.,
 R/o Naya Mohella,
 Mominpura, '8' Bulbarga.

(2) Mr. Gulam Ahmed Nujahid S/o Hohd. Hassan Sab., R/o Naya Mohella, Mominpura, 'B' Bulbarga. (Transferor(s)

Transferor(s)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 669/83-84/Acq./B.—Whereas, 1, 'AnJU MADHAVAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25000/- and

bearing No. 7-974/3, situated at Naya Mohella, Mominputa 'B' Gulbarga

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

unger the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Officer at Gulbarga Under Document No. 705/83-84

fay 1983

the consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 705/83-84 Dated May, 1983.]
House bearing Corporation No. 7-974/3 situated at Naya Mohella, Mominpura 'B' Gulbarga Consisting of 5 Rooms in Ground floor and 2 rooms in I floor.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-1-1984.

#### FORM I.T.N.S.-

Mr. Balamma.
 W/o Hanuman Thappa
 R/o Tartile Station Bazar,
 Gulbarga.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mr. Ramu
 S/o Shri Hanumanth
 R/o Tartile Station Bazar,
 Gulbarga,

Transferee(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 670/83-84/Acq./B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 1-972/1A situated at Tartile station Bazar,

Gulbarga,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gulbarga Under Document No. 687/83-84 on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

fa) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this now in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the are Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 687/83-84 Dated May, 198, House No. 1-972/1A situated at Tarfile Station Baza Gulbarga.

MANJU MADHAVA
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-to
Acquisition Range, Bangalor

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-1-1984.

#### FORM ITHS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

Ref. C.R. No. 62/Notice No. 671/83-84/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 92 situated at Azadpur Tq. and Dist. Gulbarga

(Middle portion)

(and morefully described in the schedule annexed hereto, has

been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Gulbarga under Document No. 385/83-84 in May ,1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Mr. Navalchand, S/o Nanchand Mehta, Retd. Life Resident of Stan Area, Near Court, Gulbarga.

(Transferor)

 Mrs. Seetabi, W/o Tukaram Sirshaiye, Gulbarga.

 Mrs. Nagrabai, W/o Govind Rao Sirshaiye, R/o Brahampurgulb.

 Laxman, S/o Govind Rao Sirshaiye, Minor d/o of his Grand Mother Mrs. Seetabai, Gulbarga.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 92 measuring 10 Acres situated at Azadpur Tq. and Distt. Gulbarga (Registered Document No. 385/83-84 dt. May, 1983).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistan' Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-1-1984

#### FORM ITNS----

(1) Mr. Gurappa, S/o Ranappa Tilgud, M.S.K. Mals Area, Gulbarga.

Transferor(s)

(2) Mrs. Aysha Bi, W/o Mohd Hussain Sah, R/o Kirangi Taluk, Distt. Gulbarga,

Transferec(s)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

Ref. C.R. No. 62/Notice No. 672/83-84/Acq/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

Land Survey No. 363 situated at Village Kirangi Tq. & Distt. Gulbarga.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gulbarga under Document No. 277/83-84 in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforeship property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) he any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

[Registered Document No. 277/83-84 Dated May 1983.] Agri, Land Survey No. 363 measuring 21 acres and 16 guntas (with Revenue Assessment of Rs. 39.16 P) situated at Village Kiranj Taluk & Dist. Gulbarga.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Acquisition Range, Banga'ore Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date: 5-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th January 1984

Ref. C.R. No. 62/39712/83-84/Acq/B.— Whereas, I, MAN.U MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 44/1, situated at 13th Cross, I Block, Rajajinagar, Bangalore

tand more fully described in the Schedule annexed tereto), has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at at Rajaijnagar on 16-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid p operty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. C. Soudappa, No. 951, D. Hird Cross, Il Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.

Transferor(s)

(2) Smt. Sharada Chandrakauth,
No. 1524, 39-F-Cross,
22nd Main Road, I Block, Jayanagar,
Bangalore-11.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms und expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 549/83-84 Dated 16-5-1983.]
Portion of property bearing No. 44/1, situated at 13th Cross, I Block, Rajajinagar, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th January 1984

Ref. C.R. No. 62/39713/83-84/Acq/B.---Whereas, J. MANJU MADHAVAN,

b ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 44/1, situated at 13th Cross, I Block, Rajajinagar,

Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 685/83-84 on 17-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) K. C. Soundappa, No. 951, Dillid Cross, H Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.

 Shri K. S. Chandrakanth, No. 86, 13th Main Road, IV Block, Jayanagar, Bangalore.

Transferee(s)

Transferor(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 685/83-84 Dated 17-5-1983]
Portion of property bearing No. 44/1, situated at 13th Cross
Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, aBngalore.

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th January 1984

Ref. C.R. No. 62/39724/83-84/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

ing the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 44/1 situated at 13th Cross, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). . been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Rajajinagar under document No. 815/83-84 on 17-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair het value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act. to the following namely :---

2-466GI/83

Shri Sandappa S/o Shri Chikkanna, No. 951, D-3rd Cross, 2nd Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.

Transferor

(2) Smt. Sharada Chandrakanth, W/o Shri K. S. Chandrakanth, No. 1524, 39-F Cross, II Main Road, IX Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Dated 17-6-1983] [Registered Document No. 815/83-84 Portion of property bearing No. 44/1, situated at 13th Cross, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-1-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th January 1984

Ref. C.R. No. 62/39725/83-84/Acq/B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 44/1, situated at 13th Cross, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajajinagar under document No. 810/83-84 on 25-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Sh. K. S. Sandappa, \$\int 0\$ Chikkanna, No. 951, D-3rd Cross, II-Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.
  - Transferor
- Shri K. S. Chandrakanth,
   S/o N. Sreenivasa Rao,
   No. 86, 13th Main Road, 4th Block,
   Jayanagar, Bangalore-11.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 810/83-84 dt. 25-5-1983). All portion of property bearing No. 44/1 situated at 13th Cross, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore,

Dato: 13-1-1984

- - -

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. S. Ranganathan, High Clove Stud, Hoskote.

(Transferor)

Dr. G. N. Bulgaunawar, M. S. Chikkauna Gowder, 690/1, IV Cross, K. B. Extension, Davangere,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

Ref. C. R. No. 62/38823/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at 18 Cross, 10th Main, Sethur Extension,

Malleswaram, Bangalore-3

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar on 11-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 598/83-84 dated 11-5-1983) Property bearing No. 22 situated at 18th Cross, 10th Main, Sethur Extension, Malleswaram, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-1-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

Ref. C.R. No. 62/38424/83-84/ACQ/B.—Whereas, J, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing "

No. 14 Old No. 10, situated at Basettypet, Pattegar Lane, (B.V.K. Iyengar Road), Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Sri N. V. Naujundappa,
 N. V. Nataraj & others,
 No. 11, Pattegar Lane,
 (B.V.K. Jyengar Road),
 Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Shanthi Bai, No. 67/76, Mamulpet, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 368/83-84 dated 2-5-83)
Property bearing No. 73 to 79, D. Nos. 31-A, 31-B, 31-AB-Pattegar Lane (B.V.K. Iyengar Road), Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

Ref. C.R. No. 62/83271/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 73 to 79, D Nos. 31-A, 31-B, 31-AB-2, 31-C to 31-H, situated at St. John's Church Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believs that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri R. Dhavantaraj Chetty, 2. Smt. R. Dhanvantaraj Chetty, No. 6, Roberston Road, Frazer Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri J S. Ramesh 2. J. S. Ananth
3. J. S. Venkatesh,
No. 64, Sunkalpet, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 377/83-84 dated 9-5-1983)

Property bearing No. 73 to 79, D. Nos. 31-A, 31-B, 31-2, 31-C to 31-H, situated at St. John's Church Road, Banga-

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1984

Sen1:

#### FORM ITNS----

 Shri A. C. Neal S/o Late J. R. Neal, No. C/63, Jeevanbhimanagar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Chandrakantha W/o S. R. Laxman, No. 19, G. K. Templle Street, Chickpet, aBngalore, Bangalore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

Rcf. C.R. No. 62/38878/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 12, Old No. 11, situated at II Cross New Mission Compound Layout Bangalore Div No. 38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at

Basavanagudi on 30-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 943/83-84 dated 30-5-1983) Vacant site No. 12, Old No. 11, II Cross, New Mission Compound Layout Bangalore, Div. No. 38.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '---

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

Ref C.R. No. 62/39719/83-84/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 7/57/1 (North Portion) situated at
14th 'A' Cross, Kodi Basavanna Temple Road.

VI Block, Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 11-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri N. Siddaiah, 2. S. Umapathy 3. S. Basavaraj, 4. S. Ramakrishna, No. 112-B, Bapujinagar, Mysore Road, Bangalore-26.

(Transferor)

(2) Smt. Tarabai, No. 14, Magadi Main Road, Bangalore-23.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 613//83-84 dated 11-5-1983)

Property bearing No .7/57/1 (North Portion) situated at 14th 'A' Cross, Kodi Basavanna Temple Road, Rajajinagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

C.R. No. 62/39718/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7/57/1 (South portion)

situated at 14th-A-Cross, Kodi Basavanna Temple Road,

VI Block, Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar on 11-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :--

(1) 1. Shri N. Siddiah, S. Umapathi,
 S. Basavaraj 4. S. Ramakrishna, No. 112-B, Bapujinagar, Mysore Road, Bangalore-26.

(Transferor)

(2) A. Tejraj, No. 14, Magadi Main Road, Bangalore-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 611/83-84 dated 11-5-1983) Property bearing No. 7/57/1 (South portion) situated at 14th 'A' Cross, Kodi Basavanna Temple Road, Rajajinagar,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-1-1984

Seal :

Bangalore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

 Shri N. Lakshminarasinhaiah, No. 499, Veena Sheshanna Road, 4th Cross Kemparanja Agrahara, Mysore-1.

(Transferor)

(2) Smt. V. Lalitha, Venkatapuram Village, Tirutani Taluk, Chingalpet Dist. Tamilnadu.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

Ref. No. C.R. No. 62/39708/83-84/ACQ/8.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-a'td bearing No.

101/20 situated at Banashankari 1st Stage, I Block Bangalore Div. No. 31

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 16-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
73—466GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in. L. said in. L.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 634/83-84 dated 16-5-1983)

Vacant site No .101/20, 1st Block, Banashankari 1st stage, Bangalore Div No 31.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 13-1-1984

Seal :

### FORM I.T.N.S .-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

C.R. No. 62/38042/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

16, situated at T. N. Setty I ane, Avenue Road Cross

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 23-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Rajamma, No. 2975, Shantha Krupa, Mariappanapalya, Rajajinagar II Stage, Bangalore-21.

(Transferor)

(2) Shri B. Vishwanathiah, No. 134, 35, I Main Road, 1 Block, Jayanagar, Bangalore-21.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 623/83-84 dated 23-5-1983) All that property bearing No. 16, situated at T. N. Setty Lane, Avenue Road Cross, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, (tamely :---

Date: 13-1-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

C.R. No. 62 39797/83-84. ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 629, situated at 11th Main, HAL II Stage Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 5-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

j(1) Shri H. A. Chikka Abbaiah, D. Hosahalli, Hoskole Tlq. Bangalore Dist.

(Transferor)

(2) Shri V. Ramegodwda,
 And Smt. Anjana.
 C/o Sri Munnegowda,
 Bangalore.
 H. No. 629, 11th Main HAL II stage,
 Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 334/83-84 dated 5-5-1983) Site No. 629, 11th Main Road, HAL II Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 13-1-1984

### FORM NO. I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMERCIONER OF INCOME TAX A JOINTHON RANGE, BANGALORE-560001

Bangalote-300501, the 13th January 1984

Notice No. 680.—Wher.as, I, MANJU MADHAYAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tart, Acquisition Range, Bangalore being the Compitant Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 10.2 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a tax market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agricultural land bearing block No. 353 (Part) and 355 (Part) situated at Galnamagatti Village, Hubli Taluka (and more furly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 328 on 19-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transceror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shivarudrappa, S/o Gangadharappa Kulkarni,

2. Shiyaputrappa,

S/o Gangadharappa Kulkarni3. Chandrasekharppa

S/o Gangadharappa Kulkarni
4. Subhashachandra

S/o Gangadharappa Kulkarni R/o Gamanagatti Village Hubli Taluka.

(Transferor)

(2) Shri F. D. Sali, Teacher, Chairman, the State Government Employees' Co-op. Housing Society Ltd., V. Vijenagar, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 328/83-84 dated 19-5-1983)

Agreultural land bearing block No. 353 (Part) and 355 (Part) for housing Colony in Gamanagatti village within the Corporation limits of Hubli Dharwar Corporation area, Hubli Taluka Dist, Dharwar.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 13-1-1984

Scal:

(1) 1. Smt. Alaka Shankar Lagu, 2. Shri Kiran Shankar Lago, R/o Gondhali Galli, Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Shri Balasaheb Appasaheb Patil, 1602, Mahadev Galli, Belgaum.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

Notice No. 673.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Residential Building bearing door No. 1602

transfers with the object of :--

situated at Mahadev Galli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 575 on 17-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 575 dated 17-5-1983) A residential Building bearing Door No. 1602 situated at Mahadeo Galli, Belgaum.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :---

Date: 13-1-1984

Scal:

 N. Nazir Ahmad.
 Power of Attorney holder of his family members R/o 71, Wathucattan Street
 Periamer-Madras,
 Now at Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th January 1984

Noice No. 674.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. Nos. 643, 644, 637/2 and 638 situated at Machhe Village Tq. & Distt. Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 493 on 12-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Shafi Abamad, Raja Abamad Markar,
 Smt. Shazad Begum W/o Shali Abamad Markar of 218-M Scafall Road Cross Cadel Road,
 Mahim Bombay-400016
 Today at Belgaum,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 493/83-84 dated 12-5-1983)

Open plot with two houses, bearing Sy. No. 643, 644, 637/2 and 638 situated at Machhe Village Taluka and Distt. Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 2nd January 1984

Notice No. 675.—Whereas, I. Mrs. MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. lands bearing Sy. No. 38/A, 39/I situated at Kasasa Hubli Henjagondanachally Arasiken Taluk

Arasiken Taluka

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arasiken under document No. 220 on 26-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

 Rangappa S/o Shri Mariyappa
 Erappa
 Zajaru village, Kasasa Hubli Arasiken Taluka, Hassan Distt.

(Transferor)

(2) Shri S, V. Ramaiah Setty The trustee of "Davasam Trust" C/o Sri. Balaji Traders Coconut Merchant Arasikon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter YXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 220/83-84 Dated 26-5-1983)

Agricultural lands situated in Karasa Hubli, Henlagon-danahally Arasiken Taluka bearing Sy. No. 38/A & 39/I.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pangalore.

Date: 2-1-1984

Seal ;

### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGLORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 2nd January 1984

Notice No. 676.—Whereas, I, Mrs. MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land & Building bearing C.S. No. 1610/2C/3A

situated at Gadag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Gadag under Document No. 297 on 11-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohommad Aslam S. o Abdul Rahaman Mujawer, Hallikeri Gali Bijapur
 Sayed Hussan Shahusain S/o Abdul Ruhaman Peerajada Irrigatiow Department Ramadurg, Belgaum Dist.

(Transferor)

(2) Shankar Gowda S/o Ayyan Gowda Gowdar, Sangameshwar Bhojanalaya, Jadag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 297/83-84 Dated 11-5-1983) Land and building bearing C.S. No. 1610/2C/3A situated in Gadag Taluka Gadag site measuring 467-5/9 yards Built up area  $75 \times 21.10$  with stairs 50% of which has been purchased i.e. 1/2 in the house & in the Land.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Baggalore.

Date: 13-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 2nd January 1984

Notice No. 677.—Whereas, I, Mrs. MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land & Building bearing C.S. No. 1610/2C/3A

74-466GI/83

situated at Gadag (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadag under document No. 303 on 12-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Shri Mohmmad Aslam S/o Abdul Raheman Mujawar M. Aslam Hallikeri ori Gali Bijapur. Bijapur. 2. Sayed Hussaini Shahusaini S/o Abdul Raheman sab peerajada Irrigation Department Ramadurga Belgaum Dist.

(Transferor)

(2) 1. Sri Sharanappagowda 2. Sri Sangenagoude S/o Shanfler Gowda Godar alias Patil Near Bus Stand, Sangameshwar Bojanalaya, Gadag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. C.S. No. 303 Dated 12-5-1983) Land & Building bearing C.S. No. 1610/2C/3A situated in Godag site measuring 467-5/9 yards Built up area 75×21.10 with up stairs site of which has been purchased i.e. 1/2 in the house & in the land

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE BANGLORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 2nd January 1984

Notice No. 678.—Whereas, I, Mrs. MANJU MADHAVAN,

of transfer with the object of-

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 217 situated at Minajagi village in Muddebihal Taluka situated at Minajagi Vinage in Muddebinal Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muddebinal under document No. 200/83-84 on 24-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shirayogappa Bagappa Nimbal 2. Gurulingappa Bagappa Nimbal Both R/o Minajagi To Muddebihal Dist. Bijapur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Basanagouda Malakanagouda Patil 2. Smt. Sujata Malakanagouda Patil Both R/o Bhagawat Chawl Godabolc Mala Bijapur

3. Shri Dayanand Basagouda Patil C/o A. B. Patil Advocate LIG 165 Mahentesh Nagar 4. Ramanagouda Mallanagouda Patil Smt. Sumitrasai Mallanagouda Patil

Both R/o C/o Kaveri Emporium Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLNATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 200/83-84 Dated 24-5-1983) Agricultural land bearing Sy. No. 217 situated at Minijagi village in Muddebihal Taluka.

> MANJU MADHAVAN Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range, Bangalore.

Date: 2-1-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGLORE-560 001.

Bangalire-560 001, the 2nd January 1984

Notice No. 679.—Whereas, I,
Mrs. MANJU MADHAVAN,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bungalore,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
C.S. No. 994, 995 & 999 situated at Ward No. III,
Diggeshwar Road Bijapur.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering officer at
Bijapur under document No. 486 on 16-5-1983,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-

tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jagadish Chandra Sekhar Yelamell, R/o Bijapur.

(Transferor)

(2) Shri Chandrasekhar Chanabasappa Yalameli Near Upali Burur Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 456. Dated 16-5-1983) Building bearing CS No. 994, 995 & 999 situated in ward No. III Siddeshwar Road, Bijapur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 26th December 1983

C.R. No. 62/R-83/Regn. No. 65/83-84/ACQ./B.—Whereas, I. Mrs. MANJU MADHAVAN.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat No. 9 situated at Krishnakamal Apartments Ponda, Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the scalars of the Registering Officer with the Competent Authority under Section 269AB in his office at Bangalore under Frogment No. 65/83-84, on 17-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Gopal Krishna Dovokar, Land Lord, Dharali, Ponda, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Francisco Xavier Mascarenhas and Mrs. Maria Robertina Jenzina Perejra, Santa Cruz, Ponda-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registored Document No. 65/83-84 dated 17-5-1983). Flat No. 9 at "Krishna Kamal Apartments" Ponda-Goa,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 26th December 1983

C.R. No. 62/R-436/37EE/83-84/ACQ/B.—Whereas, 1, Mrs. MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey Charta No. 135, 136 & 137 (Part) situated behind Hotel Woodlands, Margao, Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

with the Competent Authority under section 269AB in his Bangalore under Document No. 207/83-84 on 7-6-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mr. Minguel Furtado & Mrs. Helena Furtado, Margao—Salcete—Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Bernardino L-de souza, Alchria Menezes Buildings, Altinho Panjim Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 207/83-84 dated 7-6-1983).
Property known as "COMBA" bearing Survey Chatta
No. 135, 136 & 137 (Part) situated behind Hotel Woodlands Margao Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-12-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th December 1983

C.R. No. 62/R-473/37EE 83-84/ACQ/B.—Whereas, I, Mrs. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6 situated at "Krishna Kamal Apartments"

Dhavati-mal Ponda Goa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/

with the Competent Authority under Section 269AB in his

office at Bangalore under Document No. 299/83-84 on 13-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Gopalakrishna Kamlakar Dhavalikar, C/o M/s P. V. Bhandere and Co. Chartered Accountants, Dr. Almeidas Residence, Ponda Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Shrikant N. Nogvekar, S/o N. Nogvekar, Goldsmiths—"Ashirwad Building" Opp. Bandra Masjid, Bandra, Bombay-50.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 299/83-84 dated 13-7-1983)
Flat No. 6 "Krishna Kamal Apartments" Dhavati-Mal
Ponda Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-12-1983

### FORM ITNS----

 M/s United Builders, H. No. M. 35 Housing Board Colony, Alo—Behim Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Severina D'souza, P.O. Box 21998, Safat-Kuwait.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd January 1984

C.R. No. 62/R-602/37EE/83-84/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat in G-2, Ground floor "Pearl Apartments", situated at Porvorim—Berdez near O'coquirs Hotel Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at with the Competent Authority under Section 269AB in his office at Bangalore under document No. 430/83-84 on 10-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pube, lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 430/83-84 dated 10-8-83).
A flat No. G-2 Ground floor "PEARL APARTMENTS" bearing plot No. 18 situated at Porvorim Bardez Goa.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001,

Bangalore-560 001, the 3rd January 1984

C.R. No. 62/R-796/37EE/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. S. 2 II floor situated at "Pearl Apartments"

Porvorim Bardez Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at with the Competent Authority under Section 269AB in the office at Bangalore under document No. 601/83-84 on 3-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s United Builders, H. No. M-35 Housing Board Colony, Acto Betim Bardez Goa.

(Transferor)

Mr. Norberto J. Menzes. C/o Domino Camino Nemzer, H. No. I-54 Housing Board Colony, Acto Betim Bardez Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official. Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 601/83-84 dated 3-10-1983) A flat No. S-2 II floor "Pearl Apartments" bearing plot No. 18 situated at Porvorim Burdez Goa.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-1-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 16th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/294.—Whereas. 1, C. S. KAHLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Bazar Mai Sewan, Amritsar, fand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in May 1933, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-\*\* Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Harbans Lal Bhalla, adopted son of Smt. Jamna Devi w/o Sh. Nakoderia Mal r/o 807/2, Gali Lohan Wali, Katra, Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Punam d/o Surinder Singh c/o M/s Parkash Bros. Bazar Mai Sewan, Amritsar.

(Transferee)

(2) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

One property situated at Bazar Mai Sewan, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1787 dated 9-5-1983 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-75-466 G1/83

Seal: Date: 16-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 16th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/295.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Gate Bhagtanwala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in May 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Smt. Narinder Kaur w/o Sh. Hira Singh, Inside Gate Bhagtanwala, Amritsar.

(Transferor)

 Sant, Daljit Kaur w/o Sh. Harjinder Singh, Inside Gate Bhagtanwala, Amritsar.

(Transferee)

(2) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property with half share, situated at Bazar Chur Beri, Inside Gate Bhagtanwala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2730 dt. 30-5-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of IncomeAcquisition Range, Amritsar

Date: 16-1-1984

Scal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 16th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/296.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at Gate Bhagtanwala, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Narinder Kaur W/o Shri Hira Singh Inside Gate Bhagtanwala, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Kirpal Singh S/o Shri Narain Singh, Inside Gate Bhagtanwala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDLE

One property with half share, situated at Bazar Chur Beri. Inside Gate Bhagtanwala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2344 dated 20-5-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amri'sur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-1-1984

## FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 16th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/297.—Whereas, 1, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Bazar Batti Hattan, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market velue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- to facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sohan Lal S/o Shri Vashno Dass, Shalimar Bagh, New Delhi C/o Shri Sakander Lal Uraf Shri Sakatar Lal Jain S/o Shri Gian Chand Jain, Bazar Batti Hattan, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Raja Ram, House No. 2968 & 2973 Bazar Batti Hattan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

1, Shri Narinder Singh—Rs. 6/- p.m.

Shri Narinder Singh—Rs. 6/- p.m.
 Shri Raja Ram—Rs. 15/- p.m.
 Shri Puran Chand—Rs. 4/- p.m.

(4) Anw other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period de 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/4th share of property, situated at Bazar Batti Hattan, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1804 dated 9-5-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 16-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 16th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/298.--Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Bazar Batti Hattan, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred-

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Sohan Lal S/o Shri Vashno Dass Shalimar Bagh, New Delhi C/o Shri Sakandar Lal Uraf Shri Sakatar Lal Jain S/o Shri Gian Chand Jain, Bazar Batti Hattan, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chander S/o Shri Raja Ram, House No. 2968 & 2973 Bazar Batti Hattan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants as under:-

1. Shri Narinder Singh—Rs, 6/- p.m. 2. Shri Raja Ram—Rs, 15/- p.m. 3. Shri Puran Chand—Rs, 4/- p.m.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of property, situated at Bazar Batti Hattan, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1805 dated 9-5-83 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 16-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th January 1984

Ref. No. III-901/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

M.S. Plot No. 1362, H. No. 744D, Ward No. VIII, P. S. Ratu No. 197 situated at Mouza Lalpur, P.O./Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 27-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suresh Kumar Gaddodia S/o Sri S. B. Gaddodia

Sri Bhuneshwar Anuj,
 S/o SriKamal Nath Sahu,
 Both R/o Sahu Toli, Bahu Bazar,
 P.S. Lower Bazar, P.O./Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Sri Bhuneshwar Ahir S/o Sri Kamal Nath Sahu, Rt'o Jatin Chandra Road, P.S.-Lalpur, Dist-Ranchi.

(Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 12.98 kathas with structures situated at Mouza Lalpur, P.O.—Lalpur, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 3799 dated 27-5-83 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 9-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th January 1984

Ref. No. III-911/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Tauzi No. 156, Thana No. 6, Khata No. 57 Khesra No. 138 situated at Lohanipur (Kankerbagh) Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Nageshwar Singh,
 S/o Late Shri Deosharan Singh,
 Moh. West Lohanipur,
 P.S. & P.O. Kadamkuan, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar & Rajiv Kumar both Ss/o Sri Raghunath Prasad, Moh. Balkrishnaganj, P.S. Alamganj, P.O. Gulzarbagh, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 54 decimals situated at Lohanipur (Kankerbagh), Town & Dist. Patna and morefully described in Deed No. 4510 dated 20-5-83 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-1-1984

Scal :

### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th January 1984

Ref. No. III-904/Acq/83-84.—Whereas, I,

P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Tauzi No. 5123 Khata No. 458, Plot No. 1493, 1494, 1495 situated at Mainpura (Boring Patliputra Road) Patna-13 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer Patna on 7-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sri Raghunandan Rai S/o Late Sri Mukhalal Rai

2. Smt. Tileshwari Devi W/o Sri Raghunandan Rai

3. Shri Kumar Shailendra Kishore Sinha S/o Late Radha Krishna Yadav

Sri Mahendra Prasad
 S/o Late Radha Krishna Yadav
 All R/o Mandumpur,
 P.O. & P.S. Digha, Dist, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Kushum Gupta W/o Shri Chandra Bhan Gupta At Patliputra Colony, P.S. & P.O. Patliputra, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 101 Decimals situated at Manipura (Boring Patliputra Road) Patna-13 and morefully described in Deed No. 4086 dated 7-5-83 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th January 1984 Ref. No. III-907/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 85/18856, Khata No. 36, Ward No. 37 situated at Mouza Dhakanpura, Mohalla Gardanibagh, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Patna on 31-5-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naturally:—

76--466GI/83

(1) 1. Shri Saroj Nath Sarkar

S/o Late Surendra Nath SarkatShri Samindra Nath SarkatS/o Shri Saroj Nath Sarkat

Both R/o Iora Daha PS. Hirash Kund, Dist. Jaisore.

3. Smt. Rama Rani Roy W/o Shri J. M. Roy, At Gardanibugh Patna,

Smt. Vena Sen W/o Shri Pariprasan Sen,

At Alkapuri, P.S. Gardanibagh, Patna. 5. Shri Prasano Sarkar

5. Shri Prasano Sarkar
S/o Late Anil Nath Sarkar
R/o Jora Daha P.S. Hirash Kund,
Dist. Jaisore.
6. Smt. Manika Sarkar

Late Anil Nath Sarkar and

Smt. Gope Sinha W/o
W/o Shri P. Sinha,
Both R/o Dhanapur P.O. Danapur,
Dist. Patna,

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Devi W/o Shri Ram Narain Verma At Mohalla Naya Tola, P.S. Kadamkuan, Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Land measuring B Katha with double storyed building situated at Mouza Dhakanpura, Mohalla Gardanibagh, Town and Dist. Patna and morefully described in deed No 4756 dated 31-5-83 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBLY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 9-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th January 1984

Ref. No. III-905/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bihar, Patun, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Than No. 2 Tauzi No. 5123, Khata No. 458, Plot No. 1493, 1494, 1495 situated at Mainpura (Boring Patliputra Road) Patna-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 9-5-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been t oly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Raghunandan Rai

S/o Late Sri Mukhalal Rai . Smt. Tileshwari Devi

W/o Shri Raghunandan Rai
3. Shri Kumar Shallendra Kishore Sinha
S/o Late Radha Krishna Yadav

Sri Mahendra Prasad
 S/o Late Radha Krishna Yaday
 All R/o Mandumpur,
 P.O. & P.S. Digha, Dist, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini Gupta W/o Shri Ram Kumar Gupta At Patliputra Colony, PS and P.O. Patliputra, Patna, Dist. Patna.

(Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said in shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10½ Decimals situated at Mainpurt (Boring Patliputra Road) Patna-13 and morefully described in Deed No. 4133 dated 9-5-83 registered with D.S.R Patna.

P. K. DUBEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta:
Acquisition Range, Bihar, Patn,

Date: 9-1-1984

<u>anne de nome de la companya del companya de la companya del companya de la companya del la companya de la comp</u>

### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th January 1984

Ref. No. 11f-906/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Thana No. 2, Tauzi No. 5123, Khata No. 166, 190, C.S. Plot No. 1015, 1016, 1017, 1018 situated at Patliputra Colony, P.S. Patliputra, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Patna on 24-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vinecta Sinha W/o Sh(i Hariniwas Kumar Sinha 3 Hasal Road, Kadama-5, P.S. Kadma, Town Jameshedpur, Dist. Singhbhum (Bihar).

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Devi Agarwal W/o Shri Gopal Krishna Agarwal R/o Patliputra Colony, P.S. Patliputra, Patna-13.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovwhle property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 5 Katha situated at Mohalla New Patliputra Colony, P.S. Patliputra Town and Dist, Patna and morefully described in Deed No. 4616 dated 24-5-83 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 9-1-1984

Scal:

 Shri Mukhdeo Singh, S/o Late Ram Padarth Singh Moh. West Lohanipur, P.O. & P.S. Kadamkuan. Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th January 1984

Ref. No. III-910, Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBFY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing Tauzi No. 156. Thana No. 6, Khata No. 57, Khesra No. 138 situated at Lohanipur (kankerbagh), Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period o

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days, from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as giv in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 decimals situated at Lohanipur (K karbagh), Town and Dist. Patna and more fully describin Deed No. 4511 dated 20-5-1983 registered with D.s. Patna.

P. K. DUBE Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range, Bihar, Pat

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1984

Ref. No. CHD/26/83-84.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Plot No. 1217, Sector 34-C situated at Chandigarh, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Capt H. R. Sood S/o Shri Thakur Dass R/o H. No. F-22, Kalkaji, New Delhi, through his general power of attorney
 Satnam Singh Sethi S/o Shri Sohan Singh Sethi R/o H. No. 461 Sector 37-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Amarjit Kaur W/o Shri Hari Charan Singh R/o H. No. 1212 Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1217 Sector 34-C. Chandigarh. (The Property as mentioned in the registered deed No. 166 of May 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section, 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely:—

Date: 9-1-1984

1. OF 1.

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1984

Ref. No. CHD/28/83-84.--Whereas, I.

JOGINDER SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

H. No. 632 Sector 16-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ram Saroop Jairath S o Late Shri Nanak Chand Jairath Citizen of India R/o City of Calgary Province of Alberta Canada through his general attorney Shri Baldev Singh Hora S/o Shri I, S. Hora R/o A-26, Nataina Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) I. Shri Ramesh Malhotra S/o Shri Kundan Lal Malhotra

Mrs. Neelam Malhotra W/o Shri Ramesh Malhotra R/o H. No. 632 Sector 16-D, Chandigarh,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 632 Sector 16-D, Chandigarh. (The Property as mentioned in the registered deed No. 175 of May 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1984

Scal :

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th January 1984

Ref. No. CHD/83-84/29.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I udhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1612 Sector 36-D situated at Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Chandigarh in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Smt. Ishar Kaur r/o 648 Sector 33-B through Sh. Karnal Singh r/o 1625 Sector 18-D Chandigarh, (Transferor)
- (2) Sh. Omparkash Larta S. o Sh. Harbans Lal Latta S.D.O. Canal Colony, Hoshiarpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1612 Sector 36-D, Chandigarh. (The Property as mentioned in the legistered deed No. 179 of May 83 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

To the last all and experience and e

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th January 1984

Ref. No. I.DH/24/83-84.—Whereas, I JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Kothi No. 418-I. Model Town situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Ludhiana in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Jagtar Singh, Daljit Singh, Smt. Ram Kaur w/o and ss/o Sh. Buta Singh
r/o 1, 2, 3 Shastri Nagar Ludhiana
Through Local Commissioner
Sh. Gurdeep Singh Advocate Ludhiana.

(2) Sh. Manpreet Singh, Hardit Singh, Amarjeet Singh ss/o Sh. Himat Singh r/o 422-L, Model Town Ludhiana.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herely as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Kothi No. 418-L, Model Town Ludhiana. "The Property as mentioned in the registered deed No. 237 of May 83 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th January 1984

Ref. No. SML/1/83-84.—Whereas, I

JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of neome-tax Acquisition Range, Ludhiana ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/nd bearing No.

irst floor of Building city view, Jakhoo, situated at Simla and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 'imla in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the 'a' a has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prsons, namely:--

7-466GI/83

(1) Dr. Bal Ram Sofat s/o Sh. Gainda Ram Sofat R/O Holy Oak, Sanjauli, Simla-6.

(2) Sh. S. P. Kapoor s/o Sh. Balkrishan Kapoor, Kart of the HUF, r/o I-B-I Housing Board Colony, Richmond Estate-Jakhoo, Simla.

(Transferee)

(3) D.I.G. (enforct), Directorate of Enforcement, Simla (H.P.) First floor of Building city view, Jakhoo, Simla. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

First floor of Building city view, Jakhoo, Simla.

(The Property as mentioned in the Registred deed No. 238 of May 83 of the Registering Authority, Simla.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6-1-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th January 1984

Ref. No. CHD/23/83-84,---Whereas I JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 3368 Sector 35-D Chandigarh situated at

Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Charanjit Rai s/o Sh. Aya Ram r/o H. No. 3368 Sector 35-D Chandigarh through Sh. Ram Singh steno Sub-Judge 1st Class, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Inderiit Kaur w/o Sh. Satnam Singh r/o c/o Bombay Trading Co. Thangal Bazar Imphal (Manipur).

(Transferee)

(3) Sh. Ganpat Lal, Sh. Vijay Kumar r/o H. No. 3368 Sector 35-D Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald imme-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein: are defined in Chapter XXA of the ... Act, shall have the same meaning as gi in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3368 Sector 35-D Chandigarh.

(The Property as mentioned in the registered deed No. 1. of May 83 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SING Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range, Ludhiar

Date: 16-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th January 1984

Ref. No. CHD/33/83-84.—Whereas, I JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

SCF No. 12 Sector 18-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Raghbir Singh s/o Sh. Sant Singh permanent r/o V&P.O. Lola (Dashmesh Nagar) Distt. Amritsar and presently r/o H. No. 328 Phase II, Mohali, Disst. Ropar Punjab.
- (Transferor)

  (2) Sh. Bawa Tirath Singh s/o Sh. Bawa Sawan Singh,
  Smt. Ranjit Kaur w/o Bawa Tirath Singh,
  Bawa Harinder Singh s/o Bawa Tirath Singh,
  Bawa Inder preet Singh s/o Bawa Harinder Singh
  through his father and natural guardian
  Bawa Harinder Singh,
  Bawa Sukhinder Singh s/o Bawa Tirath Singh,
  Smt. Sukhinder Kaur w/o Bawa Sukhinder Singh.
  all r/o Kot Kapura Road,
  Mukatsar Distt. Faridkot.

(Transferce)
(3) Sh. Surinder Singh s/o Sodhi Bakhshish Singh,
Gopal Goel and Sanjay Goel s/o Sh. M. L. Goel,
Master Bhim Sen of Ramesh Band all
r/o SCF No. 12 Sector 18-C,
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCF No. 12 Sector 18-C Chandigarh,

(The Property as mentioned in the registered deed No. 233 of May 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16-1-1984

### FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. Parul Enterprises

(Transferor)

. . .

(2) Shri Vasudeo A. Palnekar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/1289/82-83.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 4 on 10th floor of Wing 'D' of Bldg., No. 3 at 'Damodar Park', L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

of the Registering Officer at Bombay on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, on 10th floor of Wing 'D' of Bldg. No. 3 at 'Daniodar Park' L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/924/83-84 dated 2-5-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1984

SenI:

1

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### NOTICE

### **ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1984**

#### New Delhi, the 18th February 1984

No. F.2/3/83-EI(B).—A combined competitive examination for recruitment in the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHBAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR. TIRUPATI, TRIVANDRUM AND VISAKHAPATNAM commencing on 5th August, 1984 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 18th February 1984.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annoxure J, para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories:—

Category I-Civil Engineering

Category II-Mechanical Engineering

Category III-Electrical Engineering

Category IV—Electronics and Telecommunication Engineering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below:—

## Category I—CIVIL ENGINEERING

## Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering
- Posts).

  (iii) Central Engineering Service. 15 (includes 2 vacan-
- cies reserved for S. C. and 1 for S. T. candidates).
- (iv) Military Engineer Services 68 (includes 11 va-(Building and Roads Cadre) cancies reserved for Surveyor of Works Cadre) S.C. and 5 reserved for S.T. candidates).
- (v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering posts).

- (vi) Central Engineering Service 5 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 for S.T. candidates)
- (vii) Assistant Executive Engineer (Civil) (P & T Civil Engineering Wing).
- (viii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

Group B-Services/Posts

- (ix) Assistant Engineer (Civil)
  P & T Civil Engineering
  Wing.
- (x) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio.

## Category II--MECHANICAL ENGINEERING (Group A-Services/Posts)

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineer.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (v) Indian Ordnance Factories 20 (includes 3 vacan-Service (Engineering Branch) cies reserved for S.C. (Mechanical Engineering and 2 reserved for S.T. candidates).
- (vi) Indian Naval Armament 4 (includes 1 vacancy Service (Mechanical Engi- reserved for S.C. canneering Posts). didates).
- (vii) Assistant Manager (Facto- 7 (includes 1 vacancy ries) (P & T Telecom. Factores organisation). Factores organisation). I reserved for S.T. candidates).
- (viii) Military Engineer Service 12 (includes 1 vacancy (Electrical and Mechanical reserved for S.C. and cadre) (Mechanical Engineer- 1 vacancy reserved ing Posts). for S.T. candidates).
- (ix) Workshop Officer (Mecha- 5 (includes 1 vacancy nical) in the Corps of EME, reserved for S.C. and Ministry of Defonce. 1 for S.T. candidates).
- (x) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).

- (xi) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts).
- (xii) Indian Supply Service (Mechanical Engineering Posts).
- (xiii) Indian Inspection Service 4 (includes 1 vacanc Group 'A' (Mechanical Engg. reserved for SC y candidates).
- (xiv) Post of Assistant Director 1 (vacancy reserved (Technical) Group 'A' (Mechanical Engg. Post) in the Department of Heavy Industry.

#### Group B-Services/Posts

(xv) Workshop Officer (Mechanical Engineering posts) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

#### Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

## Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts).
- (iii) Central Electrical and Me-4 (includes 1 vacancy chanical Engineering Sor-reserved for S.C. vice (Electrical Engineering candidates).

  Posts).
- (iv) Indian Ordnance Facto- 5 (includes 1 vacancy ries Service (Engineering reserved for S.C. Branch) (Electrical Engineering Posts).
- (v) Indian Service (Electrical Engineering Posts). Armament 4 (includes 1 vacancy reserved for S.T. candidates).
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).
  - (viii) Workshop Officer (Elec- 4 (includes 1 vacancy trical) in the Corps of reserved for S.C. EME, Ministry of De- candidates).

1

- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post).
- (x) Indian Supply Service (Electrical Engineering Posts).
- (xi) Indian Inspection Service, Group 'A' (Electrical Engg. Posts).

(xii) Military Engineer Service 20 (includes 3 vacan (Electrical and Mechanical cadre) (Electrical Engineer-ing Posts). 20 (includes 3 vacan cies reserved for S.C. and 2 for S.T. candidates).

#### Group B-Services/Posts

- (xiii) Assistant Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).
- (xiv) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.
- (xv) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

## Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNI-CATION ENGINEERING

#### Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/ Electronics Engineering Posts).
- (iii) Indian Telecommunication 150\*\*
  Service.
- (iv) Engineer in Wircless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications.
- (v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service.
- (vi) Indian Broadcasting (Engi- 18 (includes 4 vacancles reserved for S.C. and 1 for S.T. candidates).
- (vii) Technical Officer in Civil 6 (includes 2 vacan-Aviation Department. cies reserved for S.C. and 1 for S.T. candidates).
- (viii) Communication Officer in I (vacancy reserved Civil Aviation Department. for S.T. candidates).
- (ix) Indian Ordnance Factories 4 (includes 1 vacan-Service (Engineering Branch) cy reserved for S.C. (Electronics Engineering posts), candidates).
- (x) Indian Naval Armament 12 (includes 2 vacan-Service (Electronics Engineering posts). 12 (includes 2 vacancies reserved for S.C.
- (xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts).
- (xii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics and Telecommunication Engineering Post).

- (xiii) Workshop Officer (Electronics Engineering Post) in the Corps of EME, Ministry of Defence,
- (xiv) Indian Supply Service (Electronics/Telecommunication Engineering Posts).
- (xv) Indian Inspection Service, Group 'A' (Electronics Engg. Posts)

Group B-Services/Posts

- (xvi) Assistant Engineer in Overseas Communications Service.
- (xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence.
- (vviii) Technical Assistant (Group B, Non-Gazetted) in Overseas Communication Service.

The vacancies shown against Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics), Post of Assistant Director (Technical) (Mechanical Engineering Post) in the Department of Heavy Industry and Indian Broadcasting (Engineers) Service are Permanent.

The vacancies shown against all other Services and posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

Note:—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in Appendix I to the Rules.

- 3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/posts for which he applies.
- N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

They should note that they will be considered for appointment to those Services/posts only for which they express their preference and for no other Service/post.

... .. . ...

N.B. 2.—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS, COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL, ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (CF. PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. 3.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be eligible to compete only for the Services/Posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES FXAMINATION, 1984. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1984 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary. Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 16th April, 1984 (30th April, 1984 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, Lahaul & Spiti District of

\_\_ -- -- --

Himnchal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 16th April, 1984 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manlpur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 16th April, 1984.

- Note (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- NOTE (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rupees eighty only) [Rs. 20.00 (Rupees twenty only) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 54.00 (Rupees fifty four only) [Rs. 14.00 (Rupees fourteen only) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a condidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. If any candidate who took the Engineering Services Examination held in 1983 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1983 Examination, his candidature for the 1984 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that, the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of 1983 examination in the Employment News.
- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question papers in General Ability Test and two papers each in Civil Engineering, Mechanical Engineering Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering as included in the scheme of examination

at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Test, including sample questions, reference may be made to Candidates Information Manual at Annexure II.

B. S. JAIN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

## ANNEXURE I

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 5th July, 1984 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Person already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

78-466GI 83

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their applications shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
  - (ii) Attested/certified copy of Certificate of age
  - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational Qualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Castes/Schedule Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (vili) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILLL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN

EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1984. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION,

Note (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent alongwith application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and in para 6:

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee:—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

# (b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

### (ii) Certificate of Age:-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above. Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months, in such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary. Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/ CERTIFIED COPY OF THE PAGE CON-TAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST
FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR, AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrat/Dean of the College/University concerned certifing that he has passed the qualifying examination and compiled with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para I of the form of certificate given under Note 1 below.

Note 1:—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 31st October, 1984.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination.

- - Name of Institution

Where situated-

Designation-

Date----

\*Strike out whichever is not applicable.

Note 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in provise to Rule 6, must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

- (iv) Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance-Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N. B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(ii), 3(iv), 3(vi) and 3(vii) above without a reasonable explaination for its absence having been given, the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Lub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State

Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India,

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*
son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Sche-
duled Caste/Scheduled Tribe* under:—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay

Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1962\*

\_\_ -- --- ----

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*	*(ii) Shri/Shrimati/Kumari — has been continuously in temporary service on a regular basis under
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*	the Central Government in the post of in the in the
2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her*	*Strike out whichever is not applicable.
family ordinarily reside(s) in village/town*  of District/Division* of the State/Union Territory* of	Signature
Charles and	Designation
Signature	Ministry/Office
**Designation	,
(with seal of office)	Date
Place State/Union Territory*	Place
Date	(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now
*Please delete the words which are not applicable.	Bangladesh) claiming age concession under Rule 5(c) (ii) or 5(c) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that
Note—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.	he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates:	(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various
(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipen- diary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/ Extra Assistant Commissioner.	States;  (2) District Magistrate of the Areas in which he may, for the time being be resident;
	(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts:
†(Not below the rank of 1st Class-Stipendiary Magis-	Remonitation in their respective districts;
trate).	<ul><li>(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;</li></ul>
(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.	(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
(ili) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar;	(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian
(iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;	origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule $5(c)$ (iv) or $5(c)$ (v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in
(v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop- ment Officer, 'Lakshadweep'.	Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has mig- rated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
5. (i) A Government Servant claiming age concession under rule 5(b) should submit a certificate in Original from the Head of the Department/Office in the following form:—	(No.) A managed of Tables of the Tables of t
The form of certificate to be produced by the candidate.	(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c)(vi) or 5(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should pro-

holds a

Certified that

•(i) Shri/Shrimati/Kumari -

permanent post of \_\_\_\_\_ in the Office/Department of \_\_\_\_\_ with effect from \_\_\_\_\_

n Burma claiming c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certifled copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which be

may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June,

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c)(viii) or 5(c)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate:-

Certified that Rank No. ..... Shri .... ... of unit ..........was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with a foreign country in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

> Signature..... Designation..... Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

- (vi) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(c)(xiv) or 5(c)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.
  - (A) Applicable for Released/Retired Personnel.

It is certified that No. -- Rank -- whose date of birth is has rendered service from in Army/Navy/Air Force and he fulfils ONE of the following conditions :-

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on-

Name and Designation of the Competent Authority SEAL.

(B) Applicable for Serving Personnel.

Station

Date

- Rank-It is certified that No. -- whose date of birth is is serving in the Army/Navy/Air Force from-

He is due for release/retirement w.e.f. ---is likely to complete his assignment of five years by---- No disciplinary case is pending against him.

Station

Date

Name and Designation of the Competent Authority

SEAL

Authorities who are competent to issue certificate are as follows :---

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.

Army-Directorate of Personnel Services, Army Hqrs., New Delhi.

Navy-Directorate of Personnel Services. Naval Hqrs., New Delhi.

Air Force-Directorate of Personnel Sevices, Air Hgrs., New Delhi.

(b) In case of JCOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-Naval Records, Bombay.

Air Force—Air Force Records, New Delhi.

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(c)(x) or 5(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vin) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xii) or 5(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

- (ix) A displaced person from crstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(c)(xvi) or 5(c)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
  - Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
  - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
  - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), (iii), (iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Irrigation/Communication/Supply/Shipping and Tansport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

10. Every application including late one, recieved in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But, if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofusail

- 13. Communications regarding application.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION-SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
  - (i) NAME OF EXAMINATION.
  - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (iii) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (1)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER. IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT CUMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE II

## CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination in the papers in Section I under each Engineering discipline (viz Civil Mechanical, Electrical and Electronics & Telecommunication) in Appendix I to the Rules will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

## B. NATURE OF THE TEST

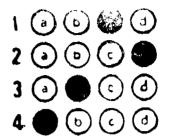
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one. your response will be considered wrong.

# C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces market, a. b. c. d. are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of

the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circle on the Answer Sheet.



#### IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a worng marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

# D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINA-TION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharper and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not

needed. Separate sheets for rough work with be previded to you on demand. You should write the name of the examination, your kind No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the mygnator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them, Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop, Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

(NOTE .- "denotes the correct/best answer-option)

## 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the cars is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

### 2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

#### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- \*(a) spraying with growth regulators
  - (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

## 4. (Chemistry)

The anhydride of H<sub>3</sub> VO<sub>4</sub> is

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub> O<sub>3</sub>
- \*(d) V2O<sub>5</sub>

### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal.
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

#### 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

## 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Albite
- (c) Anorthite

# (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$$
, is given by

- (a) y = ax + b
- (b) y = a×
- (c)  $y = ae^x + be^{-x}$
- $\bullet$ (d)  $y = ae^{x} a$

# 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a)73/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(34·4)
- (d) 3/(3 + 4)

## 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be:

- (a)  $4^2$
- \*(b) 3
- (c) œ
- (d) ---5

# 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

## 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- \*(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

## 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvākā Mimāmsa.
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka.

- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga.
- (d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā, Cārvāka.

# 14. (Political Science)

'Functional representation' means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Union.

### 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

# 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following

- \*(a) formal representations in village rnment
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (Questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.